छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

SUNDAY

रायपुर, रविवार, 14 जुलाई 2024

वर्ष - 66 | अंक - 89 | पृष्ठ - 12

मूल्य - 4.00 रु.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

प्रेस पंजीयन- 6072/59

डाक पंजीयन-सीजी/रायपुर संभाग/19/2021-23

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

जम्मू-कश्मीर में एलजी की शक्तियों में इजाफा संविधान व जनता के साथ बड़ा मजाक : कांग्रेस पृष्ठ 2

मड़ई
आषाढ़ ले आस हे पृष्ठ 6

भारत ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हराया, सीरीज पर बनाई बढ़त
रिकी पोंटिंग ने सात सीजन के बाद दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच पद से इस्तीफा दिया पृष्ठ 8

देश विदेश

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हैती में राजनीतिक मिशन के जनादेश को माना
- गाजा में मारा गया हमास का वरिष्ठ कमांडर
- तिब्बत पर अमेरिकी अधिनियम का चीन ने किया कड़ा विरोध

पृष्ठ 7

7 राज्यों की 13 सीटों पर उपचुनाव के नतीजे घोषित

'एनडीए' पर भारी पड़ा 'इंडिया' गठबंधन

इंडिया गठबंधन ने 13 में से दस सीटों पर की जीत दर्ज

- कांग्रेस और टीएमसी ने 4-4 सीटें जीतीं
- भाजपा को 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को कड़ी टक्कर देने वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया ने शनिवार (13 जुलाई) को आए नतीजों में बाजी मार ली. 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर विपक्षी दल अव्वल रहे और 10 सीटें जीतीं, जबकि लोकसभा चुनाव जीतकर रिकॉर्ड तीसरी बार सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी को सिर्फ दो सीटों से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आम आदमी पार्टी (आप) और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) इंडिया ब्लॉक की वो पार्टियां हैं, जिन्होंने पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु में हुए उपचुनावों में अपने उम्मीदवार खड़े किए।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने चार सीटें जीती

पंजाब में आप के मोहिंदर भगत ने जालंधर पश्चिम सीट पर 23,000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों ने सभी चार सीटों पर जीत दर्ज की। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर ने देहरा से चुनाव जीता है. इसके साथ ही कांग्रेस ने नालागढ़ सीट भी जीती है, जबकि हमीरपुर में बीजेपी के आशीष शर्मा विजयी हुए। पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने चार सीटें जीती हैं, जहां उसके उम्मीदवारों ने अपने विरोधी बीजेपी उम्मीदवारों को बड़े अंतर से हराया। तमिलनाडु में डीएमके के अन्नियुर शिवा ने विक्रवंडी विधानसभा सीट पर करीब 60,000 वोटों से जीत दर्ज की। उत्तराखंड में कांग्रेस उम्मीदवारों ने बद्रीनाथ और मंगलौर दोनों सीटों पर जीत हासिल की, जबकि मध्य प्रदेश में बीजेपी के कमलेश प्रताप शाही ने अमरवाड़ सीट पर जीत हासिल की।

जनता ने बताया, भाजपा नहीं चाहिए : कांग्रेस

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि विधानसभा उपचुनाव में 13 में से 11 सीट कांग्रेस तथा इंडिया समूह को देकर जनता ने एक माह में दूसरी बार साफ संदेश दिया है कि उसे अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नहीं चाहिए लेकिन भाजपा नेतृत्व की ऐंठ जस की तस बनी हुई है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

सीट	राज्य	जीती
रुपौली	बिहार	निर्दलीय
देहरा	हिमाचल प्रदेश	कांग्रेस
हमीरपुर	हिमाचल प्रदेश	भाजपा
नालागढ	हिमाचल प्रदेश	कांग्रेस
अमरवाड़ा	मध्य प्रदेश	भाजपा
जालंधर पश्चिम	पंजाब	आप
विक्रवंडी	तमिलनाडु	डीएमके
बदरीनाथ	उत्तराखंड	कांग्रेस
मंगलौर	उत्तराखंड	कांग्रेस
रायगंज	पश्चिम बंगाल	टीएमसी
रानाघाट दक्षिण	पश्चिम बंगाल	टीएमसी
बागदा	पश्चिम बंगाल	टीएमसी
मानिकतला	पश्चिम बंगाल	टीएमसी

> विधानसभा उपचुनाव के सकारात्मक परिणाम के लिए हम जनता के सामने नतमस्तक हैं। उन्होंने जहां-जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए वोट किया इसके लिए उनका तहेदिल से धन्यवाद और आभार : मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

> बीजेपी की ओर से बुना गया भय और भ्रम का जाल टूट चुका है। किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी और नौकरीपेशा समेत हर वर्ग तानाशाही का समूल नाश कर न्याय का राज स्थापित करना चाहता है : राहुल गांधी, लोकसभा में नेता विपक्ष

अयोध्या के बाद बद्रीनाथ भी हारी भाजपा

उत्तराखंड की मंगलौर और बद्रीनाथ सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनावों में राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है। जीत की खुशी पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, यह जीत राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की जीत है। दोनों विधायकों की जीत गंगा-जमुनी तहजीब की जीत है। यह जीत बीजेपी के द्वारा सनातन और ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

साय कैबिनेट ने अयोध्या धाम में किए श्रीरामलला के दर्शन

हम सबका सौभाग्य कि रामलला के दर्शन का पुण्य लाभ ले सके : साय

- उपहार में शबरी माता की भूमि शिवरीनारायण से बेर तथा जल, सीताफल विष्णु भोग का चावल अनारसा तथा करी लड्डू एवं कोसे के वस्त्र भेंट किए

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित उनके कैबिनेट के सदस्यों ने आज अयोध्या धाम पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर भाँचा राम के ननिहाल का उपहार भी प्रभु के चरणों में अर्पित किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ से शबरी माता की भूमि शिवरीनारायण से बेर तथा पवित्र जल, विष्णु भोग का चावल, अनारसा, करी लड्डू तथा कोसे के वस्त्र प्रभु को अर्पित किए।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रभु राम से छत्तीसगढ़ के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग पूरी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन के लिए आज अयोध्या धाम आए। भगवान श्रीराम हमारे छत्तीसगढ़ के भांजे हैं। भांचा राम के दर्शन के लिए हम लोग बहुत उत्सुक थे। भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से वो शुभ घड़ी आ गई है जब हम लोगों को अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमने अयोध्या धाम जाने का निर्णय लिया तो सोचा कि जब अपने भांजे के दर्शन के लिए जाएंगे तो उनके लिए ननिहाल की तरफ से क्या उपहार लेकर जाएं। फिर विचार आया कि इससे अच्छा उपहार भगवान श्रीराम के लिए क्या हो सकता है कि हम उस पवित्र भूमि शिवरीनारायण से बेर ले जाकर भगवान को भेंट करें, जहां के बेर खुद माता शबरी ने प्रभु श्रीराम को अपने हाथों से खिलाये थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय प्रदेश है। यहां माता शबरी और अनेक जनजातीय विभूतियों ने भगवान श्रीराम का स्वागत किया है। हमारी यह धरती धन्य है। यह अद्भुत संयोग है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल भी है और यह उनके वन गमन पथ का हिस्सा भी है। रामकथा से जुड़े विद्वान बताते हैं कि श्रीराम ने अपने वनवास के चौदह वर्षों में दस वर्ष यहीं गुजारे। उन्होंने रामायण के प्रसंगों से भी अपनी बात बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामायण के प्रसंग जनजातीय लोगों से श्रीराम के अद्भुत स्नेह तथा प्रभु श्रीराम के जनजातीय लोगों से अपार प्रेम की कहानी कहते हैं। रामलला के दर्शनों से अभिभूत मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम ने हमें रामराज्य का आदर्श दिया है। छत्तीसगढ़ में रामराज्य के आदर्श को लेकर हम चल रहे हैं। श्रीरामलला का दर्शन कर हमने प्रभु से अपने प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धाम श्रीरामलला दर्शन योजना के माध्यम से हमारे प्रदेश के बहुत से श्रद्धालु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

सार संक्षेप

हेमंत सोरेन ने सोनिया गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। सोनिया गांधी से इस मुलाकात के दौरान हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। सोनिया गांधी से मुलाकात करने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद सोनिया गांधी के साथ हमारी मुलाकात नहीं हुई थी। इसलिए मैं उनसे मिलने आया हूं।

शहीद की विधवा पर अश्लील टिप्पणी में प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली। कीर्ति चक्र पुरस्कार विजेता (मरणोपरांत) कैप्टन अंशुमान सिंह की विधवा स्मृति सिंह पर कथित अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा कि इस संबंध में राष्ट्रीय महिला आयोग की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 79 और आईटी अधिनियम 2000 की धारा 67 के तहत एक प्राथमिकी स्पेशल सेल थाने में दर्ज की गई है।

18 तक ईडी हिरासत में भेजे गए पूर्व मंत्री बी नागेंद्र

बेंगलुरु। स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को 18 जुलाई तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रुपए के घोटाले के सिलसिले में उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

बस ने ट्रक को मारी टक्कर, 3 की मौत

ओडिशा। ओडिशा के मयूरभंज जिले हैदराबाद से बिहार जा रही तीर्थयात्री बस दुर्घटना का शिकार हो गई। इस भयंकर हादसे में तीन लोगों की दुखद मौत हो गई, जबकि 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

उपचुनाव के नतीजों ने बढ़ा दी भाजपा की चिंता

विंध्यवासिनी त्रिपाठी

- केंद्रीय नेतृत्व नतीजों को लेकर बेहद सकते में
- कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सात राज्यों के 13 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के नतीजे सामने आ गए। भाजपा को महज दो सीटों पर ही जीत हासिल हुई है। इसके चलते पार्टी की चिंता बढ़ गई है। हालांकि औपचारिक रूप से नतीजों पर अभी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन चर्चा है कि केंद्रीय नेतृत्व इन नतीजों को लेकर बेहद सकते में है। सूत्र बता रहे हैं कि जल्द ही कई राज्यों के सांगठनिक ढांचे में बड़ा बदलाव किया जा सकता है। कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों को बदले जाने की भी चर्चा है। पश्चिम बंगाल व उत्तर प्रदेश को लेकर नई रणनीति बनाई जा सकती है। इसके अलावा तीन अन्य राज्य हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड को लेकर भी भाजपा नेतृत्व चिंतित है। जहां इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र में सरकार व साख बचाने की कठिन चुनौती है। तो झारखंड में वह वापसी के लिए पूरा ताकत झोंक रही है। लेकिन अभी तक राह आसान नहीं दिख रही है। बताते कि लोकसभा चुनावों में जहां भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने में नाकामयाब रही वहीं अब उपचुनावों में भी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। उपचुनाव में उसे सिर्फ दो सीटों पर ही सफलता मिली है। वहीं पश्चिम बंगाल के सभी चार सीटों पर टीएमसी को जीत मिली। यहां तक कि 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जिन 3 सीटों पर जीत हासिल की थी, उन्हें भी गंवा दिया है। हिमांचल प्रदेश की 3 सीटों में कांग्रेस को दो और भाजपा के हिस्से एक सीट आई है। उत्तराखंड की दोनों सीटें कांग्रेस के पाले गई हैं। मध्यप्रदेश के एक सीट पर उपचुनाव हुआ, वहां भाजपा को जीत हासिल हुई। तमिलनाडु ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

यूसीसी पर भाजपा पीछे हटी

लागू करने का जिम्मा राज्यों पर छोड़ा

केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने का असर दिखने लगा है। सरकार समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी पर पीछे हटती नजर आ रही है। शीर्ष सूत्रों ने कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संसद के माध्यम से यूसीसी लागू करने के लिए फिलहाल कोई विचार नहीं कर रही है। अब वह चाहती है कि राज्य इस पर खुद फैसला लें। सूत्र बता रहे हैं कि भाजपा शासित राज्यों में इसे लागू किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए राज्य विधानमंडल ही कानून भी बनाएंगे। पार्टी उम्मीद कर रही है कि उत्तराखंड के बाद अन्य भाजपा शासित ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

केंद्र सरकार का विधासभा चुनाव से पहले बड़ा फैसला

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को मिली दिल्ली जैसी शक्तियां

- अधिकारियों के स्थानांतरण व नियुक्ति करने जैसे फैसले कर सकेंगे

नई दिल्ली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में संशोधन करके उपराज्यपाल के अधिकार में बढ़ोतरी कर दी है। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल को भी अब दिल्ली के उपराज्यपाल जैसी शक्तियां दे दी गई हैं। इसके तहत अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल दिल्ली की तरह अधिकारियों के स्थानांतरण व नियुक्ति करने जैसे फैसले कर सकेंगे। केंद्र सरकार द्वारा किए गए बदलावों के बाद राज्य के लगभग सभी क्षेत्रों में उपराज्यपाल को अधिकार मिल जाएंगे। जिसमें वित्त विभाग की पूर्व सहमति की आवश्यकता होती है। केंद्र द्वारा अधिसूचना के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 में संशोधन किया है। इसके नए नियमों को अधिसूचित किया गया है। इसमें उपराज्यपाल को अधिक शक्ति प्रदान करने वाले नियम जोड़े गए हैं। इसमें 42 ए तहत कहा गया है कि कोई भी प्रस्ताव जिसके लिए अधिनियम के तहत पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के संबंध में वित्त विभाग की पूर्व सहमति जरूरी है, तब तक स्वीकृत या अस्वीकार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इसे मुख्य सचिव के माध्यम से उपराज्यपाल के समक्ष नहीं रखा जाता है। जबकि 42 बी में कहा गया है कि अभियोजन स्वीकृति देने या अस्वीकार करने या अपील दायर करने के संबंध में कोई भी प्रस्ताव विधि विभाग द्वारा मुख्य सचिव के माध्यम से उपराज्यपाल के समक्ष रखा जाएगा।

> जम्मू-कश्मीर के लोग शक्तिहीन, रबर स्टाम्प मुख्यमंत्री से बेहतर के हकदार हैं, जिन्हें अपने चपरासी की नियुक्ति के लिए भी उपराज्यपाल से भीख मांगनी पड़ेगी: उमर अब्दुल्ला, नेता नेशनल कांफ्रेंस

> इस आदेश ने जम्मू-कश्मीर की विधानसभा से सब कुछ छीन लिया है। वे इसे नगरपालिका में बदलना चाहते हैं। कल जम्मू कश्मीर में कोई सरकार बनती है, तो उसके पास कोई अधिकार नहीं होगा: महबूबा मुफ्ती, नेता पीडीपी

अधिकतर राज्यों में मानसूनी बारिश जारी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर के अधिकतर हिस्सों में मॉनसूनी बारिश हो रही है। कुछ राज्यों में भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात भी हो गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अभी दिल्ली-एनसीआर से लेकर उप्र-बिहार तक मॉनसूनी बारिश जारी रहेगी। पूरे उत्तर प्रदेश में मॉनसून कुछ ज्यादा ही मेहरबान हो गया है। कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। वहीं बिजली गिरने से कई लोगों की जान भी चली गई है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक उत्तर प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश होने की संभावना है। वहीं बिहार में भी कई जगहों पर बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान में अगले पांच दिन बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

नेपाल में केपी शर्मा ओली का सरकार बनाने का दावा

काठमांडू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने देश में नई सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया है और उन्हें रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। निवर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की सरकार ने शुक्रवार को नेपाल की संसद का विश्वास मत खो दिया। उसके बाद श्री ओली ने नयी गठबंधन सरकार बनाने की अपनी दावेदारी पेश की है। नेपाल के समाचार माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार श्री ओली को रविवार सुबह प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलायी जाएगी। काठमांडू से प्रकाशित अंग्रेजी अखबार 'माई रिपब्लिका' आज की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल कल आधिकारिक तौर पर श्री ओली को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे। प्रचंड सरकार के अल्पमत में आने के बाद श्री ओली कल शाम नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के साथ राष्ट्रपति भवन - शीतल निवास गए और नयी सरकार के गठन का दावा पेश किया। श्री ओली और श्री देउबा ने राष्ट्रपति को साझा पत्र देकर यूएमएल और एनसी के 166 सांसदों के समर्थन का दावा किया और और श्री ओली के नेतृत्व में नई सरकार के लिए आमंत्रित किए जाने का राष्ट्रपति से अनुरोध किया । श्री ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष देउबा ने संयुक्त रूप से एक आवेदन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रपति से प्रतिनिधि सभा में उनके बहुमत के साथ समर्थन का हवाला देते हुए श्री ओली को नया प्रधानमंत्री नियुक्त करने आग्रह किया गया। नेपाल की प्रतिनिधि सभा (आम मतदाताओं द्वारा चुने गए प्रतिनिधि) में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी यूएमएल के, सदन के अध्यक्ष और जेल में बंद निलंबित सांसद टॉप बहादुर रायमाझी को छोड़कर 77 सांसद हैं। 275 सीटों वाली प्रतिनिधि सभा में बहुमत के लिए 138 सदस्यों के समर्थन की जरूरत है।

ओली आज लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ

सेना में भर्ती सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान से भी जुड़ा है

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अग्निवीर योजना पर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। अब इस पर उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम और बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सेना में अल्पकालीन भर्ती को लेकर लोगों में चिंता बरकरार है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, 'सेना में अग्निवीर के रूप में अल्पकालीन व अस्थाई भर्ती का मामला जन व देशहित से जुड़ा ऐसा मुद्दा है जिस पर लोगों की चिंताएं बरकरार हैं। किन्तु सरकार महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि जैसी राष्ट्रीय समस्याओं की तरह इस मामले में भी केवल इधर-उधर की बात कर रही है, जो क्या ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

मायावती ने भी अग्निवीर योजना पर सवाल उठाए

महंगाई *कई शहरों में टमाटर 100 रुपए किलो पर पहुंचा*

सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने बिगाड़ा लोगों का बजट

- अदरक 280 रुपए व हरा धनिया 300 रुपए किलो बिक रहा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में बारिश के बाद एक ओर जहां लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर सब्जियों के तेजी से बढ़ते दामों ने आम लोगों को रुला दिया है। पिछले कई दिनों से लोग बढ़ते दामों को लेकर परेशान हैं।

राजधानी दिल्ली में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए रसोई का बजट मैनेज करना मुश्किल हो रहा है। कई इलाकों में टमाटर 100 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच चुका है। टमाटर के अलावा भिंडी, प्याज और शिमला मिर्च जैसी सब्जियों के भी दाम आसमान छू रहे हैं।

यहां सभी मंडियों में यही हालत है। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली अदरक 280 रुपए किलो और हरा धनिया 300 रुपए प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है।

दिल्ली की दक्षिणपुरी मंडी में एक महिला ने बताया कि दाम इतने ज्यादा हैं कि कुछ भी खरीदना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि लहसुन भी अब 50 रुपए पाव बिक रहा है। उन्होंने कहा, अब सब्जियां खाना पहले से मुश्किल हो गया है। हर सब्जी हमारे बजट से बाहर हो गई है। पहले जो सब्जी हम आधा किलो तक लेते थे वह अब पाव भर ही खरीद पा रहे हैं। टमाटर के दाम भी आसमान छू रहे हैं। यह 70-80 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। आलू भी 40-50 रुपए प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। यहां टमाटर 100 रुपए प्रति किलो, हरी मिर्च 160 रुपए प्रति किलो, प्याज 50-60 रुपए प्रति किलो, आलू 40-50 रुपए प्रति किलो, धनिया पत्ता 300 रुपए प्रति किलो, बींस 200 रुपए प्रति किलो, फूलगोभी 160 रुपए प्रति किलो, अदरक 280 रुपए प्रति किलो और लहसुन 280 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रहा है।

देश

उवाच

दलबदलुओं द्वारा राजनैतिक प्रतिबद्धता और विचारों की प्रक्रिया को अमरवाड़ा के मतदाता नियंत्रित करना चाहते थे, लेकिन शासन, सत्ता और पैसे के भीषण दुरुपयोग के बावजूद भी भाजपा के इतने कम वोटों के अंतर से जीतना भाजपा की नैतिक पराजय है।

-जीतू पटवारी,मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	29.0	28.0
मुंबई	26.0	25.0
कोलकाता	31.0	28.0
चेन्नई	32.0	28.0

जम्मू-कश्मीर में एलजी की शक्तियों में इजाफा संविधान व जनता के साथ बड़ा मजाक : कांग्रेस

जम्मू-कश्मीर सरकार के कामकाज के नियम, 2019 में संशोधन पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल की शक्तियों का दायरा बढ़ा दिया है। इसे लेकर सियासत तेज हो गई है। केंद्र सरकार के इस फैसले पर कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ता रवींद्र शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान जल्द होने वाला है। ऐसे में अब जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल की शक्तियों में इजाफा किया गया है। मुख्यमंत्री एक रबर स्टांप की तरह काम करेगा। जनता की ओर से चुनी हुई सरकार के पास कोई शक्ति नहीं होगी और वो किसी अधिकारी के खिलाफ एक्शन नहीं ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि नौकरशाही के तबादले का अधिकार एलजी के पास होगा। मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के पास कोई शक्ति नहीं होगी, लेकिन चुनी हुई सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होगी। उन्होंने आगे कहा कि उपराज्यपाल की शक्तियों का दायरा बढ़ाकर केंद्र सरकार ने संविधान और जनता के साथ मजाक किया है। यह किस तरह का लोकतंत्र है, भाजपा को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये राष्ट्रपति शासन का दूसरा रूप है। अब असली शासक उपराज्यपाल को बनाकर संविधान के साथ भद्दा मजाक किया गया है। संविधान की दुहाई देने वाले लोगों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। हम इस कदम का विरोध करते हैं। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष विकार रसूल ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया।

संविधान की दुहाई देने वाले लोगों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। हम इस कदम का विरोध करते हैं : **रवींद्र शर्मा**

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की हत्या उचित लोकतंत्र और राज्य का दर्जा बहाल होने से पहले ही स्पष्ट हो गई है। गृह मंत्रालय ने पुलिस, कानून, व्यवस्था और अधिकारियों के तबादले आदि सहित अधिक अधिकार उप राज्यपाल को दिए हैं। निर्वाचित मुख्यमंत्री और उनकी परिषद को उपराज्यपाल के निर्देशों का पालन करना होगा, साथ ही लोगों के प्रति जवाबदेह भी रहना होगा। बता दें कि गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में संशोधन किया है। इसमें राज्य के उपराज्यपाल की शक्तियां बढ़ दी गई हैं।

जन प्रतिनिधियों को एलजी के नीचे रखना चाहता है केंद्र : पीडीपी

पीडीपी के प्रवक्ता वीरेंद्र सिंह सोनू ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लोगों को बता दिया गया है कि उनके वोट की कोई कीमत नहीं है। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने की बात कही है, लेकिन यह किस तरह का चुनाव होगा, जहां प्रदेश सरकार के पास कोई भी अधिकार नहीं होगा। हमारे चुने हुए विधायक, मंत्रिमंडल और मुख्यमंत्री कोई फैसला खुद नहीं कर सकेंगे। सरकार किसी भी अधिकारी के ट्रांसफर के साथ कोई प्रशासनिक निर्णय नहीं ले सकती है। चुनाव होगा भी तो मेरा विधायक क्या कर पाएगा। हमारा मुख्यमंत्री क्या करेगा, जब उसके पास कोई अधिकार ही नहीं रहेगा। वो लोग चुने हुए नेताओं को उपराज्यपाल के नीचे रखना चाहते हैं। यह लोग सब कुछ अपने पास रखना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी की हकीकत सबके सामने आ गई है। आज जम्मू के लोगों के लिए बेहद बुरा दिन है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को तबाह कर दिया है। डेमोक्रेसी को खत्म करने वाला यह फैसला लिया गया है। केंद्र सरकार 25 जून को काला दिवस मनाने जा रही है। मैं उनसे कहूंगा कि 5 अगस्त 2019 को भी काले दिवस के रूप में मनाया जाए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर 2024 से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिए हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन करके उपराज्यपाल की प्रशासनिक शक्तियों को बढ़ा दिया है। अब उपराज्यपाल के पास ऑल इंडिया सर्विस, पुलिस-प्रशासन और कानून व्यवस्था से जुड़े सभी मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए पहले से ज्यादा अधिकार होंगे।

बारामूला में धोखाधड़ी के आरोप में तीन गिरफ्तार

श्रीनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में पुलिस ने शनिवार को धोखाधड़ी के आरोप में तीन कथित जालसाजों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि तीनों जालसाज वाहन बेचने, खरीदने और बैंकों तथा सरकारी विभागों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में सरकारी नौकरियां दिलाने का वादा करने की आड़ में लोगों को धोखाधड़ी करने के मामले में शामिल थे। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत क्रेरी थाने में मामला दर्ज करके तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने तीनों की पहचान थिंडमा के निवासी मुदासिर अहमद मीर, मुगलपोरा तंगमर्ग के फिरदोसु अहमद मीर उर्फ समीर खान के रूप में की है। जो वर्तमान में चानपोरा, श्रीनगर में रहते हैं और तीसरा आरोपी सोनलीपोरा तन्मर्ग निवासी सैयद अख्तर है। पुलिस ने कहा कि आरोपी फिलहाल पुलिस की हिरासत में हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार के कराएं अवसर उपलब्ध : शाह

उच्चस्तरीय बैठक में बोले गृह मंत्री

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को सीमावर्ती गांवों के निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और ऐसे दूरदराज के क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीमांत गांवों से पलायन रोकने के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं जाए और गावों के साथ संपर्क भी बढाएं जाएं।

अमित शाह ने बैठक में आगे कहा कि सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वास्थ्य केन्द्रों और उनकी सुविधाओं का लाभ नजदीकी गांवों के निवासियों को नियमित रूप से मिलना चाहिए। शाह ने कहा कि इन गांवों में सौर ऊर्जा और पवनचक्की जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों केअधिकतम उपयोग पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने सीमांत गावों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया।

जानकारी के मुताबिक वाइब्रेंट विलेजर्स प्रोग्राम योजना के तहत 2420 करोड़ रुपए की लागत से 136 सीमांत गांवों को 113 ऑल-वेदर रोड परियोजनाओं के माध्यम से संपर्क प्रदान किया जा रहा है।

वरिष्ठ मंत्रियों व अधिकारी जारी रखें अपना प्रयास

केंद्रीय गृह मंत्री ने वाइब्रेंट विलेजर्स प्रोग्राम के तहत सीमांत गावों के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों की तरफ से किए जा रहे प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया। बता दें कि इन सीमांत गांवों में अब तक छह हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें लगभग चार हजार सेवा वितरण और जागरूकता शिविरों का आयोजन शामिल है।

सार संक्षेप

अमरनाथ यात्रा में वाहन पलटने से चार श्रद्धालु घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार सुबह एक स्थानीय वाहन पलट जाने से चार यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने बताया कि अमरनाथ यात्रियों को ले जा रहा एक वाहन चंदनवारी के पास पलट गया, जिसमें चार यात्री मामूली रूप से घायल हो गये। बीएसएफ के जवानों ने वाहन से घायल यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है।

शेयर मार्केट के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच प्रॉपर्टी सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने शेयर मार्केट के नाम पर 170 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। दरअसल, आरोपी लोगों को इन्वेस्टमेंट के नाम पर 84 प्रतिशत रिटर्न देने के नाम पर लोगों के साथ फ्रॉड कर रहा था। मुंबई के वर्सोवा पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। मुंबई पुलिस कई दिनों से आरोपी की तलाश कर रही थी। उसे मध्य प्रदेश के छतरपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के घर से 1.9 किलो गोल्ड व 25 लाख बरामद किए गए है।

बिहार में पुल-पुलियों व तटबंधों पर निगरानी बढ़ाई

पटना। बिहार की करीब सभी नदियां उफान पर हैं। कोसी, बागमती, गंडक नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस बीच, पुल-पुलियों के गिरने और धंसने की घटनाओं के बाद पुल, पुलियों, तटबंधों तथा कटाव प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी बढ़ा दी गई है। जल संसाधन विभाग ने सभी संबंधित इंजीनियरों को अलर्ट कर पुल, पुलियों के साथ तटबंधों और कटाव क्षेत्रों की निगरानी के निर्देश दिए हैं। इंजीनियरों को नदियों के जलस्तर के बढ़ने और घटने पर नजर रखने तथा रिसाव वाले क्षेत्रों पर निगाह रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा अप्रोच सड़कों पर पड़ने वाले प्रभावों की भी सतत निगरानी रखने की बात कही गई है। प्रदेश की सभी नदियों में जलस्तर बढ़ा हुआ है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा सड़क हादसे में महिला की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार को एक मिनी बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से एक महिला की मौत हो गई, अन्य 20 यात्री घायल हो गए। मिनी बस भाटियास के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, इसमें एक महिला की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हो गए हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

झारखंड में हेलीकॉप्टर पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

रांची,13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में रांची एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद तेज बारिश और हवा के कारण हेलीकॉप्टर आसमान में संतुलन खोने लगा, जिसके बाद हेलीकॉप्टर को रांची के स्मार्ट सिटी स्थित एक मैदान में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। रांची में शुक्रवार देर शाम भारी बारिश के कारण एक हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हेलीकॉप्टर रांची एयरपोर्ट से बेंगलुरु जा रहा था लेकिन खराब मौसम के कारण इसे ऐसी जगह पर उतारना पड़ा जो असुरक्षित था। दरअसल, हेलीकॉप्टर के पायलट को गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही थी। उन्होंने बताया कि दरभंगा से बेंगलुरु जा रहे थे तभु यह हेलीकॉप्टर खराब दृश्यता के कारण झारखंड से आगे नहीं बढ़ सका। इस हेलीकॉप्टर ने ईंधन भरने के बाद रांची एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। हालांकि, यह दरभंगा से आ रहा था। इसमें सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। बताया कि पायलट ओडिशा के झारसुगुड़ा तक पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद भारी बारिश और कम रोशनी के कारण उसे आगे बढ़ने में दिक्कत हो रही थी इसलिए उसने हेलीकॉप्टर को रांची की ओर मोड़ दिया। लेकिन वह रांची एयरपोर्ट पर उतरने में असमर्थ रहा और उसने हेलीकॉप्टर को धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी एरिया में खाली जगह पर उतारा। रांची के हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि खराब मौसम के कारण स्मार्ट सिटी स्थित एक मैदान में हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

जिन्होंने बार-बार संविधान पर प्रहार किया है वह मना रहे संविधान हत्या दिवस : प्रियंका

संविधान हत्या दिवस को लेकर प्रियंका ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 1975 में आपातकाल लगाने की तिथि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के सरकार के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जिन्होंने बार-बार संविधान पर प्रहार किया है वे नकारात्मक सोच के साथ संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी संविधान को नहीं माना, संविधान लागू करने का विरोध किया, इसका कभी सम्मान नहीं किया और संविधान खत्म करने का आह्वान करते रहे हैं लेकिन अब वही लोग संविधान हत्या दिवस मनाने जा रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने संविधान को बनाया जिनकी संविधान में आस्था है वे ही संविधान की रक्षा करेंगे : **प्रियंका गांधी**

संविधान लागू होने का विरोध किया, संविधान की समीक्षा करने के लिए आयोग बनाया, संविधान खत्म करने का आ वान किया, अपने फैसलों और कृत्यों से बार-बार संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार किया, वे नकारात्मक राजनीति वाला संविधान हत्या दिवस मनाएंगे ही, इसमें आश्चर्य कैसा।

कांग्रेस को माफ कर चुकी है देश की जनता : पप्पू यादव

पटना। पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप मनाए जाने के कदम की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के बाद एक या दो बार नहीं, बल्कि कई बार कांग्रेस की सरकार बनी है। देश की जनता कांग्रेस को माफ कर चुकी है, लेकिन इसके बावजूद बीजेपी बेकार के मुद्दों को उठाकर लोगों को दिग्भ्रमित करना चाहती है। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनीं।

तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री अस्पताल में भर्ती

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता एवं तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुर ईमुरुगन की शनिवार को अ च ा न क तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुरईमुरुगन विक्रवंडी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में द्रमुक की भारी जीत के लिए पार्टी अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को बधाई देने के लिए शनिवार को दोपहर पार्टी मुख्यालय 'अन्ना अरिवलयम' आए थे। इस बीच उनकी अचानक तबियत बिगड़ गई। द्रमुक उप महासचिव को प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए अपोलो अस्पताल ले जाया गया। उनके बेटे एवं द्रमुक सांसद कथिर आनंद उनके साथ अस्पताल पहुंचे।

भाजपा को हार से लेना चाहिए सबक : स्टालिन

विधानसभा उपचुनावों में की इंडिया समूह के प्रदर्शन की प्रशंसा

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने उपचुनाव में विपक्षी इंडिया समूह के प्रदर्शन की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस हार से सबक लेना चाहिए और समझना चाहिए कि वह राज्य की भावनाओं का सम्मान किए बिना पार्टी और सरकार नहीं चला सकती। स्टालिन ने विक्रवांडी विधानसभा उपचुनाव में द्रमुक की भारी जीत के बाद कहा कि विभिन्न राज्यों में हुए विधानसभा उपचुनावों में इंडिया समूह के उम्मीदवारों ने अच्छा प्रर्दशन किया। जहां तक तमिलनाडु का सवाल है, राज्य में द्रमुक के नेतृत्व वाला इंडिया समूह का विजय रथ मार्च 2019 से जारी है। बता दें कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने उपचुनाव में विक्रवंडी विधानसभा सीट बरकरार रखी है और पार्टी उम्मीदवार अन्नियुर शिवा ने पट्टाली मक्कल काच्ची (पीएमके) के सी. अंबुमणि को 67,000 से अधिक मतों के अंतर से हरा दिया। दस जुलाई को हुए उपचुनाव में वोटों की गिनती शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हुई। इक्कीस राउंड की मतगणना के बाद शिवा ने जीत हासिल की। उन्होंने 1,24,053 वोट हासिल किए, जबकि भाजपा के सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ने वाले अंबुमणि को 56,296 वोट मिले।

राज्य की भावनाओं का सम्मान किए बिना पार्टी व सरकार नहीं चला सकती : **एम.के.स्टालिन**

उपचुनाव में भाजपा को हुई भारी क्षति

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उपचुनाव में भाजपा को भारी क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की हार का सिलसिला उपचुनाव में भी जारी रहा। उसने अपने दम पर (हाल के लोकसभा चुनावों में) बहुमत हासिल नहीं किया था, लेकिन अपने गठबंधन सहयोगियों की मदद से केंद्र में सरकार बनाने में सफल रही। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस हार से सबक सीखना चाहिए... कम से कम अब उसे एहसास होना चाहिए कि वह राज्य की भावनाओं का सम्मान किए बिना सरकार और पार्टी नहीं चला सकती।

फंड ट्रांसफर के नए घोटाले में घिरी कर्नाटक कांग्रेस सरकार

बेंगलुरु, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के लिए एक नई शर्मिंदगी की बात यह है कि एक नया घोटाला सामने आया है। यह घोटाला राज्य के पर्यटन विभाग से जुड़ा है। आईडीबीआई बैंक बागलकोट के अधिकारियों, उपायुक्त और जिला पर्यटन विकास समिति के अध्यक्ष के नेटवर्क द्वारा कथित तौर पर 2.63 करोड़ रुपए के फंड के हेरफेर के आरोप सामने आए हैं। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने बैंक अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों पर जिले में पर्यटन विकास परियोजनाओं, लाभार्थियों और श्रमिकों के लिए दिए गए धन को धोखाधड़ी से निकालने का आरोप लगाते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है।

2.63 करोड़ रुपए के फंड के हेरफेर के लगे आरोप

एफआईआर के मुताबिक इन अवैध लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए आईडीबीआई बैंक की बागलकोट शाखा में तीन अलग-अलग खाते खोले गए थे। एफआईआर में कहा गया है, यह हमारे संज्ञान में आया है कि 28 अक्टूबर, 2021 से 22 फरवरी, 2024 तक कुल 2,47,73,999 रुपये की राशि उनके अधिकार को धोखा देकर धोखाधड़ी करने के इरादे से हस्तांतरित की गई है।

झारखंड सरकार कर रही बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद : बाबूलाल मरांडी

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठ सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। मरांडी ने शनिवार को दुमका में कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए इस राज्य के आदिवासी भाई-बहनों की जमीन और संसाधनों पर कब्जा जमा कर झारखंड को जिहाद खंड बनाना चाहते हैं। राज्य सरकार न सिर्फ इस संवेदनशील मामले पर चुप्पी साधे है, बल्कि अवैध घुसपैठियों को बसाने में भी मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार इस मामले में हाई कोर्ट के आदेश की लगातार धज्जियां उड़ा रही है। आदिवासी समाज के जल-जंगल-जमीन की कीमत लगाई जा रही है। वोट बैंक की राजनीति करने के लिए ऐसे तत्वों को संरक्षण दिया जा रहा है। मरांडी ने राज्य की मौजूदा गठबंधन सरकार को 'ठगबंधन सरकार' बताते हुए कहा कि इनका समय निकट आ गया है। झारखंड में आदिवासियों के अस्तित्व और उनकी अस्मिता की रक्षा भाजपा ही करेगी। राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही चुन-चुनकर सारे घुसपैठियों को बाहर खदेड़ा जाएगा। इधर, झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने बाबूलाल मरांडी को चुनौती दी है कि वह एक भी बांग्लादेशी घुसपैठिया को दिखाएं। वह लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी संथाल परगना और यहां के मूल निवासियों को बदनाम करने में लगी है।

अवैध घुसपैठियों को बसाने में मदद करने का लगाया आरोप

चिंता *मध्य प्रदेश में कुपोषण को लेकर सामने आए चिंताजनक आकड़ें*

पिछले दो माह में कम वजन वाले बच्चों की संख्या तीन प्रतिशत बढ़ी

भोपाल,13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के द्वारा जारी रिपोर्ट में मध्य प्रदेश में कुपोषण को लेकर चिंता जनक आकड़ें सामने आए है। प्रदेश की आंगनबाड़ियों में पंजीकृत 6 वर्ष से कम उम्र के 66 लाख बच्चों में से 26 लाख यानि 40 प्रतिशत बच्चे बौने पाए गए हैं, वहीं करीब 17 लाख यानि 27 प्रतिशत बच्चों का वजन मानक औसत वजन से कम पाया गया है।

यह जानकारी सामने आने के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मिडिया प्लेटफार्म एक्स पर प्रदेश सरकार के ऊपर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झूठी वाहवाही की बीमारी से बाहर निकले नौनिहालों के पेट की तरफ देखें। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश भीषण कुपोषण की चपेट में आ गया है। प्रदेश की आंगनबाड़ियों में पंजीकृत 6 वर्ष से कम उम्र के 66 लाख बच्चों में से 26 लाख यानि 40 प्रतिशत बच्चे बौने पाए गए हैं, वहीं करीब 17 लाख यानि 27 प्रश्तिा बच्चों का वजन मानक औसत वजन से कम पाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि, सरकार द्वारा संचालित पोषण ट्रेकर की माह जून 24 की रिपोर्ट दर्शाती है कि मध्य प्रदेश में पिछले दो माह में ही कम वजन वाले बच्चों की संख्या में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मई 2024 में जहां मध्य प्रदेश की आंगनबाड़ियों में कम वजन वाले बच्चों की संख्या 24 प्रतिशत थी, वहीं जुलाई 2024 में यह बढ़कर 27 प्रतिशत पहुंच गई है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा है कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि अपनी झूठी वाहवाही की बीमारी से बाहर निकले और नौनिहालों के पेट की तरफ नजर घुमाए।

■ **आंगनबाड़ियों में पंजीकृत 6 वर्ष से कम उम्र के 40 प्रतिशत बच्चे बौने पाए गए**

यदि मध्य प्रदेश का भविष्य और घर आंगन की किलकारियां भूख और चीख का प्रतीक बन रही हैं, तो यह प्रदेश के लिये शर्मनाक स्थिति है। केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार 77 हजार 120 आंगनबाड़ी केंद्रों में पीने के पानी का इंतजाम है, जबकि 20 हजार 210 केंद्रों में पेयजल की दिक्कत है। इसके अलावा, 42 हजार 313 आंगनबाड़ियों के पास खुद का भवन नहीं है और 20 हजार 993 आंगनबाड़ियां या तो हैं ही नहीं, और यदि हैं तो वे इस्तेमाल योग्य नहीं हैं। हालांकि आंगनबाड़ियों के बच्चों की सेहत सुधारने के लिए विभाग ने भोजन में बदलाव करने की योजना बनाई है। अब बच्चों को सप्ताह में एक बार मोटे अनाज से बनी चीजें और सोयाबीन की बर्फी दी जाएगी। अभी तक सोयाबीन से बनी बर्फी केवल गर्भवती महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को दी जाती थी।

बताया जाता है कि वर्तमान समय में कुपोषण गरीब वर्ग के परिवारों के बच्चों में देखने को मिल रहा है। यहां की महिलाएं गर्भावस्था से ही खुद का ध्यान नहीं रखती हैं, जिस कारण से बच्चों में कुपोषण मुख्य तौर पर देखने को मिल रहा है।

समीक्षा

समय शिला पर कीलित अक्षर

■ शशि खरे

निरंतर परीक्षाएँ देते हुए और निरंतर उत्तीर्ण होकर आगे बढ़ते जाने की एक सफल जीवन यात्रा को समय स्वयं पल भर ठहर कर पीछे मुड़कर देख रहा है --समय शिला पर ..के रूप में।

हिन्दी के बड़े फैले वर्ग में अत्यंत सुपरिचित सुविख्यात लेखिका ,संपादिका सामाजिक कार्यकर्ता डाक्टर नमिता सिंह ने अपनी जीवन यात्रा के कुछ अंश संस्मरण के तौर पर पुस्तक 'समय शिला पर' में संचित किए हैं। पुस्तक में लेखिका द्वारा अपने समय को पढ़ने के प्रयत्न ने इसे उत्कृष्ट संस्मरणों की विरासत में महत्वपूर्ण कड़ी बना दिया है।

जीवन में निरंतर सार्थक सक्रियता, एक उच्च लक्ष्य की ओर बढ़ती जाती यात्रा का जो शब्द चित्र उकेरा है वह अंतिम अध्याय तक बाँधे रखता है । मात्र 140 पृष्ठ की किताब विषय की दृष्टि से छोटी लगती है। विषय है जीवन यात्रा के संस्मरण। नमिता सिंह जी का प्रथम संकलन 1978 में आया था, उससे भी पहले से उनकी लेखन -यात्रा प्रारंभ हुई जो अनवरत जारी है। गर्ल्स डिग्री कॉलेज अलीगढ़ में रसायन शास्त्र की विभागाध्यक्ष एवं बाद में प्राचार्या का पद संभालते हुए, दस कहानी संकलन, दो बहु चर्चित उपन्यास, समीक्षा-आलोचना की अनेक कृतियाँ , साक्षात्कार, दस वर्षों तक साहित्य की सिरमौर पत्रिका वर्तमान साहित्य का कुशल संपादन किया , अनेक सामाजिक संगठनों में सक्रिय भागीदारी रही है तो जीवन -यात्रा का कैनवास स्वत- ही विराट हो गया। उत्कट अजेय जूझने की शक्ति , त्वरा जीत ही तय कर आगे बढ़ने वाला साहस इस कृति की आत्मा है।

विभिन्न घटनाओं के समय उत्पन्न भावों एवं तत्कालीन प्रभावों , हालातों व परिणामों की कुशल अभिव्यक्ति में इतनी प्रभविष्णुता है कि उपन्यास जैसा प्रवाह और रोचकता अनुभूत होती है। समय शिला पर तेरह संस्मरण -अध्यायों की माला है। पूर्व कथन में नमिता जी अपनी स्मृतियों के लिए लिखती हैं -'इतिहास बनता समय' किन्तु जब पाठक की प्रविष्टि होती है समय वर्तमान -सा जीवन्त मौजूद साँसे लेता हुआ महसूस होता है। उनकी परिपक्व लेखन शैली के कारण जिसमें सहजता सरलता और विचारों का निर्बाध प्रवाह है।

प्रथम संस्मरण का शीर्षक शापित भवन चौंकाता है। प्रपितामह गंगादत्त पंत के द्वारा बनवाए गए देवी भवन की कहानी, चाय बागान की मिल्कियत और शरणागत बुआ के बेटे द्वारा धोखा, उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा अधिग्रहण और लोकप्रिय कवि पंत का स्मारक बनाया जाना सभी कुछ धाराप्रवाह और रोचक है। स्यूनराकोट के गंगादत्त पंत से पहले और सौ साल बाद तक का इतिहास जिसमें हरदत्त पंत के यायावरी जीवन में कश्मीर, अंग्रेज सरकार, अनेक रियासतों में काम, अजमेर, मयूरभंज की यात्रा जैसी अनेक स्मृतियाँ , प्रवीर चन्द्र भंजदेव , निराला, प्रेमचंद, आचार्य चतुरसेन शास्त्री जैसी विख्यात हस्तियों से भेंट का उल्लेख अध्याय को अनुपम बनाता है।

हुड़किया पंडित देवीदत्त पंत कुमांयु के प्रख्यात जननेता सांसद एवं नेहरू की मित्रता को याद करते हुए वे कहती हैं --तब सामाजिक -राजनीतिक परिदृश्य कितने सरल व आत्मीय हुआ करते थे।

आज जमीन आसमान का अंतर है। आज तो पद-कुर्सी की खींचतान केवल नेताओं में नहीं जनता में भी है।

उसी संस्मरण में आगे लिखती हैं -बाबा देवीदत्त पंत का सांसद रहते हुए निधन हुआ था। परिवार संकट में आ गया था। जमा-पूंजी तो कभी रही नहीं। एक बार लखनऊ आने पर हमारे घर आये बड़े भाई से मिलने। थोड़ा दुखी और चिंतित थे।'

यह वर्णन वास्तव में सनद के रूप में अंकित हो गया है क्योंकि आज कल्पना भी नहीं की जा सकती कि कोई सांसद अभाव में होगा, अपने बच्चों के लिए चिंतित होगा और उसके पास कुछ भी पैसा नही होगा ।

देवीदत्त पंत जैसे व्यक्तित्व असंभव -से लगते हैं। राजनीति में इतने बड़े लोगों (नेहरू और देवीदत्त पंत)

की स्वार्थ रहित निश्छल मित्रता भी सपने जैसी प्रतीत होती है।

कोमल सौम्य पंत जी और लोकायन- पंत जी के कृतित्व के बारे में बहुत लिखा गया है एवं आज भी जारी है किन्तु नमिता जी ने उनका पारिवारिक चित्र खींचा है। सुमित्रानंदन पंत जी विश्व मैत्री और व्यापक लोक चेतना की सांस्कृतिक संस्था लोकायन स्थापित करना चाहते थे। लोकायन के लिए पंत जी के पास विचार थे , इच्छा थी और एक स्वप्न था। किन्तु उनके समग्र व्यक्तित्व को देखते हुए वह संगठनकर्ता या गुटबाज या बैठकबाज हो भी नहीं सकते थे। घर या परिवार के बीच भी कभी किसी ने उनको जोर से बोलते हुए या नाराज होते हुए भी नहीं देखा।'

लोकायन संस्कृति पीठ इतने बड़े-बड़े नामों --कन्हैया लाल माणिक लाल मुंशी , यशपाल, राधाकमल मुखर्जी, कर्मयोगी कवि गिरीशचंद्र पंत के प्रयास और अच्छे आरंभ के बावजूद अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सका -- क्या यह हम भारतीयों की चरित्रगत कमजोरी है कि किताबी आदर्शों को मात्र किताबों के लिए ही मानते हैं और वास्तविकता में उतारना असंभव मानते हैं । वरना सामान्य उथले आयोजन भी सफल हो जाते हैं।

समय शिला पर-एक जीवन यात्रा-संस्मरण
लेखिका : नमिता सिंह
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पंत जी ने बाद में लोकायन की परिकल्पना को लोकायतन में पुस्तक रूप में ही साकार किया।

पंत जी का साम्यवादी विचारधारा से विश्वास हटने की चर्चा करते हुए वे लिखती हैं --

हर स्तर पर प्रोपेगंडा चल रहा था कम्युनिस्ट सरकारों को बर्बर और निरंकुश तानाशाह साबित करने के लिए ।%

किन्तु उस समय भारत में रशियन कल्चर, और भाषा का पठन पाठन का खूब प्रयास कम्युनिस्ट सरकार कर रही थी। जाने कितना धन खर्च किया होगा अपनी खुशहाल और सांस्कृतिक छवि बनाए रखने में, तभी तो छोटे-छोटे जिलों, कस्बों तक सोवियत भूमि, सोवियत नारी जैसी पत्रिकाएँ चिकने खूबसूरत कीमती कागज वाली घर घर पहुँच पाती थीं। समय शिला पर %अपने वक्त के राजनीतिक एवं समाजशास्त्रीय वैचारिक आग्रहों के समानांतर निजी जीवन की गत्यात्मकता , तत्कालीन समय की संस्कृति, तत्कालीन समय की विषमताओं और अंतर्द्वंदों के साथ निरंतर आगे बढ़ता है।

अपने समय के व्यक्तिगत तौर पर परिचित विशिष्ट लोगों के साहित्यकारों के संस्मरण लिखना अपने समय को दर्ज करना होता है एवं यह एक महत्वपूर्ण योगदान होता है जिस रूप में चाहें।

संस्मरण और वह भी विशिष्ट कलम से विशिष्ट विख्यात लोगों के साथ का तो उसके प्रति उत्सुकता कई गुना अधिक होती ही है। नमिता जी याद करती हैं -एक दिन घर पर उन्होंने (पिता जी ने)एक सज्जन को अपने चाचा (पंत जी) के साथ देखा। घुटा हुआ सिर , एक गंभीर मुद्रा । उनके विशाल नेत्र रह -रह कर चमक उठते और बातचीत के ढंग में भी विशेष आकर्षण था। उनके जाने के बाद बताया गया कि यही हैं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।

नमिता जी अपने बाबूजी को स्नेहसिक्त सम्मान से याद करती हैं --मेरे पिता गिरीशचंद्र पंत युवा कवि के रूप में पहचान बना रहे थे। निराला जी को अपना गुरु बनाया था और उनके प्रिय शिष्य भी थे। सूधा, चाँद, संगम विशाल भारत, माधुरी, सरस्वती में निरंतर छपते रहते थे।

सुमित्रानंदन पंत जी की घरेलू छवि ऐसी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिलती जो नमिता जी की स्मृतियों में है-- वे अविवाहित रहे लेकिन उनके भीतर एक घरेलू व्यक्ति भी था जिसे अपने आसपास और घर खानदान की सबकी चिंता रहती थी। अपने पूरे बौद्धिक रूप और प्रतिष्ठित कवि रूप से अलग वे किसी स्तर पर नितान्त घरेलू भी नजर आते थे।

उनकी विचारशीलता में कोमलता थी, सौम्यता थी। टकराव और अराजकता से अलग वे शान्ति की सदभाव की कामना करते थे,चाहे सामाजिक स्तर पर हो या वैश्विक हो सब सुखी हों -आनंदमय हों । उनकी हमेशा यही कामना थी। आगे के अध्यायों में -- जिन मुख निकसत नाहीं , जनाना पार्क, एक तहजीब का नाम है अलीगढ़, खाल तुम्हारी हाड़ हमारा , गुरुकुल, नयी कर्मभूमि ---लेखिका फ्लैशबैक में चलती रील में पूरी तरह समाधिस्थ दिखाई देती हैं।

समय शिला पर टंकित किए जा चुके उन क्षणों में डूबना ऐसा है कि साथ-साथ पाठक भी उन्हीं पलों को जीने लगता है। विगत जीवन को एक बार फिर जी लेने की असंभव इच्छा सभी की होती है।

नमिता जी ने संस्मरण के माध्यम से भावपूर्ण, ईमानदार यथास्थिति अपनी प्रतिक्रियाओं को, रिश्तों को, प्रतिभाओं को आसपास मिलने वालों और दैनंदिन विभिन्न संदर्भों को सौम्यता , स्पष्टता , साहस , सद्भावना और भरपूर प्रेम के साथ अभिव्यक्त किया है। उनकी कलम से जीवन सापेक्ष स्वर मुखरित हुए हैं।

संपूर्ण अध्यायों में बौद्धिक, स्वस्थ व आस्थामूलक दृष्टिकोण अपनाया है। साथ में सहज व्यंजनामयी भावों का संवेदनाओं का सटीक निर्वहन करने वाली परिनिष्ठित भाषा एवं स्थानिक शब्द- प्रयोगों का विविध पक्षीय सौंदर्य भी प्रभावित करने वाला है।

एक उत्कृष्ट संस्मरण में लेखक स्वयं भी एक पात्र बन जाता है और निष्पक्ष निर्लिप्त भाव से सारे दृश्यों को देखता है जो घटित हुए हैं। नमिता जी ने भी स्वयं की इन्द्रिय संवेदनाओं और सुखानुभूतियों को कम एवं बेहद संयमित स्थान दिया है। केवल एक अध्याय आपातकाल और जनवादी लेखक संघ में अपनी अतिसक्रिय व्यस्त जिंदगी में नन्हें बच्चों को कैसे सँभाला इसका जिक्र है -- 'बच्चों को आयोजनों में साथ ले जाने का हमारा यह सिलसिला हमेशा साथ बना रहा जब तक वे बड़े होकर अकेले रहने लायक नहीं हो गये। मीटिंगों में बैठे रहना, आपस में खेलते रहना, वहीं दरी पर लुढ़क कर सो जाना... उन्हें खासा अभ्यास हो चला था।'

ये संस्मरण अलीगढ़ शहर के मिजाज से वहाँ का ताला उद्योग, मजदूर संगठन की गतिविधियाँ , राजनीति में वर्गीय चेतना व जातीय अस्मिता का उपयोग से भी परिचित करवाते हैं।

'कर्मभूमि' में दलित समाज महिला संगठन, युवा संगठन भारत ज्ञान विज्ञान समिति आदि अनेक गैर सरकारी संस्थाओं की गतिविधियों को संचालित करने की अविस्मरणीय बातें हैं कुछ रोचक यादें हैं जहाँ उनकी चर्चा को सत्संग समझ बैठी ग्रामीण मासूम महिलाएँ। ये संस्मरण तत्कालीन समाज के वातावरण के यथातथ्य रूपांकन हैं। राजनीतिक परिदृश्य एवं सामाजिक विसंगतियों का विशद चित्रण है।

विभिन्न सामाजिक स्तर पर जनता की , विभिन्न संगठनों की, दलों की कार्यप्रणालियों की सच्चाई है।

जीवन की निर्धारित दिशा व लक्ष्य की ओर निर्बाध रूप से आगे बढ़ने में नमिता जी को प्रो.कुंवरपाल जी का आदर्श साथ मिला ।'प्रो. कुंवरपाल जी राजनीतिक, सामाजिक रूप से शिक्षण और प्रशासनिक स्तर पर यूनिवर्सिटी बिरादरी का हिस्सा थे और शहर की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी संलग्न रहते थे ।' अलीगढ़ के लोग उन्हें कठपुला की संज्ञा देते थे । नमिता जी की कलम से

उनका मन वचन कर्म से एक ही होने का अद्भुत गुण ,उनकी कर्मठता, उदारता, और केवल लेखन में ही नहीं व्यावहारिक रूप में भी सुधार व सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का गुण उभर कर सामने आया है और पाठक के मन में उनके लिए सम्मानजनक स्थान बनाता है।

खाल तुम्हारी हाड़ हमारा अध्याय में उनका आजीवन कर्मरत , संघर्षरत रहने के स्वभाव का परिचय मिलता है , वे लिखती हैं -'किसी काम से पैर पीछे खींच लेना कुंवरपाल के स्वभाव में नहीं था।'

प्रो कुंवरपाल सिंह जी का पूरा जीवन जातिवाद और सांप्रदायिकता से संघर्ष में बीता , निस्संदेह वे सोचते होंगे --जैसी हमने पाई दुनिया आओ इससे बेहतर छोड़े ।'

इन धाराप्रवाह अध्यायों में अनेक बार बड़े मूल्यधर्मी सूत्र आये हैं जिन्हें बरबस रेखांकित करने की इच्छा होती है --'साहित्य कर्मी कब तक रेत में मुँह धंसाए इंतजार करते ?यह साहित्य का धर्म नहीं है।'

आपातकाल और जनवादी लेखक संघ तो एक उत्कृष्ट संस्मरण लेख है। 1975 से बीस पच्चीस वर्षों का समय यहाँ आत्मनिरीक्षण, उन? स्थितियों का परीक्षण व आत्मस्वीकृति करता हुआ उपस्थित है -- ताकि सनद रहे -- इस दौरान कितनी पुरानी आस्थायें , टूटीं नये राजनीतिक समीकरण बने , तत्कालीन इतिहास में नये सबक जुड़े और दूरगामी प्रभाव हुए । आपातकालीन और जनवादी लेखक संघ अध्याय में सातवें -आठवें दशक का समय निष्पक्ष भाव से दर्ज है।

वे लिखती हैं -कम्यूनिस्ट पार्टी आफ इंडिया ने आपात काल का भी समर्थन किया था। प्रगतिशील लेखक संघ ने भी इस नीति का अनुसरण किया। आपातकाल लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक हमला था और राष्ट्र का एक काला अध्याय।

प्रगतिशील लेखक संघ से जुड़े साहित्यकार संस्कृतिकर्मी इंदिरा जी का गुणगान कर रहे थे। वहीं विरोधी लेखक कलाकार , विरोधी दलों के नेता , सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार, छात्र संगठनों के नेता जेलों में डाले जा रहे थे । प्रताड़ित किए जा रहे थे।'

सातवें -आठवें दशक की साहित्यिक रचनात्मकता का दृश्य खींचते हुए उन्होंने लिखा है -यह दशक बेहद सक्रिय और सचेत रहा किन्तु व्यापारी घरानों के संस्थानों से निकलने वाले पत्र और साहित्यिक पत्रिकाएँ व्यापारमुखी होकर बंद होने लगीं तो देश के कोने-कोने से छोटी पत्रिकाओं ने मोर्चा संभाला।

सीमित साधनों से निकलने वाली और सीमित क्षेत्रों में प्रसारित होने वाली ये लघु-पत्रिकाएँ सामाजिक राजनीतिक जागरूकता की संवाहक थीं। सभी कुछ न कुछ करने के लिए मानों बेचैन थे ।'

उस वक्त की मानसिकता, वह वातावरण, वह जद्दोजहद, भय के माहौल में भी निर्भय, निडर गतिविधियाँ , साहित्यिक, सामाजिक जागरण के लिए , राष्ट्र की चेतना के लिए अद्भुत अत्यंत सराहनीय थी और यह सब इतिहास की किसी किताब में ऐसी जीवटता से नहीं मिलेगा जो इस संस्मरण में है।

वर्तमान साहित्य पत्रिका की यात्रा छोटी शुरुआत और अथक प्रयासों से मिलने वाले बड़े लक्ष्य को पाने का इतिहास है। प्रो. कुंवरपाल जी एवं नमिता जी का संयुक्त जुझारू उद्यम वर्तमान साहित्य की सफलता के लिए अत्यंत सराहनीय है।

इन स्मृतियों में आत्ममुग्धता नहीं है और न ही 'स्व' विसर्जित किया गया है। आत्मसजगता के साथ सम्मान किया गया है। ये वास्तव में वे सम्यक स्मृतियाँ हैं जो जीवन के विभिन्न चरणों से गुजरी हैं जिन्हें पढ़कर कुछ पँक्तियाँ याद आती हैं -

'मैंने सुना है कि तुम सब आज भी
ख्वाब देखते हो,
आज भी अफसाने लिखते हो,
जी भर कर गाते हो
इंसान जिंदा है कि मर रहा
आज भी तुम्हारी फ़िक्र है।।।

पुस्तक बहुत छोटी है विषय के हिसाब से इसके सिवा ढूँढने पर भी कोई कमी नहीं मिली।

कविता

बचा रहेगा जीवन

■ रविशंकर सिंह

आज की रात,
आज की जिंदगी की आखरी रात.
समय की धार बरसती है जैसे,
बरस रहा है पानी धार धार.

नींद की नदी
बहाकर ले जाएगी मुझे,
कल के अरूणाभ जीवन- तट पर,
फिर से एक नया जीवन जीने के लिये,
फिर से एक नई मौत मरने के लिये.

एक दिन थम जायेगा यह सिलसिला,
थम जायेगी जिन्दगी,
लेकिन बचा रहेगा जीवन ,
इस प्यारी धरती पर.

अशोक भौमिक : श्वेत-श्याम की स्वर्णिम आभा
अशोक भौमिक की कला : निजी का सार्वजनिक हो जाना

■ डॉ. वेद प्रकाश भारद्वाज

क्या काले रंग से स्वर्णिम आभा प्राप्त की जा सकती है? ज्यादातर लोग कहेंगे- नहीं, पर एक कलाकार के लिए यह असंभव स्थिति नहीं है। एक कलाकार जो पिछले 50 वर्ष से लगातार काली स्याही से काम कर रहे हैं, कागज के साथ ही कैनवास पर रंग का प्रयोग करते हुए भी जिन्होंने काली स्याही को ही मुख्य बनाए रखा, उसके बारे में यह कहना गलत नहीं होगा कि उसने काले रंग को भी सुनहरी इबारतों में बदल दिया है, ऐसी सुनहरी इबारतें जिनमें हमारे समय की सबसे अधिक अंधेरी सच्चाइयां उपस्थित हैं। यह कलाकार हैं अशोक भौमिक जिन्होंने इस बात को प्रमाणित किया है कि कला का सौंदर्य से अधिक यथार्थ से रिश्ता होना चाहिए। अशोक भौमिक अपनी अलग शैली और प्रस्तुति के साथ ही सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी कला में निजी अनुभवों को आधार बनाते हुए ऐसी छवियों को रचा है जो निजी होकर भी सार्वजनिक जीवन के यथार्थ को व्यक्त करती हैं। वैसे भी कला का अर्थ ही निजी का सार्वजनिक हो जाना है। जब तक कलाकार रचता है, वह उसकी निजी क्रिया है परंतु जैसे ही वह उसे किस भी रूप में प्रदर्शित करता है, वह सार्वजनिक जीवन का हिस्सा हो जाती है। अशोक भौमिक ने 1974 में पहली बार एकल प्रदर्शनी कानपुर में की थी। उनकी कला यात्रा के 50 वर्ष पूर्ण होने पर पिछले दिनों लखनऊ की कला स्रोत आर्ट गैलरी में उनके चुनिंदा कामों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गयी। किसी एक प्रदर्शनी में अशोकजी के रचना संसार को बांध पाना मुश्किल है फिर भी प्रदर्शनी के क्यूरेटर राजन श्रीपद फुलारी ने उनकी लोकप्रिय श्रृंखलाओं के चित्रों का चयन कर एक बेहतर प्रदर्शनी प्रस्तुत की।

अशोक भौमिक का रचना संसार इतना विशद है कि उसे किसी एक लेख या प्रदर्शनी में समाहित कर पाना किसी के लिए भी संभव नहीं होगा। उनकी तकनीक की बात करें तो वह एक पूरी पुस्तक का विषय है। उनके विषयों की बाद करें तो प्रत्येक श्रृंखला पर एक पुस्तक तैयार की जा सकती है। वैसे यदि यह कहा जाए कि उनकी कला में विचार या विषय का महत्व इतना अधिक है कि वहां तकनीक का पक्ष अक्सर उपेक्षित ही रह जाता है। राजशाही, पूंजीवाद, मजदूर, पक्षी, राजनीति, सत्ता संघर्ष और इन सबके साथ आम आदमी की स्थिति को लेकर उन्होंने अनेक श्रृंखलाओं में काम किया है। जिस दौर में कलाकार कला में सौंदर्य की उपासना कर रहे थे, अशोकजी ने कला को आम आदमी और समकालीन यथार्थ की अभिव्यक्ति बनाया। यह उनके आंतरिक व्यक्तित्व का प्रतिबिंब है। कला अंदर से बाहर की यात्रा करती है। एक कलाकार अंतरमन में जो विचार और अनुभव आकार लेते हैं, उन्हें अपने समय को व्यक्त करने के लिए आधार बनाता है। कोई भी विचार अनुभव शून्य नहीं होता। अशोकजी ने अपने जीवन के आरंभिक दिनों में कानपुर में मजदूरों, श्रमिकों, गरीबों के जीवन को

निकट से देखा है। इसी समय उनका झुकाव वामपंथी विचारधारा की तरफ हुआ जिसने उन्हें जीवन को देखने और समझने की आलोचनात्मक दृष्टि दी। यहीं से उनके अंदर एक कलाकार के साथ ही आलोचक का भी जन्म हुआ जो चीजों और स्थितियों को उनके बाह्य समीकरण और आंतरिक संरचनाओं के संदर्भ में देखता है। इससे उनकी कला कल्पना को यथार्थ की अभिव्यक्ति बनाने में सफल हुई।

भारतीय संस्कृति में कला व्यावहारिक जीवन से निसृत रही है। समस्त लोक और आदिवासी कलाएं जीवन के व्यावहारिक पक्षों से निर्देशित रही हैं। इसीलिए उनमें हम व्यक्त और अव्यक्त, दोनों तरह की अभिव्यक्तियां पाते हैं। जो साकार है वह व्यक्त है पर जो निराकार है या अदृश्य है, वह व्यक्त होते हुए भी अव्यक्त है। एक आकार के साथ अपनी बात को स्पष्ट कह देना जितना आसान है उतना ही मुश्किल है बिना किसी परिचित आकार के उस बात को कहने की कोशिश जो पूरी तरह खुल नहीं पायी है। यही कला की अव्यक्त स्थिति है जिसे अमूर्तन कहा जाता है। लोक कलाओं में इस व्यक्त और अव्यक्त का प्रदर्शन सामान्यत: अलग-अलग ही दिखाई देता है पर आधुनिक कला में कई कलाकारों ने दोनों को इस कुशलता से संयोजित किया है कि देखते ही बनता है। अशोक भौमिक की कला में यह गुण दिखाई देता है। वह अपनी चित्र रचना विधि में मूर्त और अमूर्त दोनों प्रविधियों का प्रयोग करते दिखाई देते हैं। उनके यहां जो मानवीय व दूसरे रूप हैं वह संरचनात्मक स्तर पर अमूर्तन का प्रभाव लिए हुए हैं। इससे उनके चित्रों का वैचारिक पक्ष अधिक प्रबल हो जाता है और रूप वहां केवल विचार का वाहक बन जाता है। यही उनकी कला की सबसे बड़ी ताकत है। समकालीन जीवन की विभिन्न स्थितियो- सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक आदि को उन्होंने आलोचनात्मक दृष्टि से रचा है। इस रचाव में एक विशेष बात यह है कि उन्होंने अपनी कला को आलोचनात्मक तो बनाया परंतु उसे कभी नकारात्मक नहीं होने दिया। उनकी कला में जो जीवन स्थितियां, पूर्ण या आंशिक रूप में, व्यक्त हुई हैं वह जीवन के होने के महत्व और उसके संघर्ष को व्यक्त करती हैं। इस संघर्ष में मनुष्य पराजित होता भले ही दिखाई दे पर निरुत्साहित या निरुपाय नहीं है। उसका संघर्ष लगातार चलता रहता है। ऐसा इसलिए भी है कि अशोक भौमिक अपनी कला को दिवास्वप्न बनने से बचाते हुए उसे यथार्थ के निकट रखना पसंद करते हैं।

अंधकार और प्रकाश, दोनों ही यथार्थ है और दोनों की उपस्थिति ही जीवन को संभव करती है। एक कलाकार अपनी कला में जीवन के अंधकार और प्रकाश को अभिव्यक्त करता है। कभी किसी कृति में अंधकार अधिक होता है तो किसी में प्रकाश। अनेक कलाकारों ने जीवनभर प्रकाश की रचना की है। ऐसे कलाकारों का कला दर्शन है कि कला का उद्देश्य लोगों को सुखद अनुभूति देना है। इस तरह के कलाकारों ने प्रकृति चित्रण और भूदृश्य चित्रण में सम्पूर्ण जीवन व्यतीत कर दिया। अनेक कलाकारों ने मानव चित्रण में प्रकाश यानी सकारात्मक चित्रण को, जीवन के सुंदरतम पक्ष के चित्रण को ही अपना अंतिम ध्येय बनाकर काम किया। इस तरह के कलाकारों की रचनात्मक क्षमता और उनके महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता। सुंदरता के सब खरीददार हैं, फूल हर किसी को चाहिए कांटे कोई नहीं चाहता। सबको जीवन में हर प्रकार, का हर स्तर का प्रकाश चाहिए। लेकिन नींद के लिए रात का अंधकार चाहिए, नीरवता चाहिए। यदि अंधेरा नहीं होगा तो प्रकाश का अस्तित्व भी न पहचाना जाएगा। इसीलिए ऐसे कलाकारों का अलग महत्व है जो अपनी कला के माध्यम से जीवन में अंधकार और प्रकाश, दोनों की उपस्थिति से जीवन में नए अर्थ की संभावना को दिखाते हैं। अशोक भौमिक की कला ऐसी ही कला है। यह काम वह विषय और संरचना, दोनों के स्तर पर करते हैं। अपनी क्रास हैच (जाली) शैली में वह चित्र में हैच की सघनता और क्षीणता से अंधकार और प्रकाश की अनुभूति कराते हैं। क्रास हैच आज अशोकजी की पहचान बन चुकी है। शुरु में उन्होंने श्वेत-श्याम चित्रों की ही रचना की। बाद में जब उन्होंने कागज और कैनवास पर रंगों का भी प्रयोग शुरु किया तो उसमें भी काली स्याही से क्रास हैच को ही प्रमुख रखा। उन्होंने कई चित्रों में आंशिक रूप से लोक कलाओं की चित्र संरचना को भी अपनाया, विशेषरूप से लोक जीवन के चित्रण के लिए। उनके रचना संसार में घनवादी शैली की आंशिक उपस्थिति भी दिखाई देती है। मानव शरीर के अकादमिक सिद्धांतों को एक किनारे करते हुए उन्होंने जीवन की तनावपूर्ण स्थितियों को व्यक्त करने के लिए शारीरिक संरचना को अर्धअमूर्त शैली में रचा है।

अशोक भौमिक की कला रेखाओं की यात्रा कही जा सकती है। प्रत्येक लाइन की अपनी यात्रा होती है। हर एक लाइन अपने साथ विचार और भावनाओं से भरी अनेक कहानियां लेकर चलती है। अकेली लाइन भी कुछ कहती है पर जब अनेक लाइनें आपस में मिलकर एक सामाजिकता स्थापित करती हैं तो वह बहुत कुछ कहती हैं। अशोक भौमिक की लाइनें कुछ ऐसी ही हैं। काली स्याही से हल्की गहरी लाइन के साथ ही उन्हें आपस में जोड़ते हुए वह जिस प्रकार सतह को सघन और भारहीन हिस्सों में विभाजित करते हैं, वह सामाजिक संरचना के उस रूप को सामने लाता है, जिसमें असमानता, अन्याय, विभेद, एकाधिकारवादी सत्ताएं (राजनीतिक और सामाजिक दोनों) प्रबल हैं। अशोकजी इन स्थितियों के विरोध में ऐसे चित्रों की रचना करते हैं जिसमें शोषित-पीड़ित वर्ग लगातार एक चुनौती की तरह खड़ा दिखाई देता है। अँधेरे और उजाले के असंतुलित विभाजन की सामाजिक स्थिति अशोकजी के यहां प्रखर विचार की तरह सक्रिय दिखाई देती है। अपने चित्रांकन में आकृतियों को सही परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए वह रेखाओं के परस्पर संबंध में गहनता और न्यूनता का प्रयोग करते हैं।

अंधकार और प्रकाश, दोनों ही यथार्थ है और दोनों की उपस्थिति ही जीवन को संभव करती है। एक कलाकार अपनी कला में जीवन के अंधकार और प्रकाश को अभिव्यक्त करता है। कभी किसी कृति में अंधकार अधिक होता है तो किसी में प्रकाश। अनेक कलाकारों ने जीवनभर प्रकाश की रचना की है। ऐसे कलाकारों का कला दर्शन है कि कला का उद्देश्य लोगों को सुखद अनुभूति देना है। इस तरह के कलाकारों ने प्रकृति चित्रण और भूदृश्य चित्रण में सम्पूर्ण जीवन व्यतीत कर दिया। अनेक कलाकारों ने मानव चित्रण में प्रकाश यानी सकारात्मक चित्रण को, जीवन के सुंदरतम पक्ष के चित्रण को ही अपना अंतिम ध्येय बनाकर काम किया। इस तरह के कलाकारों की रचनात्मक क्षमता और उनके महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता। सुंदरता के सब खरीददार हैं, फूल हर किसी को चाहिए कांटे कोई नहीं चाहता। सबको जीवन में हर प्रकार, का हर स्तर का प्रकाश चाहिए। लेकिन नींद के लिए रात का अंधकार चाहिए, नीरवता चाहिए। यदि अंधेरा नहीं होगा तो प्रकाश का अस्तित्व भी न पहचाना जाएगा। इसीलिए ऐसे कलाकारों का अलग महत्व है जो अपनी कला के माध्यम से जीवन में अंधकार और प्रकाश, दोनों की उपस्थिति से जीवन में नए अर्थ की संभावना को दिखाते हैं। अशोक भौमिक की कला ऐसी ही कला है। यह काम वह विषय और संरचना, दोनों के स्तर पर करते हैं। अपनी क्रास हैच (जाली) शैली में वह चित्र में हैच की सघनता और क्षीणता से अंधकार और प्रकाश की अनुभूति कराते हैं।

हाना

नौ दिन चलै अढ़ाई कोस।

अढ़ाई कोस रेंगे बर नौ दिन लगा दिस मतलब थोरकिन काम करे बर बहुत समय गंवाना। तेकर ये हाना ल केहे जाथे।

शब्द अरथ

1. छछान- बाज नामक एक पक्षी
2. छटइया- साफ करने वाला, सटाने वाला
3. छटई (सं.) साफ करने या चयन करने की क्रिया या भाव।
4. छटउनी- साफ करने या कराने का खर्च या पारिश्रमिक
5, छकइया- समूह से अलग होने वाला, बिखरने वाला। किसी तरह पदार्थ या गीली वस्तु का छींटा मारने वाला
6. छटकई- समूह से अलग होने या बिखरने की क्रिया या भाव, किसी तरह पदार्थ या गीली वस्तु को छिड़कने की क्रिया या भाव।
7. छटकउनी- समूह से अलग होने या करने का खर्च या पारिश्रमिक
8. छटकना- पौधा या वृक्ष आदि से फूल या शाखा आदि निकलना, पौधों से बाली निकलना, वेगपूर्वक फेंका जाना
9. छटलका- समूह से अलग हुआ, पकड़ में न आया हुआ
10. छटकहा- बिखरा हुआ, फैला हुआ, समूह से अलग हुआ, निकला हुआ, छींटा पड़ा हुआ. एकांतप्रिय ।

देवता सुतय नहीं

हर बछर म चौबीस एकादशी होथे। जब अधिकमास या मलमास आथे तब येखर संख्या बढ़के 26 हो जथे। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष के एकादशी ल ही देवशयनी एकादशी कहे जाथे। कहीं-कहीं ये तिथि ल 'पद्मनाभा' घलो कहिथे। जब सूर्य मिथुन राशि म आथे तब ये एकादशी आथे। इही दिन ले चातुर्मास शुरु होथे।

इही दिन ले भगवान श्री हरि विष्णु क्षीरसागर म शयन करथे। फेर चार महिना बाद तुला राशि म सूर्य के जाये के बाद ओला उठाये जाथे। ओ दिन ल देवोत्थानी एकादशी कहे जाथे। इही बीच के समय ल ही चातुर्मास कहे जाथे।

योगनिद्रा का अर्थ हे- आध्यात्मिक नींद। ये ओ नींद आये जेमा जागते हुए सोथे। सोये अउ जागे के बीच के स्थिति ह योग निद्रा आये। येला स्वप्न अउ जागरण के बीच के स्थिति मान सकथन। ये झपकी सरिख होथे या अर्धचेतन सरिख होथे। देवता मन इही निद्रा म सोथें।

ईश्वर के अनासक्त भाव ले संसार के रचना, पालन अउ संहार के काम योगनिद्रा कहाथे। देवता सब काम करथे। तब ओला सुतगे काबर कहिथें? हमर छत्तीसगढ़ म गौरा-गौरी याने शिव पार्वती के बिहाव होथे, देवारी के दिन। हमर इहां हर तिहार धूमधाम ले मनाये जाथे। पूजापाठ होवत रहिथे। गणेश के स्थापना, दुर्गापूजा, जंवारा, सब कुछ होथे तब देवता कइसे सुत सकथे।

जैन समाज के चातुर्मास म पर्युषण पर्व चलथे। ये पर्व पूरा देश म कई जगह म आयोजित करे जाथे। ये पर्व बारिश के समय म मनाये जाथे। जब देवता योगनिद्रा म रहिथे। जैन धर्म के जानकार मन बताथें कि पर्युषण पर्व म जीव मन के उत्पति अधिक होथे। अइसना समय म जैन समाज के मन जप तप अउ आराधना करथें। जैन समाज के आराध्य देव भगवान महावीर स्वामी के निर्देश के अनुसार साधु अउ साध्वी मन ल स्थिरता बना के एक ही जगह म रहि के धर्म के आराधना करना चाही।

84 लाख जीवों मन ले क्षमा मांगे के महापर्व आये। जैन धर्म के मूल मंत्र अहिंसा परमो धर्म आये। जीव मन ल अभयदान देथन। समाज म महिला अउ पुरुष 84 लाख जीवों ल अभय दान देते हुए क्षमा मांगथे। क्षमा करने वाला महान होथे। क्षमा करने वाला मोक्ष डाहर जाथे।

ये चार महिना म खानपान डाहर ध्यान देना चाही। तेल लै बने चीजें, बैंगन, पत्तेदार सब्जी, मसालेदार भोजन, अचार, बेल, मूली, दूध, दही, शक्कर, मिठाई, सुपारी, मांस-मदिरा आदि चीज के सेवन नइ करना चाही। विष्णुजी के गहरी निद्रा म जाये के बाद ये दिन ले सृष्टि ल चलाये के पूरा भार भगवान विष्णु के कंधा ले हट के भगवान शिव के ऊपर आ जथे। भगवान विष्णु ये चार महीना बर पाताल लोक चल देथे।

एक बार राजा बलि ह तीनों तोक म कब्जा कर लिस तब इंद्र देव विष्णु भगवान तीर गीस। गोहार लगइस त विष्णु भगवान वामन अवतार लिस अउ ब्राह्मण के वेश म बलि ले दान म तीन पग पृथ्वी के मांगिस। भगवान ह दो पग म पूरा धरती अउ आकाश ले लिस तीसरा पग कहां रखंव पूछिस त बलि कहिस के मोर सिर म रख दव।

अंत म बलि के दयालुपन ले देखके विष्णु जी ओला वरदान मांगे बर कहिस। बलि ह पाताल लोक ल वापस मांगिस। विष्णु जी ल उंहा रहे बर कहिस तब भगवान कहिन के देव सुतनी एकादशी ले देवउठनी एकादशी तक ओ ह पाताल लोक म आराम करहि। इही कारण ले कोई धार्मिक काम नइ होवय।

छत्तीसगढ़ अइसना जगह हे जिंहा पूरा शिव परिवार के पूजा होथे। शायद इही कारण होही कि शिवजी सृष्टि ल चलाथे। ओखर पूरा परिवार जागृत रहिथे। शिव के विवाह भी होथे। हर तरह के पूजा भी होथे। लक्ष्मी, गणेश, दुर्गा के स्थापना होथे अउ पूजा होथे।

योग निद्रा म जब सब बंद हे तब ध्यान तप जैन धर्म म होथे अउ पूरा छत्तीसगढ़ जागथे।

सुधा वर्मा

आषाढ़ ले आस हे

आषाढ़ ले सबला आस रहिथे।चाहे छोटे से छोटे जीव रहे या कोनो बड़का हाथी।आषाढ़ के बरखा सबला नवा जीवन देथे।आषाढ़ म किसान मन हम सबके पेट के थेभा धान के खेती करथे, उँखर महिनत ले ही सबके पेट बर दाना मिलथे।जइसे पेट भरे के बाद ही जीव मन आने काम ल सिधोथे वइसने खेती म ही दुनिया के आने सबो बूता टिके हवे।आषाढ़ आय के बाद किसान म अपन देवी देवता ल मनाये बर कतको अकन तिहार घलो मानथे।

लकलक लकलक जरत भुइयाँ मानसून के हबरे ले वइसने जुड़ हो जथे,जइसे कोनो भभकत अँगेठा या आगी म गघरा भर पानी उल्दा जथे।रिमझिम रिमझिम पानी जब आषाढ़ धरके आथे,तब सबले जादा खुशी किसान मन ल होथे।अउ काबर नइ होही? इही आषाढ़ म किसान मन अपन महिनत ले आशा रूपी धान के बिजहा ल धरती दाई के कोरा म छितथे।आसाढ़ के आय ले धरती महतारी हरियर सवांगा म सजगे मुचुर मुचुर मुस्कायेल लग जथे।डारा पाना पुरवाही म हाथ हला हला के नाचथे।बादर के गरजई घुमरई अउ कड़कड़ कड़कड़ बिजुरी किसान मन बर एक ताल के काम करथे,जेखर सुर म किसान मन अपन जाँगर अउ नाँगर ल साज के धरती दाई के कोरा म,करमा ददरिया के तान छेड़त,ओहो तोतो के अउ खन खन बाजत बइला के घुँघरू संग ,मगन होके महिनत करत नाचथे।फेर आने मनखे मन बर आसाढ़ या मानसून सिर्फ गर्मी ले राहत आय।वो मन गर्मी ले हदास खा जथे,फेर किसान उही जरत,भभकत गरमी म,मानसून के रद्दा जोहत किसानी के जम्मो जोरा ल करथे।मेड़ पार अउ मुही ल बाँधना,खँचका-डिपरा ल बरोबर चालना,काँटा खूँटी ल बिनना,काँद दूबी ल खनना ये सबो बुता ल तो उही भभकत गर्मी म साजथे।अउ घर म घलो उही गर्मी म आषाढ़ के आये के पहली पैरा धरथे,परदा भाँड़ी म पलांदी देथे,बखरी बारी ल रंग रंग के साग भाजी बोय बर चतवारथे,नार बियार ल चढ़ाये बर ढेंखरा लानथे,चौमास बर लकड़ी छेना अउ कतको जरूरी चीज ल भितराथे,छानी परवा ल घलो उही गर्मी म छाथे।अइसन घर - बन के जम्मो बूता ल साध के किसान मन आशा के जोती बारे मॉनसून अउ आषाढ़ के अगोरा करथे।अउ जब पानी के पहिली बूँद मूड़ म परथे तब मार खुशी म नाचेल धर लेथे।ताहन का पूछना,भिनसरहा उठ के बइला ल खवा पिया के नाँगर धरके खेत कोती पाँव बढ़ाथे।बइला ल जब किसान भिनसरहा कोटना म पानी पियाथे तब ओखर गला के घण्टी अउ किसान के मुख ले निकले सुघ्घर सिसरी(सीटी) मनभावन लगथे।एखर आनंद उही ले सकथे जेन कभू गाँव म सुने होही या देखे होही।

आसाढ़ म किसान सँग ओखर पूरा परिवार नाचत झूमत खेती किसानी म लग जथे।बाँवत के बेरा के वर्णन कोनो बढ़िया कैमरा ले फोटू खींचे कस लगथे।चारो मुड़ा खेत; खेत म सइमो-सइमो करत कमइया,टुकनी बोरी म माढ़े धान,हरिया भर नाँगर नाँस म बनत सुघ्घर कूँड़,बइला के गला के खनकत घण्टी,किसान के मुख ले बरसत करमा ददरिया अउ ओहो तोतो के आवाज,निंदईया महतारी मनके हाथ के खनकत चूड़ी,खार म रटत पपीहा,पड़की अउ तीतुर के सुघ्घर बोल मन ल मोह लेथे। नान्हे नान्हे लइका मन हाथ म कुदारी धरे मनमाड़े कूदत नाचत टोकन कोड़थे।ये सब दृश्य मन म अपार खुशी भर देथे।एखर आनंद भी उही मनखे उठा सकथे जेन बाँवत के बेरा म कभू सपड़े होही।लिख के कवि या लेखक घलो वो मनोरम दृश्य अउ आनंद ल नइ बता सकय।ये परम् आनंद के अनुभूति सिर्फ उही मेर मिल सकथे।कतको बूता करे कखरो तन मन म थकासी नइ दिखे।बिहनिया ले सँझा काम बूता म लगे किसान पाछू बरस के जम्मो दुख पीरा ल भुलाके आसाढ़ म नवा आस जगाके,जाँगर टोर महिनत करथे।

आषाढ़ के पहली बारिस जब भुइयाँ ल चुमथे तब माटी महतारी सौंधी महक म महकेल लग जथे।वो महक ल लिख के बया करना असंभव हे।उही पहली बारिस के संग भुंइयां म पड़े जम्मो लमेरा, बन, बिजहा धीरे धीरे अपन आंखी उघारथे। जेमा रंग-रंग के कांदी,चरोटा,लटक्ना,ढनढनी, उरदानी, छिंद, परसा, बोइर, आम,जाम, अमली, बम्हरी, कउहा,करंज,के फर पिकी फोड़के जागे बर धर लेथे। आषाढ़ मास म करिया-करिया राय जाम पेड़ उप्पर कारी घटा कस दिखथे। लइका मन ओला टोरे बर टोली बनाके ए रुख ले वो चिल्लावत फेरा लगाथे। हाट बाजार म घलो ये फर अब्बड़ बिकथे।गाँव के गौठान म गरुवा गाय आषाढ़ के संग सकलायेल लगथे,काबर की डोली म धान पान बोवाथे।हरियर हरियर चारो मुड़ा चारा देखके गाय गरुवा के मन म घलो अपार खुशी होथे।गर्मी म लहकत लहकत दिन बिताये अउ सुख्खा काँद पात खाय के बाद आषाढ़ म हरियर चारा अउ पीये बर, पानी सबो जघा गाय गरुवा म मिलेल लगथे।

धरती दाई आषाढ़ म अपन अन्तस् के पियास बुझावत ससन भर पानी पीथे। रझरझ रझरझ पानी बरसे ले तरिया,बाँधा, कुँवा बउली म पानी भरेल लग जथे।नरवा ,नँदिया,झरना,म धार बढ़ेल लगथे।चारो मुड़ा खोचका डबरा म पानी भर जथे।गली खोर म चिखला घलो मात जथे।कोनो साहब बाबू सूट बूट पहिरे चिखला पानी के डर ले पँवठा म पाँव मड़ावत धीर लगाके चलथे त उही म किसान मनखे बिन चप्पल के चभरंग चभरंग गीत गावत खुशी म बढ़थे। आसाढ़ सावन भादो ये चार मास पानी,बादर गरजई, घुमरई मा बीतथे, ये मास ला चौमासा कहे जाथे। जेखर जोरा अउ ये मास मा खेती बाड़ी कमइयां मन बड़ महिनत करथे।

लइका मन मनमाड़े खुशी म चिल्लावत चिल्लावत आषाढ़ के बरसा के मजा लेवत घड़ी घड़ी भींगथे।अउ रंग रंग के खेल खेलथे,गोल गोल घानी मूंदी घूमथे।बरसा के धार म पात पतउवा ल बोहा के थपड़ी पीटत अबड़ मजा करथे।फाँफा फुरफुन्दी के पाछू पाछू भागथे।अउ सबले खास बात जम्मो लइका मन खेलत खेलत च्व्यानी मूंदी घोर दे,पानी दमोर दे कहिकेज्चिल्लावत फिरथे।इही मास म स्कूल घलो खुलथे। लइका मन ममादाई के घर गरमी छुट्टी बिताये के बाद कापी बस्ता धरके फेर स्कूल म पढ़े लिखे बर जाथे।

घुरवा,डबरा तरिया,नरवा,कुंआ,बउली के पानी म मछरी मन मेछरायेल लगथे।तरिया के घठोंदा बाढ़े बर धर लेथे। कहे के मतलब ये कि तरिया म पानी भरे ले घाट घठोंदा उपरात जाथे। मेचका अउ झींगुर रट लगाये ल लग जथे। बरसा के पानी पाके तलमलावत सांप, बिच्छी ,केकरा अउ कतको कीरा मकोड़ा अपन अपन बीला ले बाहिर निकलथे। पिरपिटी सांप जोथ्था जोथ्था इती उती देखे बर मिल जथे।ये मउसम म ये सब जीव मनके अब्बड़ डर रहिथे।कभू कभू घर कुरिया म घलो घूँस जथे।रंग रंग के कीरा ये मउसम म जघा जघा दिखथे।बउग बत्तर रतिहा अँजोर ल देख अब्बड़ उड़ियाथे।संगे संग रंग रंग के फाँफ़ा फुरफुन्दी घलो उड़थे।झिमिर झिमिर बरसत पानी म कौवा कांव-कांव करत पांख फड़फड़ावत छानी म बइठे रहिथे। त गौरइय्या ह दल के दल अँगना म बरसा म भींगत भींगत चिंव चिंव करत दाना चुगथे।

आषाढ़ ले सबला आस रहिथे।चाहे छोटे से छोटे जीव रहे या कोनो बड़का हाथी।आषाढ़ के बरखा सबला नवा जीवन देथे।आषाढ़ म किसान मन हम सबके पेट के थेभा धान के खेती करथे, उँखर महिनत ले ही सबके पेट बर दाना मिलथे।जइसे पेट भरे के बाद ही जीव मन आने काम ल सिधोथे वइसने खेती म ही दुनिया के आने सबो बूता टिके हवे।आषाढ़ आय के बाद किसान म अपन देवी देवता ल मनाये बर कतको अकन तिहार घलो मानथे।जेमा जुड़वास पहली तिहार होथे,जेन आषाढ़ मास के अँधियारी पाँख म अठमी के मनाये जाथे।ये दिन किसान मन अपन गाँव के शीतला दाई म तेल हरदी जघा के खेती किसानी अउ गाँव के समृद्धि बर बारम्बार पूजा अर्चना अउ वंदना करथे।ओखर बाद बारो महीना तीज तिहार के क्रम चलत रहिथे। हमर भारत भुंइया म तिहार बार खेती के हिसाब ले चलथे। सावन महीना के हरेली ल पहली बड़का तिहार केहे जाथे।

आषाढ़ के बोहावत पानी ल बचाये बर घलो हम सबला उदिम करना चाही ताकि भूजल स्तर म बढ़ोतरी होय,तरिया नदिया,बाँधिया म पानी भरे रहय। अउ बछर भर पानी के तंगई झन होय।आषाढ़ के बने बरसा बने किसानी के निसानी आय,अउ बने किसानी सुखमय जिनगानी के निसानी आय।

जीतेन्द्र वर्मा 'खैरझिटिया' बाल्को (कोरबा)

रूख राई ले जिनगी

कहिनी

एक समय के बात आए- एक गांव में एक गरीब परिवार गुजर- बसर करत राहय। ओ गांव बहुत बड़े जनिक जंगल क्षेत्र के बीचो-बीच मा बसे राहय। परिवार मा अंजोर ओकर गोसाइन बुधिया संग मा ओकर तीन झन लइका राहय। अंजोर अउ ओकर गोसाइन हां पढ़े-लिखे नहीं राहय।

अंजोर अड़बड़ मेहनती राहय। अपन मेहनत के बल मा, हर बछर रूख- राई लगा लगा के जंगल बना डरे राहय अउ उही जंगल के भरोसा ले अपन नान्हे - नान्हे लइका मन के जिंदगी ला चलावत राहय।

ओ गांव के अउ मनखे मन अंजोर के काम ला पसंद नई करय ओखर अड़बड़ विरोध करत राहय, गांव के मनखे मन चिल्लाएं लागिस- 'घर-द्वार कामे बनाबो'? -खेती बाड़ी कामे करबो? सबो जगह मा रुख-राई ला लगा दे हस।

ओतका बात ल अंजोर सुन के चुप होगे। कोनो ला जवाब नई दिस।

थोरके देरी म किहिस- कि मैं हा मेड़ पार में रूख- राई ला लगावत हांवव जेकर ले तुमन ला कोनो प्रकार के नुकसान नहीं होवय। 'तुहर फसल उगाय बर जमीन खाली हावय।'

-घर मां आके अपन गोसाइन ला सबो बात बताइस मोला रूख- राई लगाए बर गांव वाले मन, राजा के बात ला मान के रोकत हे।

कईसे करबो मुनिया के दाई? ओखर गोसाइन हा किहिस- हमर जिनगी के इही जंगल अधार आय। ऐकर बिना जिनगी कइसे बिताबो? अपन गोसाइन के अतका बात ला सुनके मने मन म गुनत रिहिस!

दूसर दिन रापा-कुदारी ल धर के निकलगे अउ एक ठन रूख छांव में बइठगे अउ सोचे लागिस; रूख -राई -मोर जिनगी के आधार आय।

गांव वाले मन राजा ल बताइस। राजा जी अंजोर ह रूख -राई लगा के जमीन ला खराब कर देहे।

राजा किहीस- अंजोर ला ऐकर सजा मिलही?

अंजोर ला ए बात पता चलगे। मने मन सोचत राहय! तभो ले- अंजोर रूख -राई लगाए बर नई छोड़िस। तब गांव के राजा ह ओला अड़बड़ सजा दिस। राजा ह अंजोर ला पूछन लागीस- मोर जमीन मां रुख -राई ला लगाए हंस अंजोर?

अंजोर हा किहिस-औषधि रूख -राई आए राजा। ओतके बात ला सुन के राजा गुसियागे।

अंजोर अउ ओकर गोसाइन ला 'जेल' मा बंद करव। अपन सेनापति ल किहिस। अंजोर अउ ओकर गोसाइन राजा के पैर म गिरगे, तभो ले राजा नई मानिस अउ पूरा परिवार ला जेल में डाल दिस।

हमर करम के फल आय समझ के सजा ला काटे लागिस, फेर विधि के विधान हे। नेक कारज करे ले भगवान तको चिनथे। थोड़के दिन बाद अंजोर अउ परिवार जेल ले बाहर आइस। अंजोर अउ ओकर गोसाइन रूख- राई लगाए के आदत नई छोड़िस अउ गांव- के सबो मेड़ पार म रूख- राई ला लगा डारिस। धीरे-धीरे अंजोर के लइका मन बड़े होगे। सबो लइका मन अच्छा पढ़े लिख लागिस।

अंजोर के लइका मन अतेक मेहनती राहय बड़े मुंदरहा ले उठ के पढ़ई- लिखइ करय। अंजोर के बड़े बेटा हा अपन मेहनत के बल म कलेक्टर बनगे। अंजोर अउ गांव वाले मन अड़बड़ खुशहाली मनईस। अतका बात ला सुनके! राजा राज दरबार मा अंजोर ला बुलाईस, कहे लागीस- तोर बेटा कलेक्टर बनगे। लइका मन ला अतेक अच्छा कैसे पढ़ावत हस अंजोर?

अपन सिर ला नवावत राजा ल किहीस- परणाम। तोहर आशीर्वाद अउ मोर गरीब के करम हावय, फेर राजा अतका बात ला सुनके गुस्सा होगे अउ रूख -राई लगाए बर मना करिस।

सीधा-साधा भोला -भाला अनपढ़ अंजोर ह जंगल के एक-एक रुख -राई के बारे में जानत राहय। प्रकृति के पूजा करे ले जिंनगी अच्छा रहिथे। गांव के सबो मनखे मन इही जंगल के भरोसा मा ज़िंदगी चलावत रहाय।

एक दिन गांव के राजा के बेटा के तबीयत जोर ले खराब होंगे। राजा के मति चकरागे ; मोर एक झन बेटा। आंख के तारा, मोर आंखी के पुतरी-कहिके चिंता करे लागिस!

राजा ह सबो कोती अड़बड़ इलाज पानी कराईस फेर ठीक नई होइस! राजा बड़ जोर से गुस्सा होगे? गांव के मनखे मन ला सताय लागिस अउ गांव मा मुनादी करा दिस कोनो काम धाम म नई जाए अउ जाही तेला सजा मिलही।

गांव के सबो मनखे मन डर के मारे घर मा रहेन लागिस, जेन मिले तेने जिनिस ला खाके जिनगी ल काटे लागिस। अंजोर अउ ओकर गोसाइन के आदत राहय रोज जंगल जाके रूख- राई लगा के आवयं। ये बात राजा ल पता चलगे। दोनों झन एक ठन रूख लगावत राहय, अतका बात राजा ला पता चलगे; अंजोर अउ ओकर गोसाइन ला बुलाईस, कहे लागीस- काबर जंगल गे हस तोला पता नइये का? मोर बेटा के तबियत खराब हे काम धाम बंद हे । अंजोर डेरागे राहय।

ओतका बात ल सुनके अंजोर हा माथ नवावत किहिस- औषधि रूख लगाय हव अड़बड़ अकन बीमारी के इलाज म काम आथे।

राजा किहीस-अरे मूर्ख ढोंगी का रूख राई ले बीमारी ठीक होही?

अंजोर किहीस- हां राजा हम गरीब मनखे मन उही पेड़ के पत्ती, रूख -राई के छाला ला खाके आज स्वस्थ हन हमन। कभू डॉक्टर के मुख नई देखे हन। गांव की सबो मनखे मन इही बात ला दोहराय लागिन।

राजा बात ल सुनके आश्चर्य मां पड़गे! का तुमन बोलत हव ते बात सही हे। राजा बोले लागिस।

राजा के मन उथल-पुथल होत राहय अउ वो सोचत राहय मोर एक झन बेटा के तबियत कइसे ठीक होही? का मोर लइका के तबियत इही रूख-राई ले ठीक हो जाही?

अंजोर किहिस- हां राजा जी। तब राजा ह थोरके बिचार के किहिस- राजा ह अंजोर अउ, गांव वाले ला जंगल जाए बर आदेश दिस, अंजोर ह तैयारी करत राहय ओतके बेर ओकर गोसाइन आके कहिन लागिस। महु जाहु तोर संग।

दूसर दिन बड़े बिहानिया ले राजा- रानी, अउ ओकर बेटा ला धरके अंजोर अउ गोसाइन हा जंगल मा गिस। राजा के बेटा के तबियत बिगड़त राहय , अंजोर अउ ओकर गोसाइन ला विश्वास होगे राहय; राजा मनेमन डरावत राहय मोर बेटा कैसे ठीक होही, जंगल ले जोर से आवाज आईस। ओ राजा जी तै गांव के गरीब मनखे मन ला काबर सताय हस, सबके काम धाम बंद कराय हस राजा; ओ आवाज जंगलहीन दाईज्ञ के राहय।

राजा डेरागे! जंगलहीन दाई किहीस- डर मत बेटा तोर बेटा हां जल्दी ठीक हो जाही, मोर नाव के इकठन रूख- राई लगा दे? जइसे अंजोर अउ गोसाइन सेवा करे हे, उसने तहूं सेवा कर।

ये सबो बात ला राजा ह अंजोर ल बताइस।

तब अंजोर ह किहिस-राजा जी रूख- राई लगाय ला पड़ही। राजा एक ठन रूख- राई लगाईस अउ पूजा पाठ करे लागिस।

अंजोर अउ ओकर गोसाइन मिलके उही रूख- राई के पत्ती अउ छाला के दवाई बनाईस अउ राजा के बेटा ला पिलाइस। फेर सबो झन घर वापस होगे। राजा अपन बेटा के चिन्ता करत राहय! रतिहा पहागे राजा के बेटा घर ले निकल के दौड़े लागिस, राजा अपन बेटा ल अचानक दौड़त देख के अड़बड़ खुश होईस। अंजोर अउ ओकर गोसाइन ला राज़ दरबार में बुला के केहे लागिस- बेटा अंजोर तै मोर जिनगी मा अंजोर करे, मोर हीरा बेटा के तबियत इही जंगल के रूख -राई ले ठीक होगे। राजा हा अंजोर ला ईनाम दिस अउ किहिस- आज ले ये जंगल के राजा तै रहिबे,मैं गांव के राजा।

सबो झन गांव वाले ल बुलाइस अउ राजा किहिस- गांव मा जतेक मनखे हे ओतके रूख लगावव अउ जंगलहीन दाई के पूजा करव। अंजोर अउ ओकर गोसाइन गांव के जम्मो मनखे मन सन मिलके रूख- राई लगाए लागिस अउ खुशहाली पूर्वक जिनगी बिताय लागिस गांव में खुशहाली, हरियाली के दिया अंजोर कस बगरत रिहिस।

एक एक ठन हमन रूख- राई लगाबो, अपन जिनगी मा हरियाली अउ खुशहाली लाबो।

-विरेन्द्र कुमार साहू,
प्रधान पाठक बठेना, विकास खंड-पाटन

दिखावा के तीसरा अटैक अउ श्रद्धांजलि !

बियंग

मनखे मन ल जनम ले लेके मरन तक नाना प्रकार के संस्कार नाम के पतली गली ले होके गुजरना पड़थे। जनम के समय खुशी मनाय जाथे त मरन ह दुख के कारण बन जथे। खुशी अउ मातम के बीच के लम्बा रद्दा म हिदिक-हादक करत कई ठन उतार-चढ़ाव ले नहाकना पड़थे। मनखे के सामाजिक प्राणी होय के सेती ओकर ले सामाजिकता के आशा घलव रहिथे। फेर ओकर अंतस के बारा-बाखा म विराजमान असमाजिक नाम के दुरगुन के सेती मनखे मन ल संस्कार के अंदर अउ कई ठन ब्रांच खोले के मौलिक अधिकार मिल जथे। तइहा के बेरा म चीज-बस के कमी के सेती उधारी-बाढ़ी ले बाचे बर संस्कार ल शार्ट कट म निपटाय के जतन करे जाय। ये शार्ट कट म दीदी-भाटो, फूफा- फूफी, ममा-मामी अउ कका-काकी जइसे घरोधी सगा के संग अड़ोस-पड़ोस के मन नेवतहार रहँय। आजकल संस्कार के सूचकांक म मनमाने उछाल देखे बर मिलत रहिथे। तेकर सेती नवा पीढ़ी वाले संस्कार के उत्सव बाजार के सूचकांक ह उपर डहर चढ़तेच दिखाई देथे फेर निवेशक के चरित्र म हल्कापन के संभावना ले इंकार नइ किये जा सके।ये संस्कार के उत्सव बाजार के लक्षण ह बड़ विशेष होथे,येमा पैसा लगाय ले पैसा आय के नहीं जाय के फुल गारंटी रहिथे। तभो ले आम-आदमी ह येमा निवेश करे बर पुच्च-पुच्च कूदे परथें। कोनो भी संस्कार ल उत्सव म बदले बर बजट के जरवत पड़थे अउ ये बजट ह नेवतहार सगा मन ल बंटाय कार्ड के वजन के हिसाब ले तय होथे। ये जी लेवा बजट के चक्कर म घर-द्वार, खेती -खार के बेचाय के चांस बने रहिथे। बिना माल-पानी (खटाखट नोट) के कहाँ के संस्कार अउ कहां के तीज-तिहार? सब फाऊ हे...।

हम कोनो ले कम नइ हन- वाले बीज मंत्र ह आजकल सबके नस-नाड़ी म विराजमान होगे हवय। तेकर सेती अड़ोसी-पड़ोसी अउ घरोधी सगा मन के कार्यक्रम ले बढ़ के भव्य कार्यक्रम करे के इच्छा ह हर नवा पीढ़ी के मन म समाय रहिथे। इही गुरू मंत्र ल अधार मान के भावी प्रोग्राम बर मेगा बजट तैयार करे जाथे। परब, तीज-तिहार म भव्यता के एके मतलब होथे दिखावा..,। दिखावा कहे म थोकिन अटपटा लगथे फेर पैसा वाले अउ उंकर फालोवर मन येला भव्यता कहिके अपन कद ल आदमकद बनाय के जुगाड़ म लगे रहिथें। कुल मिला के नवा पीढ़ी के संस्कारी दुनिया म फिजूलखर्ची ह एक ठन नवा परम्परा 'दिखावा' ल जनम देवत हे। इही दिखावा के गर्भ म तारीफ के अंश छुपे रहिथे अउ कते मनखे ल भला तारीफ ह पसंद नइ आवत होही? अपन तारीफ सुने बर मनखे मन बजट ले जादा खरचा करे बर अइसे भी मरतेच रहिथें। वो मन सब जानथें आवक ले जादा खरचा करे म समस्या आही फेर तारीफ सुने के घोर अभिलाषा ह बजट ल घाटा के मुहाटी म पहुंचई देथे। दिखावा म पीएचडी करे संस्कार शास्त्री मन के कहना हे कि- आदमी के औकात के मुताबिक दिखावा ल अलग-अलग ग्रुप म सेट करना चाही। सामाजिक जीवन म दिखावा ह आज के महत्वपूर्ण जरवत बनके हमर सामने खड़े हे। जेब म जतका माल-पानी हे ओकर छोड़ खेत-खार ल बेच-भांज के दिखावा बर बजट तैयार करना आज आम आदमी के जइसे मुख्य कर्तव्य बनके रहिगे हे। अइसे भी जमीन बेच के आयोजन करना बड़े दिल वाले मन के काम आय।

पता नहीं इहां के सामाजिक अउ संस्कारिक ताना-बाना ह कौन से खांचा म ढलाय हे। जेन ल देखबे उही ह दिखावा ल अपन अंत:करण म आत्मसात करत इहां-उहां दिख जथे। खासकर निम्न अउ निम्न मध्यम वर्ग म ये गुण ह गोड़ ले मूड़ तक गलगला के भरे रहिथे। इही सरफूकनिक विशेषता के सेती बड़े-बड़े गौंटिया अउ मालगुजार मन के खेती-खार ह बेचा-बेचा के हाथ ले गुजर गेहे। अब घोंसर-घोंसर के फकत गुजारा ह चलत हे। एक डहर किसान मन अपन खेती -बाड़ी के परब अउ तीज- तिहार ल अलवा-जलवा करके मनई लेथें। त दूसर डहर सगई,बिहाव अउ छट्ठी के प्रोग्राम ह आम आदमी के कनिहा ल ढिल्ला करके रख देथे। घर म लइका मन जब सज्ञान हो जथें तब दाई-ददा के कोरा-माथा म फिकर के लंबा लोर ह दग-दग ले उपक जथे। इहां सज्ञान के मतलब बिहाव करे के योग्य लइका ले हवय। बड़ जतन ले लइका मन के बिहाब के योजना बनावत दाई-ददा मन अपन छानी-खपरा वाले घर ल टोरके पक्का घर बनाय के सपना संजोथे। येमन ये सपना संग प्रधानमंत्री आवास योजना ल जोड़े के उदीम म सरपंच-सचिव के अघावत ले खात-खवई घलव करवाथें।फेर लाख कोशिश करे बाद पंचायत ह हरा के जगा लाल झंडी दिखा देथे। तभो ले दाई-ददा मन पीएम आवास योजना ल अमलीजामा पहिराय बर पंचायत विभाग ले घेरी-बेरी विनम्र निवेदन

> **हम कोनो ले कम नइ हन- वाले बीज मंत्र ह आजकल सबके नस-नाड़ी म विराजमान होगे हवय। तेकर सेती अड़ोसी-पड़ोसी अउ घरोधी सगा मन के कार्यक्रम ले बढ़ के भव्य कार्यक्रम करे के इच्छा ह हर नवा पीढ़ी के मन म समाय रहिथे। इही गुरू मंत्र ल अधार मान के भावी प्रोग्राम बर मेगा बजट तैयार करे जाथे। परब, तीज-तिहार म भव्यता के एके मतलब होथे दिखावा..,।**

करथें फेर वाह रे पंचायती विभाग..,येमन जुवाबी कार्यवाही म उनकर सपना के सादर श्रद्धांजलि करके रख देथें।

लड़का पक्ष होय चाहे लड़की पक्ष ये डिजिटल युग म खपरा-छानी वाले घर ल बड़े हिकारत भरे नजर ले देखे जाथे। तेकरे सेती बिहाव खातिर पक्का मकान के सपना ल साकार करे बर खेत-खार ल बेचना सियान के मजबूरी हो जथे। खेत बेच के मिले सबो पैसा ह बिजली, नल, टाइल्स अउ डिस्टेंपर के आगू म चटनी हो जथे। अर्थात बर-बिहाव के परसादे सबे किसम के परिवार म दिखावा के पहला अटैक इही ह आय। सनद रहय कि प्राथमिकता वाले राशन कार्ड ले पक्का मकान बनवई के इहां कोई लेना-देना नइ हे। कइसनो करके जब पक्का मकान के सपना पूरा हो जथे तब लड़की अउ लड़का दूनो के नाम ल बिहाव योग्य लइका के परिचय सूची म छपवा दिये जाथे। काकर मन कतका उज्जर अउ कतका काला हे,येला भला कोन ह जाने, ये दुनिया के खेल तो निराला हे। पक्का मकान के चमत्कार अइसे कि देखते-देखत दूनो लइका के रिश्ता फटाक ले तय हो जथे।

एती कइसनो करके जब पक्का मकान के सपना पूरा हो जथे तब सियान के आगू म सगई अउ शादी के दू ठन बड़े खरचा ह हिमालय कस ठाढ़े दिखथे। येती घर के सियान ह कम बजट म सगई अउ बिहाव के खरचा ल निपटाय के योजना बनाथे त ओती बेटा अउ बेटी मन शान-शौकत ले प्रोग्राम करे के प्रस्ताव ल अपन सदन म ध्वनि मत ले पारित करवा लेथें। आखिरकार सियान के योजना ह लइका मन के इच्छा के आगू म घुटना टेक के रहि जथे। तभे नवा पीढ़ी के नवा सोच के संग घरवाले के उपर खट-खटाखट दिखावा के दूसरा अटैक हो जथे। ये दिखावात्मक अटैक के सेती अब सड़क तीर के टेपरी डोली के हैप्पी बर्थडे मनाना जरूरी हो जथे। बेटा-बेटी डहर ले शान-शौकत के लम्बा रूचि ल समान के सूची म एडजस्ट करना अउ दिखावा-परमोधर्म: के आधार म ओला आत्मसात करना दाई-ददा के नैतिक अउ भौतिक जुम्मेदारी बन जथे। कुल मिला के नवा पीढ़ी के अभिरुचि के सूची ल देखे म आधुनिक समाज के आलंबन अउ उद्दीपन ह मां-बाप के स्थायीभाव ल संचारी भाव म बदल के रख देथे।

बर-बिहाव ह टोटल घरेलू मामला तो आय तेकर सेती येकर भीतरी म झांके के उदीम बिल्कुल नइ होना चाही। फेर दूल्हा-दुल्हन के अभिरुचि के सूची ल देख के वर्तमान समय म समाज के अंदर नवा पीढ़ी के का सोच तैयार होवत हे ओहर सबके नजर म जग-जग ले तो अइ जथे। जब राशन- पानी, कपड़ा-लत्ता, जेवर-गहना, फ्रिज-कूलर, वाशिंग मशीन, टीवी, डबल बेड, ड्रेसिंग, सोफा-सेट, शामियाना अउ डीजे-धूमाल जइसे आइटम मन के महायोग ह टेपरी डोली के वजन ले भारी पड़ जथे तब अपने-आप जेठासी डोली डहर डुड़ींगरी ह तो उचि जथे न..। आजकल बर-बिहाव म अड़ोसी-पड़ोसी ले बढ़के दिखावा (शान-शौकत) म खरचा करना आम-आदमी के नवा फैशन बनके रहि गेहे। येकर बर भला खेत-खार के सादर श्रद्धांजलि देना पड़ जाय तेकर कोई गम नइ रहय। आजकल कन्हो भी कार्यक्रम म दिखावा के क्वालिटी उपर तारीफ के फुल झरई ह डिपेंड करथे। तेल-हरदी चढ़े के बेर माइलोगन मन बर पींयर रंग के लुगड़ा,उनकर माथा म ओरमाय बर पींयर रंग के बिंदिया अउ बबाजात मन बर पींयर कुर्ता- पायजामा के मेचिंग के बेवस्था ह दिखावा के चरम अवस्था ल रेखांकित करथे।

ये दिखावा ह आम आदमी के हाँसत-खेलत परिवार ल कते डहर लेग के धसाही, कुछ कहे नइ जा सके। आप सुधी समाज ल अवगत कराना घलव जरूरी हे कि- इहां चर्चा के विषय आम आदमी के समस्या ल लेके होवत हे। खास आदमी मन के चर्चा करना हमर बस के बात नोहे, उनकर बर तो बोरा म, टेम्पो म भर-भर के बेवस्था हो जथे।

बर-बिहाव के तीन दिवसीय सामाजिक प्रोग्राम के मड़वा मंथन करे म अपन-तुपन करई, माई-मोसी करई जइसे बिख (जहर) अउ पार-पांघर, सगा-सोदर के सहयोग ह अमृत के रूप म निकल के आथे। बर-बिहाव के नेंग-दस्तूर जइसे सांस्कारिक पक्ष के मुख्य आधार स्तम्भ महिला समाज होथे। इंकर बिना एक ठन पत्ता नइ हिल सके। ये काम ह महिला मन के सकारात्मक विशेषता ल बतलाथे। उहें दूसर डहर उनला माई-मोसी करई के ताना घलव सुनना पड़थे। अपन मइके पक्ष के सगा मन ल छांट-छांट के उंचहा लुगरा-फुलपेंट बंटई अउ बाकी मन ल चेंदरा म निपटाय के कूटनीतिक चाल ह बिहाव जइसे मांगलिक काम के वॉट लगा के रख देथे। ये लेन-देन के भाव-बेवहार म अपन-तुपन के नान्हे सोच ह ननंद -भौजाई, देरानी- जेठानी अउ घर-परिवार के बीचोंबीच विभाजन के एक लंबा लकीर खींच देथे। पुरखा के जमीन-जायदाद ल बेच- भांज के अपने मन ले दूर होय के ये टुच्चई पना ह का दुखदाई नोहे?

हरदी के पीयर रंग ह अभी छूटे नइ रहय कि नवा बहू रानी के रात-दिन शापिंग के नवा फैशन ह घर ल गदबदा के रख दे रहिस। सहीं म आजकल नवा बहुरिया मनके रात-दिन शापिंग के आधुनिक संस्कार ह घर ल कते दिन खड़हर बना दिही, कुछ कहे नइ जा सके। ब्रांडेड परिधान संग ब्रांडेड इस्नो-पाउडर अउ डियो छितके बाईक म आसन ग्रहण करत ये मन जब गली ले गुजरथें तब दिखावा के महक ह नेवरनीन होय के भरपूर बखान करथे। इंकर बेवहार ल देख के अइसे लगथे जनो-मनो हरेक साड़ी दुकान म हफ्ता पुट येमन ल शापिंग करे के संविधान ह मौलिक अधिकार दे डरे हे।

बिहाव म दिखावा के शानदार दू अटैक म मोहाय घरवाले मन के मटमटई ह अभी शांतेच नइ होय रहय कि नाती के छट्ठी अउ नामकरण संस्कार के भावी योजना ह आगू म ठाढ़ हो जथे। बहू रानी के मइके पक्ष वाले मन ल खोज-खोज के नेवता देना अउ उनकर उबुक-चुबुक होवत ले मानगौन करना ये कार्यक्रम के मुख्य कार्य होथे। साथे-साथ नामकरण संस्कार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम म शानदार पार्टी देना, रमायण मंडली डहर ले सोहर गवाना अउ डीजे के धुन म कनिहा मटकाना ल घरवाले उपर दिखावा के तीसरा अटैक के रूप म मूल्यांकन करे जाथे अउ आखिर म खरचा के भरपाई करे बर घर म बचे-खुचे रासियत के अंतिम श्रद्धांजलि के संग खेती-किसानी के चेप्टर ह आटोमेटिक क्लोज हो जथे।

महेंद्र बघेल, डोंगरगांव

देश विदेश

इंडोनेशिया में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत, 14 घायल

जकार्ता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के द्वीप जावा के बोयोलाली रीजेंसी में शनिवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। बोयोलाली पुलिस प्रमुख पेट्रस पर्निगोटन सिलालही ने कहा कि हादसा स्थानीय समयानुसार आज तड़के करीब 3:15 बजे तब हुआ, जब सुराबाया से योग्याकार्टा जा रही एक मिनी बस सामने खड़े एक ट्रक से टकरा गई। बस में 22 यात्री सवार थे। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रमुख ने संदेह जताया कि दुर्घटना मिनीबस चालक को नींद आने के कारण हुई होगी। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हैती में राजनीतिक मिशन के जनादेश को माना

संयुक्त राष्ट्र, 13 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हैती में संयुक्त राष्ट्र एकीकृत कार्यालय (बीआईएनयूएच) का कार्यकाल एक और वर्ष के लिए 15 जुलाई, 2025 तक बढ़ा दिया।

सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव 2743 को अपनाते हुए सभी हैती हितधारकों द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष विधायी और राष्ट्रपति चुनावों के आयोजन की दिशा में हैती सरकार से 90 दिनों के भीतर चुनाव के लिए खाका तैयार कर परिषद को अपडेट करने के लिए कहा, जिससे एक अनंतिम चुनाव परिषद स्थापित और चुनाव समयबद्ध कराए जा सकें। प्रस्ताव में बीआईएनयूएच से एक रणनीति विकसित करने का आह्वान किया गया कि वह हैती के नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया का समर्थन कैसे करेगा, और उनसे अनुरोध किया गया कि वह अपनी तिमाही रिपोर्ट में इस रणनीति तथा इसके कार्यान्वयन पर परिषद को नवीनतम जानकारी से अवगत कराएं।

प्रस्ताव के अनुसार, बीआईएनयूएच

- बीआईएनयूएच का कार्यकाल 15 जुलाई, 2025 तक बढ़ा दिया
- मिशन को अन्य कार्यों को लागू रखने के लिए किया प्रोत्साहित

की पुलिस, सुधार इकाई में पुलिस, सुधार सलाहकार के रूप में काम करने के लिए 70 नागरिक और दूसरे कर्मचारी शामिल रहेंगे। इसने मिशन को अपने अधिदेश के तहत अन्य कार्यों को लागू करना जारी रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिसमें हैती की राष्ट्रीय पुलिस को सलाहकार सहायता, गिरोह विरोधी रणनीति, सीमा, बंदरगाह प्रबंधन पर प्रशिक्षण, गिरोह के सदस्यों का विमुद्रीकरण और पुन: एकीकरण शामिल है।

डब्ल्यूएचओ ने दी मलावी को 90 लाख डॉलर की चिकित्सा सामग्री

लिलोंग्वे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने देश के सार्वजनिक अस्पतालों को समर्थन प्रदान करने के लिए मलावी सरकार को 90 लाख अमेरिकी डॉलर की दवाओं सहित विभिन्न चिकित्सा आपूर्ति का अनुदान दिया है।

लिलोंग्वे में शुक्रवार को अनुदान देते समय, डब्ल्यूएचओ के देश के प्रतिनिधि नीमा किमाम्बो ने अपने संगठन की इच्छा व्यक्त की और कहा कि मलावी में सार्वजनिक अस्पताल अच्छी तरह से उपलब्ध हों और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त हो। किमाम्बो ने कहा कि डब्ल्यूएचओ मलावी की स्वास्थ्य प्रणाली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न संसाधन प्रदान करके मलावी सरकार का समर्थन करना जारी रखेगा।

मलावी के स्वास्थ्य मंत्री खुम्बिज़े कंदोडो चिपोंडा ने दान की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश के सार्वजनिक अस्पतालों में चिकित्सा आपूर्ति की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएचओ 2022 से ही देश की कोविड-19 आपातकालीन प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी परियोजना के माध्यम से मलावी सरकार को महत्वपूर्ण दवा और चिकित्सा की आपूर्ति कर रहा है।

गाजा में मारा गया हमास का वरिष्ठ कमांडर

गाजा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले की साजिश रचने में शामिल हमास का एक वरिष्ठ कमांडर गाजा शहर पर इजरायली हवाई हमले में मारा गया। इजरायल रक्षा बलों की ओर से ये बात कही गई है। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि मारे गए कमांडर का नाम अयमान शोवाडेह है, फिलहाल वो हमास की शेजैया बटालियन का डिप्टी कमांडर था और पहले हमास के संचालन मुख्यालय में एक प्रमुख ऑपरेटिव था।

बयान के अनुसार, शोवाडेह ने इजरायली सैनिकों के खिलाफ कई हमलों का संचालन किया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सेना ने दावा किया कि यह व्यक्ति शहर के शेजैया में हाल ही में आईडीएफ अभियानों में मारे गए 150 से अधिक आतंकवादियों में से एक था।

इजरायली सेना ने सक्रिय आतंकवादियों और उनके बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए लगभग दो सप्ताह तक शेजैया को निशाना बनाया। सेना ने घोषणा की कि उसने शेजैया में मिशन पूरा कर लिया है।

सुडोकू 6615

	7		6		4			5
8				5			6	3
		5	3					8
5								
	9						4	
								2
1					8	2		
6	5			7				1
7			9		6		8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6615

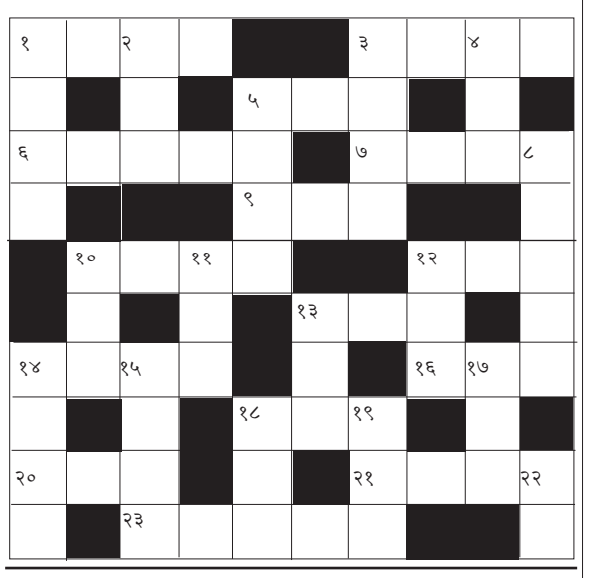

बायें से दायें:-

१. विष्णु की माला. झंडा, चिन्ह, विजय माल
३. पारा
५. रचना, बनावट, उत्पादन
६. सूर्यपुत्री, यमुना
७. मूर्ख, नादान, अविवेकी (उर्दू)
९ .सहायता(उर्दू)
१०. झुका हुआ गिरा हुआ, पिछड़ा हुआ, विनीत
१२. पाचनशक्ति(उर्दू)
१३. कोमल, नरम
१४. बूढ़ा आदमी
१६. देखना, एकटक देखना
१८. शीतल और मंद वायु
२०. राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को शाप देकर भस्म कर देने वाले एक मुनि, भूरा, बादामी
२१. बुद्धिमानी
२३. अंधकार से दूर करने वाला

ऊपर से नीचे:-

१. पृथ्वी और यमलोक के बीच एक पौराणिक नदी
२. यंत्रयोग से बंधा हुआ, ताला लगाया हुआ जकड़ा हुआ बंद किया हुआ
३. युद्धभूमि में होने वाली आवाज
४. चार दिशाओं में से एक
५. धन सुख, स्वादिष्ट भोजन, ईश्वर की देन(उर्दू)
८. बेकार काम करना, वक्त बरबाद करना (मुहावरा)
१०. अपवित्र, नापाक
११. कमल
१२. स्थिति, दशा(उर्दू)
१३. शिकार, आखेट
१४. वर्षा करने वाला, मेघ
१५. अज्ञानता(उर्दू)
१७. भैंस का नर बच्चा
१८. वृद्धि करना
१९. रचनाकार
२२. गन्ना

वर्ग पहेली-6614

१ इ	बा	२ र	त		३ प	र	४ जी	वी
ष्ट		ह		५ स	वा	ल		व
६ दे	व	ना	ग	री		७ ट	मा	ट	८ र
व				९ सृ	ज	न			वि
	१० अ	भि	११ शा	प			१२ नि	शां	त
	र्ज		बा		१३ वि	ध	वा		न
१४ व	न	१५ वा	सी		र		१६ स	१७ म	य
श		रां		१८ अं	त	१९ र		हे	
२० व	र्षा	ग		ब		२१ ज	ला	श	२२ य
चीं		२३ ना	फ	र	मा	नी			क्ष

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 14 जुलाई, 2024 आषाण शुक्ल पक्ष 09

राशिफल

मेष - आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ताजगी का अनुभव होगा। घर का वातावरण आनंददायी रहेगा। आर्थिक लाभ के साथ-साथ व्यवसाय और नौकरी में संतोष का अनुभव करेंगे। सामाजिक दृष्टि से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ - आज आकस्मिक खर्च होने की आशंका है। विद्यार्थियों का पढ़ने-लिखने में ध्यान रहेगा। दोपहर के बाद घर-परिवार के लोगों के साथ आनंददायक समय गुजरेगा। कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन - आज आपको जमीन, मकान या वाहन आदि के कामकाज में बहुत सावधानी बरतना होगी। परिजनों के साथ बिना कारण तनाव बढ़ेगा। संतान के विषय में आपको चिंता होगी। विद्यार्थियों का विद्याभ्यास में बाधा आएगी।

कर्क - आज का दिन आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त करने के लिए अच्छा है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रखेगा। आज आप कुछ अधिक ही संवेदनशीलता का अनुभव करेंगे।

सिंह - आज आप मधुरवाणी से किसी काम को आसानी से सफल बना पाएंगे। परिवार के लोगों के साथ आनंद से समय बिताएंगे। दोपहर के बाद भी किसी काम में बिना सोचे समझे निर्णय ना लें। आपको अपनों से लाभ होगा।

कन्या - आज का आपका दिन शुभ फलदायी है। अपनी वाणी से आप लाभदायी और प्रेम भरे सम्बंध स्थापित कर सकेंगे। आपकी वैचारिक समृद्धि अन्य जनों को प्रभावित कर सकेगी। व्यापार के लिए आज का दिन लाभदायी होगा।

तुला - आकस्मिक खर्च हो सकता है, इसमें आपको सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता के कारण मित्रों के साथ विवाद होने की आशंका बनी रहेगी। कोर्ट-कचहरी के काम से आज संभलकर चलें।

वृश्चिक - आप को अनेक क्षेत्र में लाभ और यश प्राप्त होगा। धन प्राप्ति के लिए योग अच्छा है। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा। परिजनों या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाने का अवसर मिलेगा।

धनु - आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ भी होगा।

मकर - आज का दिन पूरी तरह से शुभ फलदायी है। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करने वाले लोगों को फायदा होगा। किसी दोस्त या रिश्तेदार से मिले अच्छे समाचार से आपका मन प्रफुल्लित होगा। धार्मिक यात्रा की संभावना है।

कुंभ - आज मन पर किसी बात की खुशी बनी रहेगी। लोगों से गुस्से में बात ना करें। परिजनों के साथ वाद-विवाद में न पड़ें। दोपहर के बाद स्वजनों तथा मित्रों के साथ आप का समय अच्छा गुजार सकेंगे।

मीन - आज का दिन दैनिक कामों में आपको शांति देगा। किसी मनोरंजक स्थल पर मित्रों या परिजनों के साथ जाना हो सकता है। व्यापार में भागीदारों के साथ व्यवहार अच्छा रहेगा, परंतु दोपहर के बाद आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1223- फिलिप द्वितीय की मृत्यु के बाद उनके बेटे लुई फ्रांस के राजा बने।
1636- मुगल बादशाह शाहजहां ने औरंगजेब को दक्कन का वायसराय नियुक्त किया।
1789- फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत। क्रांति के दौरान बैस्टिल की ऐतिहासिक जेल पर पेरिस की जनता ने अधिकार कर लिया।
1850- मशीन द्वारा जमाई गई बर्फ का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन।
1861- कॉट लिंग नामक अमरीकी व्यक्ति ने अतीत के अविष्कारों के अनुभवों और अनुसंधानों के आधार पर हथियार के रूप में मशीनगन बनाई।
1914- पहले तरल ईंधन आधारित रॉकेट की डिजाइन का पेटेंट रॉबर्ट एच गोगार्ड ने हासिल किया।
1927- हवाई द्वीप में विमान की पहली व्यावसायिक उड़ान शुरू।
1940- द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के बमवर्षक विमानों ने स्वेज पर बमबारी की।
1951- सीबीएस चैनल पर घुड़दौड़ के रूप में किसी खेल कार्यक्रम का पहली बार रंगीन प्रसारण।
1965- मंगल के पास से गुजरने वाले नासा के अंतरिक्ष यान ने किसी दूसरे ग्रह की पहली क्लोज अप तस्वीरें लीं।
1969- जयपुर में मालगाड़ी और यात्री गाड़ी की टक्कर में 85 लोगों की मौत।
1969- अमेरिका के वित्त मंत्रालय और फेडरल रिजर्व सिस्टम ने 500, 1,000, 5,000 और 10,000 डॉलर के नोटों को बंद किया।
1972- तत्कालीन सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1987- ताइवान में 37 वर्षों के बाद मार्शल कानून समाप्त।
1991- इराक़ से ब्रितानी फ़ौज की वापसी।

इजरायल में वेस्ट नाइल बुखार का प्रकोप जारी, मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हुई

यरूशलम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल में वेस्ट नाइल बुखार का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश में इस बुखार से 12 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। इसी के साथ मई की शुरुआत से अब तक मरने वालों की संख्या 31 हो गई है।

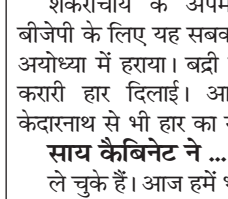

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को 49 नए संक्रमण मामलों की सूचना दी। इसी के साथ देश में कुल मामलों की संख्या 405 हो गई, जो कि साल 2000 में 425 मामलों के वार्षिक रिकॉर्ड के करीब है। मंत्रालय ने इस बढ़ते रोग का कारण क्षेत्र में गर्म और ज्यादा आर्द्र मौसम को बताया है। यह मौसम मच्छरों के लिए अनुकूल है। मच्छर पक्षियों को काटते हैं, जिसके बाद ये इंसानों में वायरस फैलाते हैं। इजरायल की एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार, संक्रमित लोगों में से ज्यादातर बुजुर्ग शामिल हैं, जबकि बच्चों में भी इस वायरस का संक्रमण पाया गया है। अधिकांश लोगों में संक्रमणों में सर्दी के कोई लक्षण नहीं या हल्के लक्षण दिखाई देते हैं। लेकिन कभी-कभी कुछ लोगों में गंभीर बीमारियां हो जाती हैं, जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती हैं।

तिब्बत पर अमेरिकी अधिनियम का चीन ने किया कड़ा विरोध

बीजिंग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 13 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा तथाकथित 'तिब्बत-चीन विवादों के समाधान को बढ़ावा देने वाले अधिनियम' पर हस्ताक्षर करने पर संवाददाताओं के सवालों के जवाब दिए।

स्थानीय समयानुसार 12 जुलाई को, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तथाकथित तिब्बत-चीन विवादों के समाधान को बढ़ावा देने वाले अधिनियम पर हस्ताक्षर किए। चीनी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि यह अधिनियम दलाई लामा गुट की तथाकथित 'ग्रेटर तिब्बत' अवधारणा को बढ़ावा देता है। और अमेरिकी सरकार तथा तिब्बती मामलों के विशेष समन्वयक से चीन सरकार की तिब्बत संबंधी झूठी जानकारी का मुकाबला करने के लिए भी कहा गया।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी एक बयान जारी कर कहा कि यह अधिनियम अमेरिका में दोनों पार्टियों की लंबे समय से चली आ रही नीतियों में बदलाव नहीं करता। यानी, वे मानते हैं कि तिब्बत स्वायत्त प्रदेश और चीन में अन्य तिब्बती क्षेत्र चीन का हिस्सा हैं।

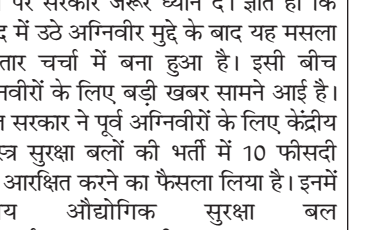

चीनी प्रवक्ता ने कहा कि तथाकथित तिब्बत-चीन विवादों के समाधान को बढ़ावा देने वाले अधिनियम ने अमेरिकी सरकार के सतत रुख और प्रतिबद्धता का उल्लंघन किया, अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों का उल्लंघन किया, चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप किया, चीन के हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया, और तिब्बती स्वतंत्रता ताकतों के लिए एक गंभीर गलत संकेत भेजा। चीन ने इसका कड़ा विरोध किया और गंभीर रूप से अमेरिका के सामने इस मामले को उठाया है। इसके अलावा 13 जुलाई को अमेरिका द्वारा इस तथाकथित तिब्बत-संबंधित अधिनियम को पारित करने और हस्ताक्षर करने के जवाब में, चीन की राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति ने भी एक बयान जारी किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

'एनडीए' पर भारी पड़ा...

आज यहां पार्टी मुख्यालय में 13 सीटों के लिए विधानसभा उपचुनाव के परिणाम आने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा और उसके कार्यकर्ता जो भी कहें लेकिन यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा से जनता का मोह खत्म हो गया है और अब उसे भाजपा नहीं चाहिए। उन्होंने कहा ,' भाजपा को 13 में सिर्फ एक सीट मिली हैं। इतिहास में पहली बार हुआ होगा कि मध्य प्रदेश के अमरवाड़ा में काउंटिंग रोककर अधिकारी लंच ब्रेक कर लेते हैं। पूरा प्रशासन कांग्रेस को हराने के लिए जुट जाता है।

अयोध्या के बाद ...

शंकराचार्य के अपमान का सबूत है। बीजेपी के लिए यह सबक है। भगवान राम ने अयोध्या में हराया। बद्री बाबा ने बद्रीनाथ में करारी हार दिलाई। आने वाले समय में केदारनाथ से भी हार का संदेश जाने वाला है।

साय कैबिनेट ने ...

ले चुके हैं। आज हमें भी रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिल गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के कैबिनेट के सहयोगी उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, खेल मंत्री टंक राम वर्मा भी मौजूद रहे। इसके साथ ही किरण देव, अजय जामवाल एवं पवन साय भी मौजूद रहे।

उपचुनाव के नतीजों ने...

में डीएमके का रुतबा बरकरार है। वहां एक सीट पर उपचुनाव था और परिणाम सत्तारूढ दल के खाते में गया। लेकिन बिहार में इंडिया गठबंधन और एनडीए दोनों को झटका लगा। रुपौली विधानसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली है।

यूसीसी पर भाजपा ...

राज्य भी इसे अपनाने के लिए आगे आएंगे। बताया जा रहा है कि गुजरात और असम जैसे राज्य जहां पहले ही यह प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। वहां राज्य विधानमंडल से इसे जल्द पारित कराया जा सकता है। हालांकि कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा है कि वह इस मुद्दे पर विधि आयोग के मूल्यांकन का इंतजार करेंगे। पिछले महीने उन्होंने कहा था कि यह मुद्दा अभी भी सरकार के एजेंडे में है। लेकिन माना जा रहा है कि सहयोगी दलों का अनुकूल रुख न होने के चलते यह मुद्दा फिलहाल ढंठे बस्ते में जाता दिखाई पड रहा है।

सेना में भर्ती सिर्फ नौकरी...

उचित ? उन्होंने एक और पोस्ट में कहा, 'पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने की तैयारी में केंद्रीय सुरक्षा बल; यह मीडिया में नया सरकारी बयान है, किन्तु यह ऐसी नई बात नहीं है जो पहले नहीं कही गई जिसे लोगों ने स्वीकार कर लिया हो। सेना में भर्ती सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि जज़्बा/सम्मान से जुड़ा है जिस पर सरकार जरूर ध्यान दे। ज्ञात हो कि संसद में उठे अग्निवीर मुद्दे के बाद यह मसला लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच अग्निवीरों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। भारत सरकार ने पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों की भर्ती में 10 फीसदी सीटें आरक्षित करने का फैसला लिया है। इनमें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) जैसे सुरक्षाबलों में होने वाली भर्तियां शामिल हैं।

आदेश *पाक सर्वोच्च अदालत ने पीटीआई को आरक्षित सीटों के लिए पात्र घोषित किया*

नेशनल असेंबली में पीटीआई बन सकती है सबसे बड़ी पार्टी

इस्लामाबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई पार्टी को आरक्षित सीटों के लिए योग्य घोषित किया। न्यायालय के इस फैसले से पीटीआई देश की नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है। पाकिस्तान के शीर्ष न्यायालय की 13 सदस्यीय पीठ के फैसले के अनुसार यह फैसला पीएचसी और ईसीपी द्वारा पीटीआई समर्थित एसआईसी को महिलाओं और गैर-मुस्लिमों के लिए आरक्षित सीटों से वंचित करने के खिलाफ अपील पर किया गया।

इस साल की शुरुआत में पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों को आठ फरवरी को आम चुनाव में निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ना पड़ा था, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद ईसीपी ने उनकी पार्टी से उसका चुनाव चिह्न छीन लिया था। बाद में, पीटीआई द्वारा समर्थित विजयी उम्मीदवारों ने आरक्षित सीटों पर दावा करने के लिए सुविधाजनक गठबंधन बनाने के लिए एसआईसी में शामिल हो गए। ईसीपी ने हालांकि आरक्षित सीटों को एसआईसी को देने से इनकार कर दिया और उन सीटों को अन्य राजनीतिक दलों के बीच वितरित कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय के आठ न्यायाधीशों में पांच पीएचसी के निर्णयों को रद्द करने के पक्ष मत दिया। साथ ही, चुनाव नियामक के

आठ न्यायाधीशों में पांच पीएचसी के निर्णयों को रद्द करने के पक्ष दिया मत

निर्णय को भी अमान्य घोषित कर दिया और इसे पाकिस्तान के संविधान के विरुद्ध करार दिया।

न्यायालय के फैसले के अनुसार पाकिस्तान के चुनाव आयोग का 01 मार्च 2024 का आदेश संविधान की शक्तियों से परे, विधिसम्मत अधिकार से रहित और कानूनी रूप से प्रभावहीन घोषित हो गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि चुनाव चिह्न की कमी या इनकार किसी राजनीतिक दल के चुनाव में भाग लेने और उम्मीदवार खड़ा करने के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है। न्यायालय ने फैसले में कहा कि पीटीआई एक राजनीतिक पार्टी है, जिसने 2024 के आम चुनावों में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में सामान्य सीटें हासिल की हैं।

न्यायालय ने कहा कि पीटीआई के 39 उम्मीदवारों को निर्वाचित सदस्यों के रूप में पुष्टि की गई है, जबकि एसआईसी में शामिल हुए शेष 41लोग देश की संसद के निचले सदन में पीटीआई को अपनी पार्टी के रूप में चुनने के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

दुनिया को जानें

डॉ. विनीता धुर्वे ने 101 जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराने का बनाया रिकॉर्ड

दुर्ग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के जिला अस्पताल की मदर चाइल्ड यूनिट में कार्यरत डॉ. विनीता धुर्वे ने महज ढाई साल में 101 जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराकर एक अनोखा रिकॉर्ड कायम किया है। डॉ. धुर्वे अब तक 14 हजार 500 प्रसव करा चुकी हैं। वह देश की पहली डॉक्टर हैं, जिनके नाम जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराने का अनोखा रिकॉर्ड दर्ज है।

भिलाई के कैलाश नगर निवासी शेख फैयाज की पत्नी बुशरा परवीन ने जुड़वां बेटियों को जन्म दिया है। खास बात यह है कि डॉ. धुर्वे ने इस दौरान सबसे ज्यादा नॉर्मल डिलीवरी कराई है। जुड़वां बच्चों की 101वीं डिलीवरी कराने वाली डॉ. धुर्वे ने बताया कि 2011 से वह लगातार मैटरनिटी वार्ड में डिलीवरी करा रही थीं, लेकिन गिनती पर कभी ध्यान नहीं दिया। 2022 से 2024 के बीच 100वें जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराकर शतक का रिकॉर्ड बनाया है। मुझे यह नहीं पता था कि मैं इस मुकाम पर पहुंचूंगी। उन्होंने कहा कि अब 101वीं डिलीवरी कराकर हमने दूसरे शतक की ओर कदम बढ़ा दिया है। हजार तक जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराने का हमारा लक्ष्य है।

खेल जगत

मुझे टेस्ट में मौका मिलने का इंतज़ार है : आवेश

मुंबई। भारतीय तेज़ गेंदबाज आवेश ख़ान को उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही भारतीय टीम के लिए सफेद जर्सी में खेलने का मौक़ा मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू स्तर पर उन्होंने अपनी गेंदबाजी से साबित भी किया है कि वह लंबे प्रारूप में भी गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। आवेश ने बीसीसीआई.टीवी से कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए काफी उत्साहित हूं। क्योंकि मुझे वही एक प्रारूप लगता है, जहां मैं ख़ुद को साबित कर सकता हूं। मैंने घरेलू स्तर पर अपनी स्टेट टीम (मध्य प्रदेश), इंडिया ए के लिए, दिलीप ट्रॉफ़ी या देवधर ट्रॉफी में खेलने के दौरान वहां ख़ुद को साबित भी किया है। मैं उसी एक मौक़े का इंतजार कर रहा हूं।

यशस्वी जायसवाल की तूफानी पारी

भारत ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हराया, सीरीज पर बनाई बढ़त

हरारे, 13 जुलाई (एजेंसियांस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से मात देकर 5 मैचों की टी20 सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना ली है। भारत की जीत में ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 53 गेंदों पर 93 रनों की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा कपतान शुभमन गिल ने भी 39 गेंदों पर नाबाद 58 रनों का योगदान दिया। भारत ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी करने का मौका दिया था। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए थे। भारत ने ये टारगेट केवल 15.2 ओवर में ही बगैर विकेट खोए हासिल कर लिया। टीम इंडिया की शुरुआत इस सीरीज के पहले मुकाबले मे हार के साथ हुई थी, उस मैच के बाद भारत ने लगातार तीन मैच जीतकर ये सीरीज अपने नाम कर ली है। इस मुकाबले में बल्लेबाजी के सामने जिम्बाब्वे का कोई भी गेंदबाज टिक नहीं सका। सबसे बेहतर आंकड़े रिचर्ड नगारवा के थे, जिन्होंने 3 ओवर में 27 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया।

■ यह सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं है, यह कौशल, जुनून और इतिहास की एक विशाल प्रतियोगिता है

जिम्बाब्वे की बैटिंग में ओपनरों ने बढ़िया शुरुआत दी थी, लेकिन लोअर मिडिल ऑर्डर परफॉर्म नहीं कर पाया। नंबर चार पर कप्तान सिकंदर रजा टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे, जिन्होंने 28 गेंदों पर 48 रनों की पारी खेली। इससे पहले भारतीय ओपनिंग जोड़ी ने पूरी तरह से जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को मैच से बाहर रखा।

जायसवाल ने 53 गेंदों की अपनी पारी के दौरान 13 चौके और 2 छक्के लगाकर 175.47 के स्ट्राइक रेट के साथ बैटिंग की। कप्तान शुभमन गिल ने भी 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 148.72 का स्ट्राइक रेट निकाला। भारतीय जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों के सामने भारत ने बढ़िया गेंदबाजी की थी। खलील अहमद ने चार ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। तुषार देशपांडे, वाशिंगटन सुंदर, अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे को 1-1 विकेट मिला। सीरीज में काफी सफल गेंदबाज रहे रवि बिश्नोई ने 4 ओवर में केवल 22 रन दिए लेकिन उनको विकेट नहीं मिला।

आदित्य मोर ने अंडर 18 में जीते एकल और युगल खिताब

चंडीगढ़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राउंडग्लास टेनिस अकादमी के आदित्य मोर ने यहां सीएलटीए स्टेडियम में आयोजित एआईटीए-सीएलटीए नेशनल सीरीज अंडर-18 टेनिस टूर्नामेंट में एकल और युगल दोनों खिताब जीतकर अपना दबदबा बनाया। लड़कों के एकल फाइनल में, हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाले 10वीं वरीयता प्राप्त आदित्य ने राउंडग्लास टेनिस अकादमी (आरजीटीए) के पंजाब के गुरबाज नारंग को 6-1, 6-3 से हराया। आरजीटीए के लड़कों ने ब्वायज वर्ग में पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा और चारों सेमीफाइनलिस्ट अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। आरव चावला, जिन्होंने आदित्य मोर के साथ जोड़ी बनाकर युगल जीता, और तनुष घिल्डियाल दो अन्य सेमीफाइनलिस्ट थे। आदित्य ने आरव चावला के साथ मिलकर गुजरात के जेविन कनानी और महाराष्ट्र के नीरज रिंगनगांवकर की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराकर युगल खिताब जीता। सेमीफाइनल में आदित्य और आरव की गैरवरीय जोड़ी ने शीर्ष वरीय मणिपुर के अश्वजीत सेनजाम और दिल्ली के रियान शर्मा को 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

रिकी पोंटिंग ने सात सीजन के बाद दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। रिकी पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बात की घोषणा फ्रेंचाइजी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता कप्तान रिकी पोंटिंग के इस फैसले के साथ ही फ्रेंचाइजी के साथ उनका सात साल का लंबा सफर भी खत्म हो गया है। पोंटिंग को 2018 में डीसी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, उस वक्त टीम का नाम दिल्ली डेयरडेविल्स था। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में लिखा कि, इसे शब्दों में बयान करना हमारे लिए बेहद कठिन है। आपने हमें जिन चार चीजों के बारे में बताया - केयर, कमिटमेंट, एटीट्यूड और एफर्ट - ये हमारे साथ बीते सात सालों का सार हैं। ये सात साल ऐसे रहे जहां आपने हमें मार्गदर्शन दिया और हमें खुद को बेहतर बनाने का मौका दिया। फ्रेंचाइजी ने आगे कहा कि, सात सालों में हर ट्रेनिंग सेशन में आप सबसे पहले आते थे, और सबसे बाद में जाते थे। रणनीतिक चर्चा के दौरान आप डगआउट से बाहर निकलते थे। आपकी ड्रेसिंग रूम स्पीच, आपका गले लगना, कंधे पर थपथपाना और हर किसी के लिए खड़ा रहना, चाहे वो नया खिलाड़ी हो, सुपरस्टार हो या फिर दोनों के बीच का कोई भी खिलाड़ी। आपका हर चीज के लिए धन्यवाद। 2018 में आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद, 2020 में, डीसी पहली बार आईपीएल फाइनल में पहुंची थी, लेकिन दुबई में मुंबई इंडियंस से हार गई थी। 2021 सीजन के बाद, डीसी को 2022, 2023 और 2024 सीजन में आईपीएल प्लेऑफ में जगह नहीं मिली। आईपीएल 2024 में, डीसी छठे स्थान पर रही, जिसमें उसने सात मैच जीते और सात मैच गंवाए। इस तरह से रिकी पोंटिंग के सात साल के कार्यकाल में दिलली कैपिटल्स चैंपियन नहीं बन सकी। अब रिकी पोंटिंग इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले टीम का हिस्सा नहीं हैं।

■ पोंटिंग को 2018 में डीसी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था

गोल्फर अदिति अशोक कट में, दीक्षा बाहर

एवियन लेस बेन्स, फ्रांस, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में कट को लेकर आश्वस्त हैं। उस दिन क्षेत्र में बिजली गिरने के कारण खेल रोक दिया गया था और दूसरा दौर अभी पूरा नहीं हुआ है। भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने के कारण खेल संभव नहीं हो सका। अदिति ने अपने पहले राउंड 71 में 1-अंडर 70 का कार्ड खेला और 36 होल के लिए 1-अंडर और ओवरनाइट संयुक्त -52वें से संयुक्त-44वें स्थान पर थी। दूसरा राउंड अभी ख़त्म नहीं हुआ है. दीक्षा डागर, जिनका पहले दिन 76 का स्कोर था, ने मेडिकल आधार पर दूसरे दौर से पहले अपना नाम वापस ले लिया। अपने पहले वर्ष में हीरो महिला इंडियन ओपन में एलईटी इवेंट जीतने वाली अदिति ने कुल पांच जीत हासिल की हैं। 13 होल के बाद 12-अंडर-पार पर, जापान की अयाका फ्यूरू ने ऑस्ट्रेलियाई स्टेफ़नी क्यारियाकौ और दक्षिण कोरिया की हेरान रियू पर क्रमश: 16 और

अमुंडी एवियन चैम्पियनशिप

11 होल के बाद तीन-स्ट्रोक की बढ़त बना रखी है। पहले दौर की संयुक्त लीडर, थाईलैंड की पैटी तवतानाकिट, जिन्होंने रात भर की बढ़त में तीन-तरफ़ा हिस्सेदारी रखी थी, संयुक्त राज्य अमेरिका की एंजेला स्टैनफोर्ड के साथ एक कदम पीछे चौथे स्थान पर हैं। एवियन चैंपियनशिप 72-होल की स्ट्रोक प्ले प्रतियोगिता है, जिसमें शीर्ष 65 पेशेवरों के लिए कट और 36 होल के बाद टाई होती है और विजेता को 1.2 मिलियन के हिस्से के साथ 8 मिलियन अमरीकी डालर का पुरस्कार मिलता है।

पेरिस ओलंपिक: अंतिम पंघाल, अमन सहरावत वरीयता पाने वाले केवल दो भारतीय पहलवान

पेरिस, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) और अमन सहरावत (पुरुष 57 किग्रा) को 26 जुलाई से पेरिस में शुरू होने वाले आगामी 2024 ओलंपिक खेलों में अपने-अपने वजन वर्ग में चौथी और छठी वरीयता दी गई है। ओलंपिक में पहली बार वरीयता दी गयी है और प्रत्येक भार वर्ग में शीर्ष आठ पहलवानों को मौका मिलेगा। दो बार की ओलंपियन और देश की पदक संभावना विनेश फोगाट को पेरिस 2024 में महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गैरवरीयता दी जाएगी। फ्रीडिंग्स को 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप, 2024 ज़ाग्रेब ओपन रैंकिंग सीरीज और 2024 हंगेरियन रैंकिंग सीरीज़ में पहलवानों के प्रदर्शन के आधार पर दिया गया है। अपनी वरीयता के साथ, भारतीय

पेरिस ओलंपिक

पहलवान को अपनी प्रतिद्वंद्वी और दो बार की विश्व चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की कियानयु पांग, जिन्होंने टोक्यो 2020 में रजत पदक जीता और स्वीडन की एम्मा माल्मग्रेन, जिन्होंने दो यूरोपीय खिताब जीते, का पदक दौर तक सामना नहीं करना पड़ेगा। हालाँकि, वह सेमीफाइनल में पिछले साल की विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता इक्वाडोर की लूसिया येपेज़ से भिड़ सकती हैं। इस बीच, 2023 एशियाई चैंपियन और 2022 अंडर-23 विश्व चैंपियन अमन पदक दौर शुरू होने से पहले जापान के री हिगुची या आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युनियन से खेल सकते हैं। री हिगुची रियो 2016 के रजत पदक विजेता और 2022 विश्व चैंपियन हैं। जून में हंगेरियन रैंकिंग सीरीज़ में अमन उनसे हार गए थे जबकि आर्सेन हारुत्युनियन ने 2023 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। शेष चार भारतीय पहलवान - विनेश फोगाट (महिला 50 किग्रा), अंशू मलिक (महिला 57 किग्रा), निशा दहिया (महिला 68 किग्रा) और रीतिका हुडा (महिला 76 किग्रा) - को पेरिस 2024 में गैरवरीयता दी जाएगी। उन्हें पेरिस में महिलाओं की फ्रीस्टाइल कुश्ती शुरू होने से एक दिन पहले औचक रूप से ब्रैकेट में रखा जाएगा ।

सार संक्षेप

पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए चीनी प्रतिनिधिमंडल में 716 सदस्य

बीजिंग। पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए चीनी प्रतिनिधिमंडल की स्थापना का समारोह 13 जुलाई को सुबह पेइचिंग में आयोजित हुआ। बताया गया है कि चीनी प्रतिनिधिमंडलों के कुल 716 सदस्य हैं। उनमें 405 खिलाड़ी हैं, जिनमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या क्रमशः 136 और 269 है। खिलाड़ियों की औसत आयु 25 वर्ष है। उनमें सबसे ज्यादा उम्र वाली खिलाड़ी 37 साल की है, जबकि सबसे छोटी उम्र वाली खिलाड़ी 11 साल की है। बता दें कि खिलाड़ियों में 42 ओलंपिक चैंपियन शामिल हैं। इस दल में 177 खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में भाग लिया और 182 खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों में भाग लिया था। वहीं, 223 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक खेलों में भाग लेंगे। चीनी खिलाड़ियों में 26 अल्पसंख्यक जातीय खिलाड़ी हैं, जो मंगोल, ह्वी, तिब्बती, उइगर, म्याओ, च्वांग, कोरियाई, मान, तोंग, पाई, थुच्या और कजाख जाति के हैं।
एकेजे/

मार्क वुड दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में शामिल

लंदन। तेज गेंदबाज मार्क वुड को वेस्टइंडीज के खिलाफ गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है। लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज पर पारी और 114 रन से इंग्लैंड की करारी जीत के बाद अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वुड को टीम में शामिल किया गया है।
वुड की आखिरी टेस्ट उपस्थिति मार्च में धर्मशाला में भारत के खिलाफ थी और पिछले महीने वेस्टइंडीज में 2024 पुरुष टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के लिए खेलने के कारण उन्होंने लॉर्ड्स में पहला टेस्ट नहीं खेला था। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से बढ़त बनाए हुए है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 ??चक्र के इस चक्र में लॉर्ड्स में इंग्लैंड की जीत सिर्फ चौथी थी क्योंकि उनके 33 अंक और 25 फीसदी अंक प्रतिशत है। वे अंक प्रतिशत के मामले में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के साथ निचले आधे हिस्से में हैं।

गुकेश ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

चेन्नई। 13 जुलाई भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर (जीएम) और विश्व खिताब के चैलेंजर डी गुकेश हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाले आगामी ओलंपियाड में प्रतिस्पर्धा करने वाली देश की टीम का हिस्सा होंगे।

नोवाक जोकोविच के पास फाइनल में अल्काराज से बदला चुकाने का मौका

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच शुक्रवार को रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले आठवें विंबलडन खिताब पर कब्जा करने से एक जीत के करीब पहुंच गए, जब उन्होंने 25वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी के सपने को सीधे सेटों में समाप्त कर दिया और फाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज से बदला लेने का मैच तय किया। दूसरे वरीय सर्बियाई खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में 22 वर्षीय इतालवी के खिलाफ 6-4, 7-6(2), 6-4 से जीत हासिल की और अब पिछले साल के फाइनल के ब्लॉकबस्टर रीमैच में अल्काराज से भिड़ेंगे जिसमें स्पैनियार्ड ने पांच सेटों में जीत हासिल की थी। अल्काराज इससे पहले अपने पिछले साल के सेमीफाइनल के रीमैच में रूस के दानिल मेदवेदेव पर 6-7(1), 6-3, 6-4, 6-4 से जीत के साथ फाइनल में पहुंचे थे। एक कड़े मुकाबले में, जोकोविच ने महत्वपूर्ण क्षणों में बढ़त बनाई और प्रभावशाली रक्षा और निरंतरता के साथ मुसेटी के कोर्ट कौशल को विफल कर दिया। इटालियन ने तीसरे सेट में 0/40, 3-5 से तीन मैच प्वाइंट गंवाए, इससे पहले जोकोविच ने एक ब्रेक प्वाइंट

■ सेमीफाइनल में 22 वर्षीय इतालवी के खिलाफ 6-4, 7-6(2), 6-4 से जीत हासिल

बचाया और दो घंटे और 48 मिनट के बाद अपने 10वें विंबलडन फाइनल में पहुंच गए। अगर 37 वर्षीय सर्बियाई रविवार को रिकॉर्ड-25वीं बड़ी जीत हासिल करते हैं , तो वह विंबलडन इतिहास में सबसे उम्रदराज चैंपियन बन जाएंगे। जोकोविच,एटीपी हेड2हेड श्रृंखला में अल्काराज़ से 3-2 से आगे हैं, उस हार का बदला लेने और रोजर फेडरर के रिकॉर्ड आठ विंबलडन ताज की बराबरी करने के लिए उत्सुक होंगे। खिताबी मुकाबले से पहले सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि मौजूदा चैंपियन को हराने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने की जरूरत होगी। जोकोविच ने कहा कि एक युवा खिलाड़ी के रूप में वह एक महान उदाहरण हैं, जिनका जीवन कोर्ट के अंदर और बाहर काफी संतुलित है। उनके परिवार में बहुत अच्छे मूल्य हैं और उनमें काफी करिश्मा है। 37 वर्षीय, जो रोजर फेडरर के आठ विंबलडन पुरुष एकल खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने की कोशिश कर रहे हैं, को लगता है कि अल्काराज अपने करियर में कई और ग्रैंड स्लैम जीतेंगे। वह इस खेल में हमारे द्वारा देखे गए सबसे महान 21-वर्षीय खिलाड़ियों में से एक है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम भविष्य में उससे बहुत कुछ देखेंगे। वह कई और ग्रैंड स्लैम जीतने जा रहा है, लेकिन उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में ऐसा नहीं होगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण पर तुषार देशपांडे ने कहा, 'यहां आकर बहुत खुश हूं'

हरारे, 13 जुलाई (एजेंसियां) जिम्बाब्वे के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भारत के लिए अपने टी20 डेब्यू से पहले तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने कहा कि वह यहां आकर और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाकर बहुत खुश हैं। देशपांडे भारत के लिए पुरुष टी 20 खेलने वाले 115वें क्रिकेटर हैं और उन्होंने अपनी पत्नी नाभा की उपस्थिति में हरारे स्पोर्ट्स क्लब में गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले से कैप प्राप्त की। 80 टी20 मैचों में, मुंबई के देशपांडे ने 116 विकेट लिए हैं और वह आईपीएल 2023 में खिताब जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स टीम के सदस्य थे। देशपांडे ने प्रसारकों से कहा कि यहां आकर बहुत खुश हूं और यह सब मेरे बचपन के दिनों की याद दिलाता है जब मैंने देश के लिए खेलने का सपना देखा था। ये तीन मैच अद्भुत रहे हैं। मैं टीम का समर्थन कर रहा था। माहौल बहुत बढ़िया रहा, सीएसके का हिस्सा होने से मुझे आत्मविश्वास और स्पष्टता मिली है।आईपीएल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव में समय लगा, लेकिन मैं वहीं रुका रहा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अपनी बल्लेबाजी को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। मैंने काफी समय पहले एक बल्लेबाज के रूप में शुरुआत की थी। तो यह स्वाभाविक रूप से आता है. मैं इस पर काम कर रहा हूं. कुल मिलाकर, माहौल बहुत ठंडा है और हर किसी को अपनी बात कहने की आज़ादी है। तीसरे टी20 में, जिसमें जिम्बाब्वे भारत से 23 रन से हार गया, डायोन मायर्स ने 49 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाकर चमक बिखेरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एक्शन में वापसी पर अपनी तीसरी अंतराष्ट्रीय पारी के बारे में बात करते हुए, मायर्स ने प्रसारकों को याद दिलाया कि बड़ी भीड़ के सामने अच्छा प्रदर्शन करना उनके लिए एक अवास्तविक एहसास था।

■ 80 टी20 मैचों में, मुंबई के देशपांडे ने 116 विकेट लिए हैं

भारत को विश्व शतरंज की महाशक्ति बनाने के लिए आईआईटी, मद्रास के सीईएसएसए के पास कई योजनाएं

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 13 जुलाई(देशबन्धु)। भारत को विश्व शतरंज की महाशक्ति बनाने के लिए आईआईटी, मद्रास के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्पोर्टस साइंस एंड एनालिटिक्स(सीईएसएसए) के पास कई योजनाएं हैं। आईआईटी मद्रास ने इसी मकसद से टेक्नोलजी आधारित कई योजनाएं पेश की हैं। इन योजनाओं का मकसद शतरंज में ज्यादा से ज्यादा लोगों की रूचि बढ़ाना , खेल संघों को खेल में गड़बड़ी रोकने का रास्ता बताना और शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए शतरंज को बुनियादी स्तर पर बढ़ावा देना है। भारत में स्पोर्टस वैल्यू श्रृंखला के विभिन्न भागीदारों के कौशल उन्नयन और नए कौशल सीखने के लिए डिजिटल मंच पर आईआईटी मद्रास के अभूतपूर्व पाठयक्रम उपलब्ध होंगे और संस्थान ने इस बाबत अपनी योजनाए प्रस्तुत की । आईआईटी मद्रास आने वाले महीनों में एनपीटीईएल के जरिए पांच नए पाठयक्रम शुरू करेगा। यह

■ इन योजनाओं का मकसद शतरंज में ज्यादा से ज्यादा लोगों की रूचि बढ़ाना , खेल संघों को खेल में गड़बड़ी रोकने का रास्ता बताना

खेल शिक्षा पर आईआईटी मद्रास सीईएसएसए की बड़ी योजना का एक हिस्सा है। विशेषज्ञ भारत में क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को बढ़ावा देने इनमें लोगों की दिलचस्पी बढ़ाने में टेक्नोलजी के इस्तेमाल की बाबत नए नए सुझाव देंगे।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने खेल शिक्षा के लिए

संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि शतरंज बेहद रोचक और और विचारोत्तेजक खेल है। शतरंज में सबसे अहम होता है रणनीति की बिसात बिछाना होता है। शतरंज के प्रशिक्षण के दौरान हाई परफॉर्मेंस कम्पयुटिंग और आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का बहुत लाभ मिल सकता है। शतरंज के शातिरों को इससे अलग-अलग कई स्थितियों को देखने और सबसे बढ़िया गेम प्लान करने में खासी मदद मिल सकती है। आईआईटी मद्रास चाहता है कि भारत विश्व शतरंज की महाशक्ति बने, इसलिए हम ऐसे मंच तैयार करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

आईआईटी मद्रास के डीन (पूर्व छात्र और कॉरपोरेट रिलेशन)और आईआईटी मद्रास सीईएसएसए के प्रमुख डॉ. महेश पंचांगुला ने टेक्नोलजी की मदद से बेहतर खेल शिक्षा मुहैया कराने की बाबत आईआईटी मद्रास का विजन बताते हुए कहा, च्आज आईआईटी मद्रास नई टेक्नोलजी की मदद से खेल की दुनिया में एक नया आगाज कर रहा है। हमारे संस्थान के कई लक्ष्य हैं मसलन खेल शिक्षा में नया दौर शुरू करना, शतरंज संघों को खेल में गड़बड़ी रोकने का हल सुझाना और बुनियादी स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत करना आदि। यह टेक्नोलजी की मदद से खेल शिक्षा को बढ़ावा दे खेल के इकोसिस्टम के सभी स्तरों पर प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और शतरंज में भारत का नाम दुनिया में और ऊंचा करने को लेकर संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।ज विद्यार्थियों के लिए एआईएमएल और डेटा साइंस सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने पर भी विचार किया जा रहा है। आईआईटी मद्रास ने भविष्य में बैचलर ऑफ स्पोर्टस साइंस कोर्स और स्पोर्टस मैनेजमेंट में बैचलर और मास्टर्स कोर्स शुरू करने की भी योजना बनाई है। आईआईटीएम सीईएसएसए ने शतरंज के बृहत्तर विकास के प्रयास के तहत भारतीय शतरंज (सामग्री, प्रशिक्षण) के लिए एक आकर्षक डिजिटल डेस्टिनेशन बनाने की भी योजना बनाई है। सीईएसएसए यूनिक टेक्नोलजी दे शतरंज को ज्यादा पारदर्शी बनाएगा।

सुडोकू 6615 का हल

3	7	1	6	8	4	9	2	5
8	2	4	1	5	9	7	6	3
9	6	5	3	2	7	4	1	8
5	8	7	2	4	1	6	3	9
2	9	3	8	6	5	1	4	7
4	1	6	7	9	3	8	5	2
1	4	9	5	3	8	2	7	6
6	5	8	4	7	2	3	9	1
7	3	2	9	1	6	5	8	4

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टीसीएस	6.68 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	3.57 प्रतिशत
एचसीएल टेक	3.20 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	3.19 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.62 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

मारुति	1.00 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.79 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.77 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	0.56 प्रतिशत
टाइटन	0.55 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 19.5 प्रतिशत बढ़कर 5.74 लाख करोड़ पर

टैक्स में उछाल आने से सरकार को राजकोषीय घाटे पर काबू पाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह 11 जुलाई तक पिछले साल की तुलना में 19.5 प्रतिशत बढ़कर 5.74 लाख करोड़ हो गया है। इनकम टैक्स विभाग की ओर से जारी किए डेटा से यह जानकारी मिली। 1 अप्रैल से 11 जुलाई के बीच भारत का शुद्ध कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह बीते वर्ष के मुकाबले 12.5 प्रतिशत बढ़कर 2.1 लाख करोड़ हो गया। वहीं, सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स सहित पर्सनल इनकम टैक्स 24 प्रतिशत बढ़कर 3.64 लाख करोड़ हो गया।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड से पहले) पिछले साल के मुकाबले 23.2 प्रतिशत बढ़कर 6.45 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान डायरेक्ट टैक्स रिफंड सालाना आधार पर 64.5 प्रतिशत बढ़कर 70,902 करोड़ रुपए हो गया है।

टैक्स में उछाल आने से सरकार को

राजकोषीय घाटे पर काबू पाने में मदद मिलेगी। 2024-25 का बजट 23 जुलाई को पेश किया जाएगा।

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह मजबूत रहने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ का लाभांश दिए जाने के कारण वित्त मंत्री के पास ग्रोथ और सामाजिक कल्याण को बढ़ाने के लिए पर्याप्त जगह है। इस बार उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री इनकम टैक्स की लिमिट में इजाफा कर सकती है। इससे मध्यमवर्ग को काफी सहायता मिलेगी।

भारत का सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में स्कोर बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) स्कोर 2023-24 में बढ़कर 71 हो गया है, जो कि 2020-21 में 66 था। एसडीजी स्कोर बढ़ने की वजह गरीबी में कमी आना, पर्याप्त काम उपलब्ध होना, पर्यावरण के लिए एक्शन और अन्य कारणों में सुधार होना है। नीति आयोग की एसडीजी इंडिया इंडेक्स में यह जानकारी दी गई है। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, स्वच्छ भारत, जन धन, आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीएम-मुद्रा योजना, सौभाग्य और स्टार्ट-अप इंडिया जैसी योजनाओं से तेज विकास देखने को मिला है। नीति आयोग इंडेक्स में सभी राज्यों के स्कोर में सुधार देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, 2018 से लेकर 2023-24 में सबसे ज्यादा सुधार उत्तर प्रदेश में हुआ है। देश के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राज्य के एसडीजी स्कोर में 25 अंक का इजाफा हुआ है। जम्मू और कश्मीर का स्कोर 21 अंक, उत्तराखंड का स्कोर 19 अंक, सिक्किम का स्कोर 18 अंक, हरियाणा का स्कोर 17 अंक, असम, त्रिपुरा और पंजाब में प्रत्येक का स्कोर 16 अंक, मध्य प्रदेश और ओडिशा में प्रत्येक का स्कोर 15 अंक बढ़ा है। देश के 32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश फ्रंट-रनर कैटेगरी में थे।

2018 से लेकर 2023-24 में सबसे ज्यादा सुधार उत्तर प्रदेश में हुआ

भारत 2031 तक बन सकता है दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : पात्रा

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की जीडीपी पूरी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है। अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के दम पर भारत 2048 में नहीं, बल्कि 2031 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2060 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में अपने संबोधन में पात्रा ने कहा कि ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो भारत में निवेश घरेलू बचत से होता है। 2021-23 की अवधि के दौरान सकल घरेलू बचत दर सकल राष्ट्रीय खर्च योग्य आय का औसत 30.7 प्रतिशत रही है। अन्य देशों की तरह भारत में निवेश या वृद्धि के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं है।

पात्रा ने आगे कहा कि बैलेंस ऑफ पेमेंट के तहत आने वाले करंट अकाउंट गैप में 2023-24 में जीडीपी का 1 प्रतिशत रह सकता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी खतरों का सामना करने में मदद करता है। भारत का सकल विदेशी कर्ज जीडीपी का 20 प्रतिशत बना हुआ है, जिसके लिए

- दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है भारत की जीडीपी
- भारत का सकल विदेशी कर्ज जीडीपी के 20 प्रतिशत पर

भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है।

आगे उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिरता और महंगाई 4 प्रतिशत के आसपास आने के कारण भारत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। महंगाई का कम होना दिखाता है कि मौद्रिक नीतियों में लिए गए फैसलों का असर हुआ है। पात्रा ने आगे का कि राजकोषीय समेकन के कारण जनरल सरकारी कर्ज मार्च 2024 में जीडीपी का 81.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुसार यह इस दशक के अंत तक गिरकर 78.2 प्रतिशत रह सकता है।

बंदरगाह व जलमार्ग की गाद से बनेंगे उत्पाद

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार बंरगाहों और जलमार्गों में जलयानों और पोतों के मार्ग से हटाई जाने वाली गाद और कचरे से निर्माण क्षेत्र के लिए उपयोगी सामग्री बनाने के विषय पर शोध कराने जा रही है।

यह शोध भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बंबई करेगा। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने झीलों, नदियों, बंदरगाहों और अन्य जल निकायों के तल में जमा गाद, कचरा आदि के मूल्यवर्धन पर एक शोध प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय की शुक्रवार को जारी

- परियोजना पर करीब 46.5 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान

एक विज्ञप्ति के अनुसार इस परियोजना पर करीब 46.5 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है। आईआईटी बुम्बई इस पर तीन वर्ष तक काम करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस शोध का प्राथमिक उद्देश्य गाद को विभि निर्माण क्षेत्रों में इस्तेमाल के लायक बनाकर उसका मूल्यवर्धन करना है। इस प्रस्ताव पर अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में 45वीं शोध समिति की बैठक में विचार किया गया।

म्यूचुअल फंड एनएफओ में जून में आया 14,370 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इक्विटी न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के लिए जून का महीना काफी अच्छा रहा। इस दौरान करीब 14,370 करोड़ रुपए का निवेश 11 नई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम में देखने को मिला है।

इससे पहले जुलाई 2021 में चार एनएफओ ने 13,709 करोड़ रुपए जुटाए थे। 2024 की पहली छमाही में म्यूचुअल फंड्स की ओर से 30 एक्टिव इक्विटी स्कीम्स लॉन्च की गई है। पूरे 2023 में इनकी संख्या 51 थी।

इस साल की शुरुआत से जून तक एनएफओ में 37,885 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जो कि पिछले पूरे वर्ष की अवधि में 36,657 करोड़ रुपए था। 2022 में कुल 27 एनएफओ लॉन्च हुए थे

- 2022 में कुल 29,586 करोड़ रुपए का हुआ था निवेश

और इनमें कुल 29,586 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भारतीय शेयर बाजार में तेजी जारी है। इसके कारण बड़ी संख्या में म्यूचुअल फंड हाउस एनएफओ लेकर आ रहे हैं। मौजूदा समय में करीब सात एक्टिव और पैसिव इक्विटी एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हैं। एक्टिव एनएफओ में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ का एनर्जी अपॉर्चुनिटीज फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन एमएफ का मल्टीकैप एनएफओ, और एडलवाइस एमएफ का बिजनेस साइकिल फंड शामिल हैं। एनएफओ में सबसे ज्यादा निवेश हाई-रिस्क कैटेगरी जैसे थीमेटिक में हो रहा है। इस पर चिंता जाहिर करते हुए पराग पारेख फाइनेंसियल एडवाइजरी सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ और चेयरमैन, नील पारेख ने सोशल मीडिया पर कहा कि वाह! नए एनएफओ की संख्या विशेषकर थीमैटिक फंड्स में इजाफा हुआ है। ये काफी डरावना है... सभी को सावधान रहने जरूरत है।

सार संक्षेप

बीएसएनएल सीएमडी पुरवार का सेवा विस्तार रद्द

नई दिल्ली। सरकार ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पी के पुरवार को सेवा विस्तार देने से इनकार कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि यह प्रभार दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रॉबर्ट जे रवि को दिया जा सकता है। जुलाई, 2019 में पांच साल के लिए बीएसएनएल के सीएमडी का प्रभार संभालने वाले पुरवार ने विस्तार के लिए आवेदन किया था। आधिकारिक सूत्र ने कहा कि दूरसंचार विभाग बीएसएनएल के सीएमडी पद का अतिरिक्त प्रभार डीडीजी रॉबर्ट जे रवि को सौंपने पर विचार कर रहा है। वर्तमान सीएमडी द्वारा मांगे गए विस्तार पर अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारी रवि को दूरसंचार क्षेत्र में 34 वर्षों का अनुभव है। वे दूरसंचार विभाग में उप महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। बीएसएनएल में यह रवि का दूसरा कार्यकाल होगा। वे इस सरकारी कंपनी में करीब छह साल तक अतिरिक्त महाप्रबंधक के पद पर काम कर चुके हैं।

एमटीएनएल का संचालन बीएसएनएल को सौंपने पर विचार

नई दिल्ली। सरकार एक समझौते के जरिए महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) का संचालन बीएसएनएल को सौंपने के विकल्प पर विचार कर रही है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सरकार विलय की जगह इस विकल्प पर विचार कर रही है। इस पर अंतिम फैसला एक महीने में लिए जाने की संभावना है। सूत्र ने बताया कि कर्ज में डूबी एमटीएनएल का संचालन एक समझौते के जरिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को सौंपने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एमटीएनएल के भारी कर्ज को देखते हुए बीएसएनएल के साथ विलय अनुकूल विकल्प नहीं है। फैसला लिए जाने के बाद प्रस्ताव सचिवों की समिति के सामने रखा जाएगा और उसके बाद मंत्रिमंडल इस बारे में अंतिम निर्णय लेगी।

आगामी महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी की संभावना : विशेषज्ञ

गैर-खाद्य मुद्रास्फीति में लगातार 17वें महीने कमी आई

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने और मुद्रास्फीति के 4 से 4.5 प्रतिशत के बीच स्थिर होने का अनुमान है। ऐसा इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है। भारत की उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति यानी सीपीआई पिछले साल की समान अवधि की तुलना में इस साल जून में बढ़कर 5.08 प्रतिशत हो गई।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, जून में बारिश कम हुई, लेकिन यह कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि खरीफ के लिए जुलाई और अगस्त की बारिश ही मायने रखती है।

गैर-खाद्य मुद्रास्फीति में लगातार 17वें महीने कमी आई है और यह 2.3 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है।

क्रिसिल के चीफ इकोनॉमिक्ट धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मानसून की प्रगति और बुवाई में तेजी से कृषि उत्पादन में सुधार होगा और आने वाले महीनों में खाद्य मुद्रास्फीति में कमी आएगी। आगामी महीनों में हम खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद कर

आगामी महीनों में हम खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे मुख्य मुद्रास्फीति औसतन 4.5 प्रतिशत तक नीचे आ जाएगी : धर्मकीर्ति जोशी

रहे हैं, जिससे मुख्य मुद्रास्फीति औसतन 4.5 प्रतिशत तक नीचे आ जाएगी। पर, आने वाली नीति में दरों में कटौती की उम्मीद नहीं है, क्योंकि आरबीआई 4 प्रतिशत टिकाऊ मुद्रास्फीति का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

मई में मुद्रास्फीति घटकर 4.75 प्रतिशत पर आ गई थी, जो 12 महीने का सबसे निचला स्तर था, जबकि अप्रैल में यह 4.83 प्रतिशत पर आ गई थी, जो 11 महीने का सबसे निचला स्तर था। जून के आंकड़े हाल के महीनों में शुरू हुई गिरावट के रुझान से अलग हैं।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल के अनुसार, जून महीने के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति मुख्य रूप से खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति के कारण है, जो मई में 7.9 प्रतिशत से बढ़कर जून में 8.4 प्रतिशत हो गई।

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले महीनों में खाद्य कीमतें स्थिर हो जाएंगी और मुद्रास्फीति का रुख भी नरम होकर 4 से 4.5 प्रतिशत के बीच स्थिर हो जाएगा।

आईसीआरए की चीफ इकोनॉमिक्ट अदिति नायर ने कहा कि खाद्य और पेय पदार्थों को छोड़कर, अन्य सभी सब-ग्रुप्स में मुद्रास्फीति जून में 4 प्रतिशत के निशान से नीचे रही।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर जुलाई के महीने में खरीफ की लगभग 50 प्रतिशत बुवाई होती है, इसलिए बुवाई को तेज करने के लिए अगले कुछ हफ्तों में सभी क्षेत्रों में पर्याप्त बारिश होना जरूरी है।

आईसीआरए का अनुमान है कि जुलाई में मुख्य सीपीआई मुद्रास्फीति घटकर 2.5-3 प्रतिशत रह जाएगी, जो पूरी तरह से अनुकूल आधार प्रभाव के कारण होगा।

भारत ने वैश्विक चुनौतियों के सामने लचीलापन दिखाया : इंडस्ट्री

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत ने असाधारण रूप से लचीलापन दिखाया है। सही मौद्रिक नीति और विवेकपूर्ण नीतिगत फैसलों के कारण देश लगातार विकास की तरफ बढ़ रहा है। शनिवार को इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की ओर से यह जानकारी दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा डेटा के मुताबिक, 5 जुलाई को समाप्त हुए हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.16 अरब डॉलर बढ़कर 657.16 अरब डॉलर हो गया है।

पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा कि इससे भारत के आर्थिक विकास को काफी सहारा मिलेगा। विदेशी मुद्रा भंडार का बढ़ना दुनिया में भारत के प्रति आकर्षण को बढ़ाएगा और इससे घरेलू ट्रेड और इंडस्ट्री को सहारा मिलेगा। एक्सपर्ट्स ने कहा कि भारत के पास मौजूद पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार केंद्रीय बैंक को देश की मुद्रा और मौद्रिक नीति को वैश्विक परिस्थितियों के आगे अधिक लचीले तरीके से संभालने में मदद करेगा। पेस 360 में सह-संस्थापक और चीफ

ग्लोबल स्ट्रैटेजिस्ट अमित गोयल ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रा में अस्थिरता की जांच करने के लिए अपने विदेशी भंडार का उपयोग कर रहा है। गोयल ने आगे कहा कि इस साल अब तक एशियाई देशों में रुपए का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। आरबीआई की ओर से लगातार रिजर्व बढ़ाया जा रहा है। इससे बाजार में अस्थिरता को रोकने में मदद मिलेगी। किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है। ये वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति में देश की मुद्रा को स्थिर रखने में मदद करता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि भारत का एक्सटर्नल सेक्टर मजबूत बना हुआ है। केंद्रीय बैंक को विश्वास है कि भारत अपने लिए जरूरी एक्सटर्नल फाइनेंसिंग आसानी से पूरी कर पाएगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा 04 मामले की श्रेणी-राजस्व ईश्तहार

संदर्भ-जिला-रायपुर तहसील- धरसींवा प.ह.नं. 00020 सिलतरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक आरडी-20232444071 6800087

तहसील धरसींवा के प.ह.नं. के अंतर्गत ग्राम सिलतरा के वर्तमान भूमिस्वामी मेसर्स जी के डेव्हलपर्स पार्टनर अभिषेक अटलानी पिता/पति सुरेश अटलानी पता अशोका मिलेनियम रायपुर, मेसर्स जी के डेव्हलपर्स पार्टनर सुरेश अटलानी पिता/पति गोलाराम अटलानी पता अशोका मिलेनियम रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 15001/1 0.0125 में प्रस्तावित भूमिस्वामी /क्रेता श्रीमती मीना यादव पिता/पति दिनेश यादव पता निवासी अंबिकापुर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा 04 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति /संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/07/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र-धमतरी (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सामान्य आवास योजनांतर्गत मण्डीनाका हटकेशर, जिला-धमतरी (छ.ग.) में निर्मित भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस.-110 इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 394-95 दिनांक 29.02.2020 के माध्यम से श्री अनिमेष भूषण श्रीवास्तव पिता श्री विजय कुमार श्रीवास्तव को स्ववित्तीय योजना आधार पर आबंटित है। आबंटी श्री अनिमेष भूषण श्रीवास्तव को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-धमतरी (छ.ग.) के पत्र क्रमांक 889 दिनांक 16.05.2024 के माध्यम से श्री शांति भूषण श्रीवास्तव पिता श्री विजय कुमार श्रीवास्तव के पक्ष में दान पत्र हेतु अनुमति प्रदान किया गया है। जिसके पश्चात् श्री अनिमेष भूषण श्रीवास्तव द्वारा उप पंजीयक कार्यालय धमतरी (छ.ग.) में दिनांक 28.05.2024 को दान पत्र निष्पादित कर भवन को अपने नाम (श्री शांति भूषण श्रीवास्तव पिता श्री विजय कुमार श्रीवास्तव) पर नामांतरण करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 02.07.2024 को आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति या शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन का दान पत्र विलेख उपरांत श्री शांति भूषण श्रीवास्तव पिता श्री विजय कुमार श्रीवास्तव के नाम पर नामांतरण करने के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र कार्यालय धमतरी, पता परिजात् हाईट्स, हॉउसिंग बोर्ड कॉलोनी, हटकेशर, जिला धमतरी (छ.ग.) में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् दावा-आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़, गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र-धमतरी (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र-धमतरी (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सामान्य आवास योजनांतर्गत मण्डीनाका हटकेशर, जिला-धमतरी (छ.ग.) में निर्मित भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस.-80 इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 457-58 दिनांक 29.02.2020 के माध्यम से श्री नवीन कुमार साहू पिता श्री चन्द्रभान साहू को स्ववित्तीय योजना आधार पर आबंटित है। भवन के मूल आबंटी श्री नवीन कुमार साहू पिता श्री चन्द्रभान साहू द्वारा उक्त भवन भुनेश्वरी साहू पिता श्री रूपेश कुमार साहू को विक्रय करने हेतु रू. 100.00 के नॉन ज्यूडिशियल स्टॉम्प पेपर नोटरी द्वारा सत्यापित बिक्री इकरारनामा एवं आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ दिनांक 21.06.2024 को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-धमतरी कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति या शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन का दान पत्र विलेख उपरांत श्री शांति भूषण श्रीवास्तव पिता श्री विजय कुमार श्रीवास्तव के नाम पर नामांतरण करने के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र कार्यालय धमतरी, पता परिजात् हाईट्स, हॉउसिंग बोर्ड कॉलोनी, हटकेशर, जिला धमतरी (छ.ग.) में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् दावा-आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़, गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र-धमतरी (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, TAZEIN SIDDIQUI AGE- 34 YEAR W/O MOHAMMAD ATIF SIDDIQUI resident of D-8, GALI NO. 6, SHRIRAM NAGAR, PHASE-1, RAIPUR (C.G.) 492007 have changed my old name TAZEIN ATIF SIDDIQUI so in future I should be recognized by my new name that is TAZEIN SIDDIQUI W/O MOHAMMAD ATIF SIDDIQUI in all Government and other documents.

TAZEIN SIDDIQUI
W/O MOHAMMAD ATIF SIDDIQUI
R/o D-8, GALI NO. 6, SHRIRAM NAGAR, PHASE-1, RAIPUR (C.G.) 492007

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, RITESH KUMAR GOYAL S/O MANOJ GOYAL resident of F00625, J51, SUNDER NAGAR, FRONT OF PATWARI PRASHIKSHAN AMARPURI CHOWK, RAIPUR PO. SUNDER NAGAR, DIST. RAIPUR (C.G.) 492013 have changed my old name RITESH KUMAR GOYAL S/O MANOJ GOYAL so in future I should be recognized by my new name that is RITESH GOYAL S/O MANOJ GOYAL in all Government and other documents.

RITESH GOYAL
F00625, J51, SUNDER NAGAR, FRONT OF PATWARI PRASHIKSHAN AMARPURI CHOWK, RAIPUR PO. SUNDER NAGAR, DIST. RAIPUR(C.G.) 492013

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मूंग दाल, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 6600-6700, दाल चना 7600-7700, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 10300-10400, उड़द दाल 12700-12800, अरहर दाल 11500-11600 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपए और चावल : 2750-2850 रुपए प्रति क्विंटल रहा। **चीनी-गुड़ :** चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4100-4200, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4450-4550 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

खाद्य तेल : सरसों तेल 13113 रुपए, मूंगफली तेल 19560 रुपए, सूरजमुखी तेल 12234 रुपए रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

अक्षय कुमार ने 'गरम मसाला' को बताया करियर की सबसे कठिन फिल्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने फिल्म 'गरम मसाला' को अपने करियर की सबसे कठिन फिल्म बताया है। अक्षय कुमार को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए साढ़े तीन दशक हो गए हैं। अक्षय ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी हैं। अक्षय इन दिनों फिल्म सरफिरा को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने करियर की सबसे कठिन फिल्म को लेकर बात की है। अक्षय ने फिल्म 'गरम मसाला' को अपने करियर की सबसे कठिन फिल्म बताया है। अक्षय कुमार ने बताया कि निर्देशक प्रियदर्शन उनसे लंबे-लंबे शॉट लेते थे,जिसको करते समय वह हांफने लगते थे। वह एक लड़की से बात कर रहे होते हैं, अचानक उन्हें दूसरी लड़की से बात करना पड़ जाता था।

रिश्तों में सबसे महत्वपूर्ण चीज 'बातचीत' है : सनी लियोन

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एमटीवी का डेटिंग रियलिटी शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5 एक्सस्क्वीज मी प्लीज' सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। शो को एक्ट्रेस सनी लियोन होस्ट कर रही हैं। उन्होंने रिश्तों के हर पहलू पर काम करने वाले 'की फैक्टर' को शेयर किया। शो के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान, सनी ने कहा कि रिश्तों में सबसे इम्पोर्टेन्ट चीज क्या होती है? कम्युनिकेशन। हमारे आइडियल मैच के लिए 'बेकेशन' का समय आ गया है। शोडाउन के बाद, नायरा और दिग्विजय ने आइडियल मैच जीत लिया। बाद में, हर्ष ने खुलासा किया कि कशिश को छोड़ने का उसका फैसला एडी के दिमाग की उपज था। इससे कशिश हैरान और दुखी हो गई।

एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5 एक्सस्क्वीज मी प्लीज एमटीवी और जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सनी ने हाल ही में तमिल फिल्म 'कोटेशन गैंग' का फर्स्ट लुक जारी किया, इसमें ग्लैमरस अवतार को छोड़ वह एक ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में उन्होंने एक्टर जैकी श्रॉफ की गर्दन पकड़ी हुई हैं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ के अलावा 'द फैमिली मैन' फेम प्रियामणि भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा, सनी के पास लेखक अनुराग कश्यप की 'कैनेडी' भी है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और जल्द ही इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, वह हिमेश रेशमिया और प्रभुदेवा के साथ एक अनटाइटल फिल्म पर भी काम कर रही हैं। उनके अपकमिंग मलयालम प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। उनकी लाइफ की बात करें तो सनी लियोनी का जन्म 13 मई 1981 को कनाडा में पंजाबी परिवार में हुआ। उनका असली नाम करनजीत कौर वोहरा है।

वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल किया विकसित

मनोभ्रंश रोग का लगा सकता है पता

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है जो शुरुआती चरण में ही मनोभ्रंश रोग (डिमेंशिया) का पता लगा सकता है। साथ ही यह भी जानकारी देता है कि क्या यह डिमेंशिया तक ही सीमित रहेगा या मरीज में अल्जाइमर होने की भी आशंका है।

मनोभ्रंश एक वैश्विक चुनौती है, जो 5.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करती है। वैश्विक स्तर पर इस पर हर साल लगभग 820 अरब डॉलर खर्च होता है।

रिपोर्ट कहती है कि इसके मामलों में अगले 50 वर्षों में लगभग तीन गुना वृद्धि होने की संभावना है। नए एआई मॉडल को विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं ने अमेरिका में एक शोध समूह में 400 से अधिक प्रतिभागियों की जांच की।

इसमें उनकी जांच के लिए एमआरआई स्कैन का इस्तेमाल किया गया, जिससे उनमें ग्रे मैटर के सिकुड़ने का पता चला। इसके बाद उन्होंने अन्य 600 अमेरिकी मरीजों तथा ब्रिटेन और सिंगापुर के मेमोरी क्लीनिकों से प्राप्त 900 मरीजों के आंकड़ों का मूल्यांकन किया।

ईक्लिनिकलमेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित शोध के अनुसार, इसमें इस्तेमाल किया गया एल्गोरिदम (किसी समस्या को हल करने या किसी कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशों का एक समूह) चेतना में हल्की कमी के साथ स्थिर स्थिति वाले व्यक्तियों और ऐसे व्यक्तियों के बीच अंतर करने में सक्षम था जिनमें तीन साल के भीतर अल्जाइमर रोग का पता चला।

इसने केवल चेतना संबंधी परीक्षणों और एमआरआई स्कैन के आधार पर 82 प्रतिशत मामलों में उन लोगों की सफलतापूर्वक पहचान की जिनमें आगे चलकर अल्जाइमर विकसित हुआ था, तथा 81 प्रतिशत मामलों में उन लोगों की पहचान की जिनमें अल्जाइमर विकसित नहीं हुआ था। इस शोध से यह उम्मीद जगी है कि यह मॉडल सटीक हो सकता है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर जो कोर्ट्जी ने कहा कि यह उपकरण इस बात का पूर्वानुमान लगाने में सहायक होगा कि किसी व्यक्ति में भविष्य में अल्जाइमर की आशंका है या नहीं। चूंकि इसका वास्तविक जीवन में भी परीक्षण किया जा चुका है, इसलिए सामान्यीकरण किया जा सकता है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के बेन अंडरवुड ने कहा कि इससे रोगियों और उनके परिवारों की कई मौजूदा चिंताओं को कम करने में मदद मिलेगी।

शोधकर्ताओं ने की नए ब्लड मार्कर की खोज

- **ग्लूकोमा के मरीजों में आंखों की रोशनी जाने के जोखिम का लगेगा पता**
- **40 वर्ष से अधिक आयु के लगभग लोगों को करता है प्रभावित**

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक नए ब्लड मार्कर की खोज की है, जो यह अनुमान लगा सकता है कि ग्लूकोमा के रोगियों में सामान्य उपचार के बाद भी आंखों की रोशनी जाने का कितना जोखिम है। ग्लूकोमा (जिसे भारत में काला मोतिया के नाम से जाना जाता है) भारत में 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 1.12 करोड़ लोगों को प्रभावित करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह हमारे देश में अंधेपन का तीसरा आम कारण है। ग्लूकोमा के मुख्य कारक बुढ़ापा और उच्च रक्तचाप हैं। आंख में इंट्राऑकुलर दबाव को कम करने के लिए उपचार उपलब्ध हैं, लेकिन वे पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हैं।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) और ब्रिटेन के मूरफील्ड्स आई हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं ने इस चीज की जांच की है कि क्या ग्लूकोमा से पीड़ित लोगों में श्वेत रक्त कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य कम होता है और क्या दोनों के बीच कोई संबंध है।

विषयों का अध्ययन उनके रक्त कोशिकाओं की ऑक्सीजन का उपयोग करने की दक्षता, समय के साथ खोई हुई रोशनी की मात्रा और निकोटिनामाइड एडेनाइन डाईन्यूक्लियोटाइड (एनएडी) के स्तर पर किया गया। एनएडी शरीर में मौजूद एक रसायन है जो कोशिकाओं को ऊर्जा उत्पादन में मदद करता है। यह भोजन में मौजूद विटामिन बी3 से प्राप्त होता है। सबसे पहले शोधकर्ताओं ने पाया कि रक्त में मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं के रूप में जानी जाने वाली विशेष कोशिकाएं ग्लूकोमा से पीड़ित व्यक्तियों में ऑक्सीजन का उपयोग अलग तरीके से करती हैं। दूसरा, नेचर मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार ग्लूकोमा वाले लोगों की रक्त कोशिकाओं में एनएडी की मात्रा कम होती है, जिसका अर्थ है कि उनके शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन की खपत कम होती है।

यूसीएल के नेत्र विज्ञान संस्थान और मूरफील्ड्स आई हॉस्पिटल के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर डेविड गारवे-हीथ ने कहा कि अगर श्वेत रक्त कोशिका के माइटोकॉन्ड्रियल कार्य और एनएडी स्तर को नैदानिक परीक्षण के रूप में पेश किया जाए, तो चिकित्सकों को यह अनुमान लगाने में मदद मिलेगी कि किन रोगियों को निरंतर दृष्टि हानि का अधिक जोखिम है, जिससे उन्हें अधिक गहन निगरानी और उपचार में प्राथमिकता दी जा सकेगी।

लेखकों ने कहा कि यदि शोध यह साबित करता है कि कम माइटोकॉन्ड्रियल फंक्शन और एनएडी एक कारक है, तो इसके बाद नए उपचार पेश किए जा सकते हैं।

शोधकर्ता अब यह देखने के लिए एक प्रमुख शोध पर काम कर रहे हैं कि क्या उच्च खुराक वाला विटामिन बी3 माइटोकॉन्ड्रियल फंक्शन को बेहतर बनाने के साथ दृष्टि हानि को कम कर सकता है। इस शोध से इस क्षेत्र में नए रास्ते खुलेंगे।

सच्चे प्यार को पाने के बारे में है 'ऐसा लग रहा है' गीत : हरिहरन

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज गायक हरिहरन ने हाल ही में रिलीज हुए गाने 'ऐसा लग रहा है' को लेकर कहा कि यह ट्रैक सच्चे प्यार को पाने के बारे में है। यह ट्रैक बताता है कि जब कोई आपको प्यार से देखता है, तो जीवन कितना खास लगता है। यह दिखाता है कि कैसे प्यार सब कुछ रोशन कर सकता है और कैसे किसी के आने से अकेलेपन को दूर किया जा सकता है।

इस गाने के बारे में हरिहरन ने कहा कि यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। यह सच्चे प्यार को पाने की भावनाओं और जादू को खूबसूरती से दिखाता है। इस गीत को बनाने की मेरी जर्नी अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक रही है। मैंने अपनी सारी भावनाओं को इसमें पिरोया है। मेरा मानना है कि जिसने भी कभी प्यार का अनुभव किया है, वह इससे आसानी से जुड़ जाएगा।

इस गाने को बिभूति गोगोई ने संगीतबद्ध किया है और बोल राहुल मिश्रा ने लिखे हैं। वहीं इसका संगीत जतिन वासवानी और बिभूति गोगोई ने तैयार किया है।

इस गाने को लेकर बिभूति गोगोई ने कहा कि गाना 'ऐसा लग रहा है' बनाना मेरे लिए भावना और जुनून से भरी एक यात्रा थी। हरिहरन जी के साथ काम करना और इन खूबसूरत बोलों को जीवंत करना एक सम्मान की बात है। मुझे उम्मीद है कि श्रोताओं को भी वही जादू महसूस होगा, जो हमने इस गीत को बनाते समय महसूस किया था और यह उनके दिलों को गहराई से छूएगा। 'ऐसा लग रहा है' सभी प्रमुख ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

'इंडियाज बेस्ट डांसर-सीजन 4' की शुरुआत 13 से

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। डांस करने से कई तरह की भावनाएं सामने आती हैं, जिससे यह भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक बहुमुखी और डायनेमिक माध्यम बन जाता है। और, दर्शकों को इसी भावना का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन अपने होमग्रोन डांस रियलिटी शो, 'इंडियाज बेस्ट डांसर-सीजन 4' के साथ मनोरंजन का पारा बढ़ाने के लिए तैयार है। बॉलीवुड की डांसिंग दीवा करिश्मा कपूर शो में जज की भूमिका निभाते हुए, ग्लैमर का पहलू बढ़ाती नजर आएंगी। और, उनके इस सफर में टेरेंस लुईस और गीता कपूर भी उनका साथ देंगे, क्योंकि वे इस सीजन में जज की अपनी भूमिका फिर से निभाएंगे। असाधारण प्रतिभाओं और दमदार डांस मूव्स के आकर्षक सफर का वादा करते हुए, इस बहुचर्चित डांस रियलिटी शो के चौथे सीजन से दर्शकों से अनुरोध किया है कि, 'जब दिल करे डांस कर!' फ्रेम्स प्रोडक्शन कंपनी द्वारा निर्मित और जय भानुशाली व पूर्व प्रतियोगी अनिकेत चौहान की मेज़बानी में, इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 4 की शुरुआत 13 जुलाई को होगी, और यह हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होगा। शो में ऑडिशन के दौरान मिले कुल 90 सेकंड के समय में, प्रतियोगियों को आगे बढ़ने के लिए ई.एन.टी. विशेषज्ञ के नाम से प्रसिद्ध, जजों को प्रभावित करने के लिए तीन पावर मूव दिखाने होंगे। प्रतियोगियों को 'मनोरंजन', 'नयापन' और 'तकनीक' के मानदंडों के आधार पर जांचा जाएगा। इस सीज़न की नई जज करिश्मा कपूर 'मनोरंजन' का फैक्टर देखेंगी, गीता कपूर 'नयापन' के एलिमेंट पर गहरी नज़र रखेंगी और टेरेंस लुईस सारे परफ़ॉर्मेंस की 'तकनीक' पर ध्यान देंगे। इस सीज़न में एक नया गेम चेंजर पेश करते हुए, प्रतियोगियों को 'मौका या चौका' नामक एक आकर्षक टास्क दिया जाएगा, जहां जजों से बेस्ट बज़र पाने वाले प्रतियोगी इस चुनौती का सामना करेंगे। 'मौका' चुने जाने से प्रतियोगियों को मेगा ऑडिशन को बायपास करते हुए सीधे टॉप 12 में जगह बनाने का मौका मिलता है, जबकि 'चौका' चुनने पर उन्हें जूरी पैनल का हिस्सा बन चुके शो के किसी पूर्व प्रतियोगी से डांस-ऑफ का सामना करना पड़ेगा। फिर मेगा ऑडिशन आता है जहां चुने गए प्रतियोगी अगले राउंड में जाने के लिए तीन का ग्रुप बनाकर मुकाबला करते हैं।

मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा 'सेल्फ-वैलिडेशन' : ट्विंकल अरोड़ा

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। 'उड़ारियां' में नेहमत का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस ट्विंकल अरोड़ा ने बताया कि वह पहले दूसरों से वैलिडेशन चाहती थीं, लेकिन अब उन्होंने सेल्फ-वैलिडेशन की पावर को जान लिया है। ट्विंकल ने कहा कि वैलिडेशन (अपने बारे में किसी की राय लेना) मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा रहा है। मैं एक ऐसी इंसान थी जिसे कई जगहों पर दूसरों की राय की जरूरत थी, लेकिन समय के साथ मैंने सीखा है कि खुद को मान्यता देना ही सबसे बड़ी सीख है। अगर किसी को कोई दूसरा वैलिडेट नहीं करता, तो इस पर निराश नहीं होना चाहिए। यह कहना आसान है, लेकिन इसमें महारत हासिल करने के लिए काफी कोशिश की जरूरत है, जो मैं कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं एक ऐसी शख्स हूं जो मौज-मस्ती करना पसंद करती है और उसे बस सही कंपनी की जरूरत होती है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अलग-अलग लोगों के सामने अपना अलग-अलग साइड दिखाती हैं और जब वह अकेली होती हैं तो वह बिल्कुल अलग होती हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं सेट पर होती हूं, तो मैं बिल्कुल शांत और प्रोफेशनल होती हूं।

पेंटर की बेटी बनी दारोगा, परिवार में खुशी का माहौल

नीतीश कुमार की पहल के कारण ही बिहार में लड़कियां बढ़ रही आगे

नालंदा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहारशरीफ के लहेरी की रहने वाली सुमन कुमारी ने अपने परिवार का नाम रोशन किया है। पेंटर दिनेश प्रसाद की बेटी सुमन कुमारी ने दारोगा की परीक्षा में सफलता हासिल की है। सुमन की सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। हर कोई सुमन को उसकी कामयाबी के लिए बधाई दे रहा है।

सुमन ने बताया कि पुलिस की वर्दी उन्हें बचपन से आकर्षित करती थी और उनका सपना था कि बड़ी होकर वह भी पुलिस अधिकारी बनें। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत से पढ़ाई की। हालांकि, कई बार उन्हें असफलता का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने प्रयास जारी रखा और इस बार उन्होंने दारोगा परीक्षा पास कर अपने सपने को साकार कर लिया। सुमन ने बताया कि लड़कियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करनी चाहिए। सफलता एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन लगातार प्रयास से एक दिन जरूर मिल जाती है। दारोगा की तैयारी के लिए उन्होंने ऑनलाइन क्लास भी ली। सुमन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, शिक्षकों और दोस्तों को दिया है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी आभार व्यक्त किया। सुमन ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार की पहल के कारण ही बिहार में लड़कियां अलग-अलग क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। उन्हीं के कारण ही मैंने भी सफलता हासिल की है। सुमन की मां आशा देवी ने अपनी बेटी की सफलता पर बधाई दी और कहा कि हमें खुशी है कि मेरी बेटी दारोगा बन गई है।

जन्मदिवस के अवसर पर

प्रकाश मेहरा बनना चाहते थे म्यूजिक कंपोजर

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड में प्रकाश मेहरा ने अपनी निर्मित-निर्देशित सुपरहिट फिल्मों के जरिये दर्शकों के दिलों पर खास पहचान बनाई है लेकिन वह अपने करियर के शुरूआत में म्यूजिक कंपोजर बनना चाहते थे। प्रकाश मेहरा का जन्म 13 जुलाई 1939 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर में हुआ। बचपन से प्रकाश मेहरा को रेडियो पर गाने सुनने का शौक था। कम उम्र में उन्होंने गाने लिखना भी शुरू कर दिया था। उन्होंने तय किया कि वह म्यूजिक कंपोजर बनेंगे। एक दिन प्रकाश मेहरा नाना के तिजोरी से 13 रुपए चुराकर मुंबई भाग गए। उन्होंने एक सैलून में काम करना शुरू कर दिया। कुछ दिनों तक प्रकाश मेहरा ने सैलून में नौकरी की लेकिन उनका ध्यान गानों में ही लगा रहता था। इसी दौरान नाना उन्हें वापस घर ले जाने के लिए मुंबई आ गए। काफी मनाने के बाद प्रकाश मेहरा अपने नाना के साथ घर वापस चले गए। कुछ दिनों तक वो वहां रहे लेकिन फिर वह मुंबई चले गए। प्रकाश मेहरा ने अपने करियर की शुरुआत में उजाला और प्रोफेसर जैसी फिल्मों में बतौर अभिनेता काम किया। वर्ष 1968 में प्रदर्शित फिल्म हसीना मान जायेगी बतौर निर्देशक प्रकाश मेहरा की पहली फिल्म थी। इस फिल्म में शशि कपूर ने दोहरी भूमिका निभाई थी। वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म जंजीर प्रकाश मेहरा के साथ ही अमिताभ के करियर के लिए मील का पत्थर सबित हुई। बताया जाता है धर्मेन्द्र और प्राण के कहने पर प्रकाश मेहरा ने अमिताभ को जंजीर में काम करने का मौका दिया और उन्हें साइनिंग अमाउंट एक रुपया दिया था। फिल्म जंजीर को बनाने के लिए उन्होंने अपनी बीवी के गहने तक गिरवी रख दिए थे।

प्रकाश मेहरा अमिताभ को प्यार से 'लल्ला' कहकर बुलाते थे। जंजीर की सफलता के बाद अमिताभ और प्रकाश मेहरा की सुपरहिट फिल्मों का कारवां काफी दूर तक चला। इस दौरान लावारिस, मुकद्दर का सिकंदर, नमक हलाल, शराबी, हेराफेरी जैसी कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहराया। प्रकाश मेहरा एक सफल फिल्मकार के अलावा गीतकार भी रहे और उन्होंने अपनी कई फिल्मों के लिए सुपरहिट गीतों की रचना की थी। इन गीतों में 'ओ साथी रे तेरे बिना भी क्या जीना, लोग कहते है मैं शराबी हूं, जिसका कोई नही उसका तो खुदा है यारो, जवानी जाने मन हसीन दिलरूबा, जहां चार यार मिल जाए वहां रात हो गुलजार, इंतहा हो गई इंतजार की, दिल तो है दिल दिल का ऐतबार क्या कीजे, दिलजलो का दिलजला के क्या मिलेगा दिलरूबा, दे दे प्यार दे और इस दिल में क्या रखा है, अपनी तो जैसे तैसे कट जाएगी और रोते हुए आते है सब हंसता हुआ जो जाएगा आदि शामिल है। बताया जाता है मुंबई में अपने संघर्ष के दिनो में प्रकाश मेहरा को अपने जीवन यापन के लिए केवल पचास रुपए में गीतकार भरत व्यास को 'तुम गगन के चंद्रमा हो मैं धरा की धूल हूं' गीत बेचने के लिए विवश होना पड़ा था। प्रकाश मेहरा ने अपने सिने करियर में 22 फिल्मों का निर्देशन और 10 फिल्मों का निर्माण किया। वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म मुझे मेरी बीबी से बचाओ प्रकाश मेहरा के सिने करियर की अंतिम फिल्म साबित हुई।

पांच दिवसीय मेघालय अनानास महोत्सव का आयोजन

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मेघालय के कृषि और किसान कल्याण मंत्री डॉ. एम. अम्पारीन लिंगदोह ने राजधानी में चल रहे दूसरे मेघालय अनानास महोत्सव 2024 में कहा कि उनका राज्य अपनी समृद्ध कृषि-जलवायु परिस्थितियों के साथ अद्वितीय उपज का खजाना है।

राजधानी में चल रहे इस पांच दिवसीय महोत्सव में उन्होंने कहा कि यह महोत्सव अनानास को दुनिया भर में बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के साथ मिलकर, राज्य के किसानों और उद्यमियों के लिए एक अनुकूल आर्थिक वातावरण के विकास के लिए मेघालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे में 5.63 करोड़ रुपए और कार्यशील पूंजी में 1.39 करोड़ रुपए निवेश किए हैं, जिसमें 2023 तक अनानास के लिए विशेष रूप से 78 लाख रुपए विशेष रूप से आवंटित किए गए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप जबरदस्त उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिसमें लुलु ग्रुप, अबू धाबी को 4.36 टन अनानास का निर्यात और करीब 100 टन की घरेलू बाजार पहुंच और यूरोपीय संघ के बाजारों में लगभग 300 टन का सफल निर्यात शामिल है। इन पहलों ने किसानों की आय को 122 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जिससे सीधे रूप से 300 से अधिक किसानों को लाभ हुआ है और अप्रत्यक्ष रूप से मेघालय के 5000 से अधिक फल उत्पादकों को लाभ पहुंचा है।किसानों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से, सरकार ने उच्च मूल्य वाली वाणिज्यिक फसलों के लिए मिशन-मोड प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की है।

हल्दी, अदरक, मशरूम, मधुमक्खी पालन, मसाला, खासी मंदारिन, अनानास और अन्य प्रोजेक्ट्स

उन्होंने कहा कि हल्दी, अदरक, मशरूम, मधुमक्खी पालन, मसाला, खासी मंदारिन, अनानास और अन्य को कवर करने वाले ये प्रोजेक्ट्स समग्र, समुदाय-केंद्रित प्रयासों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनका मुख्य लक्ष्य किसानों का भला करना है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम आगे देखते हैं, हम वैश्विक बाजार में मेघालय के अनानास को वैश्विक बाजार में एक नाम देने के लिए समर्पित हैं। साथ मिलकर, हम मेघालय के कृषि परिदृश्य के लिए एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य बना सकते हैं।

जिले के अंतिम छोर में बसे गांव लिखमा पहुंचा जिला प्रशासन

आपकी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला प्रशासन आपके द्वार पहुंचा है : विधायक अंबिका मरकाम

धमतरी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देशानुसार आम लोगों की मांग, समस्या एवं शिकायतों के निराकरण के लिए आज जिले के अंतिम छोर में बसे नगरी विकासखण्ड के ग्राम लिखमा जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक सिहावा अंबिका मरकाम ने कहा कि ग्रामीणों की मांग, समस्या और शिकायतों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन उनके द्वार तक आया है। ग्रामीण इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लें। उन्होंने शासकीय माध्यमिक स्कूल में बने अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण भी किया। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, उपाध्यक्ष हुमित लिमजा, सदस्य श्यामत बिसेन, सुलोचना साहू, यामिनी ध्रुव, प्रकाश बैस, अन्य जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शासकीय माध्यमिक शाला अतिरिक्त कक्ष का विधायक ने किया लोकार्पण

लिखमा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में मांग, समस्या और शिकायत संबंधी प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर लिया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के हितग्राहियों को गैस चूल्हा सहित अन्य योजनाओं के लाभान्वितों को सामग्री वितरित की गई। मौके पर 5 लोगों को ड्राइविंग लायसेंस, 2 दिव्यांग हितग्राहियों को ट्राइसाइकिल, आयुर्वेद विभाग की ओर से 155 लोगों को काढ़ापान कराया गया। इसके अलावा 500 पौधे वितरित किए गए।

भाजपा शासन में आवश्यक दवाइयों की कमी से जूझ रहा जिला अस्पताल : विनोद

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भाजपा राज में प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। हर क्षेत्र में विफल सरकार प्रदेश की जनता को मुफ्त दवाई उपलब्ध कराने में असमर्थ साबित हो रहा है। महासमुंद जिला अस्पताल की हालत नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली हो गई है। जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में मरीजों को दवाइयां ही नहीं मिल रही है, जबकि राज्य की विष्णुदेव सरकार गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने का राग अलाप रहे हैं। उक्त वक्तव्य पूर्व संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने जिला अस्पताल में आवश्यक दवाइयों की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कही। श्री चंद्राकर ने कहा कि विष्णु देव सरकार द्वारा सरकारी अस्पताल में मरीजों को 24 घंटे बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के दावों की जमीनी हकीकत की पोल खुल गई है। महासमुंद का जिला अस्पताल की हालत नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली है। आज अस्पताल की डिस्पेंसरी में जरूरी दवाइयां नहीं मिल रही है। मजबूरीवश गरीब मरीजों को बाहर से ही महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही है। जो साय सरकार के जन स्वास्थ्य के प्रति संवेदनहीनता को दर्शाता है। श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा राज में भ्रष्टाचार व कमीशनखोरी सिर चढ़कर बोल रही है। जिला अस्पताल में वर्तमान में प्रतिदिन ओपीडी 600 से भी अधिक पहुंच रही है। गरीब मरीज मुफ्त इलाज की आस में जिला अस्पताल पहुंचते हैं। ऐसे में उन्हें जरूरी दवा डिस्पेंसरी से नहीं मिलने से वे मजबूर होकर दुकानों से महंगी दवाई खरीदने विवश हैं। वर्तमान में जिला अस्पताल में रेगुलर जरूरी दवाओं में मल्टीविटामिन टेबलेट, मल्टी विटामिन इंजेक्शन, डाइक्लोफिनेक टेबलेट, प्रसव के बाद गर्भवती महिलाओं के लिए अत्यंत जरूरी टेबलेट मीसाप्रोस्टल, पेनेरामाइन इंजेक्शन सहित मरीजों को दिए जाने वाले दर्जनों जरूरी दवाइयों की कमी बरकरार है।

जिला अस्पताल में नहीं मिल रहा गरीबों को निःशुल्क दवा

बंधवा तालाब में की गई साफ-सफाई

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग के दिशा-निर्देश पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी लवकेश कुमार के मार्गदर्शन में नगर के बंधवा तालाब के तट पर सफाई अभियान चलाया गया। शहरवासियों ने कहा कि स्वच्छता मनुष्य को शारीरिक और मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखती हैं। स्वच्छता का अर्थ है. साफसफाई। अगर हम अपने आसपास की सफाई नहीं रखेंगे तो बीमारियों के फैलने का डर बना रहता है। हमारे आसपास जितनी गंदगी रहेगी, उतना ही हमारे अस्वस्थ होने की संभावना बनी रहेगी। शहरवासियों ने 'स्वच्छता अपनाओ बिमारी भगाओ अभियान' में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले लोगों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस तरह जनहित के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता प्रभारी दिलीप चन्द्राकर, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयक नीतू प्रधान, प्रभारी नौशाद बक्श, रमा महानंद आदि उपस्थित रहे।

किसानों की समस्या को जाने और दूर करने का प्रयास करें : कलेक्टर

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित खरीफ फसलों हेतु मैदानी अमलों का प्रशिक्षण एवं विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को जरुरी निर्देश दिए। उन्होंने किसानों के लगातार संपर्क में रहने तथा उनकी समस्याओं को पहचान कर दूर करने का प्रयास करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि फिल्ड में किसानों एवं किसान संगठनों से मिलते रहें। विभागीय योजनाओं की जानकारी समय पर दें ताकि किसान विभागीय योजनाओं से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। जिस प्रकार किसान सम्मान निधि में अच्छा काम हुआ है उसी प्रकार अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन भी बेहतर हो। सभी मैदानी अधिकारी अपने मुख्यालय पर ही रहें और अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर कार्य से जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बेहतर काम करने वाले 5 अधिकारियों को हर माह पुरस्कृत किया जाएगा। लेकिन ऐसे अधिकारी जो अपने कार्य में रूचि नहीं लेंगे उन पर कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन मैदानी अमलों का कार्य निष्पादन औसत है उन्हें प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाएं। कलेक्टर ने कहा कि खरीफ सीजन की खेती चल रही है। इसमें किसानों को खाद- बीज लेने या अन्य किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। बीज गुणवत्तापूर्ण हो। धान की कुछ किस्मो के बीज अन्य जिले से मंगाए जा रहे है उसकी गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने जिले में आधुनिक खेती अंतर्गत ड्रोन के उपयोग की प्रशंसा करते हुए ड्रोन का उपयोग यूरिया एवं नैनो यूरिया छिड़काव सहित अन्य कार्यों में करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ली कृषि विभाग के मैदानी अमलों की बैठक

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक सहित कृषि विज्ञान केंद्र, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, एसएडीओ, आरएईओ उपस्थित थे।

नए कानून संहिता की जानकारी देने पत्रकारों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला

धमतरी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। धमतरी पुलिस द्वारा आज पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र (कम्पोजिट बिल्डिंग) रूद्री में नए कानून संहिता के संबंध में जानकारी प्रदाय करने हेतु पत्रकारों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें भारत सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित किए गए तीन नवीन आपराधिक कानून 1 जुलाई 2024 से प्रभावशील हो गए हैं। नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समाज के सभी वर्गों को इन कानूनों के संबंध में जानकारी होना आवश्यक है।

इसके लिए पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में धमतरी जिले के पत्रकारों को भी इन नवीन कानूनों के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं जिला अभियोजन अधिकारी की उपस्थिति में 12 जुलाई 2024 को समय 12 बजे पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र (कम्पोजिट बिल्डिंग) रूद्री के सभा कक्ष में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार नायक ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिसमे मौजूदा कानूनी ढांचे को अधिक संक्षिप्त और सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सके। जांच प्रक्रियाओं और न्यायिक कार्यवाही में आधुनिक तकनीकी उपकरणों और डिजिटल सबूतों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया है साथ ही आरोपी और पीड़ित दोनों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई प्रावधान शामिल किए गए हैं।

जिला अभियोजन अधिकारी हीना यास्मीन खान ने कार्यक्रम में बताया कि ये नई संहिताएं आधुनिक समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता और निष्पक्षता आती है। यह संहिता नागरिकों को सरकारी तंत्र के किसी भी दुरुपयोग से बचाने के लिए कानूनी संरक्षण प्रदान करती है। नए कानून के माध्यम से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध, डेटा सुरक्षा और तकनीकी धोखाधड़ी जैसे नए प्रकार के अपराध सामने आ रहे हैं। नए कानून नए प्रकार के अपराधों के लिए उपयुक्त कानूनी उपाय प्रस्तुत करते हैं।

प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी द्वारा नवीन कानून में लाए गए सामान्य प्रावधानों/परिवर्तनों की जानकारी के सम्बन्ध में बताया कि भारतीय न्याय संहिता 2023 ने भारतीय दंड संहिता 1860 को प्रतिस्थापित किया है, जिसमे 358 धाराओं को शामिल किया गया है। आईपीसी के अधिकांश प्रावधानो को बनाये रखा गया है, नये अपराधो को पेश किया गया है, न्यायालय द्वारा बाधित धाराओं को समाप्त किया गया है और विभिन्न अपराधों के लिए दंड बढ़ाया गया है। इसके पश्चात बालक-बालिकाओं, महिलाओं बच्चों के विरुद्ध लैंगिक अपराध एवं सजा के प्रावधानों के बारे में बताया गया एवं उसके समाचार में प्रकाशन के संबंध में दिये गए प्रावधानों के संबंध में भी बताया गया।

जिला अभियोजन अधिकारी से पत्रकारों द्वारा नये कानून के संबंध में कुछ-कुछ सवाल भी पूछेगए जिनके सवालों का जवाब देकर संतुष्ट भी किया गया। नवीन आपराधिक कानूनों में जोड़े गए नई धाराओं, पुराने कानून से हटाई गई धाराओं एवं आवश्यक परिवर्तनों की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। धमतरी पुलिस द्वारा पत्रकारों के माध्यम से अपील की गई है की आप सभी के माध्यम से नये कानून की अधिक से अधिक आमजनों तक जानकारी पहुंच सके।

कार्यक्रम के समापन में रक्षित निरीक्षक धमतरी द्वारा जिला अभियोजन अधिकारी एवं उपस्थित जिले के इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट मिडिया, पोर्टल मिडिया के सदस्यों का उपस्थिति के लिये आभार प्रदर्शन किया गया।

उक्त जनजागरूकता कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार नायक, जिला अभियोजन अधिकारी हीना यास्मीन खान, रक्षित निरीक्षक दीपक शर्मा, सउनि. रामावतार राजपूत, धमतरी जिले के इलेक्ट्रानिक, प्रिंट मीडिया एवं वेब पोर्टल न्यूज के सदस्य अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग के संचालन में मितानिनों की महत्वपूर्ण योगदानः योगेश्वर

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शुक्रवार को नयापारा स्वास्थ्य केंद्र में नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगेश्वर राजू सिन्हा ने फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होंने नवनिर्मित कक्ष का जायजा भी लिया। वहीं उन्होंने कार्यक्रम में मितानिनों को सम्मानित भी किया। अस्पताल में बने अतिरिक्त कक्ष में छोटे बच्चों के लिए टीकाकरण की व्यवस्था की जाएगी। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के संचालन में मितानिन बहनों का महत्वपूर्ण योगदान है। गर्भवती महिलाओं व शिशुओं के देखभाल में भी इनका सराहनीय भूमिका रहती है। स्वास्थ्य विभाग के जमीनी कार्यों को मितानिन पूरी मेहनत और लगन से कर रही है। इसके लिए उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित मितानिन बहनों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं। इसलिए हमारी सरकार ने मितानिनों का सम्मान करते हुए सीधे उनके खाते में प्रोत्साहन राशि जारी की है। इससे मितानिन बहनों को उनके मेहनत की राशि के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने मितानिनों से कहा कि आप सभी इसी तरह सरकार के स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाते रहे। इससे लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा।

कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर में किया गया 41 लोगों का पंजीयन

धमतरी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में आज सिविल अस्पताल नगरी में निःशुल्क कैंसर जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 41 लोगों का पंजीयन कर कैंसर के 24 संभावित रोगियों को चिन्हित किया गया। इसमें मुख कैंसर के 16, स्तन कैंसर के 5 एवं गर्भाशय कैंसर के 3 मरीजों को बीएमसी, मैमोग्राफी, पेप्समीयर जांच हेतु सेंपल लिया गया। इसका रिपोर्ट आने के बाद उनका समुचित उपचार किया जायेगा। इस शिविर में बालको कैंसर अस्पताल के डॉ. श्रवण नाडकर्णी (कैंसर रोग विशेषज्ञ) के द्वारा चिन्हांकित मरीजो को परामर्श प्रदान किया गया। उक्त शिविर में सिविल अस्पताल नगरी के सभी स्वास्थ्यकर्मी एवं बालको कैंसर अस्पताल के स्टाफ मौजूद थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़)

क्रं./1743/न.पा.नि./स्वा. शाखा/2024-25/

बीरगांव, दिनांक 12/07/2024

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (3rd Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव सीमा अंतर्गत वर्ष 2024-25 में स्वच्छता कार्य हेतु पात्र फर्मों/ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित है। System Tender No. 156055. Bid Due Date 24.07.2024, Physical Submission Last Date-29-07-2024, Tender Opening Date - 29-07-2024 (Scheduled).

इच्छुक सक्षम निविदाकार, निविदा प्रपत्र, नियम व शर्तें, धरोहर राशि, बैंक साल्वेंसी, टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा प्रपत्र शुल्क, Key Dates इत्यादि विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagar-nigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते हैं।

आयुक्त

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड रायपुर

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनी)

CIN- 4018T2003SGC051822

कार्यालय-कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग (दक्षिण) रायपुर न्यु पुरैना बस्ती रोड, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पुरैना के बाजु,

दूरभाष 0771-2574766 Email-eecitysouth.raipur@cspc.co.in

क्रमांक/051-56/सामान्य/1854 | रायपुर, दिनांक 12/07/24

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि नगर संभाग (दक्षिण) छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमि., रायपुर के अंतर्गत निम्नांकित 33/11 के.व्ही. लाईनों का संधारण / रखरखाव एवं नये लाईन विस्तार से संबंधित कार्य किया जाना है। जिसके कारण कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। अतः दर्शायी गई तिथि के सम्मुख दर्शाये गये क्षेत्र में प्रातः 09.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में वृद्धि की जा सकती है।

क्रं.	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	15.07.2024 दिन सोमवार	33 के.व्ही. सदानी फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता एम.एम. इंडस्ट्रीज डुमरतराई, उच्चदाब उपोक्ता महमाया गृह निर्माण लॉजिस्टिक डुमरतराई।
2		11 के.व्ही. वर्धमान नगर फीडर	वर्धमान नगर सब्जी मंडी के पीछे, हिमालयन एम.बी.एन, कोर्टयार्ड ग्रीन, डॉल्फीन ज्योलो के आसपास का क्षेत्र।
3		11 के.व्ही. रूलर फीडर	लता मंगेशकर बाड़ी क्षेत्र, केशरी बगीचा, हरिओम नगर, तरूण चटर्जी बाड़ी, काठाडीह बस्ती, टाटा बाड़ी एवं दतरंगा रोड़ एवं आसपास के क्षेत्र।
4	16.07.2024 दिन मंगलवार	33 के.व्ही. राजेन्द्र नगर, पुरैना-1	उच्चदाब उपभोक्ता आई.वी. वाय. हॉटल प्रियदर्शनीय नगर, उच्चदाब उपभोक्ता मेसर्म वोडाफोन राजेन्द्र नगर।
5		11 के.व्ही. गुढ़ाखु फैक्ट्री	आनाज मार्केट।
6	17.07.2024	11 के.व्ही. फुंडहर फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता अग्रसेन धाम, बालाजी मंदिर, चोकरधानी एवं वी.डब्लू केन्यान होटल, लव-कुश वाटिका, गौरव गार्डन, दिन बुधवार साधना मंडप एवं वी.आई.पी. रोड का क्षेत्र।
7		33 के.व्ही. इंडियन ऑइल फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता अग्रसेन धाम, बालाजी मंदिर, चोकरधानी एवं वी.डब्लू केन्यान होटल के आसपास का क्षेत्र।
8		11 के.व्ही. रिवर कॉन्ट्री फीडर	आनंद विहार, बंजारी नगर, आक्षी तालाब के पास, हनुमान वाटिका, विमला विहार, रिवर कॉन्ट्री फेस- 1,2 एवं युनिक पैराडाइ के आसपास का क्षेत्र।
9	18.07.2024 दिन गुरूवार	11 के.व्ही. सिमरन सिटी फीडर	काठाडीह बी.एस.यू.पी., सिमरन सिटी फेस-5, सिमरन स्कर्वट कॉलोनी, रावतपुरा फेस-2, अमन शांति विहार (गोकुल नगर), आम बगीचा, पीली बिल्डिंग बी.एस.यू.पी. के आसपास का क्षेत्र।
10		11 के.व्ही. बजाज फीडर	बढ़ीया चाय, पुरैना चर्च गली, बजाज कॉलोनी सेक्टर-1, त्रिलोक टावर के आसपास का क्षेत्र।
11		11 के. व्ही. ओम विहार फीडर	फुण्डहर पानी टंकी के पास, फुण्डहर बस्ती, फुण्डहर चौक, साहू होटल के आस-पास का क्षेत्र, ओम विहार एवं वी.आई.पी. रोड का क्षेत्र।
12	19.07.2024 दिन शुक्रवार	11 के.व्ही. भाठागांव फीडर	अवधपुरी, सोनू फर्नीचर के पास, हल्का तालाब के पास, सांई विला, ढेबर सिटी के सामने, अभिनंदन टावर, राम-जानकी मंदिर के पास, भाठागांव के आस-पास का क्षेत्र।
13		11 के.व्ही. विधायक कॉलोनी फीडर	विधायक कॉलोनी, ई.डब्लू.एस. कॉलोनी, व्ही.आई.पी. रोड़ के आसपास का क्षेत्र, मोका रेस्टोरेन्ट, परमानंद स्कूल, फ्लावर वेली, गोल्डन स्काई के आसपास का क्षेत्र।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा की बचत करें।

(आशीष अग्निहोत्री-4511743)
कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग (दक्षिण)
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि.रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

ईश्तहार

ई कोर्ट नं..........
ग्राम बालोद
तहसील बालोद

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री बिसनाथ ठाकुर पिता श्री गुलाल ठाकुर निवासी ग्राम घुमका तहसील बालोद जिला बालोद द्वारा ग्राम बालोद प.ह.नं. 06 स्थित भूमि खसरा नं. 246/19 रकबा 0.022 हे. कुल रकबा 0.022 हे. गैर कृषि प्रयोजनार्थ-आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु व्यपवर्तन बाबत् आवेदन नक्शा खसरा एवं बी-1 ब्लू प्रिंट रजिस्ट्री बैनामा, ऋण पुस्तिका व अधिकार अभिलेख की छायाप्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु परिवर्तित किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उद्घोषणा दिनांक 10.07.2024 के भीतर प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 24.06.2024 कोजारी किया गया।

मुहर **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बालोद**

न्यायालय प्रथम अति. प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)

व्यवहार वाद क्र. 632 अ/2023
धारा 13 (1) (1-क) (1-ख) हिन्दू अधिनियम
आदेशिका क्र. 506/2024

नोटिस

श्रीमती शारदा निर्मलकर
आवेदिका
भगत सिंग निर्मलकर
अनावेदक

प्रति,

भगत सिंग निर्मलकर आ. रामसिंग निर्मलकर उम्र 38 वर्ष निवासी आजाद चौक दुर्गा मंदिर के पास मंदिर हसौद, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) अनावेदक

आवेदिका श्रीमती शारदा निर्मलकर ने आपके विरूद्ध विवाह विच्छेद की आज्ञाप्ति के द्वारा विवाह के विघटन हेतु इस न्यायालय के समक्ष वाद अन्तर्गत धारा 13(1) (1-क) (1-ख) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 पेश किया है। अतः इस नोटिस के जरिए आपको सूचित किया जाता है कि आप स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि/अधिवक्ता के माध्यम से जो मामले से संबंधित सभी उत्तर देने में सक्षम हों, उक्त वाद में सुनवाई हेतु दिनांक 04 सितंबर, 2024 को प्रातः 11.00 बजे इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित रहें। यदि किसी कारणवश सुनवाई तिथि 04 सितंबर, 2024 को अवकाश घोषित होता है, तो मामले की सुनवाई उसके ठीक दूसरे कार्यदिवस में की जायेगी। यह भी सूचित किया जाता है कि नियत तिथि में इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने की दशा में उक्त वाद में सुनवाई / विचारण आपकी अनुपस्थिति में विधि अनुसार किया जायेगा।

आज तारीख 05.07.20.24 को इस अदालत की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर **आलोक कुमार, प्रथम अति. प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालयः-श्रीमान् प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) (कु. सारिका नन्दे)

उपस्थिति हेतु समंस

आदेश 5 नियम 20-1 व्यव.प्र.सं.
प्रो.कं. 480 प्र.कं. 58 ए/2024
पेशी तारीख 29.08.2024
प्रति, आम जनता जिससे इनका संबंध हो
दिलीप कुमार वगैरह बनाम आम जनता वादी दिलीप कुमार पिता स्व. बिसराम यादव उम्र 42 वर्ष, दिलेश्वर पिता स्व. बिसराम यादव उम्र 38 वर्ष, धनेश्वरी पिता स्व.बिसराम यादव उम 35 वर्ष सभी निवासी सरकीपार तहसील पलारी जिला बलौदबाजार भाटापारा छ.ग.।

आप प्रतिदवादी गण आमजनता जिनका इससे संबंध हो के विरूद्ध प्र.कं. 58 ए/2024 अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रकिया संहिता 1908 के तहत दावा वास्ते सिविलडेथ की घोषणा हेतु वाद का मूल्यांकन घोषणा हेतु 5000/रूपये वाद संस्थित किया गया है। आम जनता जिससे इनका संबंध हो इस न्यायालय में नियत तारीख 29.08.2024के दावे के उत्तर देने के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है। आम जनता जिससे इनका संबंध हो न्यायालय में स्वयं किसी ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हो और इस दावे से संबंधित सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिये जा रहे है कि आप इन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारित है। यदि आप किसी अन्य दस्तावेजो पर चाहे वह अपने कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में हो विसरत करते हुए आप ऐसे दस्तावेज का लिखित कथन के साथ उपलब्ध कराये जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर वर्णित की गयी पेशी तारीख 29.08.2024 को इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद क सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थित में किया जावेगा।

टीपः- यदि किसी कारणवश कार्य स्थगित हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।

आज दिनांक 10.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुद्रा लगाकर दिया गया।

सील **(कु. सारिका नन्दे) प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बलौदाबाजार (छ.ग.)**

न्यायालयः-श्रीमान् प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) (पीठासीन अधिकारी कु. सारिका नन्दे)

उपस्थिति हेतु समंस

आदेश 5 नियम 20-1 व्यव.प्र.सं.
प्रो.कं. 415 प्र.कं.47 ए/2024
पेशी तारीख 24.07.2024
प्रति आम जनता जिनका इससे संबंध हो
गैन्दराम साहू बनाम आम जनता एवं अन्य वादी गैन्दराम साहू पिता कलाराम साहू उम्र 45 साल, गैंद बाई पिता कलाराम साहू उम्र 42 साल, गौरी बाई पिता कलाराम साहू उम्र 40 साल, किशुन पिता कलाराम साहू उम्र 35 साल सभी निवासी ग्राम बिनौरी तहसील पलारी जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग.।

आप प्रतिवादी गण अमजनता जिनका इससे संबंध हो के विरूद्ध व्य.वाद कं. 47 ए/2024 अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के तहत दावा वास्ते सिविलडेथ की घोषणा एवं स्वत्व घोषणा तथा स्थायी निषेधाज्ञा हेतु वाद का मूल्यांकन घोषणा हेतु 10,000/रूपये स्थायी निषेधाज्ञा हेतु 5000/रूपये जुमला 15,000 रूपये का वाद संस्थित किया गया है। प्रतिवादीगण अमजनता इस न्यायालय में नियत तारीख 24.07.2024 के दावे के उत्तर देने के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है। प्रतिवादी गण आमजनता नयायालय में स्वयं या किसी ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हो और इस दावे से संबंधित सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिये जा रहे है कि आप इन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारित है। यदि आप किसी अन्य दस्तावेजों पर चाहे वह अपने कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में हो विसरत करते हुए आप ऐसे दस्तावेज का लिखित कथन के साथ उपलब्ध कराये जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर वर्णित की गयी पेशी तारीख 24.07.2024 को इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

टीपः-यदि किसी कारणवश उक्त पेशी तारीख 24.07.2024 को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है अथवा किसी कारणवश कार्य स्थगित हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।

आज दिनांक 19.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुद्रा लगाकर दिया गया।

सील **(कु. सारिका नन्दे) प्रथम व्यवहारा न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी बलौदाबाजार छ.ग.**

न्यायालय नजूल अधिकारी बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

आनलाईन क्रमांक 202403210200021
अ/20(3) वर्ष 2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नवाबद्दीन पिता मिनाजुद्दीन जाति मुशलमान निवासी पुराना बस स्टैण्ड बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा नगर बलौदाबाजार स्थित भूखण्ड क्रमांक 808/2 क का हिस्सा क्षेत्रफल 45ग17त्र765 वर्गफीट मकान/भूमि का राजीव गांधी आश्रय योजना पट्टा वर्ष 1998 में पट्टा धारक जैनम बी पति मिनाउद्दीन जाति मुशलमान की मृत्यु दिनांक 16.07.2005 को हो जाने के कारण उनके वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त आवेदन के संबंध में जिस किसी को आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत दिनांक 19.07.2024 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति दावा पर कोइ विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 04.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील **नजूल अधिकारी बलौदाबाजार**

कार्यालय सम्पदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन, प्रक्षेत्र - दुर्ग (छ. ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दूधनाथ वर्मा आ. श्री रामपलीत वर्मा, निवासी- एल.आई.जी.- 2/292, कुरूद भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र - दुर्ग द्वारा कुरूद भिलाई में स्थित भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी.- 2/292, श्री दूधनाथ वर्मा के नाम पर आबंटित है। आबंटी श्री दूधनाथ वर्मा की मृत्यु दिनांक 30.03.2021 को हो चुकी है। आबंटी की मृत्यु उपरान्त उनके वारिस/वारिसानों श्रीमती अखिलेश्वरी वर्मा पति स्व. दूधनाथ वर्मा ने आबंटित भूखण्ड को अपने नाम पर नामान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी.- 2/292, कुरूद भिलाई, जिला-दुर्ग को श्रीमती अखिलेश्वरी वर्मा के नाम इस शर्त पर नामान्तरण करना न्याय संगत होगा, यदि भविष्य में स्व. दूधनाथ वर्मा के वारिसानों द्वारा किसी प्रकार का कोई दावा किया जाता है, तो उसके लिए मंडल कोई जवाबदारी नहीं होगा। अतः श्रीमती अखिलेश्वरी वर्मा के नाम हस्तान्तरण पर यदि किसी व्यक्ति, वारिसान, शासकीय, अर्धशासकीय बैंक वित्तीय निकायों आदि को कोई आपत्ति उजर हो तो, इस आम सूचना प्रशासन के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। म्याद/अवधि समाप्त हो जाने के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं नामांतरण की कार्रवाई करने में मंडल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 09.07.24 को जारी किया गया।

सील **सम्पदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र - दुर्ग (छ. ग.)**

न्यायालय तहसीलदार सुहेला जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202407213700009
अ/27 वर्ष 2023-2024
ग्राम बरडीह प.ह.नं. 41
तहसील सुहेला जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग.

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। आवेदकगण बी.पी. शर्मा अन्य 06 सभी द्वारा आम मुख्त्यार शुभम वर्मा पिता दीपक शर्मा निवासी दीपक हाउस, जल गृह मार्ग टिकरापारा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। ग्राम बरडीह प.ह.नं. 41 स्थित भूमि कुल खसरा नंबर 14 कुल रकबा 54.78 हे. भूमि आवेदकगण एवं अनावेदकगण रविप्रकाश पुजारी अन्य 10 के नाम से शामिल खाते में दर्ज है। उक्त वाद भूमि को आधा-आधा भाग का खाता विभाजन किये जाने का निवेदन किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25.07.2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

मुहर **तहसीलदार सुहेला**

बैगा बाहुल्य गांवों में डायरिया, मलेरिया और मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए कार्ययोजना तैयार करें: विजय शर्मा

- उपमुख्यमंत्री बैगा बाहुल्य सोनवाही गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मिले
- अलग-अलग कारणों से हुई है मौतः कलेक्टर

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा कल शुक्रवार को कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम सोनवाही पहुंचकर ग्रामीणों सहित पीड़ित परिवार के परिजनों से मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को हुई दो ग्रामीणों की आकस्मिक मृत्यु पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने ग्राम सोनवाही के आदिवासी बालक छात्रावास में बनाए गए अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और उपचार कराने आए मरीजों से चर्चा की। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिस तरह से प्रधानमंत्री जनमन योजना पर जिस तरह से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उस पर तेजी से कारवाई करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उपमुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि वनांचल सहित मैदानी क्षेत्रों में मौसमी बीमारी, डायरिया, उल्टी दस्त और जलजनित बीमारियों का संक्रमण न हो इसके लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने की जरूरत है। उन्हांने कलेक्टर को वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाने और और मलेरिया, डायरिया सहित मौसमी बीमारियों के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सुदूर वनांचल क्षेत्र चिल्फी, झलमला और तरेगांव जंगल के शासकीय अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन डीएमएफ से शीघ्र क्रय करने के निर्देश दिए। उन्होंने वनांचल सभी गांवों में स्वास्थ्य शिविर, जल स्त्रोतो का क्लोनिशेन कराने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से पूरे घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। कलेक्टर महोबे ने बताया कि ग्राम सोनवाही में 10 जुलाई को दो ग्रामीणों की मौत हुई है। पांच ग्रामीणों की मृत्यु होने की बात सामने आई थी। इस विषय पर बोड़ला एसडीएम और सीएमएचओ को जांच और घर-घर पहुंच कर सर्वे करने के निर्देश दिए गए थे। सोनवाही में जो पांच ग्रामीणों की मौत की खबर थी, वह अलग-अलग कारणों से और अलग-अलग जगह में हुई है। सभी का मृत्यु का कारण डायरिया या उल्टी-दस्त नहीं हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएल राज ने बताया कि 10 जलाई को गांव में दो ग्रामीणों की मृत्यु होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पास के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र झलमला के चिकित्सक और स्वास्थ्य अमला 10 जुलाई को पहुंचकर गांव के आदिवासी बालक आश्रम छात्रावास में अस्थायी रूप से अस्पताल बनाया गया और वहां ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण का काम शुरू किया गया। दूसरे दिन 11 जुलाई को कलेक्टर के निर्देश पर जिला स्तर और चिल्फी के और अतिरिक्त स्वास्थ्य टीम को भेजकर ग्राम सोनवाही में तैनात किया गया।

सीएमएचओ डॉ राज ने बताया कि 10 जुलाई को गांव के सोनसिंह पिता ईतवारी उम्र लगभग 45 वर्ष और एक महिला श्रीमती फूलबाई पति मंगल सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष की मृत्यु की सूचना मिली। ग्रामीणों के मुताबिक सोनसिंह अपने खेत से काम कर घर लौटा था, उन्होंने अपने तबियत खराब होने की जानकारी अपने घर वालों को दी। इसके बाद उन्होने उल्टियां शुरू हुई और तीन से चार घंटे के दौरान उनकी घर पर ही हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक इसी प्रकार महिला फूलबाई की मृत्यु भी उल्टी से हुई। दो ग्रामीणों की अकास्मिक मृत्यु के बारे में ग्रामीणों से चर्चा की गई। जांच और पूछताछ के प्रथम दृष्टयता में जहरीले मशरूम से फूड पायजिनिंग की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट अभी नहीं आई है, रिपोर्ट आने के बाद कारण स्पष्ट हो जाएगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और उपचार कराने आए मरीजों से चर्चा की। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने बताया कि ग्राम सोनवाही में 194 घर है, जिसकी कुल आबादी 580 है। इस गांव में 12 कुंआ और 02 हैंडपंप है। एक मितानिन भी कार्यरत है। उन्होंने बताया कि बिमारी के लक्षण मिलने पर गांव में लोगों का लगातार स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

तीन हत्याओं के आरोपियों को उम्र कैद

- प्रत्येक हत्याओं के लिए अलग-अलग सजा

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। बच्चों के झगड़े से उपजे विवाद के बाद एक ही रात में दो अलग-अलग स्थानों पर भीमखोज निवासी रंजीत, रवि व दुकालू की हत्या को अंजाम देने वाले तीन आरोपितों को प्रथम सत्र न्यायाधीश सुश्री संघपुष्पा भतपहरी ने आरोप दोष सिद्ध होने पर महासमुंद थाना क्षेत्र के ग्राम भीमखोज निवासी 35 वर्षीय संतोषी पति विजय तेलगू, 46 वर्षीय यशोदा पति नंदकिशोर तेलगू तथा 51 वर्षीय नंदकिशोर पिता गिरधारी को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास 5 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 307 के तहत 7 वर्ष सश्रम कारावास व 3 हजार रुपए अर्थदंड तथा धारा 460 के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 2 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है। इसके अलावा धारा 148 के तहत 2 वर्ष के सश्रम कारावास व 1 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 324 के से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि नही पटाने पर क्रमशः 5, 5, 3, 2 व 1 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। ये सजाएं सभी हत्याओं व अन्य अपराध के लिए अलग-अलग दी गई है याने आरोपितों को तीन-तीन आजीवन कारावास व सभी सजाएं तीन तीन बार दी गई है। इसी तरह अर्थदंड की राशि भी भुगतना होगा। अर्थदंड के अलावा अन्य सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी। अभियोजन के अनुसार मामला 26 अगस्त 2003 की रात्रि ढाई से तीन बजे का है। प्रार्थिया शांतिबाई ने पुलिस को बताया कि घटना के एक-डेढ माह पहले उसकी देवरानी सीमा का बच्चों की बात पर गिरधारी, नंदकिशोर और उनकी औरतों के साथ झगड़ा हुआ था। तब गिरधारी, नंदकिशोर परिवार सहित कही भाग गए थे। 26 अगस्त 2003 को अपने पति दुकालू व बच्चों को लेकर कमरा बंद करके सोई थी तो रात्रि ढाई से तीन बजे बचाव बचाओ कहकर रवि और उसकी पत्नी चिलाई। दरवाजा खोलकर लाईट जलाकर देखा तो नीलकंठ विधि से संघर्षरत बालकगण, पुनीत, अर्जुन, बूढा अर्जुन, धरमू, दिनेश, फूलसिंग, गणेसरी, कोदी बाई, यशोदा बाई, संतोषी बाई तथा अन्य लोग तलवार, खुखरी, टगियां, गुप्ती, भाला, राड, लाठी रखे थे और रवि को मार रहे थे। रवि नीचे गिर पड़ा था। प्रार्थिया को देखकर उसकी ओर आए और बोले इसको मार डालों। गणेसरी, यशोदा, कोंदी बाई, संतोषी, डंडे से मारे और बैगा राजू ने भूजा में तलवार से हमला किया। यह देखकर उसका पति दुकालू अंदर घूसकर दरवाजा बंद कर दिया किंतु ये लोग दरवाजा तोड़कर अंदर घूसे और उसके हाथ, पैर काट दिए साथ ही शंकर को भी मारे है। घटना के समय रवि की मौत हो गई थी और कुछ समय बाद प्रार्थिया के पति दुकालू की भी मौत हो गई। इसी तरह मृतक रंजीत की पत्नी सीमाबाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक 26 अगस्त 2003 से एक डेढ माह पूर्व बच्चों के झगड़े में विवाद हुआ था। इसी बात की रंजिश से गिरधारी, नंदकिशोर, चिन्ना, पोतराजू, बैगा राजू ,नीलकंठ विधि से संघर्षरत बालकगण, पुनीत, अर्जुन, बड्डा अर्जुन, धरमू, दिनेश,फूलसिंग, गणेसरी, कोंदी बाई यशोदा बाई, संतोषी बाई तथा अन्य लोग तलवार, खुखरी, टगिया, गुप्ती, भाला, राड, डंडा से उसके पति रंजीत को मारपीट कर हत्या कर दिए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना उपरांत कोर्ट को सौंपा था। अभियोजन की ओर अतिरिक्त लोक अभियोजक भरत सिंह ठाकुर ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण में अभियुक्तगण अर्जुन पिता रामजी तेलगू, कोदीबाई उर्फ उन्नरी पति दादू तेलगू, फूलसिंग पिता रायपा तेलगू, दिनेश पिता बारातूराम नेताम, पुनीत पिता रामचंद तेलगू को 21 दिसंबर 2005 को सजा सुनाया जा चुका है। अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। जिनके गिरफ्तार होने पर न्यायालय में मामला चला। इस प्रकरण के अन्य सहअभियुक्त गिरधारी, नीलकंठ, पोतराजू, धरमू, बुढा अर्जुना, बैगा राजू, चिन्ना, गणेसरी फरार है उनके खिलाफ स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी है।

दुर्ग की डॉक्टर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

- डॉ. विनीता ने 100वां जुड़वा बच्चों की कराई डिलीवरी, ज्यादातर केस नॉर्मल

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग जिले में एक दम्पति के जुड़वा बच्चों का जन्म होते ही खुशी की लहर दौड़ पड़ी. इस खुशी का कारण डॉ. विनीता धुर्वे का अनोखा रिकॉर्ड था. जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. विनीता ने महज ढाई साल में 100 जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराकर देश में एक रिकॉर्ड बनाया है. हॉस्पिटल के स्टाफ भी डॉक्टर विनीता को जुड़वा बच्चों के डिलीवरी कराने का स्पेशलिस्ट मानते हैं, क्योंकि डॉक्टर ने जुड़वा केस में सबसे अधिक नॉर्मल डिलवरी कराई है.

बताया जा रहा है कि भिलाई के कैलाश नगर निवासी शेख फैयाज की पत्नी बुशरा परवीन ने जुड़वां बेटियों को जन्म दिया है. डॉ. विनीता धुर्वे दुर्ग जिला अस्पताल की मदर चाइल्ड यूनिट में गायनेकोलाजिस्ट हैं. शुक्रवार को उन्होंने फिर दो जुड़वां बच्चियों की डिलीवरी कराई है. ये उनकी जुड़वां बच्चों की 100वीं डिलीवरी थी. खास बात ये है कि उन्होंने इस दौरान सबसे ज्यादा नॉर्मल डिलीवरी कराई है वहीं, 6, 480 प्रसव सीजेरियन ऑपरेशन से करा चुकी हैं.

2011 से दुर्ग जिला अस्पताल में दे रहीं सेवा

डॉ. विनीता धुर्वे ने इससे पहले 72 जुड़वां बच्चों की डिलीवरी कराकर देश में अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर किया है. डॉ विनीता धुर्वे ने बताया कि 2003 में रायपुर मेडिकल कॉलेज से करने के बाद दुर्ग जिले के रसमड़ा, अहिवारा सहित अलग-अलग जगहों पर पदस्थ रही हैं. 2011 से दुर्ग जिला अस्पताल के मैटरनिटी वॉर्ड में अपनी सेवाएं दे रही है. उन्होंने बताया कि 2011 से वे लगातार मैटरनिटी वार्ड में डिलीवरी करा रही थीं. उनकी इस उपलब्धि में उनके स्टाफ का भी पूरा सहयोग मिला. इसी वजह से यह रिकॉर्ड बन पाया है. कभी भी जुड़वां बच्चों की डिलीवरी का केस आता है तो स्टाफ के सभी डॉक्टर उनके पास ही रेफर करते हैं.

मृतक भीख मांगकर करता था अपना गुजारा

जांजगीर-चांपा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के डोंगाकहरौद गांव में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. एक शख्स की धारदार से वार कर हत्या कर दी गई है और शव को तालाब किनारे फेंक दिया गया है. घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. वहीं फॉरेंसिक टीम ममले की जांच कर रही है. यह मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है.

जानकारी के अनुसार, पामगढ़ थाना क्षेत्र के डोंगाकहरौद गांव के तालाब किनारे एक व्यक्ति की लाश मिली. उसके शव में धारदार हथियार से हमले के निशान मिले हैं. मृतक व्यक्ति की पहचान मनोज कुमार नट उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई है. बताया जा रहा है मृतक क्षेत्र में भीख मांग कर अपना जीवन यापन करता था. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और

फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

मामले की जांच कर रही फोरेंसिक टीम के डॉक्टर ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि व्यक्ति की हत्या तालाब से 50 मीटर दूर की गई है. हत्या के बाद शव को अज्ञात आरोपियों ने घसीटकर तालाब के पास फेंक दिया. मामले की सही वजह जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या की असली वजह का पता चल पाएगा. अज्ञात आरोपियों ने तालाब किनारे हत्या कर शव को फेंका गया हैं अभी आरोपी है फरार हैं हत्या का कारण अज्ञात बताया जा रहा हैं घटना के बाद गांव में फैली सनसनी फैल गई हैं घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी संख्या में जुटी भीड़ जुटी हुई हैं मौका मे पुलिस और फॉरेंसिंक एक्सपर्ट की टीम ने जांच शुरू कर दी हैं.

विवादों को आगे बढ़ाने की बजाय सुलझाने का हो प्रयासः न्यायाधिपति गौतम भादुड़ी

- लोक अदालत बेहतर माध्यम, ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। न्यायाधिपति गौतम भादुड़ी, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर और कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर ने आज कोरबा में नेशनल लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में न्यायाधिपति भादुड़ी ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य व कोशिश है कि आपसी झगड़े और विवाद में जल्द से जल्द विराम लगे। लोक अदालत से दोनों पार्टी संतुष्ट होकर घर जाते हैं। कई ऐसे मामले होते है जिसमें प्रकरण दाखिल होने के साथ जीत-हार की संभावना रहती है। इसके विरूद्ध हाईकोट, सुप्रीम कोर्ट में अपील होती है और एक वकील तथा न्यायाधीश के रूप में मेरा अनुभव है कि मुकदमा लड़ना कितना खर्चीला होता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई विवादी है, मुकदमें में उलझा है तो दिमाग में हमेंशा तनाव बना रहता है, जिससे तबीयत भी खराब होती है। आप जो उन्नति करना चाहते है, जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं, उसमें कही न कही रोक लग जाता है।

न्यायाधीश भादुड़ी ने कहा कि जब तक समाज है, इसमें झगड़ा होते रहेगा, क्योंकि यह समाज के साथ ही चलने वाली बात है। आप फोटोग्राफी में देखे होंगे कि निगेटिव्ह से ही पॉजीटिव फोटो बनता है। सोसायटी में भी निगेटिव्ह चीजें रहती है, जब तक लोग है, कुछ न कुछ आपसी विवाद भी रहेगा। लोक अदालत का मंच एक प्रयास है कि विवादों को कम करने के साथ सुलझने योग्य प्रकरणों को सुलझाने की। न्यायाधिपति भादुड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रकरणों को सुलझाने के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य अन्य कई बड़े राज्यों से आगे है, इसके लिए न्यायाधीश, अधिवक्तागण तथा पक्षकार बधाई के पात्र है।

न्यायाधिपति भादुड़ी ने कहा कि विवाद खत्म होने पर उन्नति की ओर आगे बढ़ा जा सकता है। अपना ध्यान किसी कार्य में केंद्रित किया जा सकता है। आप देखेंगे कि विवादी में ईगो, छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़े विवाद होते हैं। ऐसे विवादों को सुलझाने में आप प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई प्रकरण चलाना है तो लम्बा चलता ही रहेगा। इसलिए दो कदम आप चलेंगे तो दो कदम वे भी चलेंगे। वकील और जज की कोशिश रहती है कि विवाद जल्दी समाप्त हो। लोक अदालत में लोग एक दूसरे से गले मिलकर जाएं। कुछ प्रकरणों में बहुत समय लग जाता है। अपील होने के बाद निर्णय आता है तब तक बहुत देर हो जाती है। उन्होंने कहा कि कोई चीज समय पर न मिले तो उसकी अहयिमत खत्म हो जाती है। इसलिए समय का सदुपयोग किया जाना चाहिए। विवादों को अनावश्यक बढ़ावा देने की बजाय अधिकतम प्रकरणों को सुलझाना चाहिए। लोक अदालत का आयोजन विवादों को खत्म करने के उद्देश्य से ही की गई है। आप सभी इसका लाभ उठाइये। उन्होंने सभी को लोक अदालत के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर कोरबा जिले के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येन्द्र साहू, विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी जयदीप गर्ग, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गणेश कुलदीप सहित न्यायाधीशगण, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा अधिवक्तागण उपस्थित थे।

डायरिया से 5 बैगा आदिवासियों की मौत, जांच के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कवर्धा जिले में डायरिया से बैगा आदिवासियों की मौत मामले की जांच के लिए कांग्रेस ने जांच कमेटी गठित की है. डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू के नेतृत्व में 7 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है. यह कमेटी गांव का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत करेंगे और अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेंगे.

जांच कमेटी में विधायक इंद्रशाह मंडावी, जनकध्रुव, पूर्व विधायक ममता चंद्राकर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष होरी राम, नेता महेश चंद्रवंशी, नीलकंठ चंद्रवंशी शामिल हैं. बता दें कि सोनवाही और बोड़ला में डायरिया का प्रकोप फैला हुआ है. डायरिया से 5 बैगाओं की मौत हुई है.

भोरमपुर के 50 वर्षीय अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान

- मौत का कारण अज्ञात परिजन गए हुए थे खेत
- परिजन अंतिम संस्कार करने की तैयारी में पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम

खैरागढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। केसीजी जिले के समीपस्थ ग्राम भोरमपुर में 12 जुलाई की दोपहर 1 बजे के आसपास 50 वर्षीय अधेड़ केशव साहू ने अपने घर के मयार में रस्सी का फंदा बनाकर अपनी जान दे दी केशव घर में अकेला था। बाकी अन्य परिजन खेती खार के काम में गए हुए थे। केशव के मौत का कारण अज्ञात है। केशव के दमाद प्यारे लाल अपने निजी काम से ग्राम भोरमपुर गया हुआ था। अपने घर वापसी के दौरान सोचा कि ससुराल वालों से मुलाकात कर लिया जाए करके घर गया तो देखा कि प्यारेलाल के ससुर केशव साहू फासी के फंदे पर झूला हुआ था। केशव के दमाद ने जैसे तैसे हिम्मत करके अपने ससुर के छोटे भाई को फोन के माध्यम से सूचना दी। परिजन खेत के काम को छोड़कर तत्काल घर पहुंचे और देखा तो केशव साहू अचेत अवस्था में मृत फांसी पर झूला हुआ था। परिजनों ने तत्काल आनन फानन में मृतक केशव साहू का अंतिम संस्कार करने की पूरी तैयारी कर ली थी। पुलिस थाना खैरागढ़ में केशव की मौत की खबर देने के बाद तत्काल पुलिस भोरमपुर पहुंच कर केशव की लाश को खैरागढ़ के सिविल अस्पताल के शव घर में केशव की लाश को रात भर रखा गया था। दूसरे दिन 13 जुलाई की सुबह चिकित्सक पुलिस के जवान व परिजनों की मौजूदगी में केशव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने पंचनामा बनाकर मामला दर्ज कर जांच विवेचना में लिया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का किया जा रहा नियमित व सघन निरीक्षण

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित व संघन निरीक्षण किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य संस्थानों के संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की जानकारी दी गई। जिसमें उन्हें खाद्य परिसरों में खाद्य पंजीयन अनुज्ञप्ति बनाने के निर्देश दिए गए तथा बरसात के मौसम के देखते हुए विशेष रूप से हॉटल, रेस्टारेंट, ढाबों, चैपाटियों आदि परिसरों को साफ सफाई रखने खाद्य पदार्थों को ढक रखने, बासी खाना न परोसने तथा हॉटल, रेस्टारेंट, ढाबों में उपयोग किये जाने वाले पानी का समय.समय पर जाँच परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों से घी, नमक, शक्कर, खोवा बरफी, मिनी पेड़ा, बिस्कुट, मूंग बड़ा, आलू गुण्ड़ा, समोसा, दूध, उड़द दाल आदि का नमूना जॉच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम अंतर्गत खाद्य पदार्थों में मिलावट, पैकेजिंग एवं लेबलिंग के संबंध में चलित प्रयोगशाला वाहन द्वारा प्रतिष्ठानों में निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही विभिन्न गाँवों और शहरों में आम नागरिकों एवं खाद्य संस्थानों के संचालकों को भी जागरूक किया जा रहा है।

बुलडोजर कार्यवाई से बवाल

नाराज महिलाओं ने पार्षद को घसीटते हुए सड़क पर पटका

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के गुरूर नगर में परिसर को तोड़े जाने को लेकर शहर पूरी तरह छावनी में तब्दील हो गया था। ऐसे में एक और वीडियो ने पूरे शहर में हंगामा मचा दिया है। प्रशासन की कार्रवाई से नाराज महिलाओं ने शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड की महिला पार्षद के साथ जमकर मारपीट की है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी महिलाओं के खिलाफसंबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है और आगे कार्रवाई कर रही है। एक महिला पार्षद जिसका नाम कुंती सिंह है और वह शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड की पार्षद है उसे परिसर से ताल्लुक रखने वाली कुछ महिलाओं ने घर से खींचते हुए निकाला और सड़क पर ले जाकर पटक दिया उसी वक्त कुछ सेकंड पहले ही हाईवे से एक ट्रक गुजारी थी इस हरकत से महिला पार्षद की जान भी जा सकती थी। यह घटना पास लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है। वीडियो बेहद ही डरावना है जिसमें कुछ महिलाएं पार्षद को उसके घर से घसीट कर निकालते दिख रही हैं पार्षद को घर से खींचकर बाहर ले जाते देख उनके परिजन भी महिलाओं के साथ.साथ बाहर निकले महिलाओं ने जब पार्षद को सड़क पर पटका तो उनके परिवार वालों ने उन्हें छुड़ाया और उसे वापस घर लेकर गए इसके बाद महिला पार्षद कुंती सिंह बेहोश हो गई थी जिसके बाद आनन फनन में परिजनों ने उन्हें पानी पिलाया तब जाकर वह होश में आई। गुरुर नगर के बाजार चौक में निर्माणाधीन 45 परिसरों को पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बुलडोजर से ढहा दिया परिसर से जुड़े लोग इस कार्रवाई से काफी गुस्से में नजर आए उन्होंने सभी पार्षदों का दरवाजा खटखटाया और जो पार्षद मिला उन्हें भला बुरा कहने लगे इन पार्षदों में प्रमुख रूप से कुंती सिंह शामिल रही इसके बाद कुछ लोग भाजपा कार्यालय भी पहुंचे थे परंतु वहां पर ताला लगा हुआ था इस दौरान हाथों में पत्थर लेकर पहुंचे हुए थे।

NECC
14.07.2024 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 540 90 170
चिल्हर 6.50 115 195
डिलीवरी 555 सैकड़ा
दर्जन अंडा 78 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59
फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

प्रादेशिकी

जगदलपुर-कांकेर-कोण्डागांव-बीजापुर-दंतेवाड़ा

उल्टा पुल्टा

संता- बंता से पूछता है आपका प्रोफेशन क्या है।
बंता- मैं एक पायलट हूं।
संता- वाह, कौन सी एयरलाइन्स में पायलेट हैं।
बंता- अरे एयरलाइन्स में नहीं , 10 दिन की ट्रेनिंग लेकर अब मैं शादियों में ड्रोन उड़ाता हूं।

वित्त आयोग के अध्यक्ष सहित सदस्यों ने पंचायत प्रतिनिधियों से की चर्चा

बस्तर में तेजी से समग्र विकास का खींचा गया खाका

आईजी और कलेक्टर ने बस्तर संभाग की परिस्थितियां, चुनौतियां, संभावना और अपेक्षाओं से आयोग को कराया अवगत

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया और आयोग के सदस्यों ने पंचायत प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए पंचायतों के तेजी से समग्र विकास का खांका खींचा। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने बस्तर के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पंचायत प्रतिनिधियों के सुझावों पर वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री पनगढ़िया ने कहा कि 16 वें वित्त आयोग का कार्यकाल 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा द्य इस अवधि को ध्यान में रख कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरुप हमें विकास की आगामी कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने बस्तर के पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यहां जो सुझाव दिए गए हैं, वे सभी वित्त आयोग के कार्यक्षेत्र से संबंधित हैं तथा इन पर निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनसरोकार से जुड़े ऐसे मुद्दों पर बात की गई, जिनका यथासंभव समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

बस्तर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि 15 वें वित्त आयोग अन्तर्गत 90 प्रतिशत जनसंख्या एवं 10 प्रतिशत क्षेत्रफल के आधार पर आवंटन जारी किया जाता है। बस्तर जिला अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में आश्रित ग्राम एवं पारा दूर-दूर तक फैले हुए हैं, इस कारण क्षेत्रफल को ध्यान में रखते हुए 16 वें वित्त आयोग अन्तर्गत 70 प्रतिशत जनसंख्या एवं 30 प्रतिशत क्षेत्रफल के आधार पर आबंटन प्रदाय किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा हमारा बस्तर संस्कृति से भरपूर है, चाहे देवगुड़ी हो. मेला, मंडई हो. बस्तर में इसकी अत्यधिक मान्यता है। इसे ध्यान में रखते हुए देवगुड़ी, मेला, मंडई एवं खेलकूद क्षेत्र के लिए भी आबंटन का प्रावधान किया जाना चाहिए।

बस्तर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप ने कहा बस्तर में पेसा एक्ट लागू होने के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। 16 वें वित्त आयोग अन्तर्गत जनसंख्या, क्षेत्रफल के साथ-साथ नक्सल एवं पेसा जिले को अतिरिक्त आबंटन प्रदान करने की बात कही। साथ ही बस्तर की अधिकांश आबादी इन वन क्षेत्र में रहती है तथा अधिकांश आदिवासियों के आय का मुख्य स्त्रोत लघु वनोपज होता है। लघु वनोपज की सामग्री को वैल्यू एडिशन कर सह उत्पाद की श्रेणी में लाने की व्यवस्था करने हेतु अतिरिक्त आबंटन की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा बस्तर जिले में पथरीली एवं पहाड़ी जमीन को देखते हुए कृषि एवं सिंचाई क्षेत्र में कार्य करने के लिए, पेयजल एवं स्वच्छता के सेक्टर की बाध्यता को समाप्त कर अन्य 09 थीम से सेक्टर चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करने, ऑनलाईन भुगतान प्रणाली के सरलीकरण, किसानों को सामूहिक फेंसिंग एवं नलकूप की स्थापना हेतु सहायता प्रदान करने, प्राकृतिक आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता देने, ग्राम पंचायतों में अधोसंरचनाओं के विकास हेतु आश्रित ग्रामों के आधार पर आबंटन प्रदान करने के संबंध में सुझाव दिए गए। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा अंचल के जनजाति संस्कृति के आस्था केन्द्र देवगुड़ी, मातागुड़ी, मृतक स्मारकों का संरक्षण करने, पर्यटन स्थलों में सुविधाओं का विकास करने के संबंध में भी सुझाव दिए गए। इसके साथ ही आधुनिक सूचना तकनीक के माध्यम से लोगों को त्वरित सेवा प्रदान करने के लिए भी आवश्यक उपकरण एवं मानव संसाधन उपलब्ध कराने के सुझाव दिए भी गए। पुलिस महानिरीक्षक सुंदरदाज पी ने इस दौरान वामपंथियों से हुई जनहानि के साथ ही क्षेत्र के विकास में पड़े विपरीत प्रभाव के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने इसके साथ ही इस समस्या के निदान के लिए बनाई गई रणनीतियों के संबंध में भी बताया तथा क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, मूलभूत संरचना के लिए तेजी से कार्य किए जाने हेतु अतिरिक्त आर्थिक सहायता के संबंध में आयोग के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने इस अवसर पर बस्तर की भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराते हुए वामपंथी उग्रवाद, तकनीकी, प्रशासनिक, आर्थिक भौगोलिक चुनौतियों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने पंचायतों के आय के रुप में वित्त आयोग के अनुदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इसके साथ ही विगत वित्त आयोगों की राशि से बस्तर में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के संबंध में जानकारी भी दी तथा बस्तर में तेजी से विकास हेतु मानव संसाधन, सूचना तकनीकी उपकरण, अंचल के लिए विशेष सहायता तथा जनजातीय कल्याण के कार्य को प्राथमिकता दिए जाने पर जोर दिया।

अध्यक्ष ने प्रजेंटेशन की प्रशंसा कर व्यवस्थाओं को सराहा

केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रजेंटेशन पूरी तरह से स्थानीय आधारभूत जरुरतों पर केंद्रित कर तैयार किया गया था। प्रजेंटेशन से बस्तर को समझने के साथ ही विकास के आगे बढ़ाने वाले कदमों की जानकारी भी मिलती है। इसके साथ ही उन्होंने आउटकम डाटा को भी जिला स्तर में संग्रहण संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने ➤➤ *शेष पृष्ठ 9 पर* ➤

बस्तर गोंचा महापर्व में भगवान जगन्नाथ स्वामी को 56 भोग का किया गया अर्पण

रसगुल्ला से प्रारंभ होकर इलायची के साथ 56 व्यंजन का अर्पण कहलाता है छप्पन भोग

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बस्तर गोंचा महापर्व के रियासतकालीन परंपरानुसार आज शुक्रवार देर शाम को गुडिचा मंदिर-जनकपुरी, सिरहासार भवन में 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी को 56 भोग का अर्पण किया गया। 56 भोग का अर्पण में 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सदस्य ओंकार पांडे का परिवार का योगदान लगातार चला रहा है। 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मणों पंडित उदयनाथ पानीग्राही एवं शुभांशु पाढ़ी के माध्यम से पूरे विधि-विधान के साथ 56 भोग के अर्पण का पूजा विधान संपन्न करवाया गया।

360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ईश्वर खांबारी ने बताया कि बस्तर गोंचा महापर्व में रियासत कालीन परंपरानुसार श्रीजगन्नाथ स्वामी को लगाए जाने वाले 56 भोग का बड़ा माहात्म्य है। भगवान श्रीजगन्नाथ भगवान श्रीकृष्ण के अवतार माने जाते है। भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला के साथ 56 भोग को जोड़कर देखा जाता है। भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी को 56 भोग का अर्पण में 56 प्रकार के व्यंजन परोसे जाते हैं, जिसे छप्पन भोग कहा जाता है। भगवान जगन्नाथ को अर्पण किये जाने वाले 56 भोग रसगुल्ले से शुरू होकर दही, चावल, पूरी, पापड़ आदि से होते हुए इलायची पर जाकर संपन्न होता है। बस्तर गोंचा समिति के अध्यक्ष विवेक पांडे ने बताया कि शास्त्रसम्मत एवं पौराणिक मान्यताओं के अनुसार 56 भोग विधिवत सर्वप्रथम भगवान श्रीकृष्ण के श्रीगोवर्धन पर्वत धारण करने के सात दिनों बाद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि को भगवान श्रीकृष्ण को अर्पण किया गया था। लेकिन श्रद्धानुरूप भगवान श्रीहरि-जगन्नाथ-श्रीकृष्ण को 56 भोग का अर्पण किसी भी शुभ अवसर पर किया जा सकता है। हिन्?दू मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीहरि-जगन्नाथ-श्रीकृष्ण को एक दिन में आठ पहर अर्थात 08 बार भोग का अर्पण किया जाता है। सात दिन और आठ प्रहर के हिसाब से 56 प्रकार का भोग लगाने की परंपरा सर्वविदित है। उन्होने बताया कि 56 भोग में 56 प्रकार के व्यंजन का समावेश होता है, जिसे छप्पन भोग कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सबसे पहली बार जिस 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भगवान श्रीहरि-जगन्नाथ-श्रीकृष्ण को अर्पण किया गया था, उसे आधार मानकर उन्ही 56 व्यंजनों को छप्पन भोग में शामिल कर भगवान को अर्पण किया जाता है, जो रसगुल्ला से प्रारंभ होकर इलाइची पर जाकर 56 व्यंजन सम्पूर्णता पाता है, वह निम्नानुसार है, 1-रसगुल्ला, 2-चन्द्रकला, 3-रबड़ी, 4-शूली, 5-दधी, 6-भात, 7-दाल, 8-चटनी, 9-कढ़ी, 10-साग-कढ़ी, 11-मठरी, 12-बड़ा, 13-कोणिका, 14- पूरी, 15-खजरा, 16-अवलेह, 17-वाटी, ➤➤ *शेष पृष्ठ 9 पर* ➤

बस्तर चेंबर ऑफ कामर्स ने किया मानव सेवा केंद्र परिसर में पौधारोपण

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बस्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा, मानव सेवा केंद परिसर, जो गणपति रिसोर्ट के सामने स्थित भूमि पर शनिवार को आँवला, मधुकामनी, अमलतास, नीम, जामुन, मौलश्री, टेकोमा, गुलमोहर, बादाम, जेकरेंडा, बेल, पारिजात, चंपा सहित विभिन्न प्रजातियो के 51 पौधों का पौधरोपण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बस्तर लोकसभा के सांसद महेश कश्यप, विशिष्ट अतिथि के रूप नगर पालिक निगम जगदलपुर की महापौर सफ़ीरा साहू, पूर्व वन विकास निगम अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी पूर्व उपाध्यक्ष इन्द्रावती विकास प्राधिकरण राजीव शर्मा पार्षद संजय पांडेय, यशवर्धन राव चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष पुखराज बोथरा, भँवर बोथरा अध्यक्ष मनीष शर्मा, महामंत्री विमल बोथरा उपाध्यक्ष मोहर झा, नवरतन जलोटा, पंकज सिंघल, मंत्री सुनील दण्डवानी, श्रीधर मद्दी, राजेश सोनी, शिखर मालू कोषाध्यक्ष ➤➤ *शेष पृष्ठ 9 पर* ➤

स्वच्छ सर्वेक्षण की रीढ़ को मजबूत करने का किया जा रहा प्रयास

शहर के सभी 11 एलएलआरएम सेंटर को किया गया सक्रिय

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका निगम प्रशासन शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य में लगातार बेहतर ढंग से सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित करने का कार्य एक कार्ययोजना के साथ कर रहा है। शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण शत प्रतिशत होगा तब शहर स्वच्छ व सुंदर रहेगा। स्वच्छ सर्वेक्षण की रीढ़ को मजबूत करने का नगर निगम प्रशासन लगातार प्रयासरत है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन शहर के सभी क्षेत्रों में इस पर कार्य योजना के साथ निगम प्रशासन कार्य कर रहा है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य 100 प्रतिशत करने के लिए एक टीम वर्क के साथ कार्य किया जा रहा है। पूर्व वर्षों में शहर में 11 एसएलआरएम सेंटर मे से केवल 5 ही संचालित होते थे। वर्तमान में शहर में अब सभी 11 एसएलआरएम सेंटर को सक्रिय किया गया है। सभी सेंटरों में स्वच्छता दीदी निकलने वाले कचरे को पृथक पृथक करने का कार्य कर रही है। साथ ही वार्डों में वार्ड के सुपरवाइजर के द्वारा नुक्कड़ों को समाप्त करने का कार्य भी किया जा रहा है। वार्ड में चलने वाले डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन में संग्रहण के पश्चात नुक्कड़ पर कचरा फेंकने वालों को समझाइए देने के साथ निगम के द्वारा जुर्माना भी संबंधित के ऊपर किया जाएगा। वहीं जिन वार्डों में कचरा गाड़ी नहीं आ रही है निदान 1100 टोल फ्री नंबर पर फोन कर कचरा संग्रहण वाहन नहीं आने की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। विधायक किरण देव के कुशल मार्गदर्शन एवं महापौर और अन्य जनप्रतिनिधियों के आपसी समन्वय से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाएंगे। आयुक्त हरेश मंडावी ने बताया शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए निगम प्रशासन लगातार प्रयासरत है, डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनों में लोगों द्वारा पृथक पृथक कर कचरा दिया जा रहा है, लेकिन कई लोगों के द्वारा नुक्कड़ो में कचरा फेंकने की कार्य किया जा रहा है जिसे नगर निगम की टीम के द्वारा नुक्कड़ में कचरा फेंकने पर समझाइश के साथ जुर्माना की कार्रवाई भी किए जाने का निर्देश दिया गया है। श्री मंडावी ने बताया स्वच्छता की रीढ़ को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है, डोर टू डोर कचरा संग्रहण शत प्रतिशत शहर में हो कचरा वाहन सभी स्थलों पर पहुंच जाए इस पर कार्य योजना के साथ निगम प्रशासन कार्य कर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है जिसमें सभी के सहयोग की आवश्यकता होगी। हम सभी को मिलकर जगदलपुर शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना है।

जिला बस्तर को मिला नया इंटरसेप्टर वाहन

- पुलिस अधीक्षक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- हाईवे में स्पीड चलते वाहनों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए हुआ तैनात

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ज़िला बस्तर में पुलिस मुख्यालय से प्राप्त नवीन इंटरसेप्टर वाहन को पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा शनिवार को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पुलिस मुख्यालय द्वारा आवंटित इंटरसेप्टर वाहन विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इंटरसेप्टर वाहन 360 डिग्री निगरानी हेतु सर्विलेंस कैमरे लगे है, वाहन में स्पीड राडार गन लगा हुआ है जो 500 मीटर दूर से आ रही गाड़ी की ओवर स्पीड को पकड़ लेगी, वाहन में ब्रिथ एनलाइजर लगा हुआ है जिससे नशे में वाहन चलाने वालों की जाँच हो सकेगी। प्रकाश तीव्रता मापने हेतु यंत्र जिससे गाड़ी में लगवाये गये हाई पावर लाइट को मापा जा सकेगा। ब्लैक फ़िल्म के जाँच हेतु, ग्लास पारदर्शिता यंत्र, ध्वनि मापक यंत्र जिससे डीजे या गाड़ियों में लगे प्रेशर हॉर्न या मॉडीफ़ाइड साइलेंसर के साउंड लेवल की जाँच किया जा सकेगा। ज़िले में यायायत नियमों के उल्लंघन पर कार्यवाही करने एवं सड़क दुर्घटनाओं के प्रभावी नियंत्रण के दृष्टिगत इंटरसेप्टर वाहन उपयोगी रहेगा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग, यातायात डीएसपी संतोष जैन, डीएसपी नासिर बाठी, डीएसपी सुश्री अपूर्व क्षत्रिय, डीएसपी दीपमाला कुर्रे, यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक अभिजीत सिंह भदौरिया एवं यातायात पुलिस के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

नेशनल लोक अदालत में 29910 प्रकरणों का किया गया निराकरण

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया जाकर राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किये गये हैं। लोक अदालत में प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्तआई स्पेशल सिटिंग के माध्यम से भी पेटी ऑफेंस के प्रकरणों को निराकृत किये गये हैं। आयोजित च्नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों के मध्य सुलह द्वारा विवादों के समाधान हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित सभी न्यायाधीशगण की कुल 8 खण्डपीठ, परिवार न्यायालय की 1 खण्डपीठ एवं जानोपयोगी स्थायी लोक अदालत की 1 खण्डपीठ एवं सहित कुल 10 खण्डपीतों तथा बस्तर जिले के रामरत राजस्व न्यायालयों के कुल 19 खण्डपीठों का गठन किया गया था।

नेशनल लोक अदालत हेतु गठित रामस्त 29 खण्वपरीठों में प्रकरणों निराकरण हेतु सुलहकर्ता सदस्यों के रूप में पेगल अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई। नेशनल लोक अदालत का शुभारम्भ माननीय अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश मनीष कुमार ठाकुर द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण पश्चात् दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

विदित हो कि आयोजित नेशनल लोक अदालत में कुल लंबित 1892 प्रकरणों में से 100 आपराधिक प्रकरण, 29 व्यवहार वाद प्रकरण, 19 दावा प्रकरण 02 पारिवारिक प्रकरण, 88 धारा 138 नि.ई. एक्ट के प्रकरण 33 श्रम संबंधी प्रकरण 210 स्पेशल सिटिंग के अन्तर्गत प्रकरण, 341 देफिक बालान, जनोपयोगी सेवा के 01 प्रकरण इस प्रकार कुल 831 निराकृत लंबित प्रकरणों में रूपये 0.51.82.453/- में राजीनामा के आधार पर उनका निराकरण आपसी सुलह समझौता के आधार पर किया गया। राजस्व न्यायालयों में गठित खण्डपीठों में कुल 29075 राजस्व प्रकरणों पूर्व जिला उपभोक्ता फोरम द्वारा 3 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी प्रकार सभी प्रमुख बैंकों, बीएसएनएल विभाग, विद्युत विभाग, नगरनिगम (जल प्रदाय शाखा एवं संपत्ति कर शाखा) द्वारा रखे गये कुल 3642 प्रकरणों में से बैंकों के 3 प्रकरण, बीएसएनएल के 6 प्रवारण इस प्रकार कुल 7 प्रकरणों में रूपये 2.24.681/- में राजीनामा के आधार पर प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का अंतिम निराकरण किया गया। नेशनल लोक अदालत हेतु चिकित्सा विभाग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया था, जिसमें उपस्थित पक्षकारों एवं आमजनों द्वारा अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया।

सबको शीघ्र और सस्ता न्याय, जिसमें न किसी की जीत और न किसी की हार

नेशनल लोक अदालत में कई लोगों को आपत्ती सुलह समझाईस से राजीनामा किए जाने के कारण उन्हें न्यायालयीन प्रकरणों में राहत मिला, जिसमें परिवार न्यायालय जगदलपुर के न्यायालय मेंआयोजित नेशनल लोक अदालत में रखे गये एक प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक का विवाह वर्ष 2005 में हुआ था। विवाह पश्चात आवेदिका एवं अभावेदक के दाम्पत्य संबंधों से दो पुत्री एवं एक पुत्र का जन्म हुआ है। विवाह के कुछ वर्षों के के बाद अनावेदक द्वारा आवेदिका एवं बच्चों के साथ गाली गलौच एवं मारपीट कर घर से निकाल दिया तब से आवेदिका अपने बच्चों सहित अपने मायके में निवासरत थी। अनावेदक एक आटो ➤➤ *शेष पृष्ठ 9 पर* ➤

भाजपाई ले रहे अपनी विफलताओं को छिपाने जघन्य हत्या में परिवार के सदस्य के हाथ होने की आड़ : जावेद खान

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शहर में दोहरे हत्याकांड में परिवार के सदस्य का नाम उजागर होने पर जिस तरह से भाजपाई प्रदेश में घट रहे अपराधों से साय सरकार का पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं वो भाजपाइयों के सत्ता के नशे में चूर होकर कर्तव्य पथ से दूर होने की निशानी को दर्शाता है और अपराधों तथा अपराधियों को इनके ऊल-जलूल बयानों से शय मिल रहा है। उक्त बातें भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपाइयों को अपराध के मामले में संवेदनहीन करार देते हुए कहा है। उन्होंने कहा है कि भाजपाई कांग्रेस की संवेदनशीलता को ओछी राजनीति कह रहे हैं परंतु यह नहीं देख रहे कि अपराध को रोकने में साय सरकार पूरी तरह से असहाय हो गई है। हत्या, लूट, डकैती, हवाई फायरिंग, बलात्कार अब प्रदेश की पहचान बन चुकी है, जिसे रोकने में भाजपा सरकार पूरी तरह से फिसड्डी साबित हुई है। जावेद ने कहा कि कांग्रेस कभी आपदा में अवसर नहीं तलाशती यह कार्य तो भाजपा का है, कांग्रेस जनहित में बात करती है, जनहित की आवाज़ बनती है, जनहित के मुद्दे उठाकर सरकार से सवाल करती है। भाजपाइयों को आज बयानबाजी छोड़ कानून व्यवस्था में कैसे कसावट लाई जाए, कैसे नशे के कारोबार पर अंकुश लगाया जाए, कैसे अपराधियों के अंदर पुलिस प्रशासन का खौफ बैठाया जाए, कैसे अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने से रोका जाए, कैसे सुशासन का उदाहरण पेश किया जाए इस ओर ध्यान देना चाहिए। अन्यथा वह दिन ➤➤ *शेष पृष्ठ 9 पर* ➤

'संविधान हत्या दिवस' मनाने का निर्णय मोदी सरकार का साहसिक फैसला : राजेन्द्र बाजपेयी

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शहर में दोहरे हत्याकांड में परिवार के सदस्य का नाम उजागर होने पर जिस तरह से भाजपाई प्रदेश में घट रहे अपराधों से साय सरकार का पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं वो भाजपाइयों के सत्ता के नशे में चूर होकर कर्तव्य पथ से दूर होने की निशानी को दर्शाता है और अपराधों तथा अपराधियों को इनके ऊल-जलूल बयानों से शय मिल रहा है। उक्त बातें भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपाइयों को अपराध के मामले में संवेदनहीन करार देते हुए कहा है। उन्होंने कहा है कि भाजपाई कांग्रेस की संवेदनशीलता को ओछी राजनीति कह रहे हैं परंतु यह नहीं देख रहे कि अपराध को रोकने में साय सरकार पूरी तरह से असहाय हो गई है। हत्या, लूट, डकैती, हवाई फायरिंग, बलात्कार अब प्रदेश की पहचान बन चुकी है, जिसे रोकने में भाजपा सरकार पूरी तरह से फिसड्डी साबित हुई है। जावेद ने कहा कि कांग्रेस कभी आपदा में अवसर नहीं तलाशती यह कार्य तो भाजपा का है, कांग्रेस जनहित में बात करती है, जनहित की आवाज़ बनती है, जनहित के मुद्दे उठाकर सरकार से सवाल करती है। भाजपाइयों को आज बयानबाजी छोड़ कानून व्यवस्था में कैसे कसावट लाई जाए, कैसे नशे के कारोबार पर अंकुश लगाया जाए, कैसे अपराधियों के अंदर पुलिस प्रशासन का खौफ बैठाया जाए, कैसे अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने से रोका जाए, कैसे सुशासन का उदाहरण पेश किया जाए इस ओर ध्यान देना चाहिए। अन्यथा वह दिन कांग्रेस कभी आपदा में अवसर नहीं तलाशती यह कार्य तो भाजपा का है, कांग्रेस जनहित में बात करती है, जनहित की आवाज़ बनती है, जनहित के मुद्दे उठाकर सरकार से सवाल करती है। भाजपाइयों को आज बयानबाजी छोड़ कानून व्यवस्था में कैसे कसावट लाई जाए, कैसे नशे के कारोबार पर अंकुश लगाया जाए, कैसे अपराधियों के अंदर पुलिस प्रशासन का खौफ बैठाया जाए, कैसे अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने से रोका जाए, कैसे सुशासन का उदाहरण पेश किया जाए इस ओर ध्यान देना चाहिए। अन्यथा वह दिन कांग्रेस कुंभकर्णी नींद में सो चुकी ➤➤ *शेष पृष्ठ 9 पर* ➤

वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया नारायणपाल मंदिर की वस्तुकला देखकर प्रभावित हुए

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्रीय वित्त आयोग का दल शुक्रवार को जगदलपुर पहुंचने के बाद बस्तर जिले के लोहांडीगुड़ा विकासखंड में स्थित नारायणपाल मंदिर का अवलोकन करने पहुँचे। वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया मंदिर की वस्तुकला देखकर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी ली, जिस पर स्थानीय गाइड धनुर्जय बघेल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह मंदिर चक्रकोट के छिंदक नागवंशी शासकों द्वारा 11 वीं शताब्दी में बनाया गया है, क्षेत्र के नागरिकों में मंदिर के प्रति गहरी आस्था है। नारायणपाल मंदिर वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन है। इस दौरान सदस्यों ने मंदिर में दर्शन कर समूह फोटो भी खिंचवाई। विदित हो कि चक्रकोट के छिंदक नागवंशी शासकों द्वारा निर्मित पूर्वाभिमुख यह प्रस्तर मन्दिर मध्यम ऊँचाई की जगति पर अवस्थित वस्तुत: शिव मन्दिर है। किन्तु परवर्ती काल में इस मन्दिर के गर्भगृह में विष्णु की प्रतिमा प्रतिष्ठापित कराई गई, जिसके कारण इसे अतीत में नारायण मन्दिर कहा जाने लगा। मंदिर की भू-संयोजना में अष्टकोणीय मण्डप, अन्तराल एवं गर्भगृह की व्यवस्था है, मंदिर का द्वार अलंकृत एवं बेसर शैली का सप्तस्थ योजना का उच्च साधारण शिखर है। मंदिर में प्रदक्षिणापथ का अभाव है। इस मंदिर में दो शिलालेख सुरक्षित हैं जिसमें प्रथम शंक संवत् 1033 (ईस्वी सन् 1110) के छिंदक नागवंशीय शासक सोमेश्वर की माता गुण्ड महादेवी का शिलालेख है, जिसमें भगवान नारायण की नारायणपुर नामक ग्राम तथा भगवान लोकेश्वर को कुछ भूमि दान करने का उल्लेख है जबकि दूसरे एक खण्डित शिलालेख में अदेश्वर (शिव) के मन्दिर का उल्लेख है। यह मन्दिर 11 वीं शताब्दी के वास्तु शिल्प का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर के विभिन्न हिस्सों में शिलालेख भी हैं जिस पर संस्कृत के शब्द उकेरे गए हैं।

बस्तर की लोक संस्कृति की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुआ केन्द्रीय वित्त आयोग का दल

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में बस्तर पहुँचे आयोग के सदस्यों के सम्मान में जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार की शाम में बस्तर के लोक गीतों और लोक नृत्यों पर रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोक कलाकारों की शानदार प्रस्तुति देखकर वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया और आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पण्डा, डॉ. सौम्यकांति घोष मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने बस्तर की लोक संस्कृति और कलाकारों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने गौर नृत्य, परब गीत और नृत्य, बादल अकादमी की प्रस्तुति, दोरला नृत्य, बस्तर बैंड की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के दौरान अतिथियों ने बस्तर के प्रसिद्ध गौर नृत्य में उपयोग की जाने वाले गौर मुकुट को पहनकर फोटो लेते हुए लम्हों को यादों में संजोया। इस अवसर पर कमिश्नर श्याम धावड़े, आईजी सुंदरराज पी., संचालक कोष लेखा एवं पेंशन महादेव कावरे,कलेक्टर विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे, वन मण्डलाधिकारी उत्तम गुप्ता सहित वित्त आयोग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

उत्तम को वन व दुर्गेश्वरी को संसदीय कार्य मंत्री का दायित्व मिला

सहायक प्राध्यापक उमेश नेताम ने दिलाई मंत्रिमंडल को शपथ

कोण्डागांव 13 जुलाई (देषबन्धु)। उत्तम को वन और दुर्गेश्वरी को संसदीय कार्य मंत्री का दायित्व मिला तो वहीं सहायक प्राध्यापक उमेश नेताम ने मंत्रिमंडल को शपथ दिलाया।

विद्यालयीन बच्चों में नेतृत्व क्षमता के विकास और लोकतांत्रिक कार्य प्रणाली से अवगत कराने के लिए उच्च प्राथमिक मड़ानार शाला में बाल संसद का गठन कर विद्यालय गतिविधि का संचालन बच्चों के माध्यम से किया जाता है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रधान अध्यापक पी.एल.नाग के निर्देशन में आज बस्तारहित शालेय गतिविधि दिवस पर बाल संसद का गठन बच्चों को मतदान प्रक्रिया से अवगत कराते हुए मतदान अधिकारी श्रीमती आरती बेर, रंजीता तिग्गा, ललिता समरथ और शिवचरण साहू के द्वारा चुनाव कार्य सम्पन्न करवाया गया, जिसमें चि.अविनाश मरकाम को प्रधान मंत्री, कु.नीलेश्वरी को वित्त मंत्री, कु.पायल को शिक्षा मंत्री, चि.हसेंद्र को कानून मंत्री, कु.सांवली को योजना क्रियान्वयन मंत्री, कु.चांदनी को कला संस्कृति मंत्री, चिरंजीव साहिल को खेल मंत्री, चि.उत्तम को वन पर्यावरण एवं बागवानी मंत्री, कु. हसीना को बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री, लोकेश को मध्यान्ह भोजन खाद्य मंत्री, कु.प्रिया को पुस्तकालय मंत्री, कु.दुर्गेश्वरी के साथ चि.नागेश मुन्ना सागर और कु.तामेश्वरी, कु.दुर्गा को सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य मंत्री एवं अलिश को राज्य मंत्री चुना गया। मुख्य अतिथि गुंडाधुर कालेज कोंडागांव के सहायक प्राध्यापक उमेश कुमार नेताम द्वारा नवनिर्वाचित मंत्रियों का मुंह मीठाकर बधाई देते हुए बाल संसद के विधि के प्रति श्रद्धा और कर्तव्यनिष्ठा के साथ पालन करने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

असिस्टेंट प्रोफेसर उमेश नेताम ने बच्चों को शिक्षा और शिक्षकों का सदैव सम्मान करने की बात कहने के साथ ही विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी समाचार पत्रों से मिलता रहता है। आज विद्यालय पहुंचकर देखने से बाल संसद के महत्व एवं वास्तविक अनुभव का जिक्र किया। शाला परिवार द्वारा मुख्य अतिथि श्री नेताम का स्मृति चिन्ह भेंटकर आभार प्रगट किया गया।

रा.जु.चैम्पियनशीप प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हेमबती ने हासिल किया ब्रांज मेडल

कलेक्टर ने किया सम्मानित

कोण्डागांव 13 जुलाई (देशबन्धु)। पंजाब लुधियाना में आयोजित राष्ट्रीय जुडो चैम्पियनशीप प्रतियोगिता में हेमबती नाग के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ब्रांज मेडल हासिल करने पर हेमबती नाग को कलेक्टर द्वारा सम्मान किया गया। गुरूवार को कोण्डागांव कलेक्टर कुणाल दुदावत के द्वारा 06 जनवरी से 11 जनवरी 2024 तक चल रहे पंजाब लुधियाना में आयोजित राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक के साथ 10 हजार का चैक प्राप्त करने वाली स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम स्कूल तहसीलपारा कोण्डागांव में कक्षा 10 वीं की छात्रा हेमबती का सम्मान किया। उन्होंने हेमबती नाग को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभाकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक महेन्द्र पाण्डे, खेल अधिकारी सुदराम मरकाम, प्राचार्य पीएस डेनियल उपस्थि थे।

केंद्रीय वित्त आयोग के दल ने देखी चित्रकोट जलप्रपात की आकर्षक छटा

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में आयोग के सदस्यों और अधिकारियों का दल शुक्रवार को जगदलपुर पहुंचा। इस दौरान दल ने बस्तर के विख्यात चित्रकोट जलप्रपात के दूसरी छोर तीरथा पहुँचकर उसकी नैसर्गिक खूबसूरती को करीब से जाना। चित्रकोट जलप्रपात के तीरथा स्थित वॉच टॉवर पर जाकर सभी सदस्यों ने काफी समय तक जलप्रपात को निहारा और उसकी प्रशंसा की। वित्त आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पण्डा, डॉ. सौम्यकांति घोष मौजूद थे। टीम के सदस्य अजय नारायण झा ने नदी के उद्गम और संगम स्थल के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक और नैसर्गिक खूबसूरती बस्तर में देखने को मिल रही है जहां प्राकृतिक वातावरण बेहद सुंदर है, जो अपने आप में मिसाल है। श्री झा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के बारे में जितना सुना था, उससे भी कहीं ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने यहां के भोले भाले आदिवासी ग्रामीणों द्वारा की गई पारंपरिक आवभगत की प्रशंसा की। आयोग के दल ने चित्रकोट जलप्रपात की खूबसूरती को अपने कैमरों में कैद किया। इस अवसर पर कलेक्टर विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे भी उनके साथ थे।

पत्रकार दिलीप सिंह ठाकुर का हृदय गति रुकने से निधन

जगदलपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बस्तर जिले में लंबे समय से पत्रकारिता करने वाले दिलीप सिंह ठाकुर (उम्र 57) अब इस दुनिया में नहीं रहे । 13 जुलाई की सुबह 4 बजे महारानी अस्पताल में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। तबियत बिगड़ने के बाद बड़े बेटे जैसे ही ठाकुर दिलीप को महारानी अस्पताल लेकर पहुंचे उन्हें वेंटीलेटर की व्यवस्था नहीं मिली । मौजूद डॉक्टरों ने दिलीप सिंह को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज ले जाने की सलाह दी। मेकाज के डॉक्टरों ने सामान्य चेकअप के बाद उन्हें तीसरी मंजिल स्थित सामान्य वार्ड में भर्ती करने को कह दिया । चिकित्सकों ने ना तो मरीज को वेंटीलेटर पर रखने की व्यवस्था की, ना ही तत्काल उपचार दी। जैसे तैसे लिफ्ट से तीसरी मंजिल में दिलीप सिंह पहुंचें और बेड में लिटाया गया उसी वक्त उनका निधन हो गया । सही समय पर उन्हें वेंटीलेटर मिल गई होती, तो शायद एक पत्रकार की जान बच गई होती। ठाकुर दिलीप सिंह लंबे समय से बस्तर के विभिन्न विषयों पर अपने लेख लिखा करते थे। ग्रामीण क्षेत्र की खबरों को निकाल कर लाने उन्हें प्रकाशित करने के लिए उनकी एक अलग ही पहचान रही है ।

वृद्धाश्रम कोंडागांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कोण्डागांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। समर्पण वृद्धाश्रम कोंडागांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के दिशा-निर्देशन में हाई रिस्क ग्रुप में आने वाले वृद्धाश्रम के लोगों का स्वास्थ्य जांच कर टीबी स्क्रीनिंग और काउंसलिंग किया गया। इस शिविर का मूल उद्देश्य यह है कि समय-समय पर वृद्धाश्रम में निवासरत करने वाले के लिए स्वास्थ्य जांच कराते रहें जिससे टीबी का संदेह से मुक्त रहें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पिरामल फाऊंडेशन एवं स्वास्थ्य विभाग जिला क्षय उन्मूलम केन्द्र, पिरामल फाउंडेशन एवं मोबाइल मेडिकल यूनिट (डडन) के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम का अहम् भूमिका रही। कार्यक्रम में जिला क्षय उन्मूलम केन्द्र से कांतेश देवांगन पिरामल फाऊंडेशन से शशि बर्मन, मोबाइल मेडिकल यूनिट के डॉक्टर मुरारी झा, लैब टेक्नीशियन मनीष सेठिया, नर्स दीपिका पोयाम, फार्माशिस्ट रोशन साहू, ड्राईवर विक्रमसिंह यादव आदि उपस्थित रहे।

कमेला में न्यौता भोज का आयोजन

कोण्डागांव 13 जुलाई (देषबन्धु)। शासन-प्रशासन के मंशा अनुरूप जिले के विकास खंड कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले संकुल केंद्र कमेला के शासकीय प्राथमिक शाला कमेला में स्व.वृंदावन पांडे की 4 थी पुण्यतिथि पर न्यौता भोज आयोजित हुआ। जिला शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा से शैलेंद्र ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में सर्वप्रथम मां सरस्वती के चलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुजा अर्चना किया गया। पूजा अर्चना पश्चात् संस्था के प्रधान अध्यापक/संकुल समन्वयक गौतमराम पांडे ने न्योता भोज की विशेषताएं बताते हुए, न्यौता भोज कराने के लिए आभार व्यक्त किया। न्यौता भोज अंतर्गत सभी छात्र, छात्राओं के लिए खीर पुड़ी मिठाईयां तथा परिवारजनों के द्वारा विद्यालय को स्मृति स्वरुप राधा कृष्ण का छायाचित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक निहाल मरकाम, चेतना बघेल, होरीलाल चंद्रवंशी, टिकेश्वरप्रसाद साहू एवं अन्य कर्मचारी मिलन बैध, रितेश सेठिया, सखाराम नेताम तथा परिवारजनों में उनकी धर्मपत्नी हुलसी पांडे तथा मोहबानंद पांडे, कालिंद्रलाल पांडे, लालकृष्ण पांडे, गुनगुन पांडे, मोना पांडे, रेशमी पांडे और अन्य पालक, माताओं की उपस्थिति एवं विशेष सहयोग रहा।

व्यवहार न्यायालय केशकाल के नेशनल लोक अदालत में मिली राहत कई पीड़ितों को

कोण्डागांव 13 जुलाई (देषबन्धु)। कोंडागांव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा आम जनता को शीघ्र एवं सस्ता न्याय सुलभ करवाने तथा लंबित विवादों को आपसी समझौते के आधार पर सुलझाने के उद्देश्य से व्यवहार न्यायालय केशकाल में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ।

जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह के समक्ष कुल 58 प्रकरण आए, जिसमें 22 प्रकरणों का निराकरण हुआ। चेक बाउंस के 18 प्रकरणों में से 3 प्रकरणों का तत्काल निराकरण हुआ। 30 आपराधिक प्रकरणों में 10 प्रकरणों का निराकरण हुआ। जुआ के 10 प्रकरणों में से 9 प्रकरणों का निराकरण हुआ। कुल 22 प्रकरणों का तत्काल निराकरण हुआ। शेष मामलों के लिए मजिस्ट्रेट अंजली सिंह के द्वारा अगली तारीख दी गई है। उल्लेखनीय है कि आम जनता को सहज एवं सुगम न्याय दिलवाने के उद्देश्य से 13 जुलाई 2024 को पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया था। इसी क्रम में केशकाल के व्यवहार न्यायालय में भी लोक अदालत का आयोजन हुआ, जहां कई लंबित प्रकरणों का निराकरण एक ही दिन में किया गया है।

एक पेड़ मां के नाम आयुष पालीक्लिनिक में वृक्षारोपण

नारायणपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के च्एक पेड़ माँ के नामज्ञ अभियान के तहत आज शासकीय आयुष पालीक्लिनिक नारायणपुर में वृक्षारोपण किया गया जिसमें फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए गए।

आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.बीना खोबरागड़े ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान छत्तीसगढ़ सरकार की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और लोगों में जागरूकता को दर्शाता है। जिसका उद्देश्य जन सहभागिता के माध्यम से अधिक से अधिक हरियाली बढ़ाना है। यह अभियान न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मातृत्व के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का एक सुंदर तरीका भी है।

जिला प्रशासन के निर्देशन में आयोजित वृक्षारोपण में उपस्थित जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सत्येंद्र नाग के साथ डॉ. सुधीर साहू , डॉ.बीना खोबरागड़े, डॉ. सुखीराम शिवारे , फार्मासिस्ट टिकेश्वर मंडावी, अर्चना नाग , टेंपेश्वरी बेलसारिया , सुमित्रा नुरेटी ने आम , नारियल ,काजू , पीपल नीम , आंवला , मुनगा, तुलसी आदि पौधों का रोपण करते हुए उनके देखभाल का संकल्प लिया। वृक्षारोपण हेतु उद्यानिकी विभाग नारायणपुर द्वारा नि:शुल्क पौधों का वितरण किया गया।

फरसगांव नगर के वार्ड परिसीमन को लेकर हुई चर्चा

कोण्डागांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के तहसील मुख्यालय फरसगांव के अनुविभागीय कार्यालय के बैठक हॉल में फरसगांव नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड परिसम को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अश्वन कुमार पुसाम फरसगांव की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान नगर पंचायत फरसगांव के अन्तर्गत आने वाले 15 वार्डों के परिसीमन वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार जनसंख्या में वृद्धि, मतदाताओं की संख्या व भौगोलिक स्थित को देखते हुए नगर पंचायत फरसगांव में वार्ड परिसीमन की आवश्यकता पर चर्चा की गई बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पार्षद एवं नागरिक उपस्थिति थे।

प्रादेशिकी का शेष...

वित्त आयोग के अध्यक्ष...

इसके साथ ही आयोग के अध्ययन भ्रमण हेतु बेहतर व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इस दौरान जिला प्रशासन तथा स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की सहभागिता को बस्तर के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कलेक्टोरेट परिसर में किया वृक्षारोपण

इस अवसर पर 16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया सहित उपस्थित सदस्यों ने कलेक्टोरेट परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। यहां आम, कदम, खम्हार आदि पौधे लगाए गए। इस दौरान आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ.सौम्यकांति घोष तथा आयोग के सचिव ऋत्विक पाण्डेय, संयुक्त सचिव कमल कुमार मिश्रा, संयुक्त संचालक राघवेन्द्र सिंह, कमिश्नर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर गोंचा महापर्व में भगवान...

18-सिखरिणी, 19-मुरब्बा, 20-मधुर, 21-कषाय, 22-तिक्त, 23-कटु पदार्थ, 24-अम्ल,खट्टा पदार्थ , 25-शक्करपारा, 26-घेवर, 27-चिला, 28-मालपुआ, 29-जलेबी, 30-मेसूब, 31-पापड़, 32-सीरा, 33-मोहनथाल, 34-लौंगपूरी, 35-खुरमा, 36-गेहूं दलिया, 37-पारिखा, 38-सौंफ़लघा, 39-लड्डू, 40-दुधीरुप, 41-खीर, 42-घी, 43-मक्खन, 44-मलाई, 45-शाक, 46-शहद, 47-मोहनभोग, 48-अचार, 49-सूबत, 50-मंड़का, 51-फल, 52-लस्सी, 53-मठ्ठा, 54-पान, 55-सुपारी, 56-इलायची।

बस्तर चेंबर ऑफ कामर्स ने...

कोमल महावर वरिष्ठ व्यवसायी महेन्द्रकान्त संघाणि ,मदनलाल पारेख , सम्पत झा, अशोक अरोरा, श्याम सोमानी , जसराज बाफ़ना, संजय दीवान , शंकरलाल गुप्ता , बैचैन झा , जयराम राव , शिवनारायण चाण्डक , जितेन्द्र पाल सिंह अहलूवालिया , विशाल राव जूनियर चेम्बर से किशोर सन्त, लक्ष्मण राजपुरोहित , निकेश दीवान ,मोहित दंडवानी सहित बड़ी संख्या व्यापारीगण उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत...

चालक होने से उसके विरुद्ध भरण-पोषण का मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण के लम्बनकाल के दौरान आवेदिका एवं अनावेदक को उनके मध्य उत्पन्न विवादों को मुलकर, पति-पत्नि के रूप में अपने बच्चों के साथ रहकर सुखपूर्वक व शांतिपूर्वक पारिवारिक जीवन-निर्वाह करने के संबंध में समझाईश दी गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आये व पति-पत्नि दोनों ने इस पर अमल करते हुए अपने बच्चों के साथ रहना शुरू कर दिये हैं एवं उभयपक्षों की सहमति से प्रकरण का आज नेशनल लोक अदालत में निराकरण करते हुए पति-पत्नि के मध्य री =यूनियन स्थापित की गई।

आयोजित नेशनल लोक अदालत में अधिवक्ताओं, राजस्व विभाग, नगरपालिक निगम, बैंकों, बीएसएनएल विभाग, विद्युत विभाग, नगरनिगम एवं राजस्व विभाग के सहयोग से कुल 29910 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

भाजपाई ले रहे अपनी विफलताओं को...

दूर नहीं जो बात आज कांग्रेस कह रही है वो बात प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की जुबां पर होगी,और उस समय ये बड़बोले और ऊल-जलूल बयानबाजी करने वाले भाजपाइयों को बयान देते नहीं बनेगा। कांग्रेस कुंभकर्णी नींद में सो चुकी विष्णु देव साय सरकार को जगाने आवाज़ बुलंद करती रहेगी तब तक जब तक ये सरकार अपराधगढ़ को फिर से छत्तीसगढ़ में नहीं बदल देते।

'संविधान हत्या दिवस' मनाने...

विष्णु देव साय सरकार को जगाने आवाज़ बुलंद करती रहेगी तब तक जब तक ये सरकार अपराधगढ़ को फिर से छत्तीसगढ़ में नहीं बदल देते।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में टीबी व स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोण्डागांव 13 जुलाई (देषबन्धु)। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल कोंडागांव में टीबी एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के दिशा-निर्देशन में टीबी मुक्त कोंडागाँव के उद्देश्य से स्कूली बच्चों को टीबी व स्वास्थ्य जागरूकता के लिये स्वास्थ्य जांच कर टीबी स्क्रीनिंग और किया गया। इस शिविर का मूल उद्देश्य यह है कि समय-समय पर स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को स्वास्थ्य जांच कराते रहें जिससे टीबी का संदेह से मुक्त रहें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पिरामल फाऊंडेशन एवं स्वास्थ्य विभाग जिला क्षय उन्मूलम केन्द्र, पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में जिला क्षय उन्मूलम केन्द्र से कांतेश देवांगन, किशन पोयाम, पिरामल फाऊंडेशन से शशि बर्मन और स्कूल के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

मिलावटी दूध की जांच के लिए डेयरी दुकानों से लिए दूध और दुग्ध उत्पादों के नमूने

कोण्डागांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मिलावटी दूध का जांच करने के लिए व्यवसायियों द्वारा संचालित किए जा रहे डेयरी दुकानों से दूध और दुग्ध उत्पादों के नमूने लिए गए। मिलावटी दूध और उससे बनने वाले उत्पादों की जांच हेतु खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला कोण्डागांव द्वारा नमूना संकलन की कार्यवाही की जा रही है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी डी.के.देवांगन द्वारा कोण्डागांव के विभिन्न डेयरी दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है और मिलावट की जांच करने नमूना संकलन किया जा रहा है। अब तक शहर के पांच प्रतिष्ठानों से पांच नमूने एकत्र कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है, जिसमें मनोज डेयरी से दही, गुप्ता डेयरी से पनीर, बाबा इन्टरप्राइजेस से पनीर, देवांगन मिल्क पार्लर से बीडीएफ दही और और कृष्णा डेयरी से दूध का नमूना संकलित किया गया है। जांच रिपोर्ट में दूध या दूध उत्पादों में यूरिया डिटर्जेंट जैसे हानिकारक पदार्थों की मिलावट पाये जाने पर संबंधित के खिलाफ विधिक कार्यवाही कर प्रकरण बनाया जाएगा। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी जिसमें बाहर से आने वाले दूध विक्रेताओं से भी दूध का नमूना संकलित कर जांच हेतु भेजा जाएगा।

जल संरक्षण का केरल मॉडल अपनाएं : चैतराम

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को प्रोत्साहित किए जाने हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों में जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान एवं वृक्षारोपण का जिला स्तरीय कार्यक्रम कासोली में विधायक चैतराम अटामी की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में ग्राम की महिला समूहों, महिला मंडल, ग्राम स्तर की सभी महिलाओं को पानी की महत्ता जैसे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय पर जानकारी देकर प्रत्येक घरो में पानी के संचयन के लिए उपयुक्त व्यवहार परिवर्तन की जानकारी दी गई।

- दंतेवाड़ा विधायक का आह्वान
- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत वृक्षारोपण
- आंगनबाड़ी केन्द्रों में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

इस मौके पर विधायक श्री अटामी ने अपने केरल प्रवास के दौरान वहां की महिलाओं के द्वारा की जा रही जल संरक्षण के प्रयास व प्राकृतिक स्त्रोतो से जल का उपयोग तथा जल प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उनके द्वारा प्रत्येक घर में सभी महिलाओं को एक-एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने लगाये गये पौधे की देखभाल अपने बच्चें की तरह करने का सुझाव दिया। इसके साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों ने कासोली के सभी गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत गरम भोजन एवं अंडा प्रतिदिन आंगनबाड़ी केन्द्र में आकर खाने की सलाह दी और जिले को कुपोषण से मुक्त करने के लिए सामुदायिक प्रयास को जरूरी बताया। कार्यक्रम में समुदाय, पालकों द्वारा आंगनबाड़ियों में एक वृक्ष माँ के नाम शीर्षक से 5-5 फलदार पौधे का रोपण भी किया गया। इस प्रकार विभाग के माध्यम से जिले में कुल 5 हजार 285 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष गीदम सुश्री अंतिवेक, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती संगीता नेताम, सरपंच ग्राम पंचायत कासोली, अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी, जिला कार्यक्रम अधिकारी वरूण सिंह नागेश, परियोजना अधिकारी गीदम ऋतीश कुमार टंडन, परियोजना अधिकारी बारसूर नरेश कुमार भोई, श्रीमती मनीषा ठाकुर संरक्षण अधिकारी नवाबिहान, बारसूर परियोजना के सभी पर्यवेक्षक, श्रीमती संगीता देवांगन केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर दन्तेवाड़ा, व कासोली ग्राम पंचायत के सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित रहीं।

डढ़िया तालाब सफाई अभियान

विधायक व कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान

कांकेर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। की प्राचीन धरोहर डढ़िया तालाब का कायाकल्प करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयास से लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस सफाई अभियान में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठन और गैर सरकारी संगठनों के द्वारा एकजुट होकर सहयोग दे रहे हैं। इसी क्रम में आज विधायक आशाराम नेताम और कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर ने ऊपर नीचे रोड किनारे स्थित डढ़िया तालाब पहुंचकर श्रमदान किया और सफ़ाई अभियान में शामिल सभी लोगों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले, अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार, पार्षद श्री जयंत अटभैया, श्री अरुण कौशिक, अविनाश नेगी, अजय मोटवानी, श्री विजय लक्ष्मी कौशिक, उगेश्वरी उइके, टेश्वर जैन, अशोक राठी, संजय सिन्हा सहित जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों, होमगार्ड, पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी श्रमदान किया। उल्लेखनीय है कि शहर की ऐतिहासिक डढ़िया तालाब को जलकुंभी से मुक्त करने और स्वच्छ बनाने के लिए पिछले तीन सप्ताह से सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जिले के जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, नागरिकगण सक्रियता के साथ परस्पर सहयोग दे रहे हैं।

पिछले तीन सप्ताह से तालाब से निकाली जा रही जलकुंभी

12 हजार अर्जुना पौधे पर पाले जाएंगे रेशम कीट

अंतर फसल के रूप में होगी हल्दी की खेती

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रेशम कीट पालन में अर्जुना पौधे अनुकूल होते हैं। इसे देखते हुए वन अधिकार पट्टा धारी कृषकों को कोसा उत्पादन के क्षेत्र में प्रोत्साहन हेतु जिला प्रशासन द्वारा जिले के एफआरए क्लस्टर ग्रामों में अर्जुना के पौधे लगाये जा रहे हैं। ग्राम पंचायत जांवगा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत 7.5 एकड (3 हेक्टेयर) क्षेत्रफल में कुल 12 हजार 300 अर्जुना के पौधे लगाए जाएंगे। इस मानसून पौधरोपण पश्चात चौथे वर्ष से ही इन पौधों पर रेशम कीट पालन कार्य किया जा सकेगा। इसके अलावा भूमि पर पौधों के मध्य की भूमि के उपयोग हेतु अंतर फसल कार्य भी किया जा रहा है, जिसमें हल्दी के कंद मुख्य रूप से लगाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के सहयोग से किसानों के वन अधिकार पट्टा धारित भूमि पर पौधे बड़े होने के पश्चात, लाभान्वित किसान इन पर रेशम कीट पालन कार्य कर कोसा उत्पादन कर सकेंगे। साथ ही साथ अंतर फसल से किसानों को अतिरिक्त आय भी होगी।

जिला एवं सत्र न्यायालय में हुआ नेशनल लोक अदालत का आयोजन

कांकेर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला न्यायालय कांकेर में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1941 प्रकरणों का तात्कालिक निराकरण किया गया। इसके लिए जिला न्यायालय में 5 खण्डपीठ, भानुप्रतापपुर में 2 एवं पखांजूर में 1 इस प्रकार कुल 8 खण्डपीठ का गठन किया गया था। कांकेर में खण्डपीठ क0-1 श्री आनंद कुमार ध्रुव प्रधान जिला न्यायाधीश, खण्डपीठ क0-2 श्री रमाशंकर प्रसाद न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, खण्डपीठ क्र-3 श्रीमती लीना अग्रवाल प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, खण्डपीठ क्र-4 श्री भूपेंद्र कुमार वासनीकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, तथा खण्डपीठ क्रमांक-5 श्रीमति अम्बा शाह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कांकेर, खण्डपीठ तथा तालुका भानुप्रतापपुर में खण्डपीठ क्र-1 श्री दीपक कुमार गुप्ता अपर सत्र न्यायाधीश, खण्डपीठ क्रमांक-02 श्री आनंदकुमार बोरकर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भानुप्रतापपुर तथा तालुका पखांजूर में खण्डपीठ क्र-1 श्री मयंक सोनी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी का खण्डपीठ बनाया गया था। इस प्रकार जिले में कुल 2 हजार 335 लंबित प्रकरण राजीनामा योग्य रखे गये थे, जिनमें से 1941 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। मोटर दुर्घटना दावा के 61 प्रकरण रखे गये थे, जिसमें 14 प्रकरणों का निराकरण कर एक करोड़ 15 लाख 75 हजार रुपए का अवार्ड पारित किया गया। इस प्रकार बैंक रिकवरी, विद्युत से संबंधित मामले, प्रिलिटिगेशन मामले के कुल 11 हजार 830 प्रकरण रखे गये थे, जिनमें से 2 हजार 462 प्रकरणों में निराकरण किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आनंद कुमार ध्रुव द्वारा किया गया। इस अवसर पर लोगों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जन सहयोग संस्था कांकेर के सहयोग से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा उपस्थित पक्षकारों को फलदार वृक्ष भेंट किए गए और सभी न्यायाधीश, अधिवक्तागण एवं कर्मचारियों के द्वारा जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

1941 प्रकरणों का हुआ तात्कालिक निराकरण

बटराली में आयोजित महा वृक्षारोपण कार्यक्रम में सांसद विधायक ने रोपे पौधे

कोण्डागांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान के तहत शनिवार को बटराली में महा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांकेर सांसद भोजराज नाग, विधायक नीलकंठ टेकाम शामिल हुए और पौधारोपण किया। इस अवसर पर सांसद भोजराज नाग ने कहा कि पेड़ लगाना पुण्य का काम है, इसलिए पेड़ सभी को लगाना चाहिए। विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हेतु पेड़ लगाना सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर केशकाल वनमण्डलाधिकारी गुरूनाथन एन., केशकाल के अनुविभागीय दंडाधिकारी अंकित चौहान, उप वनमण्डलाधिकारी केशकाल श्रीमती सुषमा जे नेताम, सहित सभी वन कर्मचारी एवं ग्रामीणों द्वारा ष्एक पेड़ माँ के नामष् से आम, नीम, काजू, आंवला इत्यादि 300 पौधों का रोपण किया गया।

कार्य में लापरवाही बरतने वाली अधीक्षिका को कलेक्टर ने किया निलंबित

कांकेर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर ने गंभीर प्रवृत्ति के शिकायत की खबर पर संज्ञान लेते हुए श्रीमती विनिता कुजूर, मूल पद व्याख्याता एल.बी., शासकीय उमावि छोटेबेठिया एवं अधीक्षक, कन्या आवासीय विद्यालय छोटेबेठिया विकासखंड कोयलीबेड़ा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार सरपंच एवं ग्रामवासी छोटेबेठिया की शिकायत और खबर पर संज्ञान लेते हुए प्रथम दृष्टया शासकीय कार्यो के प्रति लापरवाही बरतने पर यह कार्यवाही की गई है।

निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। निलंबन के दौरान व्याख्याता श्रीमती कुजूर का मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी विकासखंड दुर्गुकोंदल नियत किया गया है। साथ ही कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर ने आदेश जारी कर उक्त कन्या आवासीय विद्यालय छोटेबेठिया के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छोटेबेठिया की व्याख्याता सुश्री नेहा सहाडे को आगामी आदेश पर्यन्त तक अधीक्षिका नियुक्त किया है।

रायपुर संभाग स्तरीय खेलकूद स्पर्धा में जीता प्रथम पुरस्कार, नेशनल में हुआ चयन

कोण्डागांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्रीय विद्यालय कोंडागांव की कबड्डी टीम ने रायपुर संभाग स्तरीय खेलकूद स्पर्धा में न केवल प्रथम पुरस्कार जीता बल्कि टीम का नेशनल स्तर पर चयन हुआ है।

केंद्रीय विद्यालय कोंडागांव की कबड्डी टीम ने रायपुर संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के बीच आयोजित 53 वीं संभाग स्तरीय खेलकूद स्पर्धा 2024 में प्रथम पुरस्कार जीतकर अपने जिले का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता केन्द्रीय विद्यालय कोरबा क्रमांक 4 में आयोजित की गई थी।

केंद्रीय विद्यालय कोंडागांव की कबड्डी टीम का

कोंडागांव की टीम की शुरुआत रायपुर की टीम से हारने से हुई थी, टीम नई होने के कारण, वर्षों से पुरानी टीमों का दबदबा होने के चलते, कोंडागांव के खिलाड़ी थोड़े घबराए हुए थे, लेकिन उनके अनुरक्षक शिक्षक मनोज कुमार ध्रुवे, लगातार बच्चों का हौसला बढ़ाते और प्रेरित करते रहे जिसके परिणामस्वरुप कोंडागांव की टीम ने एक के बाद एक खैरागढ़, नारायणपुर और जांजगीर की टीम को हराते हुए न केवल फाइनल में अपनी जगह बनाया बल्कि फाइनल मैच में शानदार जीत हासिल करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं नेशनल स्तर पर भी अपने कबड्डी खेल का उत्कृश्ट प्रदर्षन करने का मौका हासिल किया।

इसके अलावा लेखा नेताम ने अंडर-17 जूडो में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। चेस, बैडमिंटन, तीरंदाजी में भी कोंडागांव के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन स्थान प्राप्त किए। खो-खो और टेबल टेनिस में भी टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। 12 जुलाई 2024 को सभी टीमें देर रात कोंडागांव लौटे, जहां उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया।

विद्यालय के प्राचार्य नंदकिशोर वासनिक ने नन्हें खिलाड़ियों के अद्भुत प्रयासों की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह जीत कोंडागांव के विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम और समर्पण का प्रतीक है। यह निश्चित रूप से जिले के अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा और उन्हें खेलकूद में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

गीदम में 5 हजार की अंग्रेजी शराब जब्त

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के गीदम में आज अवैध अंग्रेजी शराब बिक्री करने वाले आरोपी को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 5 हजार कीमत की शराब जब्त की गई।

आरोपी गीदम के हारम चौक में ग्राहक की तलाश कर रहा था। इसी सूचना के आधार पर गीदम थाने से एसआई शशिकांत यादव, एएसआई पंकज धर, प्रधान आरक्षक बीरेन्द्र कुमार नाग, आरक्षक भील कुमार नाग मुखबिर के बताये हुए स्थान हारम मेनरोड गीदम पहुँचे, जहाँ एक व्यक्ति को पकड़ा गया। इसने पूछताछ पर अपना नाम नरेश पोड़ियाम निवासी ग्राम लखारास पटेलपारा थाना कटेकल्याण का होना बताया। इसकी तलाशी लिये जाने पर पिठ्ठू बैग के अंदर 45 नग विस्की प्रत्येक में 180 एमएल कुल 8 हजार 1 सौ एमएल कुल कीमत 5 हजार 850 रूपये मिला। आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्यवाही की गई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अपराधियों पर कार्यवाही के तहत् पुलिस अधीक्षक गौरव राय के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, रामकुमार बर्मन के मार्ग दर्शन एवं उन्नति ठाकुर एसडीओपी बारसूर के पर्यवेक्षण में निरीक्षक धनंजय सिन्हा थाना प्रभारी गीदम व थाना स्टाफ के द्वारा समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है।

- ग्राहक की तलाश में खड़ा था युवक
- मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने धर दबोचा

प्राचीन शीतला मंदिर में माता पहुंचनी संपन्न

राजिम, 13 जुलाई। प्राचीन शीतला मंदिर में गुरुवार को माता पहुंचनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के वार्डों के लोग पहुंचने लगे माताएं अपने साथ में थाल में पूजन के सामग्री रखकर मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन करने के लिए लाइन में लग रहे। देखते ही देखते यहां भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ गई कि श्रद्धालुओं को व्यवस्थित करना पड़ा और क्रमशः माता के दर्शन कर हल्दी पानी का छिड़काव किया गया। प्रसाद वितरण हुआ तथा माता सेवा का कार्यक्रम भी हुआ जिसमें सेवक दल के द्वारा माता की महिमा का गुणगान करते हुए वाद्य यंत्रों के साथ सेवा गीत प्रस्तुत किया गया।

किसानों के लिए राहत की बारिश

बोनी पूरी, रोपा के लिए और चाहिए पानी

दंतेवाड़ा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह दंतेवाड़ा में भी आज दिन भर बारिश होती रही। पिछले दो दिनों से हो रही यह बारिश किसानी के लिए बेहद फायदेमंद मानी जा रही है, लेकिन अभी किसान एक अच्छी बारिश के इंतजार में हैं। दंतेवाड़ा के साथ ही गीदम, किरन्दुल, बचेली, कटेकल्याण और कुआकोंडा इलाके में बादल दिन भर बरसते रहे। यह क्रम पिछले दो दिनों से जारी है। मौसम विभाग ने दंतेवाड़ा जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक दंतेवाड़ा जिले में आज 63.1 मिमी. वर्षा हुई है। किसानों के लिए यह राहत वाली बारिश है, लेकिन रोपा पद्धति से खेती करने वाले किसान अभी भी रिमझिम बारिश के इंतजार में हैं। कृषि विभाग के उप संचालक सूरज पंसारी ने बताया कि जिले में बोनी पूरी हो चुकी है, लेकिन रोपा नहीं हुआ है। रोपा के लिए और बारिश चाहिए। अभी फसल की स्थिति सामान्य है, कहीं कोई दिक्कत नहीं है। विभाग का मैदानी अमला लगातार किसानों के संपर्क में है।

दुष्कर्म का फरार आरोपी को पुलिस ने उप्र कानपुर से किया गिरफ्तार

कोण्डागांव, 13 जुलाई (देषबन्धु)। पीड़िता के साथ इंस्टाग्राम में दोस्ती करने के बाद शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाले फरार आरोपी को फरसगावं पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर से गिरफ्तार किया गया। महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध घटित अपराध में कोण्डागांव पुलिस द्वारा लगातार एवं त्वरित व कड़ी कार्यवाही किए जाने के क्रम में उक्त कार्यवाही की गई है।

मामले के सम्बन्ध में प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थिया पीड़िता ने 16 जून 2024 को थाना आकर लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि जुलाई 2023 में इस्ट्राग्राम के माध्यम से एक लड़के से परिचय हुआ, जिसने अपना नाम अजय समरथ बताया था। कुछ दिनों के बाद मोबाईल नम्बर शेयर किए और दोनों एक दुसरे से बात करने लगे, पीड़िता को शादी करूंगा कहकर माह अक्टूबर 2023 में पीड़िता के घर आया और पीड़िता के साथ जबरदस्ती कई बार बलात्कार किया। प्रार्थिया के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 63/2024 धारा 376, 417 भादंवि. कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण पंजीबद्ध होने के उपरांत प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव वाय अक्षय कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपेश कुमार डाण्डे (ऑप्स) के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अनिल विश्वकर्मा के पर्यवेक्षण में फरार आरोपी मोबाईल नम्बर के सी.ए.एफ., कॉल डिटेल के आधार पर फरसगांव पुलिस टीम कानपुर नगर उत्तर प्रदेश रवाना होकर थाना महाराजपुर पुलिस की सहयोग से थाना महाराजपुर लाकर पुछताछ करने पर अपना नाम अजय समरथ उर्फ इस्तयाक पिता शहीद शहजाद कुरैशी 28 वर्ष निवासी नौगवां गौतम चौकी पूरवामीर थाना महाराजपुर जिला कानपुर नगर (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला बताया। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म कारित करना स्वीकार करने बाद पीड़िता को वीडियो कॉल के माध्यम से आरोपी की पहचान कार्यवाही करने के बाद आरोपी के कब्जे से एक नग ओप्पो कंपनी का मोबाईल जिसका मॉडल नम्बर सी.पी.एच. 2095 को समक्ष गवाह के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। बाद आरोपी को 11 जुलाई 2024 के 10.20 बजे विधिवत् गिरफ्तार कर जुर्म अजमानतीय होने से गिरफ्तारी के स्थान से थाना फरसगांव जिला कोण्डागांव छ.ग. का दुरी अधिक होने से समय 24 घंटे से अधिक समय लगने की संभावना होने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कानपुर नगर (उत्तर प्रदेश) के समक्ष पेश कर ट्रांजिट लिया गया। बाद फरसगांव पुलिस टीम द्वारा आरोपी को साथ लेकर 13 जुलाई 2024 को न्यायालय कोण्डागांव के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में नरेश साहु थाना प्रभारी, सउनि.राजीव गोटा, आरक्षक अजरंग बघेल, फरसुराम मरकाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन

चारामा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर के थानापारा वार्ड क्रमांक 5 में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है. भुवनलाल कठोलिया एवं समस्त कठोलिया परिवार द्वारा स्वर्गीय पुष्पा बाई के वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर आयोजित इस भागवत महापुराण की शुरआत 11 जुलाई से 19 जुलाई 2024 तक की जा रही है. कथावाचक पंडित दाऊलाल तिवारी निवासी ग्राम गिरहोला चारामा के द्वारा प्रतिदिन भागवत कथा का वाचन किया जा रहा है. प्रथम दिवस 11 जुलाई को वेदी पूजन एवं बाजे गाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई. जो कि नगर भ्रमण कर कथा पंडाल पहुंची. द्वितीय दिवस 12 जुलाई को सृष्टि वर्णन एवं हिरण्याक्ष वध की कथा सुनाई गई. 13 जुलाई को कपिल अवतार और ध्रुव चरित्र की कथा सुनाई गई. आज 14 जुलाई को अजामिल उपाख्यान एवं गजेंद्र मोक्ष, 15 जुलाई को श्री कृष्ण प्राकट्य उत्सव, 16 जुलाई को कृष्ण बाललीला एवं रूखमणी मंगल, 17 जुलाई को कृष्ण विवाह कथा एवं सुदामा चरित्र, 18 जुलाई को परीक्षित मोक्ष, तुलसी वर्षा एवं शोभायात्रा निकली जाएगी. अंतिम दिवस 19 जुलाई को गीता ज्ञान, यज्ञ-हवन पूजन का आयोजन होगा. आयोजित इस कार्यक्रम में संजय, अनिता, दीपक, प्रेमा, ओमप्रकाश, आरती, मुकेश साधना, सूरज, गीतांजलि, कैलाश, गणेशी, पूर्णिमा, विजय, लक्ष्मी, प्रहलाद, ज्योति, धर्मेंद्र, भावना, संदीप, लिलिमा, यशवंत, चेतन, दूसार, रवि, मुस्कान, वंश, भाव्या, परी, सुनील, संदीप, तान्या, कोमल, तुसार, रिया, धारणा, एकता, हिमांशु, विहान, शौर्य, शिवाय, रियांश, मिनल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

उल्टा पुल्टा

चिंटू- दुनिया में दो तरह के नेटवर्क ही सबसे तेज हैं।
पिंटू - कौन-कौन से?
चिंटू- एक ईमेल और दूसरा फीमेल, एक मिनट में इधर की बात उधर पहुंचा देती हैं।

राजधानी बनी फायरिंग रेंज

ऑर्गेनाइज्ड क्राइम को खत्म करने का दावा खोखला, दहशतगर्दों ने फिर कारोबारी को धमकाया

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शनिवार को राजधानी में दिनदहाड़े एक गोलीकांड हो गया। मामला और गंभीर तब हो गया जब पता चला कि राजधानी में कोयला कारोबारी के प्रतिष्ठान के सामने फायरिंग करने वाले आरोपी झारखंड के एक गैंग से जुड़े हैं जिसका लिंक कोयला कारोबारी को गैंगस्टर की पिछली धमकी से जुड़ा हुआ है। सवाल उठा कि क्या प्रदेश में गैंगस्टर्स पैर जमाने की फिराक में हैं। क्योंकि पहले भी इस गैंग ने कोल कारोबारियों से वसूली के लिए साजिश रची फिर जब पिछली बार वारदात से पहले उनके शूटर्स पकड़े गए तो मैसेज भेजकर कारोबारी को धमकी भी दी। गैंग की करतूत पर विपक्ष ने सरकार को कानून.व्यवस्था पर घेरा तो सत्तापक्ष का दावा है कि प्रदेश में हर हाल में ऑर्गेनाइज्ड क्राइम जड़ें जमने नहीं दी जाएंगी। सवाल है क्या प्रदेश में अंडरवर्ल्ड की पैठ बढ़ रही है राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थानाक्षेत्र में उद्योग भवन के पास दिनदहाडे गोलियां चलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बड़ी बात ये कि ये गोलीकांड उसी कोयला कारोबारी का दफ्तर के बाहर हुआ जिसे बीते दिनों झारखंड के अमन साहू गैंग के 4 शूटर्स सुपारी लेकर मारने रायपुर आये थे। गनीमत रही की तब वारदात से पहले ही पुलिस को खबर लगी और उन्होंने आरोपियों को धरदबोचा। आज भी कारोबारी के ऑफिस के बाहर हुई गोलीबारी में उसी गैंग के गुर्गो के शामिल होने की आशंका पुलिस ने जताई है। वारदात के चश्मदीद के मुताबिक काली पल्सर बाइक से आए दो अज्ञात बाइक सवारों ने ऑफिस के सामने गोली चलाई है और फरार हो गये है। शूटर्स ने श्यामनगर इलाके के तारू सिंह चौक पर बाइक छोड़ी और फरार हो गये। घटना के फौरन बाद पुलिस रेल्वे ने स्टेशन बस स्टेंड समेत शहर से बाहर जाने वाले सभी रास्तों पर तत्काल नाकेबंदी की लेकिन शातिर शूटर्स बाइक छोड़ ऑटो से फरार हो गए। गंभीर बात ये है कि मई में 4 शूटर्स की गिरफ्तारी के बाद एक ई.मेल में मयंक सिंह जो की लॉरेंस बिश्नोई गैंग को ऑपरेट करता है उसके नाम से ये कोयला कारोबारी को ये चैलेंज दिया गया था कि भले ही अभी शूटर्स को पुलिस ने पकड़ा हो लेकिन गैंग में ना तो शूटर्स की कमी है ना ही हथियारों कीतब ईमेल की। जांच कर पुलिस ने बताया था कि ये मलेशिया से किया गया है। अब फिर से कारोबारी के ऑफिस के बाहर फायरिंग से जहां धमकी पूरी होती दिखी है तो वहीं पुलिस ने तब चुनौती को सीरियसली नहीं लिया ये नजर आता है। वारदात के बाद विपक्ष ने सरकार को कानून.व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा। जिस वक्त ये वारदात हुई उस समय प्रदेश की पूरी साय कैबिनेट पहले से तय कार्यक्रम के तहत आयोध्या में राम.लला के दर्शनों के गई थी। घटना पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने दावा किया कि प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफकडा एक्शन होगा। पीसीसी चीफदीपक बैज ने तंज कसा कि अपराध और अपराधियो पर सरकार का कोई नियत्रंण नहीं। सरकार आयोध्या दर्शन करने गई है और यहां अपराधी खुलेआम वारदातें कर रहे हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर 24 जुलाई को विधानसभा घेराव करेगा। साफहै कि घटना बड़ी है मामला गैंगए उसकी धमकी और प्रोफेशनल शूटर्स से जुड़ा है। यानि बेहद गंभीर है। पुलिस इंवेस्टिगेशन जारी है आरोपी अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का सरकार का दावा है कि प्रदेश में किसी भी गैंग को फलने.फूलने नहीं दिया जाएगा पर सवाल है क्या ये प्रदेश में किसी गैंग के दस्तक है कैसे रोका जाएगा

कारोबारी के सुरक्षा कर्मियों ने की जवाबी कार्रवाई - राजधानी में कारोबारी के दफ्तर में कार्य कर रहे कर्मचारियों और सुरक्षाकार्मियों ने जैसे ही गोली चलने की आवाज सुनी वैसे एलर्ट हो गए और सुरक्षा के दृष्टिकोण से उनके द्वारा दो से तीन राऊंड फायरिग की गई, कारोबारी द्वारा तेलीबांधा थाने में हत्या के प्रयास का अपराध दर्ज किया गया।

फायरिंग पर गरमाई सियासत

कांग्रेस ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर साधा निशाना, गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा

भाजपा ने कहा- घटना को अयोध्या से जोड़ना दुर्भाग्यजनक

छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ कांग्रेस 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव करने की तैयारी में है इस बीच आज शनिवार को राजधानी रायपुर में दिनदहाड़े गोलीबारी हुई है यह घटना तेलीबांधा थाना अंतर्गत पचपेड़ीनाका से तेलीबांधा के बीच सर्विस रोड में एक कोयला कारोबारी के ऑफिस के सामने हुई है वारदात को पल्सर बाइक सवार दो युवकों ने अंजाम दिया है इस गोलीकांड के बाद से एक बार फिर से कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ में सरकार नाम की चीज नहीं रह गई है प्रदेश के गृहमंत्री को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए प्रदेश की पूरी सरकार प्रदेश को राम भरोसे छोड़कर अयोध्या गई हुई ह इस बीच यह वारदात पूरे प्रदेश को दहलाने वाली है वहीं कांग्रेस के बयान पर भाजपा ने भी पलटवार किया है कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कोयला कारोबारी के दफ्तर और उनकी कार में हुई फायरिंग को प्रदेश सरकार की नाकामी बताते हुए कहा कि पूर्व में गिरोह के सदस्य जब पकड़े गए थे तब ईमेल के माध्यम से धमकी दी गई थी कि कोयला कारोबारी और बिल्डरों को शिकार बनाया जाएगा उसके बावजूद शासन प्रशासन के खुफिया तंत्र की नाकामी के कारण आज दिनदहाड़े शूटर आए और कारोबारी के दफ्तर और उसकी कार में गोलीबारी करके भाग गए उन्होंने कहा कि हमने बनाया है हम ही सवारेंगे और सुशासन का दावा करके आई भाजपा सरकार पूरे प्रदेश में कुशासन की प्रतीक बन गई है राजधानी ➤➤ शेष पृष्ठ 4 पर ➤

कांग्रेस के बयान पर बीजेपी का पलटवार

गोलीकांड मामले में कांग्रेस के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता गौरी शंकर श्रीवास ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि घटना कोई भी हो किसी भी सरकार के लिए चिंता का विषय जरूर होती है रायपुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैदी के साथ इस मामले की जांच कर रही है जल्द जो भी आरोपी होगा वो पुलिस के गिरफ्त में होगा लेकिन सोचने वाली बात यह है कि अयोध्या के मामले से इसे जोड़ना बहुत दुर्भाग्यजनक बात है कांग्रेस पार्टी का ये चरित्र रामद्रोह के चरित्र को प्रदर्शित करता है एक आस्था और एक घटना का विषय है इस विषय को सरकार से जोड़कर देखना पूरी तरीके से कांग्रेस की हताशा के विषय को दिखाता है।

निकाय चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेस सर्वे करवाएगी

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश में निकाय चुनाव की सुगबुगाहट के बीच कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि निकाय चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेस सर्वे करवाएगी।उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में 3000 से अधिक वार्ड हैं।स्थानीय स्तर के नेताओं की भूमिका वहां के चयन में महत्वपूर्ण रहेगी।उनकी अनुशंसा पर ही प्रत्याशी चयनित होंगे।प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, लेकिन नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए निचले स्तर के नेताओं को निर्देशित कर दिया गया है। केंद्र द्वारा संविधान की हत्या दिवस घोषित करने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संविधान के साथ हत्या शब्द जोड़कर बाबा साहब का अपमान किया है।संविधान को खत्म करने और बदलने की साजिश भाजपा कर रही है। भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं देकर देश की जनता ने संविधान को बचा लिया। श्री शुक्ला ने साय मंत्रिमंडल के अयोध्या दर्शन की तुलना कालनेमी से की है।उन्होंने कहा कि यह कालनेमी के समान भक्ति हैं। भाजपा का प्रोपोगेंडा है।भाजपा सरकार बने 6 माह हो गए, लेकिन अब तक चंदखुरी नहीं गए।भाजपा सरकार ने राम वन गमन परिपथ का काम रोक दिया।

संविधान के साथ हत्या शब्द जोड़कर बाबा साहब का अपमान किया : सुशील

रामविचार नेताम के कांग्रेस में जूतमपैजार के आरोप पर सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रामविचार नेताम भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। मुख्यमंत्री से भी सीनियर हैं, फिर भी उनकी उपेक्षा हो रही है, इससे वे फ्रस्टेट हो गए हैं। उलूल-जुलूल बयानबाजी करना उनकी आदत हो गई है।

भारी बारिश की संभावना, 21 जिलों के लिए अलर्ट जारी

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश के 21 जिलों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है. एम। अगले 24 घंटे उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा, बलरामपुर और जशपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट एवं 19 जिलों में 48 घंटों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

जशपुर, सूरजपुर, गौरेला पेंड्रा मारवाही, बिलासपुर, रायगढ़, सारंगढ़, बिलाईगढ़, सक्ती, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के कुछ स्थान के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश में अब तक औसत से 31 फीसदी कम हुई बारिश

पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश कोरबा जिले में 95 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई है। वहीं सरगुजा जिले में 75.7 मिमी, बलरामपुर जिले में 70, दंतेवाड़ा में 63.1, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 47.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। प्रदेश में अब तक औसत से 31 फीसदी बारिश कम हुई है।

क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा, और कलाकार अल्लू अर्जुन को नोटिस

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। श्री चैतन्य टेक्नो पब्लिक स्कूल की मान्यता को लेकर शिकायत के बीच कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने स्कूल के ब्रांड एम्बेसडर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, और फिल्म स्टार अल्लू अर्जुन को कानूनी नोटिस भेजा है।

तिवारी ने बताया कि श्री चैतन्य टेक्नो पब्लिक स्कूल का मुख्यालय हैदराबाद है। क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा और पुष्पा फिल्म के नायक अल्लू अर्जुन स्कूल के विज्ञापन में दिखाई देते हैं। उन्होंने बताया कि रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के कई ब्रांच खुल गए हैं जो अपने आपको सीबीएसई माध्यम के स्कूल होना प्रचारित करते हैं। जबकि सीबीएसई की मान्यता नहीं है। तिवारी ने कहा श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल के राजधानी रायपुर के दो स्कूलों को कुछ दिन पहले सीजी बोर्ड के अंग्रेजी माध्यम की मान्यता मिली है। विकास तिवारी ने अपने वकील रूचिर झंवर के माध्यम से क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा, और फिल्म स्टार अल्लू अर्जुन को नोटिस भेजकर दो करोड़ की क्षतिपूर्ति राशि की मांग की है। तिवारी ने कहा कि श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल छत्तीसगढ़ में आम जनता के साथ ठगी कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के कोयले से चलेंगे राजस्थान के बिजली संयंत्र

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजस्थान के बिजली संयंत्र अब छत्तीसगढ़ के कोयले से चलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार ने राजस्थान के बिजली संयंत्रों को कोयला आपूर्ति के लिए परसा ईस्ट और कांटा बासन पीईकेबी कोल ब्लॉक की 91-21 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की अनुमति दे दी है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ की सरकार की ओर से हसदेव अरण्य कोलफील्ड में संचालित परसा ईस्ट और कांटा बासन पीईकेबी कोल ब्लॉक के उपयोग से दोनों राज्यों के विकास को गति मिलेगी, उद्योग एवं उद्यमियों के साथ जनता तक भी इसका लाभ पहुंचेगा। इसके लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, औद्योगिक गलियारा और होलसेल कारीडोर से आगे बढ़ेगा प्रदेश

आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिए चेंबर ने केंद्रीय वित्त आयोग को दिए सुझाव

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारत सरकार वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगड़िया को छत्तीसगढ़ की आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिए छग चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने कई सुझाव सौंपे। वित्त आयोग के अध्यक्ष ने इसे गंभीरता से लिया। चेंबर के सुझाव पर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर वित्त आयोग के अध्यक्ष ने हामी भरते हुए चेम्बर के पदाधिकारियों से जानकारी ली व सुझावों को बेहतर बताया।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी ने बताया कि वित्त आयोग के अध्यक्ष को होलसेल कारीडोर से आर्थिक गलियारा के महत्व पर हमने विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही प्रदेश में सर्विस सेक्टर के बढ़ावे के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास में सर्विस सेक्टर अभी भी 10-12 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। इसमें इजाफा होने से आर्थिक प्रगति तेजी से आगे बढ़ सकती है।

श्री पारवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश अपने खनिज सम्पदा, संस्कृति, प्राकृतिक सुन्दरता तथा आर्थिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में अनेक संभावनाएं है जिन्हें सहायता प्रदान करने से प्रदेश के आर्थिक विकास को बल मिलेगा। साथ ही देश की आर्थिक प्रगति में वृद्धि होगी एवं सरकार को अधिक राजस्व की प्राप्ति होगी। 16 वें वित्त आयोग की बैठक में व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र के समग्र विकास हेतु चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से विभिन्न सुझाव सौंपे गए।छत्तीसगढ़ को राष्ट्रिय आद्योगिक गलियारा परियोजना में शामिल किया जाए

भारत सरकार ने विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए पूरे भारत में 10 से अधिक औद्योगिक गलियारे विकसित किए हैं। इनमें से कोई भी औद्योगिक गलियारा छत्तीसगढ़ से होकर नहीं गुजरता है। छत्तीसगढ़ में भी ऐसे गलियारों के विकास की सुविधा प्रदान करें। ऐसा ही एक गलियारा नागपुर रायपुर गलियारा हो सकता है तथा वर्तमान में रायपुर विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा विकसित किया जा रहा है जिसे औद्योगिक गलियारा घोषित किया जा सकता है।

होलसेल कॉरिडोर:- छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को प्राप्त करने होलसेल कोरिडोर की स्थापना की जाए। जो पूरे दक्षिण मध्य एशिया का सबसे बड़ा और विकसित होलसेल कोरिडोर होगा। न केवल छत्तीसगढ़ राज्य की बल्कि भौगोलिक रूप से प्रदेश के सीमा से लगे उड़ीसा, महाराष्ट्, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, और झारखंड जैसे राज्यों की मांग की पूर्ति करें और व्यापार को नई दिशा और गति दे। साथ ही साथ संपूर्ण भारतवर्ष में छत्तीसगढ़ मॉडल के एक अनूठे और सबसे वृहद व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में जाना जाएगा। नए-नए रोजगार के अवसर और साथ ही लाखों लोगों के लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा।

स्वामी विवेकानंद विमानतल को अंतर्राष्टीय विमानतल तथा कार्गो हब घोषित किया जाए। रायपुर विमानतल देश के बिल्कुल मध्य में स्थित होने के कारण देश के किसी भी कोने से दो घंटे के अंदर कोई भी सामान भेजा और मंगाया जा सकता है।अत: कार्गो हब की स्थापना अत्यंत ही आवश्यक है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है, रायपुर से फल, सब्जियाँ एवं फूल इत्यादि दूसरे शहरों को भेजा जाता है।

स्मार्ट टूरिज्म:-स्मार्ट टूरिज्म एक महत्वपूर्ण घटक है जो आर्थिक विकास के प्रमुख घटकों में से एक हो सकता है, जो रोजगार सृजन का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। छग प्रदेश प्राकृतिक सुन्दरता से परिपूर्ण है प्राचीन मंदिर, स्मारक, झरने प्रदेश की संस्कृति एवं विविधताओं से भरा हुआ है, जिसे स्मार्ट टूरिज्म के द्वारा आर्थिक स्त्रोत का एक प्रमुख माध्यम बनाया जा सकता है।

जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में स्वागत

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज ने जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएफ़एस सीआर रेखेश शर्मा का स्वागत भव्य रूप से किया। इस अवसर पर रोवर और रेंजर टीम द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत इस अद्वितीय स्वागत के साथ हुई, जो कॉलेज के लिए गर्व का क्षण था।

स्वागत समारोह के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महाविद्यालय परिसर में जेसीआई कक्ष का उद्घाटन किया। इस विशेष अवसर पर उन्होंने समाज सेवा की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए व्हीलचेयर का दान किया। उनके इस कार्य ने महाविद्यालय और स्थानीय समुदाय के बीच सहानुभूति और सेवा के महत्व को और बढ़ावा दिया।

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण कॉलेज के ऑडिटोरियम में हुई, जहां विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस समारोह के एंकर थे जे.सी हर्ष सिंघ ठाकुर और जे.सी सेज़ल जैन, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को शानदार ढंग से संचालित किया। कार्यक्रम की शुरुवात एक प्रभावशाली पावर पॉइंट प्रस्तुति दी गई, जिसमें जेसीआई की विभिन्न उपलब्धियों और कार्यक्रमों को साझा किया गया। इस प्रस्तुति ने सभी को जेसीआई के कार्यों और उनके महत्व के प्रति जागरूक किया।

इसके बाद एक स्वागत नृत्य के साथ समारोह को आगे बढ़ाया, जिसमें छात्रों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। इस नृत्य ने भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की सुंदरता और विविधता को प्रदर्शित किया।

समारोह के दौरान कॉलेज के जेसीआई सदस्यों, जे.सी करमप्रीत और जे.सी जसकृत भाटिया ने अपने अनुभव साझा किए। छात्रों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जेसीआई ने उन्हें नेतृत्व, समाज सेवा और व्यक्तिगत विकास के लिए कई अवसर प्रदान किए हैं।

कॉलेज के चेयरमैन पीपीपी जेएफ़आर जेसीआई सेन. राजेश अग्रवाल ने कहा कि जेसीआई जैसे संगठन छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराते हैं।

समारोह का समापन सचिव जे.सी रौनक बैंगानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ ।कार्यक्रम कॉलेज के चेयरमैन राजेश अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. एम.एस. मिश्रा, चैप्टर इंचार्ज जे.सी. ऋषी पांडेय , अध्यक्ष जेसी अभिजीत अग्रवाल, सेक्रेटरी जेसी रौनक़ बेनगानी के मार्गदर्शन में हुआ।

एक दर्जन से अधिक कबाड़ यार्ड में कार्रवाई

रायपुर 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने अवैध कबाड़ कार्य करने वालों पर कार्रवाई की है। टीम उरला और खमतराई के कबाड़ी यार्ड में पहुंची और खड़ी गाड़ियों के दस्तावेज की मांग की गई लेकिन किसी भी गाड़ियों का दस्तावेज पेश नहीं होने पर यार्ड को सीलबंद किया गया। एक दर्जन से अधिक स्थानों पर राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और नगर निगम संयुक्त टीम ने छापेमारी की है। इस कार्रवाई के दौरान एसडीएम नंदकुमार चौबे, नगर पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चंद्राकर, जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव, तहसीलदार रायपुर पवन कोसमा ,नायब तहसीलदार प्रवीण परमार, खमतराई व उरला थाने की टीम भी उपस्थित थे।

- अवैध रूप से बने कबाड़ शॉप को तोड़ा गया
- कई कबाड़ यार्ड को सीलबंद भी किया गया

एसडीएम नंदकुमार चौबे ने बताया कि उरला व खमतराई क्षेत्र में कबाड़ का कार्य करने वाले मोहम्मद हनीफ, मोहम्मद बिलाल, सईद खान, नईम के यार्ड में पहुंची। इस दौरान यार्ड संचालकों एवं कबाड़ियों का गुमास्ता व यार्ड से संबंधित समस्त दस्तावेज की जांच की गई। इस दौरान पुराने वाहनों के कबाड़ को जब्त वैधानिक कार्यवाही की गई। साथ ही सीलबंद की कार्रवाई की गई। इसके अलावा लाखेनगर चैक के पास दीपक कुकरेजा के शॉप को सील करने की कार्रवाई की गई। हिंद स्पोर्टिंग ग्राउंड के पास सरकारी जमीन में अवैध रूप से बने कबाड़ शॉप को तोड़ा गया। साथ ही लाखे नगर चैक से सारथी चैक हिंद स्पोर्टिंग ग्राउंड बाउंड्री के पास सरकारी जमीन में अवैध रूप से रखे गए 6 ठेलों को जब्त किया गया। रिंग रोड रायपुर चैक के पास दुर्गा इंटरप्राइजेस, हीरापुर के गणपत चैक के पास सोनू साहू, महादेवघाट पूल के पास मोहम्मद मोहसिन व हीरापुर के अब्दुल मलिक पर भी कार्रवाई की गई है और राजकुमार के सामने से भी कार्रवाई कर सीलबंद किया गया।

शिक्षक बिहारी लाल शर्मा द्वारा नेवता भोज आयोजित

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर माता बिन्नी बाई सोनकर गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम उत्कृष्ट विद्यालय भाटा गांव रायपुर में पदस्थ राज्यपाल पुरस्कर से पुरस्कृत समाजसेवी शिक्षक बिहारी लाल शर्मा ने शाला में छात्र- छात्राओं को प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतरगत नेवता-भोज करवाया गया। शिक्षक द्वारा बच्चों के माथे पर तिलक लगाकर नेवता भोज के लिये स्वागत किया गया। बच्चे खीर-पूड़ी खा कर बहुत खुश से और उनकी मुस्कान देखते ही बनती थी इस अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर मंजू अग्रवाल ने कहा की शिक्षक द्वारा किया जाने वाला यह कार्य हम सबके लिए अनुकरणीय है । इस अवसर पर रायपुर ब्राइट फाउंडएशन के अध्यक्ष प्रदीप गोविंद, सचिव डा. मनोज ठाकुर, ग्रीन आर्मी रायपुर के उपाध्यक्ष मोहन वालयानी, नायक, पूर्व पार्षद लेखराज सोनकर , लाखे नगर भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष डा. बिहारी लाल साहू, पार्षद एवम् एमआईसी सदस्य सतनाम पनाग सहित वरिष्ठगण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

बीमा प्रीमियम से जीएसटी हटाने मांग बृजमोहन को यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय बीमा बाजार की कुछ प्रमुख समस्याओं को संसद में प्रभावी ढंग से उठाने का आग्रह करते हुए आज बीमा कर्मियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल से उनके निवास स्थान मौलीश्री में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जीवन एवं स्वास्थ बीमा में लगने वाले18 ब्र जी एस टी को खत्म करने बजट में प्रावधान की पहल को लेकर सी जेड आई ई ए के महासचिव धर्मराज महापात्र के नेतृत्व में सुरेंद्र शर्मा, राजेश पराते, अतुल देशमुख, गजेंद्र पटेल, सुभाष साहू, ललित वर्मा तथा दीपक जेम्स के प्रतिनिमंडल द्वारा ज्ञापन सौंपा गया द्य ज्ञापन में मुख्य रूप से जीवन एवं स्वास्थ बीमा प्रीमियम से जी एस टी हटाने, बीमा पालिसी धारकों हेतु आयकर छूट में आकर्षक प्रावधान करने, राष्ट्रीय कृत आम बीमा की चारों कंपनियों को एकीकृत करने तथा एल आई सी का विनिवेशीकरण रोके जाने मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियमों पर 18ब्र जी एस टी से पालिसी धारकों पर अत्यधिक बोझ पड़ रहा है। इससे व्यवसाय में वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

अत: एलआईसी के विनिवेशीकरण को यही पर रोक दिया जाना चाहिए द्य सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान से सुना तथा संसद सत्र के दौरान इन मुद्दों को उचित रूप से प्रस्तुत किये जाने का आश्वासन दिया।

रोटरी के नए अध्यक्ष मोरियाणी व उनकी टीम का शपथ ग्रहण समारोह

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर के शपथ ग्रहण समारोह में आज क्लब के अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत ने नए वर्ष के अध्यक्ष नामो चन्द मोरियानी को कालर और पिन लगाकर अध्यक्ष का पदभार सौंपा वहीं सचिव जयंत कुमार थोरात ने नए सचिव उत्तम कुमार गर्ग को कार्यभार प्रदान किया । इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष द्वारा अपने कार्यकाल की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की । जयंत थोरात ने मुख्य अतिथि सहित सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए सभी के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया । मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक गवर्नर अखिल मिश्र एवं विशेष अतिथि अरविंद जोशी ने मैजिक रोटरी थीम की जानकारी देते हुए अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत द्वारा 57 प्रोजेक्ट का रिकार्ड बनाने पर उनकी भूरी भूरी प्रसंशा करते हुए बधाई दी । पी डी सुभाष साहू द्वारा दो नए सदस्य संजय अग्रवाल और समीर कुमार को शपथ दिलाई गई । कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रीता लाल ने किया । इस अवसर पर रोटरी क्लब के गणमान्य सदस्यों सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे ।

निगम चुनाव : वार्ड परिसीमन का प्रकाशन 17 को

रायपुर, 13 जुलाई। वार्ड परिसीमन का प्रकाशन 17 जुलाई को होगा और परिसीमन पर आपत्ति पेश करने की अंतिम तिथि 23 जुलाई तक हैं। विधानसभा, लोकसभा चुनाव के बाद अब नगरीय निकाय चुनाव की कवायद शुरू हो चुकी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नवंबर-दिसम्बर में नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर निकायों में वार्डों के नए सिरे से परिसीमन के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डा. बसवराजु एस. ने इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों को परिपत्र जारी किया है। कलेक्टरों को जारी परिपत्र में कहा गया है कि 2011 की जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया जाएगा। 2011 की जनसंख्या 2.55 करोड़ बताई गई है। वर्तमान में आबादी तीन करोड़ से अधिक है। प्रदेश में 184 निकाय है,वहीं इनमें 169 निकायों में चुनाव होंगे। बाकी निकायों का कार्यकाल वर्ष 2025 में पूरा होगा। परिसीमन कार्य को इसलिए गंभीरता से करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मतदाता सूची शीघ्र तैयार किया जा सके।

रोटरी क्लब ऑफ क्वींस की नई कार्यकारिणी का गठन

मनाई गई 11 इंस्टॉलेशन सेरेमनी

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर चीन का 11वा इंस्टॉलेशन सेरेमनी का आयोजन शनिवार 13 को एक निजी होटल में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डी.जी. आरटीएन अखिल मिश्रा ,(24-25), डी.जी. अमित जायसवाल (25-26),ए.जी. आरटीएन सोमनाथ अग्रवाल एवं डी.आर.एफ़.सी.आरटीएन रणजीत सिंह सैनी उपस्थित रहे। इंस्टॉलेशन सेरेमनी का शुभारंभ भगवान गणेश की वंदना से प्रारंभ हुआ। वर्ष 2024-2025 के लिए अध्यक्ष के पद के लिए आरटीएन धृति दवे तो वहीं सचिव आरटीएन मनप्रीत कौर वालिया ,कोषाध्यक्ष आरटीएन दीपि रेहल सभी ने अपना पदभार ग्रहण किया। इस दौरान क्लब की नई प्रेसीडेंट आरटीएन धृति दवे ने भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी और अपनी नई बीओडी से परिचय करवाया। कार्यक्रम के दौरान नए सदस्यों को क्लब में शामिल किया गया। इस इंस्टॉलेशन सेरेमनी में बच्चों की इन्टरेक्ट क्लब के अध्यक्ष एवं सचिव का परिचय भी करवाया । क्लब के पूर्व अध्यक्ष आरटीएन मोनिका जग्गी ने विगत वर्ष में किए कार्यो के बारे में जानकारी साझा किया।कार्यक्रम में क्लब के सभी क्लीन सदस्य भी उपस्थित रहे और नई टीम का प्रोत्साहन बढ़ाया।

आईटीबीपी व सामाजिक कार्यकर्ता यश सोनी ने मिलकर आयोजित किया वृक्षारोपण अभियान

डोंगरगढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सामरिक मुख्यालय डोंगरगढ़ कैम्प परिसर में 40 वाहिनी आईटीबीपी ने सामाजिक कार्यकर्ता राजनांदगांव निवासी यश सोनी के साथ मिलकर वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 40 वीं वाहिनी आईटीबीपी के कमांडिंग ऑफिसर तरूण कुमार बंजारी द्वितीय कमान एवं अन्य पदाधिकारी, स्थानीय स्वयंसेवक और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। इस अभियान के तहत 10000 पौधों को लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है जो आईटीबीपी और श्री सोनी की हरित और स्वस्थ भविष्य की ओर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में आईटीबीपी के अधिकारी, जवान, और अन्य स्वयंसेवकों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के पौधे, जिसमें स्थानीय प्रजातियां शामिल हैं, लगाए गए ताकि जैव विविधता को बढ़ावा मिल सके और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ किया जा सके।

स्थानीय निकाय व उपचुनाव दमदारी से लड़ेगी आप पार्टी : विजय झा

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक राज्यसभा सांसद ड संदीप पाठक, प्रदेश प्रभारी सं व झा, हरदीप सिंह मुड़िया एवं बेरी के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के आम आदमी पार्टी का रथ यात्रा के संयुक्त हस्ताक्षर पार्टी प्रदेश संगठन का पुनर्गठन किया गया है। 26 सदस्यीय कोर कमेटी ही तमाम निर्णय लेगी। प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी गोपाल साहू को दी गई है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विजय कुमार झा ने बताया है कि 26 सदस्यों की कोर कमेटी में सभी वर्ग के लोगों का प्रतिनिधित्व है। प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम जायसवाल, सहित देवलाल नरेटी, प्रियंका शुक्ला उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री वदूद आलम, प्रदेश संगठन महामंत्री जसबीर सिंह,संगठन मंत्री तेजेंद्र तोड़ेकर, प्रमुख प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, महिला बिन अध्यक्ष दुर्गा झा, परमानंद जांगड़े प्रदेश अध्यक्ष एससी विंग, विजय कुमार झा,प्रदेश अध्यक्ष कर्मचारी विंग सहित 26 लोगों की पहली सूची जारी की गई है। स्कोर कमेटी का 10 जुलाई को राजधानी स्थित पंचशील नगर प्रदेश कार्यालय में मैराथन बैठक संपन्न हुई । जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने की। जिसमें प्रदेश में होने वाले तमाम चुनाव को दमदारी से लड़ने तथा दिल्ली की भांति जेल का बदला वोट से छत्तीसगढ़ में भी लागू कर प्रदेश की जनता को निशुल्क शिक्षा स्वास्थ्य केजरीवाल की नीतियों को लागू करने का संकल्प दोहराया गया। इस बैठक में वरिष्ठ नेताओं को लोकसभा वार्ड प्रभार प्रदान किया गया रायपुर लोकसभा की जवाबदारी उपाध्यक्ष उत्तम जायसवाल को दी गई है। उनके द्वारा आज रायपुर लोकसभा के नौ विधानसभा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की बैठक नगरीय निकाय चुनाव, रायपुर दक्षिण उप चुनाव तथा महापौर, जिला पंचायत, पार्षद, पंच सरपंच के जमीनी स्तर के चुनाव लड़ने की तैयारी के संबंध में विस्तृत चर्चा की जावेगी।

- आज रायपुर लोकसभा की इस संदर्भ में दोपहर 12 बजे बैठक

किराए के मकान में रह रहे युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कुम्हारी, 13 जुलाई। शांति नगर वार्ड क्रमांक 8 स्थित फिंगेश्वर साहू के मकान में किराये से रह रहे कैलाश सागर पिता गरीबा सागर उम्र 40 ने बीती रात फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लोगों ने बताया कि कैलाश सागर पत्नि व उनके माता पिता के साथ पिछले ढेड़ वर्षों से किराये के मकान में रह रहा था एवं उसी मोहल्ले के एक दुकान में अपना व्यवसाय भी चलाता था लोगों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से काफ़ी परेशान व तनाव में था। हालांकि कुम्हारी पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित होने पर प्रधानमंत्री का आभार : अमित

डोंगरगढ़, 13 जुलाई। लोकतंत्र प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष अमित छाबड़ा ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोसित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया 25 जून को सविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा की भारत के संविधान को किस तरह कुचला गया था भारत के इतिहास में ये कांग्रेस का काला दौर बताता हैं कि किस तरह कांग्रेस की मानसिकता देश मे आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और चौथे स्तम्भ की आवाज को दबा दिया गया था और आपातकाल लगा कर देश को खुली जेल बनाकर निर्दोष को जेल की सालों यातनायें झेली थी देश की युवा पीढ़ी 25 जून को सविधान हत्या दिवस में मना कर कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी चरित्र और आपात काल को से अवगत हो सकेगी देश की युवा पीढी कभी नही भूलेगी की संविधान को इमरजेंसी के दौरान पूरी तरह से नकार दिया गया था ।

कैपिटल जोन का शेष...

फायरिंग पर गरमाई...

ही नहीं पूरा प्रदेश असुरक्षित हो गया है। कोई दिन ऐसा नहीं है जब हत्या हत्या का प्रयास बलात्कार लूट एडकैती नहीं हो रही हो सरकार केवल भ्रमित करने का काम कर रही है और मूल मुद्दों से भाग रही है कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर कल ही कांग्रेस ने विधानसभा घेराव की घोषणा की है आज की यह वारदात व्यापार उद्योग जगत के साथ पूरे नागरिकों के दहला गई है प्रदेश की जनता शहर की जनता अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है प्रदेश के गृहमंत्री को पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए जिस तरह पूरी सरकार प्रदेश को राम भरोंसे छोड़कर चल रही है उससे प्रदेश की जनता में भारी आक्रोश है।

बजट में दवा कारोबारियों की मांग फार्मा पार्कों की स्थापना हो

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। किसी भी देश की तरक्की में फार्मास्युटिकल सेक्टर का बड़ा योगदान है। फार्मास्युटिकल सेक्टर जितना ज्यादा मजबूत होगा देश की आम जनता के साथ ही सरकार को भी उतना ही फायदा होगा। यह सेक्टर में 23 जुलाई को पेश होने वाले केंद्रीय बजट को लेकर उम्मीदों से भरा हुआ है। इस सेक्टर के जानकारों का कहना है कि अभी फार्मा इंडस्ट्री कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस इंडस्ट्री के स्टेक होल्डर्स को नीतिगत उपायों और इंसेंटिव्स से काफी उम्मीदें है। केंद्रीय बजट को लेकर नईदुनिया द्वारा भी एक अभियान शुरू किया गया है और इसी क्रम में आज फार्मास्युटिकल सेक्टर के विशेषज्ञों से इस बारे में पूछा गया कि उन्हें बजट को लेकर क्या उम्मीदें है।

- रिसर्च एंड डेवलपमेंट को बढ़ावा देने टैक्स में राहत जरूरी

मिले प्रोत्साहन तो बनेगी बात

कोई भी फार्मा इंडस्ट्री इनोवेशन और ग्लोबल कंपटीशन के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट पर काफी निर्भर करता है। इस सेक्टर के स्टेकहोल्डर्स को उम्मीद है कि सरकार रिसर्च व डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करेगी और इसके लिए टैक्स में राहत देगी। साथ ही सब्सिडी की भी उम्मीद की जा रही है। इससे स्वदेशी मेडिसिन के बारे में रिसर्च और डेवलपमेंट प्रोत्साहित होगा तथा इंडस्ट्री की कैपेसिटी बढ़ेगी बल्कि भारत इनोवेशन केंद्र के तौर पर भी स्थापित होगा।

बेसिक इंफ्रा को बढ़ावा देने की जरूरत

जानकारों का कहना है कि डेडिकेटेड फार्मा पार्कों की स्थापना से सहयोग को बढ़ावा को मिल सकता है। साथ ही बुनियादी ढांचे में वृद्धि हो सकती है और रेगुलेटरी प्रोसेस को सिस्टमैटिक किया जा सकता है। इंडस्ट्री ऐसे पार्कों के निर्माण को प्रोत्साहित करनेए मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च के लिए फेवरेबल इनवायरमेंट को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहयता दिए जाने की भी उम्मीद है। इसका फायदा भी सभी को होगा।

बिजनेस प्रोसेस सरल होगा

दवा कारोबारियों का कहना है कि नई दवाओं के लिए अप्रूवल दिए जाने की समय सीमा तय होगी। इसके साथ ही कांप्लायंस बर्डन को कम किए जाने की उम्मीद हैए इसके लिए रेगुलेटरी प्रोसेस को सही ढंग से व्यवस्थित किया जा सकता है। दवा सेक्टर को उम्मीद है कि सरकार बिजनेस प्रोसेस को और सरल बनाएगी। इसके साथ ही किफायती हेल्थ केयर सर्विस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। किफायती हेल्थ केयर सर्विस के लिए सरकार को कुछ प्रावधान लाने चाहिए।

इंफ्रासेक्टर डेवलपमेंट जरूरी आनलाइन पर लगे प्रतिबंध

रायपुर डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के अध्यक्ष ठाकुर राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरकार को चाहिए कि दवा कारोबार से ऑनलाइन पर तो पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दे। ऑनलाइन के चलते इन दिनों बाजार में ऐसी दवाइयां भी बिक रही हैए जो प्रतिबंधित रहती है लेकिन ऑनलाइन कंपनियों पर कोई प्रतिबंध न होने के कारण ये दवाएं आसानी बिक जाती है। इसके साथ ही इन कंपनियों के चलते छोटे दवा कारोबारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही दवा सेक्टर को स्थानीय स्तर पर भी बढ़ावा देना है तो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर ध्यान देना होगा। दवा कारोबार में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। इसके साथ ही सरकार को चाहिए कि वह किफायती हेल्थ केयर सुविधाओं पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देए ताकि उपचार की सुविधा आम लोगों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच सके।

छग सरकार और एनएसए ने एसएमई आईपीओ पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का किया आयोजन

रायपुर, 13 जुलाई। छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम एवं वाणिज्य मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम अपने राज्य में एमएसएमई क्षेत्र को विकसित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आज हमने अपने राज्य के एमएसएमई को विकास के अवसरों के लिए पूंजी बाजार का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने और समर्थन देने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ रायपुर में एसएमई आईपीओ पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित की। एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग से हमारे राज्य के एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर वांछित दृश्यता और विश्वसनीयता मिलेगी। हम एमएसएमई को फंड जुटाने की प्रक्रिया और स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के लाभों को समझने में मदद करने के लिए सुविधा प्रदान करेंगे। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में देश के कुल पूंजी बाजार में छत्तीसगढ़ का योगदान बढ़ता रहेगा। हम भविष्य में भी 3-4 सेमिनार आयोजित करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग सचिव अंकित आनंद ने कहा, आज हमने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ मिलकर अपने राज्य के एमएसएमई को प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने तथा उन्हें एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए एक आकर्षक कार्यशाला का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम को फोकस ग्रुप की कंपनियों ने खूब सराहा और कई प्रमोटरों ने पूंजी बाजार के माध्यम से धन जुटाने के अवसर तलाशने में रुचि दिखाई है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा, हम एसएमई क्षेत्र को पूंजी बाजारों के माध्यम से धन तक पहुंच बनाने में सहायता करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

पटवारियों की हड़ताल से काम-काज ठप

आम जनता को झेलनी पड़ रही परेशानी

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पटवारियो के हड़ताल के चलते आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है 32 सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारी पिछले कुछ दिनों से हड़ताल में चल रहे हैं यह धरना उनका अनिश्चितकालीन है जब तक उनके मांगों पर विचार या सहमति नहीं बन जाती तब तक प्रदर्शन जारी रह सकता है।

एक तरफ शासन की ओर से राजस्व मामलों को निपटाने के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं, दूसरी ओर पटवारी संघ अपनी 32 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर चला गया है।इसकी वजह से आम आदमी आय, जाति, निवास, नामांतरण सहित अन्य कार्यों के लिए तो परेशान है।राजस्व पटवारी संघ का दावा है, कि 5,000 पटवारी हड़ताल पर हैं। इसी बीच विभागीय अफसरों के अनुसार पटवारियों से चर्चा की जा रही है कि वे विरोध छोड़कर काम पर वापस लौट जाएं, लेकिन अब तक हड़ताली पटवारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।इसी बीच पटवारी संघ का कहना है कि संघ की मांगों को लेकर विभागीय सचिव से चर्चा की गई है और जिसमें सचिव की ओर से मांगों पर सहमति जताते हुए, इन्हें हल करने की कोशिश करने की बात कही है।

भूपेश बघेल बरसते पानी में पहुंचे बैगा बाहुल्य गांव, उल्टी-दस्त से मौतों पर सरकार को घेरा

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कबीरधाम जिला के बैगा बाहुल्य क्षेत्र सोनवाही गांव में बीते तीन दिनों में उल्टी-दस्त से दो बैगा आदिवासियों की मौत हो गई थी ।मौत की सूचना पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बरसते बारिश में सोनवाही पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य सरकार पर नाकामी का आरोप लगाया। इसे भूपेश बघेल ने वनांचल क्षेत्र के ग्राम झलमला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना और डॉक्टरों से मरीजों के बारे में जानकारी ली। इसके साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दिलाने की बात कही। इस दौरान भूपेश बघेल ने स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि ग्राम सोनवाही में 5 बैगा आदिवासियों की उल्टी-दस्त से मौत को जिला प्रशासन छुपाने की कोशिश कर रहा है। सोनवाही गांव में उल्टी-दस्त से मौत होने के बाद स्वास्थ्य कैम्प लगाया, और कल 94 लोगों की स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। जिसमें 25 ग्रामीण मलेरिया पॉजिटिव पाए गए है. स्वास्थ्य विभाग मरीजों के घर में ही आज मच्छरदानी वितरण किए, जबकि सोनवाही गांव के सभी घरों में मच्छर दानी वितरण करना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की पहली प्राथमिकता जिले के बैगा बाहुल्य क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण होना चाहिए ।स्वास्थ्य विभाग, पीएचई को पानी का सेंपल लेकर जांच किया जाना चाहिए, लेकिन राज्य सरकार की नाकामी के चलते ग्राम सोनवाही में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्रों की मौत हो रही है।

शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू ने आबकारी अधिकारियों से की पूछताछ

एपी त्रिपाठी के करीबी अधिकारियों से भी होगी पूछताछ

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ईओडब्ल्यू ने शराब घोटाला मामले में कार्रवाई तेज कर दी है। प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के स्टेट हेड दिलीप पांडे की गिरफ्तारी के बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने आबकारी विभाग में पदस्थ दो अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया था। इन अफसरों से तीन घंटे तक पूछताछ हुई और पांच पेज का बयान लिखित में लिया गया। इसमें आबकारी अधिकारियों ने सिंडिकेट की मदद करने वाले और सिंडिकेट के हर काम में शामिल कुछ अफसरों के खिलाफसबूत दिए हैं। ईओडब्ल्यू की पूछताछ में पांच पेज का बयान देने वाले अफसर कोर्ट में बयान के दौरान पलट ना जाएं इसलिए ईओडब्ल्यू की टीम जज के सामने कलमबद्ध बयान कराने की तैयारी कर रही है। ईओडब्ल्यू के अधिकारी अब तक शराब घोटाले में आधा दर्जन से ज्यादा लोगों के बयान कलमबद्ध कर चुकी है। इनमें से कई ऐसे लोग हैं जिनके खिलाफइस घोटाले में शामिल होने का आरोप भी है।

दो आबकारी अफसरों का बयान कलमबद्ध कराने के बाद ईओडब्ल्यू के अधिकारी दो और अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाएंगे। ये वह अफसर हैं जो सिंडिकेट के कोर ग्रुप में शामिल एपी त्रिपाठी के बेहद करीबी रहे। इस साल इन अफसरों ने सिंडिकेट की मदद करने के लिए ट्रांसफर लिस्ट अपने हिसाब से निकलवाई थी।

निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति

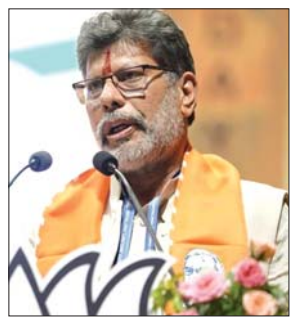

किरण देव बोले– पहले प्रत्यक्ष रूप से होता था इलेक्शन लेकिन कांग्रेस ने इसे बदल दिया

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद भाजपा अब नगरीय निकाय और उसके बाद होने वाले त्रि.स्तरीय पंचायत चुनाव में भी विजय हासिल करने के लिए जुट गई है। भाजपा ने इसके लिए तीन माह की कार्ययोजना बनाई है। राज्य और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को भाजपा लोगों तक लेकर पहुंचेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने एकात्म परिसर में पत्रकारों से बातचीत में तीन माह की कार्ययोजना की जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा की विस्तारित कार्यसमिति की बुधवार को हुई बैठक काफी महत्वपूर्ण रही। बैठक में पूरे प्रदेशभर से पार्टी के 1500 से अधिक पदाधिकारी पहुंचे थे। इसमें निकाय और त्रि.स्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन.जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने गौठान और रोका.छेका योजना का अमल नहीं होने के कारण मवेशियों की हो रही मौत से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि किसी भी योजना की क्रियाविधि की दिशा में एक अलग योजना बनानी होती है। भूपेश सरकार को गौठान योजना में के लिए बजट का प्रविधान कर संकल्प पारित करना चाहिए था। इसमें कांग्रेस सरकार फेल हुई हैए क्योंकि उद्देश्य भ्रष्टाचार करना था जनहित नहीं। निगम.मंडलों और मंत्रिमंडल के पुनर्गठन से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय इस पर विचार विमर्श कर रहे हैं और शीघ्र ही इसका कुछ न कुछ निर्णय होगा। मंत्रिमंडल का विस्तार भी जल्द होगा। हालांकिए यह दोनों विषय मुख्यमंत्री का है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पहले चुनाव प्रत्यक्ष रूप से होता था। महापौर व अध्यक्ष का चुनाव जनता करती थी। कांग्रेस ने इसे बदल दिया। जनता और पार्षदों के चुने जाने का असर अलग.अलग होता है। मुख्यमंत्री साय बैठकर इस पर निर्णय लेंगे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान रायपुर शहर भाजपा जिला अध्यक्ष जयंती पटेलए प्रदेश भाजपा मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम मौजूद रहे।

भाजपा की आगामी कार्ययोजना: 15 से 20 जुलाई तक विस्तारित जिला कार्यसमिति की होगी बैठकें जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को मिलेगा।. 21 से 25 जुलाई तक विस्तारित मंडल कार्यसमिति की होंगी बैठकें। पूरे बरसात भर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हर बूथ में लगाएं जाएंगे 51 पौधे।. 21 जुलाई को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर सभी कार्यकर्ता अपने दों गुरुजनों की पूजा कर देव स्थान अथवा मंदिर में जाएंगे।. 28 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुना जाएगा। इसके प्रत्येक बूथों में मन की बात कार्यक्रम का प्रभारी बनाए जाएंगे।. 4 अगस्त को हरेली पर्व के अवसर पर गेड़ी पर चलने और नारियल फेंक प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम मंडल एवं बूथ स्तर पर किए जाएंगे। 7 अगस्त को हरियाली तीज पर्व के मद्देनजर महिला मोर्चा के तत्वावधान में महिला मोर्चा प्रदेश से मंडल स्तर तक हरियर छत्तीसगढ़ के संदेश के साथ विभिन्न कार्यक्रम रखे जाएंगे। 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस अवसर पर स्वाधीनता आंदोलन में आदिवासी समाज के बलिदान और विभिन्न क्षेत्रों में महती भूमिका निभा रहे आदिवासी प्रतिभाओं से जन.जन को परिचित कराया जाएगा। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर शिक्षकों के सम्मान का कार्यक्रम रखकर शैक्षणिक व सामाजिक क्षेत्र में उनकी महती भूमिका की चर्चा होगी। 16 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम। 17 सितंबर से प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के निमित्त सेवा पखवाड़ा के तहत सेवा कार्य। 29 सितंबर को मन की बात कार्यक्रम का प्रसारणए जिसमें पूर्वानुसार सभी कार्यकर्ता जन उपस्थिति सुनिश्चित कर कार्यक्रम सुनेंगे।

ग्रीन आर्मी के वॉलेंटियर कर रहे वृक्षारोपण

इस वर्ष 51000 हजार पौधों के वृक्षारोपण करने का लक्ष्य

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रीन आर्मी संस्था विगत 7 वर्षो से पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। संस्था बारिश के पूर्व ही वृक्षारोपण हेतु स्थानों चयन कर लेती है, संस्था पौधो के देख रेख हेतु पहले बाउंड्रीवॉल, ट्री गार्ड, पानी का व्यवस्था, गड्ढे, खाद, आदि का व्यवस्था करती है। जिसके पश्चात बकायदा फार्म भरकर जिम्मेदारी सौपी जाती है, तत्पश्चात वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है। इसी कड़ी में संस्था द्वारा इस वर्ष भी रायपुर शहर के साथ छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में वृक्षारोपण कर चुकी है। जिसमे मुख्य रूप से रायपुर शहर के साथ, दिनेश फार्म हाउस परसदा,दिव्यांग पब्लिक स्कूल न्यू राजेंद्र नगर, बोईर तालाब देवपुरी,बाल आश्रम माना,गुरुद्वारा देवपुरी,पार्क रेजीडेंसी तेलीबांधा, प्राथमिक पाठशाला मठपुरैना, फूंडहर, रहेजा ग्रुप, अम्लेश्वर, भाठापारा, आदि में वृक्षारोपण किया जा चुका है। संस्था द्वारा इस वर्ष 51000 हजार पौधो का वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है जिसमे अब तक लगभग 10000 पौधो का वृक्षारोपण किया जा चुका है। इसके अलावा संस्था शासन प्रशासन, एवं सामाजिक संस्थाओं के साथ भी मिलकर वृक्षारोपण कर रही है। संस्था के सदस्य लगातार वृक्षारोपण हेतु लोगों को प्रेरित कर रही है।वर्तमान समय में रायपुर शहर के सभी क्षेत्र में ग्रीन आर्मी के वालेंटियर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का प्रयास कर रही है संस्था सदस्यों का कहना है बारिश के अंत तक हम अपने लक्ष्य अर्थात 51 हजार पौधे को रोपित कर लेंगे। वही संस्था प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे जी प्रदेश के विभिन्न जिलों में नए शाखा खोलने हेतु निरंतर प्रयासरत है, दुबे जी का कहना है पर्यावरण प्रेमी, संस्था से जुड़ने हेतु लगतार संपर्क कर रहे है, जिनसे मिलने के उपरान्त सस्था की नियमों एवं गतिविधियों को बताया जाता है, तत्पश्चात पौधा रोपण का सहमति बनती है, हमारा उद्देश ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण के साथ उन्हें जीवित रखना है,जिसके लिए हमारे विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जाता है।पर्यावरण संरक्षण हेतु हमारे वालेंटियर निरंतर प्रयासरत है।वही संस्था रायपुर अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा रायपुर शहर को हरा भरा करने निरंतर अपने वालेंटियर के साथ जमीनी स्तर कार्य करने रोड पर उतर चुके है।

कुत्ते ने डिलीवरी बॉय पर किया हमला

जैसे-तैसे बचाई जान

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर में पार्सल छोड़ने आए एक युवक पर दो पिटबुल ने हमला कर दिया। एक पिटबुल ने अपने जबड़े को युवक के हाथों में फंसाया और उसे नोंचता रहा। तो वही दूसरा युवक के पैरों को काटते रहा। लहूलुहान युवक ने सड़क पर खड़ी कार के ऊपर चढ़कर अपनी जान बचाई। फिलहाल इस मामले में कॉलोनी वासियों के साथ स्थानीय पार्षद ने निगम कमिश्नर और पुलिस से शिकायत की है। ये पूरा मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अनुपम नगर का है। कालीमाता वार्ड के स्थानीय पार्षद अमितेश भारद्वाज ने बताया कि यहां संध्या राव नाम की महिला रहती है जो पेशे से डॉक्टर है। उन्होंने घर पर 3 डॉग्स पालकर रखे हुए हैं। जिसमें दो पिटबुल ब्रीड और एक अन्य ब्रीड का है। शुक्रवार को इनके घर पर वॉलपेपर छोड़ने ऑटो में डिलीवरी बॉय आया था। उसने दरवाजे के अंदर एंट्री की। तभी खुले घूम रहे 2 पिटबूल डॉग्स ने उस पर भौंकते हुए सीधे अटैक कर दिया। इस दौरान एक पिटबुल ने युवक के हाथों को अपने जबड़े पर दबा लिया। तो दूसरे ने उसके पैर को नोंचना शुरु कर दिया। दोनों कुत्तों के अटैक से डिलीवरी बॉय घबराकर बाहर की तरफ भागा। बावजूद वे युवक को लगातार काटते रहे।

छात्र जिस मुकाम पर हो, गुरुजनों के द्वारा दी गई शिक्षा से ही हो पाता है संभव : टीपी शर्मा

लक्ष्मी नारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला का प्रवेश उत्सव

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शनिवार को लक्ष्मी नारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला रायपुर का शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम गुरुकुल हॉल में किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में छत्तीसगढ़ लोक आयोग के प्रमुख लोकायुक्त टी.पी.शर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भातखंडे ललित कला शिक्षण समिति के अध्यक्ष तरल मोदी जी किया। मुख्य अतिथि टी.पी शर्मा ने नवप्रवेशित छात्राओं को कॉपी पेन पुस्तक एवं मिष्ठान भेट कर स्वागत किया । उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्र किसी भी स्थान पर पहुंचे वह अपने गुरुजनों के द्वारा दी गई शिक्षा के कारण ही संभव हो पाता है ।समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अजय तिवारी ने संछिप्त उद्बोधन से विद्यालय की स्थापना एवं उपलब्धियों पर जानकारी देते हुए नवप्रवेशित छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की । कार्यक्रम के अध्यक्ष तरल मोदी द्वारा छात्राओं को सुभाशीष प्रदान किया गया । इस अवसर पर समिति की सचिव श्रीमती शोभा खंडेलवाल, श्रीमती पूजा दानी आर.के गुप्ता विशेष रुप से उपस्थित थे। गुरुकुल महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती संध्या गुप्ता कमलादेवी संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विद्या नाथ सिंह एवं लक्ष्मी नारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला की प्राचार्य श्रीमती मनीषा गहोई के द्वारा सालएश्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया । कार्यक्रम का संचालन सुश्री एस.एस सिद्दीकी उच्च श्रेणी शिक्षिका लक्ष्मी नारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला रायपुर द्वारा किया गया । धन्यवाद ज्ञापन भातखंडे ललित कला शिक्षा समिति रायपुर की सचिव श्रीमती शोभा खंडेलवाल ने दिया इस अवसर पर विद्यालयए महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ शिक्षकएशिक्षिका एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

राजधानी में युवक ने की आत्महत्या

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी में खौफनाक मंजर सामने आया है। बंद कमरे में नवजवान युवक की लाश ब्लेड और पेचकस मिला है। जब खून कमरे से बाहर आया तब परिजन हैरान हो गए। दरवाजा तोड़कर देखा तो युवक ब्लेड से खुद की गला काट लिया था। युवक की मौके पर मौत हो गई थी। मामले में पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच में जुट गई है। अब तक आत्महत्या की वजह सामने नहीं आया है। पूरा मामला रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र के दलदलसिवानी का है। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि युवक की शादी नहीं हुई है। वह मटन दुकान में काम करता था। युवक बाहर से आकर अचानक शुक्रवार की सुबह खुद को कमरे में बंद कर लिया। युवक को परिजनों ने इस दौरान आवाज भी लगाई लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उनको लगा कि सोया होगा। काफी देर बीतने के बाद युवक बंद कमरे में ही पड़ा हुआ था। मृतक का नाम हेमंत यादव 27 साल बताया जा रहा है। जब परिजनों ने युवक को दोपहर के खाना के लिए आवाज लगाई और कमरे के बाहर आकर देखा तो दरवाजे के नीचे से खून बह रहा था। जिसे देख परिजनों में हैरान हो गए। मौके पर दरवाजा तोड़ा गया। इसके कमरे के अंदर में देख तो युवक की लाश पड़ी थी। ब्लैड से खुद के गले को रेत दिया था जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस पूरे मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। परिजनों को बयान लिया है। साथ ही मामले में कार्रवाई कर रही है। अब तक आत्महत्या की वजह सामने नहीं आया है।

शारदा चौक से तात्यापारा तक रोड चौड़ीकरण के पक्ष में हस्ताक्षर अभियान

हज़ारों लोग हुए जन आंदोलन में शामिल

रायपुर, 13 जुलाई (देशबन्धु)।शनिवार को दोपहर बरसते पानी में जयस्तंभ चौक में महापौर एजाज ढेबर एवं उनकी परिषद, के कार्यकर्ताओ द्वारा शारदा चौक से तात्यापारा तक चौड़ीकरण के पक्ष में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।इस जन आंदोलन में हज़ारो की संख्या में बच्चे, युवा, बुजुर्ग, एवं महिलाओ ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

शारदा चौक से तात्यापारा तक क़रीब 700 मिटर सड़क चौड़ीकरण का मुद्दा पिछ्ले 19 साल से अटका हुआ है।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार द्वारा पीडब्लूडी विभाग को एजेंसी बनाकर रोड चौड़ीकरण के लिए एवं प्रभावित व्यापारियो को मुआवज़ा देने हेतु 137 करोड़ की स्वीकृति दी गई थी। परंतु सरकार बदलने पर 137 करोड़ को भाजपा सरकार द्वारा रोक दिया गया है।

महापौर एजाज ढेबर द्वार इस जनहित के मुद्दे को जिससे क़रीब हर रोज़ 70 हज़ार लोग प्रभावित होते है ।जहां ट्रैफ़िक जाम होने के वजह से रायपुर शहर की जनता को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से निजात हेतु महापौर द्वारा चरण चरणबद्ध आंदोलन लगातार किया जा रहा है।

अब तक महापौर एवं उनकी परिषद द्वारा - माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , उप मुख्यमंत्री पीडब्लूडी एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव जी, चीफ़ सेक्रेटरी, सेक्रेटरी, रायपुर कलेक्टर को ज्ञापन देकर उनके संज्ञान में लाया जा चुका है। इसके अलावा रायपुर नगर निगम से तात्यपारा तक हजारों लोगों के साथ पदयात्रा के माध्यम से सरकार को इस मुद्दे में निजात हेतु सोई हुई सरकार को जगाने की कोशिश भी की जा चुकी है।आज इसी चरण में शारदा चौक से तात्यापारा तक रोड चौड़ीकरण के पक्ष में हस्ताक्षर अभियान महापौर एवं उनकी परिषद द्वारा चलाया गया।जिसमे हज़ारो लोग इस जनआंदोलन में शामिल होकर हस्ताक्षर कर अपना सहयोग प्रदान किए।

आने वाले दिनो में महापौर एवं उनकी परिषद द्वारा राज्यापल से मुलाकात कर आवेदन दिया जाएगा, तत्पश्चात् समस्या का हल ना होने पर, चक्का जाम किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, पार्षद-सुन्दर जोगी, जितेन्द्र अग्रवाल, राधे श्याम विभार,देवेंद्र यादव,मनीराम साहू, राजा बंजारे, हेमंत पटेल एवं अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रादेशिकी

दुर्ग-भिलाई-बालोद-कवर्धा-बेमेतरा-राजनांदगांव

उल्टा पुल्टा

चिंटू- दुनिया में दो तरह के नेटवर्क ही सबसे तेज हैं।
पिंटू - कौन-कौन से?
चिंटू- एक ईमेल और दूसरा फीमेल, एक मिनट में इधर की बात उधर पहुंचा देती हैं।

नेशनल लोक अदालत में बड़ी संख्या में मिला लोगों को न्याय

- बूढ़ी बीमार मां को गुजारा राशि से लेकर दांम्पत्य जीवन हुए खुशहाल, दिव्यांग महिला को मिली क्षतिपूर्ति राशि
- 11 हजार प्रकरण निराकृत, 31 करोड़ 54 लाख का अवार्ड

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग जिला न्यायालय में आयोजित द्वितीय नेशनल लोक अदालत में आज कल 11 हजार 974 प्रकरण निराकृत हुए। इसमें कल 31 करोड़ 54 लाख 44 हजार 693 रूपये की राशि प्राप्त हुई। नेशनल लोक अदालत आज राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दिल्ली के निर्देश पर जिला राज्य विधिक प्राधिकरण द्वारा लगाया गया। इसके तहत जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुंब न्यायालय दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई 3, व्यवहार न्यायालय पाटन, व्यवहार न्यायालय धमधा, किशोर न्याय बोर्ड, श्रम न्यायालय स्थाई लोक अदालत (जनउपयोगी सेवाएं) राजस्व न्यायालय एवं उपभोक्ता फोरम से जुड़े मामलों को नेशनल लोक अदालत में शामिल किया गया।

सरस्वती पूजा से शुभारंभ : उक्त लोक अदालत का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्जवलन कर प्रधान न्यायाधीश गिरिजा देवी मेरावी, कुटुंब न्यायालय तथा जिला अधिवक्ता संघ की अध्यक्ष नीता जैन एवं अन्य पदाधिकारी, न्यायाधीश अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैकों के प्रबंधक उपस्थित थे। आज की नेशनल लोक अदालत में 37 खंडपीठ गठित किये गये थे। इसमें परिवार न्यायालय द्वारा 4 खंडपीठ, जिला न्यायालय हेतु 28 खंडपीठ तहसील न्यायालय भिलाई, पाटन, धमधा, किशोर न्याय बोर्ड स्थाई लोक अदालत इन सभी अदालतों के लिये एक-एक खंडपीठ गठित किये गये।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर व आम लंगर : इस अवसर पर नि:शुल्क आम लंगर में हजारों की संख्या में लोगों ने भोजन किया। बाद में यही स्वास्थ्य शिविर लगाकर बड़ी संख्या में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. शुभद्रा तिवारी, ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

भटगांव में जल मड़ई मुहिम के अंतर्गत 6 एकड़ में 3 हजार वृक्षों का रोपण

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग जिले में चलाई जा रही जल मड़ई मुहिम के तहत दुर्ग ब्लाक की ग्राम पंचायत भटगांव में 6 एकड़ एरिया में 3 हजार वृक्षों का रोपण किया गया। इस मुहिम के तहत जिला पंचायस सीईओ अश्वनी देवांगन के मार्गदर्शन में आम आंवला, जामुन, अमरूद, मुनगा, करंज एवं अन्य फलदार व छायादार वृक्ष लगाये गये। इस संबंध में जिला पंचायत के सीईओ श्री देवांगन ने बताया कि इससे गांव में जलसंकट का निवारण होगा। जल मड़ई का उद्देश्य जल संचय करना एवं लोगों को गांव में हरियाली के लिये जागरूक करना है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा भुवनेश्वर यादव ने भी संबोधित किया। उन्होंने वृक्षों की सुरक्षा के साथ ही वनों की अंधाधुंध कटाई को रोकने पर जोर दिया। शहर मेन नीरज वानखेड़े जल प्रहरी श्रद्धा सबुरी समाज ने बताया कि इस अवसर पर ग्रामीणों को रंगोली पेंटिंग मॉडल इत्यादि के माध्यम से ग्रामीणों को जलसंरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक सीईओ रूपेश पाण्डेय, कार्यक्रम अधिकारी गौरव मिश्रा, वरिष्ठ करारोपण अधिकारी जे.पी. ध्रुव, सरपंच ललित देशमुख. स्व सहायता समूह की दीदियां एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

26 जुलाई से मुंगेली में जूनियर स्टेट चैंपियनशीप

अंतराष्ट्रीय रेटिंग स्पर्धा को मिली मान्यता

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन व छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विशेष सहयोग से मुंगेली में मुंगेली जिला शतरंज संघ द्वारा जूनियर चेस चैंपियनशिप का आयोजन 26 जुलाई से 29 जुलाई तक किया जा रहा है। इस स्पर्धा में 19 वर्ष से नीचे के बालक. बालिका भाग ले सकते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के राज्य सचिव हेमन्त खुटे व कार्यक्रम संयोजक ईश्वर सिंह राजपूत दुर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि इस स्पर्धा के आधार पर प्रदेश टीम बनेगी जिसमें दोनों वर्गों से 4-4 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए किया जायेगा। इस स्पर्धा को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली हुई है जिससे शतरंज के उदीयमान खिलाड़ी अपने बेहतर खेल का प्रदर्शन कर अंतर्राष्ट्रीय वरीयता प्राप्त कर सकते है वहीं पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपनी रेटिंग में इजाफा कर सकते हैं। इस स्पर्धा के बालक वर्ग में विजेता को 7 हजार रुपए व ट्रॉफी तथा उप विजेता को 5 हजार रुपए व ट्रॉफी प्रदान किए जायेंगे।

स्पर्धा स्विस लीग पद्धति से 9 चक्रों में खेली जाएगी। प्रतिभागियों को पूरे चक्र खेलना होगा। सर्वाधिक अंकों के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया जावेगा। स्पर्धा में छत्तीसगढ़ में निवासरत कोई भी इच्छुक खिलाड़ी भाग ले सकते है। सभी खिलाड़ियों का वर्तमान में राज्य संघ व ऑल इंडिया चेस फेडरेशन से जीवित पंजीयन आवश्यक है।

विधायक गजेन्द्र ने किया बाल प्रतिभा नायरा का स्वर्ण पदक से सम्मान

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रोचक ढंग से विभिन्न मंचों पर कहानी वाचन करने वाली पांचवी कक्षा की बालिका नायरा का आज विधायक निवास में दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मान किया। यह छात्रा नायरा ने अपनी कहानियां स्टेज शो के माध्यम से ख्याति प्राप्त करते हुए मात्र 5 वर्ष 11 माह की उम्र में इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में भारत की छोटी प्रतिभाशाली लड़की के रूप में अपना नाम दर्ज करा चुकी है।

वे राष्ट्रीय किताब मेला रायपुर, राजिम मेला, नगर निगम दुर्ग के फल फूल मेला महाशिवरात्रि मेला दुर्ग, धमतरी में सुना चुकी है। इस उपलब्धि का श्रेय ने अपनी मां प्रतिभा भेले को देती है जो बचपन से ही उन्हें कहानी सुनाया करती थी। यह शौक उन्हें गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड तक ले गया। मा के प्रतिभा भेले केन्द्रीय विद्यालय में कम्प्यूटर साइंस में सीनियर लेक्चरार है। पिता हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्व विद्यालय नया रायपुर में पदस्थ है।

नायरा को इससे पूर्व मैजिक बुक ऑफ रिकार्ड, बाल प्रतिभा सम्मान डॉ. आम्बेडकर सम्मान, मदर टेरेसा सम्मान मिल चुका है। स्टोरी टेलिंग के अलावा नायरा सरकारी विजायव, शार्ट फिल्म, छत्तीसगढ़ी वीडियो एवं विदेशी फिल्म में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में कार्य कर चुका है। उनकी छत्तीसगढ़ी फिल्म लगन 2 अगस्त को रिलीज होगी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता विनायक नातू, पार्षद विजेन्द्र भारद्वाज, अलका बाघमार, लीलाधर पाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

वर्षों से टेक्स जमा न करने वालों की निगम सूची जारी करेगा

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर निगम द्वारा अतिशीघ्र जारी की जायेगी शहर के उन पुराने बकायादारों की सूची जिन्होंने वर्षों से अपने संपत्तिकर जलकर यूजर चार्ज जमा नहीं किये है। ये रसूखदार यदि सूची सार्वजनिक हो जाने के बावजूद अपने टेक्स नगर निगम में जमा नहीं करेगें तो नगर निगम प्रशासन द्वारा इनके विरूद्ध कुर्की का आदेश जारी कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आज शनिवार अवकाश के दिन में नगर निगम राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोईर आज स्टाफ के साथ बैठकर बड़े व पुराने रसूखदार बकायादारों की सूची तैयार की जा रही है जिन्होंने विगत दो तीन वर्षों से टेक्स नहीं पटाया है। सूची बनाने में राजस्व विभाग के निशांत यादव, योगेश सूरे, संजय मिश्रा, सहित अन्य कर्मचारी लगे हुए है।

- नाम सार्वजनिक करने के बाद की जायेगी कुर्की की कार्रवाई

आपसी रंजिश के चलते महिला पर उस्तरे से जख्मी कर आरोपी ने कीटनाशक पी लिया

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। आपसी रंजिश के चलते आज आबादी पारा अंजोरा में 40 वर्षीय अधेड़ दिनेश वर्मा ने अपनी पड़ोसन महिला मोहिनी पर उस्तरा वाले ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद स्वयं भी कीटनाशक दवा पी लिया। दोनों को ही शासकीय जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। अंजोरा पुलिस ने आरोपी दिनेश के विरूद्ध हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार दिनेश और मोहिनी देशमुख कुछ समय पूर्व वेटनरी कालेज अंजोरा में नौकरी करते थे। यहां पर महिला ने दिनेश के विरूद्ध पुलिस में मारपीट व

दोनों अस्पताल में भर्ती

छेड़छाड़ को लेकर एफआईआर दर्ज करा दी थी। इससे दिनेश को नौकरी से निकाल दिया गया था। आज दिनेश अपनी पड़ोसन के घर पहुंचा और उस पर केस वापस लेने दबाव डालने लगा। इस पर महिला ने उसे, पति व परिवार से बात करने को कहा। इस पर नाराज होकर दिनेश ने महिला पर उस्तरा से हमला कर दिया। इससे महिला के चेहरे, हाथ में चोट पहुंची। इसी बीच महिला पति भी वहां पहुंच गया। पति को देखते ही दिनेश ने अपनी जेब से निकालकर कीटनाशक पावडर का सेवन कर लिया।

यह सूचना पाते ही अंजोरा पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल भेजने की कोशिश करने लगी तभी दिनेश को उल्टी होने लगी, इस पर पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में पहुंचाया।

नम्रता देवांगन को पीएचडी

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा.पाटणकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृहविज्ञान संकाय की नम्रता देवांगन को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि दी गई है।

नम्रता देवांगन ने शासकीय कन्या महाविद्यालय की गृह विज्ञान की प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश के निर्देश में अपना शोध प्रबंध किया है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. डी.सी. अग्रवाल, विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल, डॉ. मीनाश्री अग्रवाल ने डॉ. नम्रता को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा आज

दुर्ग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2024 का आयोजन 14 जुलाई को जिले के 6 परीक्षा केंद्रों में किया जा रहा है। अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड के साथ पहचान पत्र लाना अनिवार्य है। निर्धारित समय के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश नही दिया जाएगा।

- जिले के 6 केंद्रों में होगा परीक्षा का आयोजन

न्यायालय के आदेश के बाद भी थाना एवं हल्का पटवारी बना मूकदशक

साजा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। साजा तहसील न्यायालय के अंतर्गत ग्राम मुसवाडीह निवासी निर्मला मानिकपुरी पति सोन दास मानिकपुरी द्वारा माह फरवरी 2024 को आवेदन लगाया गया की ग्राम मुसवाडीह निवासी संतोष साहू पिता रेवा राम साहू के द्वारा निस्तारी के गली एवं पेयजल निर्वाणा - थ बोरिंग पहुंच मार्ग को अवरुद्ध का गृह निर्माण कर गली को अवरूध कर दिया है आवेदिका के द्वारा इस न्यायालय में उक्त निर्माण कार्य पर रोक लगाए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

उक्त संबंध में न्यायालय तहसीलदार साजा के द्वारा स्थगन आदेश भी जारी किया गया है एवं थाना प्रभारी साजा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है, राजस्व निरीक्षक साजा एवं हल्का पटवारी को भी जांच कर प्रतिवेदन के ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

अमलीडीह में हुए अंधे हत्याकांड का खुलासा, प्रेमी ही निकला हत्यारा

बालोद पुलिस को मिली बड़ी सफलता : मृतिका को जलाकर टुकड़े कर एक बोरी जंगल और दूसरी नहर किनारे फेक दिया

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बालोद पुलिस की विशेष टीम ने महिला की हत्या की गुत्थी सुलझा ली। हत्या के आरोपी दीपक साहू के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल, रस्सी, बोरी एवं हसिया को गवाहो के समक्ष जप्त कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है की दिनांक 13.04.2024 को सूचना मिली कि थाना बालोद क्षेत्र के ग्राम अमलीडीह के नहर किनारे एक जली कटी लाश है जिसका सिर ,हाथ पैर एक बोरी में मिला द्य दूसरे दिन ग्राम अमलीडीह के जंगल में एक बोरी में जली कटी लाश का धड़ मिला, उस लाश का चेहरा जल गया था जिससे उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी । थाना बालोद में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया। मामला हत्या का होने से थाना बालोद में अपराध क्रमांक 223/2024 धारा302,201 भादवी कायम कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों का निर्देश- घटना कि सूचना वरिष्ठ अधिकारी पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग, रेंज दुर्ग श्री रामगोपाल गर्ग को देकर उनके निर्देशन में पुलिस अधीक्षक बालोद श्री एस आर भगत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अशोक जोशी , एसडीओपी श्री देवांश सिंह राठौर व फारेंसिक टीम के द्वारा घटना स्थल जाकर घटना का बारीकी से निरीक्षण किया गया एवं थाना प्रभारी बालोद ,साइबर सेल प्रभारी को अज्ञात महिला के शव की पहचान एवं अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु एसडीओपी बालोद के नेतृत्व में विशेष टीम बनाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। टीम द्वारा किया गया प्रयास- घटना स्थल पर मिले लाश महिला का होने से टीम द्वारा गांव में कैंप कर आस पास एवं सरहदी जिलों दुर्ग, धमतरी, कांकेर, राजनांदगांव, मानपुर मोहला के पुलिस से संपर्क कर वहां के महिला गुम इंसान की जानकारी प्राप्त कर उसे तस्दीक किया गया। पीएम रिपोर्ट में मृतिका का नसबंदी होना पाया गया था जिसके आधार पर गठित टीम द्वारा बालोद जिला के सभी थाना क्षेत्रों में मितानीन के माध्यम व ग्राम कोटवार का मिटिंग लेकर मृतिका के पहचान के लिए प्रयाय किया गया। इसके अलावा बालोद शहर से अमलीडीह की ओर आने जाने वाले रास्तों के सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर उसका बारीकी से एनालिसिस किया गया। घटना स्थल का तकनीकी डाटा लेकर उसका एनालिसिस किया गया। टीम द्वारा लगातार आसपास के गांव जाकर एवं कोटवार की मीटिंग लेकर गुम महिला की जानकारी प्राप्त किया गया। मुखबिर से सूचना मिली की डौण्डीलोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बकलीटोला में एक महिला कई दिनों से लापता है और वह अपने मायके ग्राम बाघमार में भी नही है कि सूचना पर तत्काल थाना बालोद से प्रभारी रवि पांडेय अपनी थाना टीम व साइबर सेल टीम को लेकर थाना लोहारा के ग्राम बकलीटोला जाकर लापता महिला के संबध में पतातलाश कर रही थी कि गांव में स्वरूप धुर्वे की पत्नी गांव में नही है। जिस पर स्वरूप धुर्वे से मिलकर उससे उसकी पत्नी के बारे में पूछने पर बताया कि उसकी पत्नी प्रमिला धुर्वे कुछ दिनो से घर पर नही है, कहां गई है इसकी जानकारी हमारे परिवार में किसी को नही है। वापस आ जायेगी सोच कर हम लोग थाना में रिपोर्ट दर्ज नही कराये है। और वह बताया कि वह दिनांक 10.04.2024 काम करने के लिए केशकाल गया था। उस दिन उसकी पत्नी प्रमिला धुर्वे अपने मायके ग्राम बाघमार में थी उसके बाद दूसरे दिन से उसका मोबाइल फोन नही लग रहा है और आज तक वह घर नही आई है। टीम द्वारा बाघमार जाकर गुम महिला की मां से पूछताछ किया गया। गुम महिला के मोबाईल का तकनीकी ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

एक दिवसीय व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर

कुम्हारी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में शनिवार को गायत्री प्रज्ञापीठ कुम्हारी में एक दिवसीय व्यक्तित्व निर्माण युवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. टोप लाल वर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रांतीय संघचालक थे सर्वप्रथम मां गायत्री के तैल चित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। जिसमे युवाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में कैरियर निर्माण, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व निर्माण के सूत्र, बुद्धि बढ़ाने की वैज्ञानिक विधि, वीडियो फिल्म, व्यसन मुक्ति, तनाव प्रबंधन, इत्यादि विषयों पर मुख्य अतिथि टोप लाल वर्मा ने वर्तमान नई शिक्षा नीति विषय पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित किया। वार्ड क्रमांक 09 के पार्षद सह छ ग प्रांतीय भाजपा किसान मोर्चा मीडिया प्रभारी, निश्चय बाजपेयी ने भी लोगों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में 18 से 26 वर्ष आयु के युवा सम्मिलित हुए साथ ही युवाओं से संबंधित साहित्य का वितरण भी किया गया। युवाओं को निरंतर सही दिशा की ओर प्रेरित करने हेतु एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया, जिससे युवा मंडल का निर्माण कर रचनात्मक कार्य किया जा सकें। ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

रोड किनारे लगे ठेले खोमचे हटाने की कार्यवाही

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शनिवार को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, अति पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन मुकेश ठाकुर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार खेस, सउनि येनलाल चन्द्राकर, कुंजलाल साहू, कमल किशोर श्रीवास्तव, थानेश्वर प्रसाद बांधव, शरद मसीह एवं यातायात एवं एनएचआई टीम द्वारा शहर के मनोकामना से ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

निकाय क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, 5 माजदा पुलिस के हवाले

डोंगरगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पंचायत क्षेत्र के सरहद में बगदई पूल के नीचे हिस्से में पखवाड़ेभर से जारी अवैध रेत उत्तखनन व परिवहन पर आखिरकार निकाय ने कार्रवाई की है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने शनिवार सुबह अकस्मात ही नदी में छापामार शैली में रेत उत्तखनन में लगे 5 माजदा को सीएमओ के माध्यम से थाने के हवाले कर दिया। इस कार्रवाई के बाद नगर की राजनैतिक व प्रशासनिक गलियारे में हड़कंप मच गया है।

अनुभाग कार्यालय से महज एक किमी दूर में बगदई पुल के नीचे संचालित रेत खदान को लेकर नगर में काफी दिनों से नकारात्मक चर्चा बनी हुई थी। मुख्यालय नगर में उत्तखनन

होने से काफी दिनों से राजनैतिक व प्रशासनिक तानेबाने भी बुने जा रहे थे। आखिरकार नगर पंचायत अध्यक्ष हीरा निषाद द्वारा प्रशासन से इतर स्वयं जहमत उठाते हुए निकाय अमले के साथ खनन स्थल पर पहुंचकर 5 वाहनों को पुलिस के हवाले करके तमाम कवायदों को खत्म कर दिया। इस कार्रवाई के बाद नगर में राजनैतिक एवं प्रशासनिक हल्के में भी

हड़कंप मच गया है। फिलहक वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है।

विशेष अभियान को लेकर प्रश्नचिन्ह- अवैध उत्खनन से जुड़े कुछ नुमाइंदे इस खनन को नगर में पौधारोपण अभियान से जोड़कर बताते हुए प्रशासनिक संरक्षण का हवाला देने लगे थे। तो उधर नगर के सुधिजन वर्ग रेत उत्तखनन की वजह से एक महती अभियान की विश्वनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाते आ रहे थे। बहरहाल इस कार्रवाई से प्रशासन को भी राहत मिलने की खबर है।

भाजपाई दे रहे संरक्षण : नपंअध्यक्ष निकाय द्वारा कार्रवाई उपरांत मीडिया से चर्चा में अध्यक्ष हीरा भाई निषाद ने कहा कि नगर क्षेत्र में अवैध रेत व मुरुम उत्तखनन को भाजपाई संरक्षण दे रहे हैं। प्रति ट्रिप 5 सौ भाजपाई को देने संबंधी पुख्ता फुटेज है। अध्यक्ष की माने तो कुछ युवा नुमाइंदे अवैध शराब में संलिप्त होकर मुंह में राम, बगल में छुरी कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं।

जलजनित बीमारियों की रोकथाम के दिए सख्त निर्देश

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने आज नगर निगम है कि जोन कमिश्नर और निगम स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारियों व अन्य अधिकारियों की बैठक ली। सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जोन-4 खुर्सीपार के विकास कार्य को जल्द पूरा किया जाए, जो का प्रस्तावित है और अब तक शुरू नहीं हो पाए है उसे भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीवरेज लाइन के नवीनीकरण कार्य जल्द शुरू करने निर्देश दिए। मूलभूत कार्य का विशेष ध्यान देने कहा। उन्होनें कहा की निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। गड़बड़ी बिलकुल भी बर्दास्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा खुर्सीपार में पेयजल की पूर्ति के लिए अतिरिक्त पानी टंकी निर्माण कार्य जेएलडी शुरू करने निर्देश दिए है। लोगो की समस्याओं को ध्यान रख कर पानी की समस्या को दूर करने के लिए विधायक श्री यादव ने ही पहल की है, बारिश के सीजन में निचली बस्तियों में बारिश का पानी नहीं भरना चाहिए। किसी के घर में भी बारिश का पानी ना भरे। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। शहर के प्रमुख नल और नालियों की सफाई भी नियमित रूप से किया जाए। वार्ड की गली मोहल्ले की नालियों को भी नियमित रूप से साफ करें ताकि बारिश के पानी की निकासी बेहतर तरीके से हो सके और लोगों को परेशानी ना हो बैठक में आगे विधायक देवेंद्र यादव ने स्वास्थ्य विभाग व जोन के आयुक्त को निर्देश देते हुए कहा कि बारिश के सीजन में जल.जनित बीमारियों का खतरा बना रहता हैण् इसलिए विशेष रूप से अभियान चला कर शहर की साफ सफाई का ध्यान रखें। लोगों को साफ और शुद्ध पानी मिलना चाहिए, गली में वार्ड में कहीं भी बारिश का पानी जमा ना हो निकासी की व्यवस्था बनाए, इस मौसम में मलेरिया, डेंगू हैजा पीलिया जैसी बीमारी कभी खतरा बना रहता है। इसलिए शहर की साफसफाई कभी विशेष ध्यान रखा जाए इसके अलावा विधायक देवेंद्र यादव ने सभी इंजीनियरों को विभिन्न विकास कार्य और मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें काम करने के निर्देश दिए हैं।

बोरिया सब्जी मार्केट को रोड से हटाने का पत्र नगर सेवा विभाग को । जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी के अध्यक्षता में जोन-5 में जोन समिति की बैठक में प्रमुख रूप से बोरिया सब्जी मार्केट सेक्टर 4 भिलाई के पुराने बाजारों में से एक है। बरसों से बाजार लगते लगते इतना बड़ा होते चला गया कि अब मैदान के अलावा प्रमुख रोड में भी सब्जी बेची जा रही है। हजारों लोग सब्जी खरीदने दूर-दूर से आते हैं। जिसके कारण आवागमन बाधित हो रहा है। दुर्घटना होने का संभावना बनी रहती है। इस परेशानी को देखते हुए जोन समिति के सदस्यों ने भिलाई नगर सेवा विभाग को पत्र लिखने लिखने की अनुशंसा की गई। बोरिया सब्जी मार्केट सड़क से हटवा कर मैदानी क्षेत्रों में व्यवस्थित किया जाए। इसके लिए सभी पार्षद सहमत थे। साथ में चौक चौराहों पर अवस्थित ढंग से व्यापार करने वाले फल ठेले, चाट गुपचुप, को भी व्यवस्थित करने एवं सड़क पर घूम रहे आवारा पशुओं को भी पकड़ने के लिए शीघ्र कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। मीटिंग में जोन-5 के अध्यक्ष राजेश चौधरी, एमआईसी सदस्य एकांश बंछोर, पार्षद, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता के के गुप्ता, वी सैमुअल, दीपक देवांगन, श्रीमती प्रभा लाकड़ा उपस्थित थे।

प्रदेश के प्रथम सीए जैन का हुआ सम्मान

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सीए भिलाई ब्रांच में सीए दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। 50 वर्ष पूर्ण करने पर वरिष्ठ सीए जेएल जैन का सम्मान ब्रांच के द्वारा किया गया। साथ ही सीए के रूप में 25 वर्ष पूर्ण करने वाले 13 सदस्यों का सम्मान भी ब्रांच द्वारा किया गया। ब्रांच चेयरमेन सीए राहुल बत्रा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सीए दिवस के अवसर पर ब्रांच द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सीए जेएल जैन सीए ब्रांच के प्रथम चेयरमेन भी रहे हैं। सीए जेएल जैन भिलाई ही अपितु छत्तीसगढ़ के पहले सीए हैं जो विगत 50 वर्षों से सीए के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ ही हमने सीए के रूप में 25 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके इस अवसर पर अंकेश सिन्हा, प्रदीप पाल, पायल जैन, राकेश ढोढी उपस्थित थे।

जल संरक्षण हेतु कुरूद में पौधारोपण

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पर्यावरण एवं स्वास्थ्य संरक्षण हेतु समीपस्थ ग्राम कुरुद के आंगन बाई क्रमांक-2 में जल संवर्धन और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसके तहत शिशुओं एवं परिजनों को जल की सही उपयोगिता के प्रति सजग कराने के साथ ही इस हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती प्रीति चौबे द्वारा शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य विभाग के पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता संतोष कुमार साहू, एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता श्रीमती विनीता साहू सहित अनेक लोगों ने केला, आम एवं पपीता के पौधे लगाये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती प्रभा अग्रवाल, जन विकास संगठन अभियान के संरक्षक एम. चन्द्रशेखर रेड्डी के अलावा स्थानीय नागरिक ने अपनी जनभागीदारी निभाये।

जल संकट मुक्ति हेतु पौधारोपण

आंगनबाड़ी क्रमांक-1 में स्वास्थ्य, जल संरक्षण अभियान के तहत सुरक्षित जीवन और जल संकट मुक्ति के लिए प्रदुषित पर्यावरण संरक्षण की अनिवार्यता के प्रति ध्यानाकर्षित कराते हुए शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र कुरुद की श्रीमती आशा रामटेके ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रामकुमारी देवांगन ने संयुक्त रूप से जल के दुरुपयोग से बचने सचेत किये और उपस्थितजनों को जल संकट से मुक्ति पाने जल संचय संकल्प दिलाये। तत्पश्चात् उपरोक्त परिसर में माँ और बेटी के नाम एक-एक छायादार और फलदार पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती आशा वैष्णव, अध्ययनरत शिशु एवं उनके परिजन शामिल हुए।

करोड़ो रुपए खर्च करने के बाद भी बंद हो मदर्स मार्केट

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भिलाई निगम प्रशासन द्वारा 1992 में बनाये गये भवन को मदर्स मार्केट के नाम पर करोड़ो रुपये खर्च करने के बाद लगभग साल भर के भीतर सी मार्ट और मदर्स मार्केट में ताला लग गया है। स्व.सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार व दुकान दिलाने के नाम पर निगम प्रशासन की ओर से करोड़ों रुपए के लगाई गई गई थी। 15 जुलाई की आयोजित भिलाई नगर निगम सामान्य सभा की बैठक में प्रस्ताव को रखने की मांग सामाजिक कार्यकर्ता एवं कल्याण सेवा जनजागृति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील ने भिलाई निगम आयुक्त, निगम सचिव, निगम सभापति, नेता प्रतिपक्ष को आवेदन सौंपकर किया गया है । निगम के वर्तमान वार्ड 38 सोनिया गांधी नगर पावर हाउस बस स्टैंड के विपरीत दिशा में साल 1992 में विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा प्रगति बाजार कॉम्प्लेक्स भाजपा शासन काल में बनवाया गया था । उस समय में उन दुकानों को उच्च दाम पर नीलामी की गई । नीलामी के समय उपस्थित लोगों ने उच्च दाम देकर दुकान खरीदने का काम किया। शॉप नंबर 12 एवं 13 को पंजाब ऑटोमोबाइल्स एवं सर्विस सेंटर के संचालक अवतार सिंह की ओर से पूरे नियम कानून के तहत इसी पते पर गुमास्ता एवं ट्रेड लाइसेंस बनाकर संचालित किया जाता रहा है। आज भी दुकान के भीतर पंजाब ऑटोमोबाइल्स का लाखों रुपए का सामाने रखे हुए है। इन सामानों को निकाले बिना और दुकान को खोले बिना 27 अगस्त 2022 को 35 हजार महिलाओं को रोजगार देने के लिए शासन के करोड़ों रुपए खर्च करके मदर्स मार्केट, सी मार्ट, चौपाटी का उद्घाटन करके करोड़ो रुपए की क्षति पहुंचाई गई है।

सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए कार्यशाला

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों के लिए दो दिवसीय सेवानिवृत्ति के लिए योजना कार्यक्रम का आयोजन भिलाई प्रबंधन विकास केंद्र में किया गया। कार्यपालक निदेशक वित्त एवं लेखा डा. अशोक कुमार पंडा तथा मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती निशा सोनी ने इस उद्घाटन किया। इस दौरान अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत भाग लेने वाले अधिकारी सेवानिवृत्ति उपरान्त उनके सेवानिवृत्त जीवन के कई पहलुओं पर आयोजित विभिन्न सत्रों से लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों हेतु वित्तीय नियोजन के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों से सेवानिवृत्त जीवन के अन्य पहलुओं को भी समान रूप से संजोने का आह्वान किया। श्रीमती निशा सोनी ने प्रतिभागियों से सत्रों के दौरान दी गई जानकारी से लाभ उठाने का आग्रह किया तथा सेवानिवृत्त जीवन में अपने शौक और अन्य इच्छाओं को भी पूर्ण करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में डॉ. जौहरी लाल तथा पूर्व मुख्य कार्यकारी निदेशक सुशांत वत्स उपस्थित थे। कार्यक्रम में भावी जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण पर चर्चा की गई, जिसमें जीवन में परिवर्तन एवं तनाव से निपटने, संबंधों एवं दृष्टिकोण को बेहतर बनाने तथा शालीनता एवं आनंद के साथ वृद्धावस्था में जीवन निर्वाह करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त जीवन के लिए वित्तीय नियोजन एवं निवेश पर भी विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में महाप्रबंधक डी संजीव कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत्ति के लिए योजना के उद्देश्य एवं महत्व पर संक्षेप में अपनी बात रखते हुए बताया कि किस प्रकार पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों द्वारा प्रतिभागियों के बीच सकारात्मक फीडबैक प्राप्त हुएं हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बीएमडीसी के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

मच्छरों की रोकथाम के लिए निगम का आज महाअभियान

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। महीने में मच्छरों के प्रजनन की संख्या बढ़ जाती है। इसको रोकने के लिए नगर निगम भिलाई द्वारा महा अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक रविवार को दिन में 10 बजे से 11 बजे तक सभी लोग सफाई करेंगे। निगम भिलाई क्षेत्र के विधायक, महापौर, पार्षद, जनप्रतिनिधि, व्यापारी खिलाड़ी सभी अधिकारी कर्मचारी छात्र सभी नागरिक अपने घर की सफाई करेंगे। अपने घरों के कुलर, गमला, पानी का नाद, डब्बा, फ्रिज के नीचे ट्रे। पानी जहां भरता है, आदि जगह का सफाई करके ड्राई डे मनाएंगे। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी अनुरोध किया है कि सफाई का काम करते हुए फोटो सेल्फी ले निगम के फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम में पोस्ट करें। अपने शहर को डेंगू मलेरिया से बचाना है नंबर वन बनाना है। डेंगू के मच्छर साफ पानी में पैदा होते हैं। डेंगू से बचने के लिए अपनाऐ इन आसान उपायों को, मच्छरदानी का उपयोग करें, पानी के बर्तनों को भरने से पहले उन्हें साफकरें, पानी की सभी टंकियां एवं पत्रों को ढक कारक रखे, बिना उपयोग वाली वस्तुओं को नष्ट करें, ताकि उनमें जल भराव ना हो, पूरे बाजू वाले कपड़े पहने । इन उपायों को करने से हम डेंगू के मच्छरों के काटने से बच सकते हैं।

बच्चों में अच्छे संस्कार हेतु चलाए जा रहे नैतिक शिक्षा

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। बच्चों में बचपन से ही अच्छे संस्कार देकर उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनाने की दिशा में प्रेरित करने हेतु भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ द्वारा आरंभ नैतिक शिक्षा संस्कार शाला कार्यक्रम की दूसरी कड़ी शनिवार को गांधी विद्यापीठ विद्यालय राधिका नगर के सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता एवं महासंघ के वरिष्ठ सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों एवं युवाओं में नैतिकता का हनन हो रहा है। उनके मन में अपने से बड़ों के प्रति आदर एवं मान सम्मान की भावना खत्म होते जा रही है और आपराधिक प्रवित्तियां बढ़ती जा रही है। इसलिए विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा के माध्यम से संस्कारवान बनाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि वे आगे चलकर श्रेष्ठ नागरिक बन सकें। उन्होंने आगे बताया कि नैतिक शिक्षा के अंतर्गत बच्चों में बड़ों को सम्मान देना, अनुशासन, ईमानदारी, करूणा, दयालुता, आज्ञाकारी, सेवा भावना, सद्चरित्र, कृतज्ञता, सत्यनिष्ठा, साझेदारी, सहयोग, उदारता, कर्तव्य बोध, जिम्मेदारी, देशभक्ति आदि अच्छी भावनाओं को व्यावहारिक ज्ञान देकर अपने आचरण में शामिल करना सिखाया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, यातायात सुरक्षा, अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा नियमों आदि की जानकारी भी दी जाएगी। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के विशिष्ट एवं अनुभवी बुजुर्ग अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कथा कहानी, उद्धरण एवं प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से बच्चों को प्रेरणा देंगे। विद्यालयों के श्रेष्ठ संस्कारी बच्चों का चयन कर उन्हें प्रोत्साहन देने हेतु विशेष अवसरों पर सम्मानित एवं पुरस्कृत करने की भी योजना है। इस अभियान को प्रभावशाली बनाने के लिए विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बच्चों के पालकों को भी इससे जोड़ कर उनका सहयोग लिया जा रहा है। संस्कार शाला कार्यक्रम को वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू, महासचिव गजानंद साह, उपाध्यक्ष बलबीर सिंह सहगल एवं संगठन सचिव जे.आर. साहू ने भी संबोधित करते हुए बच्चों को प्रेरक प्रसंगों एवं अनेक दृष्टांतों के माध्यम से अच्छे गुण अपनाकर संस्कारवान बनने हेतु प्रेरित किया। संस्कार शाला कार्यक्रम में विशेष रूप से भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ वरिष्ठ नागरिक महासंघ के पदाधिकारियों के अलावा गांधी विद्यापीठ शिक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार, विद्यालय के प्राचार्य ओ.पी. सिंह, प्रधानपाठक एम.आ. शर्मा, शिक्षक स्टाफ प्रशांत चौधरी, कल्याणी परगनिहा, भुनेश्वरी साहू, एम. दत्ता आदि सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रिषिका चटर्जी एवं आभार प्रदर्शन चंद्रशेखर परगनिहा ने किया।

विधायक ने तीन लोगों को दी तत्काल नौकरी

कार्यकर्ता की रिकेश ने सुनी समस्या

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति की बैठक में दिए गए सुझाव अनुरूप वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन प्रत्येक शनिवार जिला भिलाई भाजपा कार्यालय प्रियदर्शिनी परिसर सुपेला में पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्या व सुझाव के लिए मध्यान्ह 2 बजे से उपलब्ध रहेंगे। आज इसी तारतम्य में भाजपा भाजयुमो, महिला मोर्चा समेत वार्ड और बुथ स्तर के जमीनी कार्यकर्ताओं से न केवल विधायक रिकेश सेन ने मुलाकात की बल्कि उनकी और परिवार की कुशलक्षेम पूछते हुए सभी की समस्याएं भी सुनीं। आज भाजपा कार्यालय पहुंचते ही भाजपा व युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने विधायक रिकेश के हर सप्ताह शनिवार को जिला कार्यालय में उपलब्ध होने के निर्णय की सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया। विधायक से कार्यकर्ताओं ने स्वयं की समस्या के आलावा अपने अपने वार्ड की स्थानीय समस्याओं को भी बताया। उन्होंने पेयजल, सफाई सहित विकास कार्यों के संबंध में अपने सुझाव भी विधायक से शेयर किए। इस दौरान जहां विधायक रिकेश सेन ने पार्टी के सुपेला शक्ति केंद्र संयोजक स्व. आनंद कुमार श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती अल्का श्रीवास्तव निवासी माडल टाउन भिलाई को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की विद्यांजलि योजना के तहत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला माडल टाउन में शिक्षकीय कार्य हेतु अनुशंसा पत्र सौंपा वहीं हुडको निवासी पार्टी कार्यकर्ता राजेंद्र बाबराव कलंबे के सुपुत्र रितेश कलंबे को नगर पालिक निगम भिलाई में सम्पत्ति कर वसूली विभाग में प्लेसमेंट का नियुक्ति पत्र दिया है। इसके अतिरिक्त टाटा लाईन कोहका निवासी राजेंद्र सिंह को आबकारी विभाग में प्लेसमेंट पद का नियुक्ति पत्र सौंपा। आज विधायक से मुलाकात करने वाले कार्यकर्ताओं ने अपने अपने वार्ड की समस्याओं के आलावा स्कूल एडमिशन, परिवार और मोहल्ले के जरूरतमंद युवाओं के लिए नौकरी, व्यवसाय संबंधी आवेदन देकर अपनी दरख्वास्त को सूचीबद्ध करवाया है। वार्ड की समस्याओं और विकास कार्यों में आ रही अनेक अड़चनों पर विधायक रिकेश ने तत्काल फोन कर संबंधित मामलों के जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक निराकरण के निर्देश दिए हैं। युवाओं और जरूरतमंद लोगों की नौकरी या व्यवसाय संबंधी कार्यकर्ताओं की मांग पर सभी आवेदनों को सूचीबद्ध कर विधायक ने शीघ्र पहल का आश्वासन दिया है। विधायक रिकेश सेन का भाजपा कार्यालय में जिला उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन, विजय जायसवाल, राम उपकार तिवारी, श्रीमती मिथिला खिचरिया, जिला महामंत्री प्रेम लाल साहू, विजेंद्र सिंह, कार्यालय मंत्री राजेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष रूपराम साहू, प्रेमचंद देवांगन, त्रिलोचन सिंह, विजय शुक्ला सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने गमछा और पुष्पगुच्छ से अभिनंदन किया।

चेम्बर ने रचा इतिहास, बनाए 10 हजार सदस्य

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की भिलाई इकाई ने एक नया इतिहास रच दिया है। प्रदेश मंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में भिलाई चेंबर ने पिछले तीन सालों में 10 हजार आजीवन सदस्य बनाए। चेम्बर के पिछले 65 वर्षों के इतिहास में कभी ऐसा नही हुआ है कि 3 वर्ष के एक कार्यकाल में 10000 आजीवन सदस्यों ने सदस्यता ली हो। सदस्यता अभियान के प्रणेता प्रदेश महामंत्री अजय भसीन उनकी टीम ने यह मुकाम हासिल किया है। शुक्रवार को चेम्बर कार्यालय में अजय भसीन का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के दौरान अजय भसीन ने कहा कि 10000 सदस्य बनाना ही उपलब्धि नही है बड़ी उपलब्धि यह है कि इस बार रायपुर के अलावा पूरी 34 चेम्बर इकाइयों से अधिक आजीवन सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की है। उससे भी बड़ी उपलब्धि यह रही कि इस कार्यकाल में व्यापरियों का विश्वास चेम्बर के प्रति प्रगाढ़ हुआ है। चेम्बर के लिए यह गौरव की बात है। चेम्बर के इस कार्यकाल में व्यापरियों के हित के अनेक कार्य हुए है। अजय भसीन ने कहा कि इन वर्षों में वित्त आयोग के साथ चेम्बर की बैठक, जीएसटी सेमिनार और कई उपयोगी कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस कार्यकाल में महिला चेम्बर, परिवहन चेम्बर, उद्योग चेम्बर और युवा चेम्बर ने चेम्बर में व्यापरियों की विश्वसनीयता बढ़ाने में सराहनीय योगदान दिया। 10000 आजीवन सदस्यों की सदस्यता ग्रहण एक उपलब्धि के अलावा चेम्बर की ताकत को मजबूत कर रही है। चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी, कैट अध्यक्ष जितेंद दोषी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम देव सिंह, मनमोहन अग्रवाल, मधु अरोरा, अमरीक सिंह ने अपने व्यक्तव्य में इस बड़ी उपलब्धि पर अजय भसीन व पूरी टीम को बधाई दी। सम्मान समारोह में शंकर सचदेव, सुनील मिश्रा, मनोहर कृष्णानी, प्रेम रतन गहलोत, कुलदीप सिंह एवम अन्य चेम्बर साथी उपस्थित थे।

ताजियादारी की तैयारी जारी

भिलाईनगर। कर्बला में हक के लिए अपनी कुर्बानी देने वाले शहीदों की याद में एक से दस मोहर्रम तक शहर में अलग अलग अंजुमनों की ओर से आयोजन हो रहे हैं। वहीं लंगर, अलाव, अखाड़े और ताजियादारी की भी तैयारी चल रही है। मोहर्रम के मौके पर अंजुमन हुसैनिया कमेटी की ओर से इलाहाबादी पंचायती ताजिया इमामबाड़ा सड़क 20, जोन-1, खुर्सीपार भिलाई में जिक्र ए शोहदा, कर्बला 1 से 9 मोहर्रम तक जारी है। इस सिलसिले में 11 जुलाई की रात यहां किछौछा शरीफ से आए सैयद अदनान अशरफ अशरफी उल जिलानी की तकरीर हुई। जिसमें उन्होंने कर्बला के शहीदों के वाकयात बयान किए। तकरीर के बाद शहर से इस साल हज्जे बैतुल्लाह के मुकद्दस फरीजे को अंजाम देकर लौटे हाजी डॉ. एजाजुद्दीन, शेरे बशीर, मो.यासीन का सपत्नीक गुलपोशी के साथ इस्तकबाल किया गया।

टाउनशिप से 26 आवासों को खाली कराया

भिलाईनगर, 13 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा संपदा न्यायालय के आदेश पर डिक्री का अनुपालन करते हुए पुलिस बल के सहायता से अवैध कब्जेधारियों के विरुद्ध कार्यवाही जारी रही। इन दस डिक्री आदेश आवास से अवैध कब्जेधारी को बेदखल किया गया। सेक्टर-6 के अनफिट ब्लॉक्स में कुल 26 आवासों को खाली कराया गया है। इन आवासों की बिजली काट दी गई और दरवाजे खिड़कियों को निकाल दिया गया है। साथ ही सिविल विभाग द्वारा पार्शियल डिमोलिशन करना शुरू कर दिया गया है। बीएसपी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित आवास को जेसीबी द्वारा तोड़ा गया। उन्हें पहले समझाइश दी गई तथा संपदा न्यायालय द्वारा भी उन्हें तत्काल आवास खाली करने की हिदायत दी गई थी। परंतु इन कब्जाधारियों ने हठपूर्वक बीएसपी भूमि पर निर्मित आवास को खाली नहीं किया। बीएसपी प्रबंधन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है और इस मामले में बीएसपी प्रबंधन किसी भी प्रकार का कोई समझौता नहीं करेगी ना ही किसी को कोई छूट दी जायेगी। पुलिस बल के उपस्थिति में बीएसपी टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में अवैध कब्जाधारियों के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। साथ ही बीएसपी प्रबंधन ने अवैध कब्ज़ा के साथ.साथ अवैध बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स को भी हटाया। बिना अनुमति के निर्माण, शेड बनाना, क्वार्टरों पर अवैध कब्जा करने के साथ ही साथ ही देखा जा रहा है कि इस्पात नगरी भिलाई के सौंदर्य को भी क्षति पहुचाई जा रही है। जगह जगह होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर, वाल पेंटिंग के माध्यम से अविध रूप से प्रचार किया जा रहा है, यह पूर्णत: गलत है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत कलेक्टर चंद्रवाल गुदूम में पहुंचकर किया पौधा रोपण

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आव्हान पर प्रदेशव्यापी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में सघन रूप से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। जिले के सभी शासकीय विभागों के अलावा समाज के सभी वर्गों के लोग पेड़.पौधों के महत्व को समझते हुए इस अभियान में बढ़.चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसके अंतर्गत कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम गुदूम में आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर पहुँचकर आम के पौधे का रोपण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी.कर्मचारियों एवं ग्रामीणों को पर्यावरण तथा सम्पूर्ण जीव.जगत के लिए पेड़.पौधों के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए सभी लोगों को अनिवार्य रूप से पौधरोपण करने तथा पेड़.पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन के उपाय सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर कलेक्टर चन्द्रवाल ने जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान के अंतर्गत मौके पर उपस्थित महिलाओं ग्रामीणों एवं अधिकारी.कर्मचारियों को जीवन में पानी की उपयोगिता एवं महत्व की जानकारी देते हुए सभी लोगों को पानी की बचत संरक्षण एवं संवर्धन करने तथा उसका विवेकपूर्ण उपयोग करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सबसे साथ मिलकर जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाने की अपील भी की। इस दौरान मौके पर उपस्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले एवं ग्राम पंचायत के सरपंच सहित अधिकारी.कर्मचारियों ने भी आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर में पौधे रोपण किया।

इस दौरान कलेक्टर चन्द्रवाल ने आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुँचकर वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

चन्द्रवाल ने आंगनबाड़ी केन्द्र के नन्हें.मुन्हें बच्चों से आत्मीय एवं स्नेहपूर्ण बातचीत कर उनका हालचाल पुछा। कलेक्टर ने बच्चों से उनके एवं उनके माता पिता का नाम प्रतिदिन उन्हं आंगनबाड़ी केन्द्र में दी जाने वाली भोजन नाश्ता इत्यादि के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल के मधुर एवं स्नेहपूर्ण बातचीत आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चे बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे थे। इस दौरान कलेक्टर ने कुपोषण से बाहर निकलकर सामान्य श्रेणी में आने वाले दो बच्चों को स्वच्छता किट भी प्रदान किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को टाफी भेंटकर शुभकामनाएं दी। चन्द्रवाल ने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से आंगनबाड़ी केन्द्र की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा बच्चों को बेहतर परिवेश एवं सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए। चन्द्रवाल ने आंगनबाड़ी केन्द्र के मुखबधिर बच्ची कुमारी परीधि के संबंध में जानकारी लेते हुए उनके ईलाज आदि के व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। आंगनबाड़ी केन्द्र में कलेक्टर चन्द्रवाल ने मोर लईका, स्वस्थ लईका अभियान के अंतर्गत मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों के चार्ट का भी अवलोकन किया। इस श्री चन्द्रवाल ने आंगनबाड़ी केन्द्र के रसोई कक्ष में पहुँचकर वहाँ की व्यवस्था एवं रसोई कक्ष में रखे गए खाद्यान साम्रगियों का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर में उपस्थित बुजुर्ग महिलाओं से बातचीत कर उनका हालचाल पुछा। चन्द्रवाल ने इन महिलाओं से महतारी वंदन योजना एवं सामाजिक पेशन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली राशि के संबंध में भी जानकारी ली। ग्रामीण महिलाओं ने इन योजनाओं के अंतर्गत उनके खाते में प्रत्येक माह निर्धारित राशि जमा हो जाने की जानकारी दी।

टीएमसी कच्चे माइंस आत्मानंद विद्यालय को प्रिंटर कॉपियर वाटर फिल्टर किया प्रदान

जीवन में सफल होना है तो किताबों से मित्रता जरुरी : खिलेन्द्र भुआर्य

डौण्डी,13 जुलाई (देशबन्धु)। आत्मानंद इंग्लिश मिडीयम विद्यालय डौण्डी को टी एम सी कच्चे माइंस द्वारा प्रिंटर कॉपियर और वाटर फिल्टर सीएस आर के अंतर्गत प्रदान किया मगया। जिसमे मुख्य रूप से नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष खिलेंद्र पिंटू भुआर्य टीएम सी कच्चे माइंस के स्टाफ श्री समरेश संजय सिन्ह श्याम साहू रोशन जैन संस्था के प्राचार्य बलजीत सिंह वद्दन सस्था के स्टाफ वा समीर धुर्वे हितेंद्र धनकर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका व पालकगण उपस्थित रहे इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष खिलेन्द्र भूआर्य ने टीएमसी कच्चे माइंस के अधिकारी व स्टाफ का इस पुनित कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा की विद्यालय को प्रिंटर कॉपियर और वाटर फिलटर प्रदान होने से बच्चों को सुविधा मिलेगी।उन्होने विद्यालय के बच्चों से भी कहा की जीवन में सफल होना है तो किताबों व पढ़ाई से मित्रता कर लो किताबों से बढ़कर दुनिया में कोई अच्छा मित्र नही हो सकता,साथ ही शिक्षकों के बताये रास्तों का अनुसार चलोगे तो मंजिल अवश्य प्राप्त होगी कच्चे माइंस के अधिकारी व स्टाफ ने विद्यालय के बच्चों को आशीर्वाद दिया व कहा की पढ़ाई से मित्रता कर मन लगाकर पढ़ाई करिये शिक्षा ऐसा अस्त्र है जिससे मुश्किल से मुश्किल कार्य भी आसान हो जाता है।

आईटीबीपी व सामाजिक कार्यकर्ता यश सोनी ने मिलकर आयोजित किया वृक्षारोपण अभियान

डोंगरगढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सामरिक मुख्यालय डोंगरगढ़ कैम्प परिसर में 40 वाहिनी आईटीबीपी ने सामाजिक कार्यकर्ता राजनांदगांव निवासी यश सोनी के साथ मिलकर वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 40 वीं वाहिनी आईटीबीपी के कमांडिंग ऑफिसर तरूण कुमार बंजारी द्वितीय कमान एवं अन्य पदाधिकारी, स्थानीय स्वयंसेवक और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। इस अभियान के तहत 10000 पौधों को लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है जो आईटीबीपी और श्री सोनी की हरित और स्वस्थ भविष्य की ओर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में आईटीबीपी के अधिकारी, जवान, और अन्य स्वयंसेवकों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के पौधे, जिसमें स्थानीय प्रजातियां शामिल हैं, लगाए गए ताकि जैव विविधता को बढ़ावा मिल सके और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ किया जा सके। कार्यक्रम के अंत में तरूण कुमार बंजारी द्वितीय कमान 40 वीं वाहिनी आईटीबीपी ने श्री यश सोनी को इस वृक्षारोपण अभियान की सराहना की साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता श्री सोनी ने भी आईटीबीपी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर 40वी वाहिनी आईटीबीपी के कमांडिंग ऑफिसर तरूण कुमार बंजारी और सामाजिक कार्यकर्ता यश सोनी द्वारा इस तरह की सामाजिक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने और पर्यावरणीय संरक्षण के प्रयासों में योगदान देने के हेतु सभी से अपील भी किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक संपन्न

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार 12 जुलाई को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने बैंक अधिकारियों को आम जनता एवं खाताधारकों को बैंकिंग क्रियाकलापों की तथा सायबर फ्रॉड के संबंध में जानकारी देने हेतु नियमित रूप से शिविर लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जिले के सभी बैंकर्स को आम लोगों के बैंकिंग संबंधी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए हैं। जिससे की आम जनता एवं खाता धारकों को बैंक से संबंधित कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने में किसी भी प्रकार की कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, भारतीय रिजर्व बैंक के जिला अग्रणी अधिकारी के अलावा जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित विभिन्न बैंकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में श्री चन्द्रवाल ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, स्टैण्डअप इंडिया, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के साथ-साथ अंत्यावसायी, अंत्योदय एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

खबर छपी तो हरकत में आया विभाग फिर से आने लगा नलों में पानी

5 दिनों से पानी टंकी में लटक रहा ताला, पीने की पानी के

गंडई पंडरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। गंडई नगर के नजदीकी ग्राम पंचायत देवपुरा में ग्राम पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और ठेकेदार के आपसी झगड़ों की वजह से ग्रामवासियों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा था। इससे जुड़ी खबर को देशबन्धु के 13 जुलाई के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी और ठेकेदार ग्राम पंचायत देवपुरा पहुंच कर मसले को सुलझाने का प्रयास किए है। एस.पी. सोनवानी ई लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खैरागढ़ ने बताया कि ठेकेदार और ग्राम पंचायत के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा रहा है। जल प्रदाय बंद नहीं किया जाएगा। आज से ही पानी सप्लाई चालू कर दिया गया है। 19 जुलाई को ग्राम सभा का आयोजन किया गया है। जिसमे बिजली बिल भुगतान और हैंड ओवर लेने के संबंध में चर्चा कर उचित निर्णय लिया जाएगा। बहरहाल देशबंधु में समाचार प्रकाशन के बाद ग्राम देवपुरा के घरों में जल जीवन मिशन के तहत दुबारा पानी सप्लाई चालू किया गया है।

किराए के मकान में रह रहे युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कुम्हारी, 13 जुलाई। शांति नगर वार्ड क्रमांक 8 स्थित फिंगेश्वर साहू के मकान में किराये से रह रहे कैलाश सागर पिता गरीबा सागर उम्र 40 ने बीती रात फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लोगों ने बताया कि कैलाश सागर पत्नि व उनके माता पिता के साथ पिछले ढेड़ वर्षों से किराये के मकान में रह रहा था एवं उसी मोहल्ले के एक दुकान में अपना व्यवसाय भी चलाता था लोगों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से काफ़ी परेशान व तनाव में था। हालांकि कुम्हारी पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित होने पर प्रधानमंत्री का आभार : अमित

डोंगरगढ़, 13 जुलाई। लोकतंत्र प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष अमित छाबड़ा ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोसित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया 25 जून को सविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा की भारत के संविधान को किस तरह कुचला गया था भारत के इतिहास में ये कांग्रेस का काला दौर बताता हैं कि किस तरह कांग्रेस की मानसिकता देश मे आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और चौथे स्तम्भ की आवाज को दबा दिया गया था और आपातकाल लगा कर देश को खुली जेल बनाकर निर्दोष को जेल की सालों यातनायें झेली थी देश की युवा पीढ़ी 25 जून को सविधान हत्या दिवस में मना कर कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी चरित्र और आपात काल को से अवगत हो सकेगी देश की युवा पीढी कभी नही भूलेगी की संविधान को इमरजेंसी के दौरान पूरी तरह से नकार दिया गया था।

कथा श्रवण कर कथा को हृदयंगम करें : पं. शर्मा

बिलाईगढ 13 जुलाई (देशबंधु)। स्वर्गीय रेशमलाल देवांगनजी के पावन स्मृति में वार्षिक श्राद्ध के निमित्त नगर पंचायत बिलाईगढ़ के दीवान बाड़ा थाना मोड में संगीतमयी श्री श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा प्रतिदिन दोपहर 2~30 बजे से हरी इच्छा तक चल रही है ।ग्राम टेमर ,सक्ति //छत्तीसगढ़ //से आए हुए पंडित देवकृष्ण शर्माजी अपनी सरल व सुबोध शैली में भजनों के साथ-साथ भागवत कथा का बखान कर रहे हैं ।दिनांक 10.7.2024 को आरती मंगलाचरण के बाद कथा का शुभारंभ करते हुए बताये कि कथा श्रवण करने के बाद कथा को हृदयंगम करना चाहिए। आजकल की सबसे बड़ी समस्या है कि कुछ गिने-चुने व्यक्तियों को छोड़कर कोई किसी को सुनना ही नहीं चाहता है। पुत्र पिता का नहीं सुनता है, नौकर मालिक का नहीं सुनता है तो पत्नी पति का नहीं सुनना चाहती है ।यदि ये सभी सुनकर कही गई हित की बातों को करने लगे तो घर परिवार सहित करने वालों का भी भला हो जाता है ।लोग बाग कथा श्रवण करने आते हैं जरूर परंतु अधिकांश लोक कथा को धारण ही नहीं करते हैं, जिससे कथा श्रवण का पूरा-पूरा लाभ नहीं मिलता है। कथा का पूरा लाभ लेने के लिए कथा में कही गई सार सार बातों को हृदयंगम कर उसे अमल में लाने से होता है। हितकारी बातों को जीवन में क्रियान्वयन करने से स्वयं के साथ-साथ घर परिवार, देश समाज का भला होता है। कथा में कही गई बातों पर विचार करके विवेक पूर्वक समयनुसार कार्य करने से व्यक्ति परिवार सहित देश समाज का उन्नति होता ही है ।कथाव्यास पंडित देवकृष्ण शर्मा जी ने आगे बताये कि विवेक की जागृति के लिए सत्संग जरूरी है। बिना सत्संग के विवेक जागृत नहीं होता है ,इसलिए समाज के अच्छे लोगों के साथ उठने-बैठने, विचार विमर्श करने के साथ-साथ सच्चे संतों का संगति करना चाहिए ।आज भी हमारे देश में अच्छे विचारक एवं संत विद्यमान हैं, उनसे लाभ उठाना चाहिए। टीवी मोबाइल में व्यर्थ की बातों को देखने सुनने के बजाय संतो को सुनना चाहिए एवं उनके बताए गए बातों को अमल में लाना चाहिए, तब व्यक्ति का भला होता है ।मानस में प्रात: स्मरणीय पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदासजी लिखे हैं कि— बिनु सत्संग विवेक न होई । राम कृपा बिनु सुलभ न सोई। कथाव्यास पंडित देवकृष्ण शर्माजी द्वारा आत्मदेव ब्राह्मण, उसके पत्नी धुंधली, गौकर्ण जी महाराज और धुंधकारी के कथा को कहकर श्रीभागवत जी के महिमा का भली प्रकार से प्रतिपादन कर श्रोता समाज को सुनाया गया। उसके बाद राजा परीक्षित महाराज द्वारा कलियुग को दंडित कर चार स्थानों में रहने के लिए स्थान बताकर नियंत्रित करने की कथा को विस्तार पूर्वक सुनाया गया ।कथा आयोजक बलराम देवांगन ,नरोत्तम देवांगन, प्रदीप, मधुकांत देवांगन उनके परिवार के सदस्यों एवं पंडित देव कृष्ण शर्माजी ने आसपास के गांव सहित नगर पंचायत बिलाईगढ़ के अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित होकर इस कथा को श्रवण कर लाभ उठाने के लिए निवेदन किये हैं।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण आज की महती आवश्यकता : द्विवेदी

डोंगरगढ़, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पर्यावरण प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है, इसका प्रमुख कारण जंगलों की अंधाधुंध कटाई है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि *एक पेड़ मां के नाम* *अवश्य लगाएं तथा उसका संरक्षण, संवर्धन भी करें। इसी अभियान को आगे बढ़ाते भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी द्वारा सहकारी समिति के सदस्यों के साथ सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोलिहापुरी, मेढा तथा मुड़पार सोसाइटियों के धान उपार्जन केन्द्रों में वृहद वृक्षारोपण किया गया । श्री द्विवेदी ने सहकारिता प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि पर्यावरण प्रदूषण के संवर्धन और संरक्षण के लिए आवश्यक रूप से वृक्षारोपण करें और पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली हानियों से जनता जनार्दन को बचाए। अत्यधिक रासायनिक उर्वरक के उपयोग करने से एक ओर जहां धरती माता का स्वास्थ्य दिनों दिन खराब होने से भूगर्भ का जल पीने योग्य नहीं रहा । अत:प्रधानमन्त्री जी ने जो सभी देशवासियों का आह्वान किया है कि *एक पेड़ मां के नाम* अवश्य लगाएं ,इस अभियान के तहत समिति के सभी सदस्यों ने वृक्षारोपण कर उसकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्रीमती सावित्री द्विवेदी , भाजपा मंडल अध्यक्ष बोधी राम साहू, राज्य सहकारी बुनकर संघ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्र कुमार देवांगन ,कोमल साहू कोलिहापुरी समिति के पूर्व अध्यक्ष टोमनलाल वर्मा, समनलाल वर्मा, रामेश्वर मांडवी, बीटान बाई, सरपंच श्रीमती रंभा बाई मेढा सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक योगेंद्र शर्मा, आदि भारी संख्या में समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

प्रादेशिकी का शेष...

नेशनल लोक अदालत में बड़ी संख्या में ...

जयश्री नायरे, ग्रामीण चिकित्सा सहायक खेमलाल कुर्रे, प्रवीण कुर्रे, फारमासिस्ट राजू यादव ने अपनी सेवाएं दी। आज लोक अदालत में कुल 9 हजार 428, न्यायालयीन प्रकरण, 1 लाख 15 सौ 46 प्री लिटिगेशन प्रकरण निराकृत हुए। इसमें कुल समझौता राशि 31 करोड़ 54 लाख 44 हजार 693 रूपये प्राप्त हुए।

वृद्ध माता को मिला न्याय : आज की लोक अदालत में 55 वर्षीय बीपी शूगर से पीड़ित महिला का उनके पुत्रों से समझौता किया गया। इस पीड़ित महिला को उनके पुत्र द्वारा प्रतिमाह 4 हजार रूपये प्रत्येक माह की 10 से 15 तारीख के बीच मां के बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिये। यह प्रकरण कुटुंब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश की है। अदालत में विगत लंबे समय से पृथक रहने वाले पति पत्नि के बीच सुलह कराया। दोनों पति पत्नि ने अपनी 10 वर्षीया पुत्री के साथ राजी खुशी रहने पर सहमति दी।

दिव्यांग महिला को मिली क्षतिपूर्ति राशि : इसी तरह पीठासीन अधिकारी सुनीता टोप्पो जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के न्यायालय में एक दिव्यांग महिला को न्याय मिला। पीठासीन अधिकारी की समझाइश पर अनावेदक द्वारा इस दिव्यांग महिला को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण प्रकरण के तहत राजीनामा के आधार पर क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की गई।

न्यायालय के आदेश के बाद भी ...

लिए सूचनार्थ किया गया था द्य लेकिन आज तक निर्माण कार्य को बंद नहीं किया गया जिससे आवेदीका के पेयजल के आने -जाने के रास्ते बंद हो गया है, निर्माण कार्य पूर्ण होने की स्थिति मे है, आवेदिका परेशान एवं क्षुब्ध होकर श्रीमान कलेक्टर महोदय के जन चौपाल में दिनांक 26/06/2024 को आवेदन लगाया है द्य इसके बाद भी अनावेदक संतोष साहू बलपूर्वक निर्माण कार्य करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, आवेदिका थाने मे जाते है तो बैठा कर रखा रहता है द्य यदि निर्माण कार्य नहीं रुकता है तो भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दिया जा सकता है।

अमलीडीह में हुए अंधे हत्याकांड का...

डाटा हेतु सायबर सेल को लगाया गया। गुम महिला प्रमिला ध्रुवे के संबध में उसकी मां बुधनतीन बाई से पूछताछ करने पर बताई कि दो जोड़ी पायल अपने दोनो बेटियों के लिए ली थी जिसका एक जोड़ी मेरे पास है। टीम द्वारा घटना के फोटोग्राफ दिखाने पर बुधनतीन बाई ने नाक की फूली , अंगूठी, पायल और नेलपालिश का पहचान कर अपनी बेटी का होना बताया। और घर में रखे नेलपालिस को दिखाते हूए बताई कि प्रमिला एक हाथ में नेलपालिश लगाती थी। बुधनतीन बाई के द्वारा दिखाए गए पायल एवं बताये पहचान को विश्लेषण करने पर मृतिका की पहचान प्रमिला के रूप मे हुई।

मृतिका की पहचान प्रमिला के रूप में होने से मृतिका के कॉल डिटेल के आधार पर लगभग 15 से 20 लोगों से पूछताछ करने पर अतत: जानकारी मिली कि मृतिका के घर से जाने का दिनांक 10.04.2024 से डारागांव निवासी दीपक साहू के साथ थी। जिसकी सूचना पर दीपक साहू का तकनीकी डाटा व मृतिका का तकनीकी डाटा एंव घटना स्थल से प्राप्त तकनीकी साक्ष्य के आधार पर दीपक साहू से घटना एवं गुम महिला के संबध में बारिकी से पूछताछ करने पर शुरूआत वह पुलिस को गुमराह कर रहा था। लेकिन टीम द्वारा साक्ष्यो के आधार पर बार बार पूछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार कर बताया कि मेंरा 05 साल पूर्व मेरी पत्नि से तलाक हो जाने से मै अपने मामा गांव बकलीटोला जाने लगा उस दौरान प्रमिला से पहचान हुई जो प्रेम संबध में बदल गया। और प्रमिला मेरे घर डारागांव आने जाने लगी थी। जो मुझे शादी कर अपने पास रखने दबाव बना रही थी और घटना को अंजाम देने के संबध में बताया।

आरोपी द्वारा दिनांक 10.04.2024 प्रमिला ध्रुवे को अपने घर ग्राम डारागांव में लाकर संबंध बनाये फिर शाम को उसके घर प्रमिला को छोड़ दिया वापस आते समय दीपक ने पून: प्रमिला को अपने घर से बाहर आने बोल कर अंधेरा होने के बाद अपने मोटर सायकल में बैठाकर उसे अपने डारगांव घर पर लाया। रात में दोनो शराब पीकर सोये थें तभी अचानक दीपक की नींद खुली तब उसने सुना कि प्रमिला किसी से मोबाईल में बात कर रही है। तब दीपक ने प्रमिला को इतनी रात को किससे बात कर रही हो कहने पर दोनो के बीच वाद विवाद हुआ। दीपक ने प्रमिला को हाथ घुसे से मारा और हत्या करने की नियत से सिर को पकड़कर चौखट में पटक दिया जिससे प्रमिला बेहोश होकर नीचे गिर गई। जिसे दीपक ने प्रमिला के पहने हुए साड़ी को गले में लपेटकर खिचते हुए घर के पीछे की बाड़ी में ले जाकर रख दिया। पहचान छुपाने की नियत से घर में रखे पेट्रोल को प्रमिला के चेहरे एवं शरीर में डालकर उसे जला दिया। घर में रखे हसिया से उसके सिर, पैर, हाथ को काटकर दो अलग अलग बोरियो में भर कर अपने मोटरसायकल से अमलीडीह तरफ गोंदली नहर के पास अलग अलग 100 मीटर की दूरी में दोनो बोरियों को फेक कर अपने घर आ गया। उक्त अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में एसडीओपी बालोद देवांश सिंह राठौर, थाना प्रभारी बालोद रविशंकर पाण्डेय, उनि कमला यादव, सउनि धरम भूआर्य, प्रधान आरक्षक हरिशचंद सिन्हा, आरक्षक भोप सिंह साहू , बनवाली साहू, मोहन कोकिला, अविनाश सिंह, नागेश साहू, लोकेश ठाकुर, लता सोनवानी। सायबर सेल टीम प्रभारी उनि जोगेन्द्र साहू, प्रधान आरक्षक रूमलाल चुरेन्द्र, भुनेश्वर मरकाम, विवेक शाही, आरक्षक पूरन देवांगन ,विपिन गुप्ता, राहुल मनहरे, आकाश दुबे, आकाश सोनी, संदीप यादव, मिथलेश यादव, योगेश पटेल, योगेश गेडाम, गुलझारी साहू, रवि गंधर्व, मनीष ठाकुर।

एक दिवसीय व्यक्तित्व निर्माण ...

कार्यक्रम समापन के पूर्व सभी ने संकल्प लिया कि शिविर से प्राप्त ज्ञान को अपने समग्र विकास के लिए सदुपयोग करते हुए जन जन तक इस जागरण मंत्र को प्रचारित, प्रसारित करेंगे । इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ दुर्ग जिला कार्यवाह सुनील पटेल, एन आर साहू कुम्हारी गायत्री पीठ सचिव, बी एल यदु गायत्री प्रज्ञापीठ अध्यक्ष, इस शिविर के संयोजक प्रांत कुटुम्ब प्रबोधन हरिओम शर्मा का संयोजन रहा । कार्यक्रम के आयोजनकर्ता गीतेश्वर साहू थे । क्षितिज, जितेंद्र, विजेंद्र, उमेश, त्रिलोक, मिथिलेश व अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । संचालन दीदी डॉ. कुंन्ती साहू द्वारा किया गया ।

रोड किनारे लगे ठेले खोमचे ...

आर.के.नगर, बर्फानी आश्रम तक रोड किनारे खड़े होकर ठेले खोमचा में फल बेचने वालों को हटाया गया। सभी ठेला-खोमचा वालों को रेड किनारे नही लगाने हिदायत दिया गया। भविष्य में लगाने पर कार्यवाही किया जायेगा। यातायात पुलिस की आम जन से अपील है, कि यातायात नियमों का पालन करें। यातायात व्यवस्था बनाये रखने यातायात पुलिस का सहयोग करें।

कल तक मां नर्मदा धाम सुरसुली में नृत्य गम्मत कार्यशाला का आयोजन

नए कलाकार नए कहानी के साथ नए सत्र की कर रहे तैयारी

दल्लीराजहरा/ डौण्डी, 13 (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक कला मंच राग अनुराग के निदेशक व संचालक हेमलाल कौशल व नवीन देशमुख के मार्गदर्शन में 1से 15 जुलाई तक मां नर्मदा धाम सुरसुली में नृत्य, गम्मत, का कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे कार्यशाला के माध्यम मंचीय कार्यक्रम की तैयारी किया जा रहा है । जिसमे नवीन देशमुख द्वारा गीत को हेमलाल कौशल द्वारा नये दौर के साथ बस्तर अंचल तथा ग्रामीण अंचल के दृश्य को कल्पना करके नृत्य के माध्यम से सजाया गया है। जिसमे मुख्य रुप से महीला प्रधान छोटे-छोटे हंसी मजाक से भरपूर हास्य प्रसंग च्प्रेम लीलाज्ञ व एक अधुरी प्रेम कहानी च्सुंदरीज्ञ और च्सीता एक अग्नी परीक्षाज्ञ की एक व्यंग्यात्मक कहानी के साथ नये सत्र की तैयारी कर रहे हैं। इस अवसर पर डांस डायरेक्टर के रूप में निलकंठ और नमिता तथा साथी कलाकार में पिताम्बर ओम शेखर, रवि ,देव ,पुनम उपस्थित रहे।

जिले में हुआ नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

बेमेतरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिला न्यायालय बेमेतरा में आज दिन-शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें श्री बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीप प्रज्जवलन कर लोक अदालत का शुभारंभ कर कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण व कर्मचारीगण को अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामाएं दी गई। लोक अदालत में जिला न्यायालय प्रांगण में जिले के कोने-कोने से पक्षकार अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए उपस्थित हुये, जिनकी सुविधा के लिए विधिक सहायता डेस्क, स्वचलित चिकित्सकीय वेन, स्वास्थ्य डेस्क व समस्त बैंक, विद्युत विभाग द्वारा संचालित डेस्क, पक्षकारों हेतु नि:शुल्क पौधा वित्तरण डेस्क लगाई गयी। नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय में 8 खण्डपीठ और तहसील साजा न्यायालय में 1 खण्डपीठ इस प्रकार जिला में कुल 9 न्यायालयीन खण्डपीठ का गठन कर दो-दो सुलहकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की गई। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के अनुक्रम में समस्त न्यायालीन कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर्स, जिला प्रशासन, जिला पंचायत, नगर पालिका, विद्युत विभाग, समस्त बैंको सहित अन्य समस्त विभागों का भरपूर सहयोग रहा है।

नेशनल लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों के आकडे अंतर्गत राजस्व प्रकरण 3937, अपराधिक प्रकरण 133, बैंक रिकवरी 38, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण 11, सिविल प्रकरण 14, विद्युत विवाद प्रकरण 50, पारिवारिक प्रकरण 22 क्लेम निष्पादन प्रकरण 02. निष्पादन 11. बी.एस.एन.एल. 11, चेक बाउंस 44 प्रकरणों सहित जिला में रिकॉर्ड अनुसार 5383 मामलों का निराकरण किया गया, जहां आपसी सहमति से सुनवाई के बाद पक्षकारों को बीमा, विद्युत्त व बैंक विवाद और अन्य प्रकरणों में कुल 30007725 रूपए की मुआवजा राशि वितरित की गई।

लोक अदालत में उपस्थित पक्षकारों को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु किया गया लघु फिल्मों का प्रसारण जिला न्यायालय परिसर में पक्षकार के लिए बैठक व पेय जल व्यवस्था के साथ उन्हें विधिक रूप से जागरूक करने हेतु प्रोजेक्टर के माध्यम से घरेलू हिंसा, लैंगिक अपराधों से संबंधित, महिलाओं से छेड़ ?छाड़ व साईबर क्राईम, मोटर दुर्घटना सहित विभिन्न विषयों पर लघु फिल्म दिखायी गयी।

छायादार एवं फलदार पौधों का वितरण कर पक्षकारों को किया प्रोत्साहित

नेशनल लोक आये में ग्रामीण अंचल से पहुंचे पक्षकारों को नि:शुल्क पौधा वितरण डेस्क से फलदार, छायादार पौधों का वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पक्षकारों के लिए सेल्फी जोन भी रखा गया। मां-बेटी के मध्य लंबित जमीनी विवाद में हुआ राजीनामा बेटी श्याम बाई (परिवर्तित नाम) द्वारा विधवा मां देवकी (परिवर्तित नाम) व बहन यशोदा (परिवर्तित नाम) के विरूद्ध लंबित सिविल अपील में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री बृजेन्द्र कुमार शास्त्री द्वारा उभय पक्ष के मध्य प्री-सिटिंग कर समझाइश देकर समझौता अनुसार दोनों बहनों को बराबर-बराबर भूमि के अतिरिक्त में बचत भूमि में तीनों माँ-बेटियों का नाम राजस्व अभिलेख में संयुक्त रूप से दर्ज किये जाने का अधिनिर्णय पारित किया गया जिससे मां बेटी खुशी-खुशी, साथ-साथ लौटे। न्यायालय, श्रीमान् बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश की खंडपीठ में 11 क्लेम केस में 39 लाख की क्षतिपूर्ति राशि का अवार्ड पारित कर अन्य प्रकरण में जिला कबीरधाम निवासी मंतराम (परिवर्तित नाम) की मोटर वाहन से मृत्यु होने के पश्चात् उसके पत्नि-पुत्री की ओर से धारा 166 मोटर यान अधिनियम 1988 के अंतर्गत प्रस्तुत आवेदन में न्यायालय, श्रीमान् बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा बीमा कंपनी से बातचीत के माध्यम से समझौता करा कर आवेदिकागण को कुल क्षतिपूर्ति राशि 14,50000 /- (चौदह लाख पचास हजार रूपये) का अवार्ड पारित किया गया। अन्य मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में भी प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा किये गये राजीनामा हेतु प्रयास पश्चात् बीमा कंपनी द्वारा परिवारजन को 13 लाख 20 हजार रूपये क्षतिपूर्ति दिये जाने पर सहमति व्यक्त की।

100 वर्षीय बुजुर्ग चेक पाकर हुआ भावुक

चेक बाउंस के केस में जोहन वर्मा ने लक्ष्मीनारायण राठी से 1.5 लाख रूपये घरेलू आवश्यकता हेतु उधार लिया था कई बार मांगने पर पैसा वापस नही किया अपितु परिवादी को चेक दिया जो बैंक में प्रस्तुत करने पर बाउंस हुआ जिस कारण लक्ष्मीनारायण राठी द्वारा न्यायालय में चेक बाउंस का परिवाद प्रस्तुत किया गया न्यायाधीश मो. जहांगीर तिगाला द्वारा जोहन वर्मा को कहां गया की परिवादी तुम्हारें पिता तुल्य है तुम्हारी मजबूरी में आर्थिक रूप से मदद भी की है। न्यायाधीश द्वारा दी गई समझाईश पर जोहन वर्मा ने लक्ष्मीनारायण राठी को पुरी प्रदान किया ।

पिता और पुत्र के बीच पैसों को लेकर आई दरार को आपसी राजीनामा से सुलझाया

पिता ने पुत्र के खिलाफ 30 लाख रूपये एवं पुत्र ने पिता के खिलाफ 25 लाख रूपये के चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया था। पिता पुत्र एक दूसरे का मुंह भी नहीं देखना चाहते थे। न्यायाधीश, श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे के द्वारा समझाइश दिये जाने पर पिता और पुत्र आपसी विवाद को भूल कर न्यायालय से राजीनामा किया पिता ने पुत्र को गले लगाकर माफ किया।

कई वर्षों से लंबित मारपीट, झगड़े के विभिन्न प्रकरणों में हुआ राजीनामा

भाईयों-भतीजों के मध्य परिवारिक संपत्ति के बटवारे के प्रकरण को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री उमेश कुमार उपाध्याय द्वारा आपसी समझौते के आधार पर समाप्त करवाया। एक प्रकरण में पति-पत्नि दोनों आहत थे में पति जरूरी काम से हरियाणा गया था व एक अन्य प्रकरण आहत गर्भवती महिला थी न्यायालय में उपस्थित होने में असमर्थ थी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री उमेश कुमार उपाध्याय द्वारा विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजीनामा कराया गया। आहत संतोष यादव अपनी बीमार बुआ को देखने ग्राम-पिकरी गया था अभियुक्तगण द्वारा गाली-गलौज करने पर दर्ज कराये गये 6 वर्ष पुराने प्रकरण में न्यायालय के समझाईश पर आहत ने किया राजीनामा। मानीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में 08 ऐसे मामलों का निराकरण हुआ जिसमें अभियुक्त एवं आहत पति-पत्नि, पिता-पुत्र व अन्य निकट संबंधी थे। पक्षकारों के मध्य न्यायाधीश द्वारा प्री-सीटिंग कर लोक अदालत के लाभ को समझाते हुए राजीनामा कर समाप्त कराया। किशोर न्याय बोर्ड के पीठासीन अधिकारी श्री गुलापन राम यादव द्वारा समझौते के आधार पर 05 प्रकरणों का किया निराकरण।

परिवार न्यायालय के कई प्रकरणों में परिवार हुआ एक

लम्बे समय से मामूली झगड़े के चलते अलग-अलग निवासरत् पति-पत्नि न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्रीमती नीलिमा सिंह बघेल की समझाईश पश्चात् हुए एक। न्यायाधीश द्वारा पक्षकारों को नारियल, तुलसी पौधा व सप्तपदि सात वचन की प्रतिलिपि भेंट दी गई। अन्य प्रकरण में पति द्वारा 02 वर्ष की बच्ची सहित 07 माह की गर्भवती आवेदिका को बेसहारा छोड़ा था, कुटुम्ब न्यायालय न्यायाधीश द्वारा दी गई समझाईश पश्चात् 10 हजार प्रतिमाह भरण-पोषण का हुआ आदेश। अन्य प्रकरण में एक दिव्यांग बुजुर्ग को उसके बेटे द्वारा घर से निकाले जाने पर लंबित भरण पोषण प्रकरण में न्यायाधीश श्रीमती नीलिमा सिंह बघेल की समझाईश पर परिजन घर ले जाने को हुए तैयार परिवार परिजन को मिठाई खिलाकर हंसी-खुशी घर भेजा गया।

नेशनल लोक अदालत में कुटुम्ब न्यायालय बेमेतरा में सात परिवार हुये एक

आज नेशनल लोक अदालत को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गयी, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधीन में आयोजित बेमेतरा कुटुम्ब न्यायालय में कुल 22 प्रकरणों का निपटारा हुआ, जिनमें से पांच मामले में दंपत्तियों को एक साथ सुलह-समझौता कर भेजा गया। इन पांचों प्रकरणों में दम्पत्तियों के मध्य लम्बे समय से लड़ाई-झगडा, विवाद चल रहा था तथा इसी कारण वे पृथक-पृथक निवास कर रहे थे, उन्हें समाजिक स्तर पर भी समझाईश दी गयी थी, किन्तु कोई परिणाम नहीं निकला। एक प्रकरण में तो आवेदिका महिला गर्भवती थी। एक अन्य मामले में एक पुत्री ने अपने पिता के विरूद्ध भरण-पोषण का मामला पेश की थी तथा एक

मामले में एक विकलांग पिता अपने पुत्रों के विरूद्ध भरण-पोषण का मामला पेश किया गया था। सभी मामलों में दोनों पक्षों को परिवार की महत्ता समझाते हुए उन्हें एक-दूसरे का सहारा बनने का बोध कराते हुए दोनों पक्षों के बीच राजीनामा कराया गया। सभी प्रकरणों में न्यायाधीश श्रीमती नीलिमा सिंह बघेल द्वारा विशेष प्रयास किया गया तथा पांचों दम्पत्तियों के मध्य लड़ाई-झगड़े, विवाद को समाप्त कर उन्हें एक नारियल, तुलसी का पौधा व दोनों दम्पत्तियों को विवाह के बाद पति-पत्नी का दायित्व एवं सात वचन के महत्व को समझाते हुए सप्तपदी के सात वचन की प्रतिलिपि भेंट दी गयी तथा पति-पत्नी द्वारा एक-दूसरे को माला पहनवाकर एवं मिठाई खिलाकर अच्छा जीवन जीने की शुभकामनाएं देकर विदा किया गया। इस पूरी प्रयास के दौरान परिवार न्यायालय के न्यायाधीश श्रीमती नीलिमा सिंह बघेल एवं साथ साथी अधिवक्ता श्री लालबहादुर शर्मा एवं श्रीमती पी. राजेश्री उपस्थित थे एवं परिवार न्यायालय के समस्त स्टाफ भी इस सुखद पल के साक्षी बने।

स्टॉप डायरिया अभियान के अंतर्गत जिले में की जा रही हैं विभिन्न गतिविधियां

बेमेतरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार स्टॉप डायरिया का अभियान जिले में 1 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक 2 महीने चलेगा। बता दें की कि बच्चों में मृत्यु का एक प्रमुख कारण डायरिया या दस्त है, जिसका समय पर निदान और उपचार से बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। इसी कारण बच्चों में डायरिया या दस्त से होने वाली मृत्यु की रोकथाम हेतु स्टॉप डायरिया कैंपेन या दस्त रोको अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संत राम चुरेंद्र एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के दौरान जिले के सभी विकासखण्डों में 0 से 5 वर्ष के बच्चों के घरों में भेंट कर मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा ओ.आर.एस. पैकेट और 14 दिनों का जिंक की गोलियां प्रदाय की जा रहीं है और बच्चों के माता पिता एवं पालकों को ओ.आर.एस. घोल बनाने दस्त के समय पिलाने तथा हाथ धुलाई और स्वच्छता, शिशु पोषण एवं आहार व्यवहार

के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है, तथा डायरिया से पिड़ित बच्चों में गंभीर लक्षणों की पहचान कर उनके उपचार प्रबंधन के संबंध में बताया जा रहा है। विशेष रूप से डायरिया के कारण बच्चों में होने वाला निर्जलीकरण जिसमें शरीर में पानी की कमी हो जाती है के उपचार हेतु ओ.आर.एस. की उपयोगिता तथा ओ.आर.एस. उपलब्ध ना होने पर घर पर ही जीवन रक्षक घोल तैयार करने के बारे में भी बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त डायरिया नियंत्रण के लिए मैदानी स्तर पर पर्यवेक्षक ,स्वास्थ्य कर्मीयों और मितानिनों द्वारा स्कुलों आँगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को स्वच्छता, दस्त की रोकथाम एवं बचाव, भोजन के पहले एवं शौच के बाद साबुन या हँडवाश से हाथ धुलाई के तरीके के साथ ओ.आर.एस.घोल बनाने और दस्त के समय उसका उपयोग करने के बारे में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से में जानकारी देते हुए जनजागरूता कार्यकम आयोजित किये जा रहें हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे ने जानकारी दी कि जिले के सभी प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ओ.आर.टी. कार्नर स्थापित कर नि:शुल्क जिंक टैबलेट एवं ओ.आर.एस. का वितरण किया जा रहा है। *जिंक अनुपूरण से दस्त की अवधि और गंभीरता तथा उसके बाद होने वाले संक्रमण की संभावना 2-3 महीने तक कम हो जाती हैद्य हृरू लेने से यह बच्चों को डायरिया से होने वाली पानी की कमी से बचाता है।

बेमेतरा ब्लॉक में कार्यक्रम प्रबंधक पंकज आदिल ने बताया कि स्टॉप डायरिया अभियान के तहत हैंडवास एक्टिविटी प्राथमिक शाला बेतर बेमेतरा में चिरायु दल द्वारा किया गया, जिसमें डॉ प्रीति ठाकुर डॉ दिलीप चंद्रवंशी मनीष साहू एलटी बलवंत बंजारे फार्मासिस्ट के द्वारा बच्चों को हैंड वास की विधि एवं डायरिया से बचाव के तरीके के बारे में बताया गया, वही स्टॉप डायरिया कैंपेन तहत हैंडवास एक्टिविटी का आयोजन प्राथमिक शाला चंदनु बेमेतरा में चिरायु दल द्वारा किया गया जिसमें डॉ ऋषभ शर्मा डॉ आकांक्षा कुर्रे, खिलेंद्र साहू फार्मासिस्ट के द्वारा बच्चों को हैंड वास की विधि एवं डायरिया से बचाव के तरीके के बारे में बताया गया।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत नगर के 96 नगरवासियों की हुई जांच और मिला उचित उपचार

थान खमरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। हर गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति चाहता है कि जब वह बीमार पड़े तो उसे अपने इलाज के लिए यत्र-तत्र भटकना न पड़े। छोटी-छोटी बीमारी के लिए अपनी रोजी रोजगार बंद कर डाक्टरों से अपॉइंटमेंट लेकर और लाईन में लगकर इलाज कराने से हर कोई बचना चाहता है। लोगों की इन्ही परेशानियों और जरूरतों को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ में शुरू की गई मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अब इन्हीं उद्देश्यों और लक्ष्यों को न सिर्फ पूरा कर रही है, बल्कि अपने मुहल्ले में ही घर के पास कैंप लगने से जरूरतमंद लोगों को इलाज में बहुत सहूलियत हुई है। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के साथ गरीबों का शीघ्र इलाज कर उन्हें स्वस्थ बनाने की दिशा में यह उठाए गए इस कदम का परिणाम है कि मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना ने गरीब परिवारों का दिल जीत

लिया है व भारी प्रशंसा बटोरने में सफल हैं।

गौरतलब हैं कि इस योजना का लाभ थानखम्हरिया नगर वासियों को मिल रहा है यहाँ बस सप्ताह में दो बार आती है दिन बुधवार व शनिवार को सुबह 8:00 बजे से 2:00 बजे तक 7 घंटा अपनी सेवा देती है योजना जरूरतमंद व गरीबों तक के के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने यह बस पूर्ण अस्पताल है जिसमें अनुभवी डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ , मेडिकल उपकरण सहित सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद है इसके अलावा मरीज को निशुल्क दवाई, लैब टेस्ट की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जिसमें खून जांच ,यूरिन टेस्ट, टीवी, थायराइड ,टाइफाइड शुगर ,बीपी , मलेरिया आदि की जांच लैब टेक्नीशियन द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से की जाती है गरीबों का त्वरित इलाज करने महत्वपूर्ण कदम सरकार के महत्वकांक्षी योजना को जनप्रतिनिधियों व नगर वासियों द्वारा खुब प्रशंसा की हैं। मेडिकल यूनिट बस में मेडिकल ऑफिसर संदीप कुमार साहू, लैब टेक्नीशियन मिस गुंजन वर्मा, मास्टर भगवान साहू , नर्स चंद्र किरण मौजूद थे व नगर के 96 लोगों का जांच व उचित उपचार किया गया।

प्रधान पाठक पद पर पदांकन हेतु काउंसिलिंग 16 को

कवर्धा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छग टीचर्स एसोसिएशन के सतत प्रयास से ई.-एल.बी. संवर्ग के सहायक शिक्षक से प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के पद पर पदोन्नति के लिए पदांकन हेतु काउंसिलिंग आगामी 16 जुलाई को तय किया गया है. एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 12 जुलाई को जारी पत्र के अनुसार जिले के 93 सहायक शिक्षकों को पदोन्नत करते हुए काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है. काउंसिलिंग के लिए प्राथमिकता क्रम तय किया गया है, जिसके अनुसार क्रमश: महिला दिव्यांग, पुरुष दिव्यांग, महिला गंभीर बिमारी, पुरुष गंभीर बिमारी, वरिष्ठता क्रम में शेष महिला व शेष पुरुष को स्कूल चयन का मौका मिलेगा. ज्ञातव्य हो कि टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सहायक शिक्षकों के पदोन्नति के मुद्दे को लेकर तीन दिन पूर्व 10 जुलाई को ही डीईओ से मुलाकात किया था, जिसके बाद पदोन्नति सूची व काउंसिलिंग तिथि जारी किया गया है. एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी, आसकरण धुर्वे, उग्रसेन चन्द्रवंशी, हेमलता शर्मा, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा, बलदाऊ चन्द्राकर, राजेश तिवारी आदि पदाधिकारियों ने पदोन्नति के लिए स्थानीय विधायक व छग शासन के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी योग दास साहू, विकासखण्ड अधिकारियों सहित प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया है.

■ अपने पसंद का स्कूल चयन करने का मिलेगा मौका

काउंसिलिंग के लिए ऐसा होगा क्रम- पदोन्नति के लिए चयनित 93 सहायक शिक्षकों की सूची में दिव्यांगता के आधार पर दो महिला व पांच पुरुष तथा दो महिला सहायक शिक्षक को एकल महिला के तहत काउंसिलिंग के लिए सूची में प्राथमिकता देते हुए क्रमांक एक से नौ तक क्रम में रखा गया है, तत्पश्चात शेष 41 महिला व 43 पुरुष सहायक शिक्षक को स्थान दिया गया है.

आत्मानंद स्कूल में होगा काउंसिलिंग - एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि पदोन्नति के बाद शाला चयन के लिए काउंसिलिंग हेतु सहायक शिक्षकों को 16 जुलाई को प्रात: 11 बजे से स्थानीय रानी दुर्गावती चौक स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में बुलाया गया है.

नगर पंचायत एवं लोक निर्माण विभाग के सड़कों में गड्ढे ही गड्ढे

■ आवागमन में हो रही परेशानी, सुध लेने वाले भी मौन

थान खमरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पंचायत में जगह-जगह सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। दिक्कतें तब बढ़ जाती हैं जब बरसात का पानी भरे होने के कारण यहां दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। वार्ड क्रमांक 3 गौरवपथ रोड व दुर्गा चौक साजा रोड की स्थिति यही है, सड़क की स्थिति से आम जन परेशान व जनप्रतिनिधियों से खासे नाराज हैं। कई बार संबंधित अधिकारियों के पास गुहार लगाने के बावजूद सड़क नहीं सुधर पाई है, गांव गांव में आवागमन के साधन के लिए सडके बनाई जा रही है और देख रेख के अभाव में गुणवत्ता की कमी के चलते सड़के बहुत जल्दी ही जर्जर हो रही है। ठेकेदारों के द्वारा गारंटी बोर्ड में लिखा जरूर रहता है, लेकिन उनके द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता। जिसका खामियाजा आनेजाने वाले राहगीरों को उठाना पड़ता है। मजबूरी में जनता उन पर चलने के लिए मजबूर है, सड़कों पर जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। भारत माता चौक, कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, सरस्वती शिशु मंदिर ,शासकीय उच्चतर बालक विद्यालय, आत्मानंद पब्लिक स्कूल आदि के लगभग

दो हजार छात्र छात्राओं का रोड में प्रतिदिन अध्यापन कार्य के लिए आना जाना पड़ता है। रोड बारिश के कारण धसने लगी है, कई जगह तो सड़के उखड़ चुकी है । कई साल से रिपेयरिंग नहीं हुई है, नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों से सड़क को सुधार करने के मांग की पर आज तक सड़क नहीं सुधरी सड़क की उपेक्षा से यह साबित हो जाता है कि उच्च पदों पर बैठे अधिकारी ऐसे मामलों पर कितने संवेदनशील है और जनता के मन में एक सवाल बांकि रह जाता हैं कि आखिर इसकी सुध कौन लेंगे ?

जैन संतो का चातुर्मास के लिए 19 को शहर में होगा मंगल प्रवेश

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जैन संत उपाध्याय प्रवर महेन्द्र सागर जी एव मनीष सागर जी के शिष्य ऋषभ सागर जी एव रिजु प्रज्ञ सागर जी का चातुर्मास बालोद में होने जा रहा है। 19 जुलाई को इन संतों का मंगल प्रवेश नगर में होने जा रहा है। इनके प्रवेश की व्यापक तैयारियां की जा रही है। ये संत चार माह के लिए महावीर भवन में विराजेंगे जहां प्रतिदिन 8:30 बजे से प्रवचन प्रारंभ होगा। चातुर्मास के सफल आयोजन के लिए समिति बनाई गई है जिसके पदाधिकारी के रूप में संरक्षक, डॉ प्रदीप जैन, मोहन नाहटा, बाबूलाल ढेलडिया, रूपचंद गोलछा, गुलाबचंद नाहटा, मदनलाल बाफना, अध्यक्ष मुकेश भंसाली, सचिव राहुल गोलछा, उपाध्यक्ष प्रकाश भंसाली, संत सेवा समिति श्रेणिक नवलखा, ऋषभ चौरड़िया, विकास भंसाली, धीरज बरडिया, सौरभ राणपरिया, सन्तोष गोलछा, गौरव गोलछा, जयचंद श्रीश्रीमाल, रमन पारख, राजीव जैन, भोजन व्यवस्था प्रभारी निशांत चौरड़िया, लक्की लोढ़ा, शुभम श्रीश्रीमाल, शुभम नाहटा, ऋषभ श्रीश्रीमाल, कांतिलाल कंवाड, अजय डुंगरवाल, ओमप्रकाश भंसाली, जितेंद्र टाटिया, प्रवचन व्यवस्था प्रमोद गोलछा, शांतिलाल भूगड़ी, विनोद गोलछा, संतोष नवलखा, आवास व्यवस्था प्रदीप चौरड़िया ;गोलूद्ध, विजय डुंगरवाल, प्रशांत ;रिंकूद्ध गोलछा, जिनेन्द्र मालू सांस्कृतिक प्रभारी श्रेयांश भंसाली, समकित सांखला, अक्षय चौरड़िया, मीडिया प्रभारी रूपचंद गोलछा जैन श्रीसंघ एवम संभवनाथ जैन मंदिर समिति तथा चातुर्मास आयोजन समिति ने संतों के प्रवेश एवम अन्य आयोजनों में सम्मिलित होकर चातुर्मास को सफल बनाने की अपील की है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रूपचंद जैन ने दी।

बालोद जिले में नेशनल लोक अदालत सफलतापूर्वक संपन्न

■ मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू शामिल हुए
■ जिला न्यायालय के विभिन्न कक्षों का किया अवलोकन, जिला अधिवक्ता संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में हुए शामिल

बालोद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्रकरण के निर्देशानुशार बालोद जिले के सभी न्यायालयो में नेशनल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आज आयोजित नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गए हैं। इस दौरान प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त स्पेशल सिटिंग के माध्यम से भी पेटी ऑफेंस के प्रकरणों को निराकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में आज आयोजित नेशनल लोक अदालत के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री पार्थ प्रतीम साहू शामिल हुए। इस दौरान जिला न्यायालय बालोद में पहुँचकर नेशनल लोक अदालत के कार्यों का अवलोकन किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री साहू ने जिला एवं सत्र न्यायालय में स्थित परिवार न्यायालय प्रथम श्रेणी न्यायाधीश क्रमांक 01, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रेक एवं स्पेशल कोर्ट आदि का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ज्ञातव्य हो कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने इस संपूर्ण लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु निरंतर प्रयास करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने के लिए प्रेरित किया। इसके अंतर्गत आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय बालोद एवं व्यवहार न्यायालय स्तर पर डौण्डीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुण्डरदेही में तथा बालोद जिले के राजस्व न्यायालयों में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इनके अलावा जिला न्यायालय बालोद के न्यायाधीशों एवं अधिवक्तागण की उपस्थिति में नेशनल लाक अदालत का आयोजन किया गया। बालोद जिले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्याम लाल नवरत्न के निर्देशानुसार इस लोक अदालत के लिए न्यायालयों में कुल 08 खण्डपीठ का गठन किया गया, जिसमें कुल लंबित प्रकरण 2096 रखे गये थे जिसमें कुल 1923 लंबित प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इस लोक अदालत में लंबित सिविल एवं दांडिक प्रकरण, प्री-लिटिगेशन के बैंक, विद्युत, जलकर, बीएसएनएल के तथा राजस्व न्यायालयों की खंडपीठ के समक्ष कुल 19231 प्रकरण रखा गया, जिसमें 19124 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति व सुलह समझौता करने वालों पक्षकारों को प्रोत्साहन स्वरूप पौधा वितरण भी किया गया।

विदित हो कि जिला एवं सत्र न्यायालय बालोद के अवलोकन के दौरान न्यायमूर्ति श्री पार्थ प्रतीम साहू ने जिला अभिलेखागार तथा जिला न्यायालय में स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, पुस्तकालय, प्रतीक्षा कक्ष आदि का निरीक्षण कर वहाँ के व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। जस्टिस साहू ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कक्ष में संयुक्त जिला कार्यालय के समीप आदमाबाद में जिला न्यायालय के निर्माण हेतु तैयार किए गए नक्शा का भी अवलोकन किया। न्यायमूर्ति श्री साहू ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नक्शा में निर्धारित स्थल आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री पार्थ प्रतीम साहू ने जिला अधिवक्ता संघ द्वारा उनके सम्मान में जिला न्यायालय के अधिवक्ता कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में भी शामिल हुए। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति श्री साहू ने कहा कि जिला अधिवक्ता संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित होकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि बालोद के अधिवक्ताओं से मेरा बहुत पुराना एवं आत्मीय रिश्ता है। इस दौरान उन्होंने बालोद जिले से जुड़े अपने पुराने संस्मरणों को भी साझा किया। न्यायमूर्ति श्री साहू ने जिला अधिवक्ता संघ को उनके आत्मीय सम्मान के लिए हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूँ, आप सब के सहयोग के बदौलत हूँ। उन्होंने बालोद जिले को न्यायिक कार्यों के लिए हर संभव सहयोग का भी आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री अजय साहू ने न्यायमूर्ति श्री पार्थ प्रतीम साहू के बालोद जिले के आगमन पर जिला अधिवक्ता संघ की ओर से हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। समारोह में न्यायमूर्ति श्री साहू को जिला अधिवक्ता संघ द्वारा प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित भी किया। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में आये पक्षकारों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में स्वास्थ्य विभाग तथा बैंकर्स एवं बालोद बाजार के द्वारा स्टॉल भी लगाया गया था। बालोद बाजार के द्वारा लगाए गए स्टॉल में महिला समूह के द्वारा घरेलु उद्योगों का प्रदर्शनी भी लगाया गया। नेशनल लोक अदालत में उपस्थित पक्षकारों के लिये स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्याम लाल नवरत्न, परिवार न्यायालय के न्यायाधीश श्री योगेश पारिख, जिला एवं सत्र न्यायालय (पाक्सो) श्री किरण कुमार जांगड़े, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री संजय कुमार सोनी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्रीमती श्वेता उपाध्याय गौर, न्यायिक मजिस्टेउट्ट कनिष्ठ श्रेणी कुमारी माधुरी मरकाम सहित अधिवक्ताओं एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंफ ज्ञापन

दल्लीराजहर, 13 जूलाई (देशबन्धु)। बलोदाबजार में कुछ दिन पूर्व उग्र हिंसा हुई थी जिसमे दुर्भावना वश कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता युवा कांग्रेस, एनएसयूआई पदाधिकारियों पर एफआईआर कार्यवाही कि जा रही है जिसके विरोध में प्रदेश युवा कांग्रेस एवं जिला युवा कांग्रेस के निर्देश पर युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष भरत देवांगन ने अपने साथियों के साथ जाकर विरोध स्वरूप एसडीएम को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा उन्होने ज्ञापन के व्दारा मांग की है की इस मामले में युवा कांग्रेस एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों का दूर दूर तक कोई नाता नहीं है अत: उन्हें परेशान प्रताड़ित करना बंद करे अन्यथा आने वाले समय में युवा कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष अयान अहमद ने कहा कि बालोदाबजार में जो हिंसा हुई उसकी हम निंदा करते है जो दोषी है सरकार उन पर कारवाही करे निर्दोष लोगो को परेशान करना बंद करे ।युवा कांग्रेस जिला सचिव नीरज साहू ने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओ युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों को द्वेषपूर्ण तरीके से फसाने की साजिश की जा रही है जो न्यायसंगत नही है ।ज्ञापन सौंपने में प्रमुख रूप से युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष भरत देवांगन ,नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष राजहरा अयान अहमद ,जिला युवा कांग्रेस सचिव नीरज साहू ,हेमंत पटेल , राज साहू आदि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

■ बेलोदाबाजार हिंसा की कांग्रेस करती निंदा ,जो दोषी है शासन उन पर करे कार्यवाही

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम से राजनांदगांव आगमन पर देशबन्धु समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार से हुई संक्षिप्त बातचीत

प्रश्न–मोहन मरकाम जी किस प्रयोजन से दौरा हुआ है राजनांदगांव जिले का।

उत्तर– मेरा कवर्धा जिला और राजनांदगांव जिले का दौरा है जिसमें कांग्रेस परिवार के शोकाकुल परिजनों से मिलने आया हूं । इसमें कांग्रेस के बहुत से परिवारों में गमी हुई थी उन परिवारों से मिलने का ही मुख्य प्रयोजन रहा है।

प्रश्न– विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव रहा है और जो अपेक्षाएं थीं की अच्छी खासी सीट आएगी उसमें कहीं ना कहीं कांग्रेस बेहद ही कमजोर नजर आई और एक सीट मात्र हाथ लगी 10 सीट भाजपा के खाते में गई तो फिर कांग्रेस का मनोबल कैसे मजबूत करेंगे ?

उत्तर–आजादी के बाद से छत्तीसगढ़ जो मध्य प्रदेश में रहा है मध्य प्रदेश सरकार बनाते थे छत्तीसगढ़ का बहुत बड़ा योगदान रहता था छत्तीसगढ़ कांग्रेस का गढ़ माना जाता है मगर कुछ कारणों से छत्तीसगढ़ के पिछले 15 सालों में पिछड़े फिर सरकार के आने के बाद फिर से सरकार से बाहर हो गए कहीं ना कहीं बहुत से कारण रहे हैं । उसका चिंतन मन कर रहे हैं अभी अभी हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व के दो पर्यवेक्षक कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री को भेजा गया था कार्यकर्ताओं ने उनका सम्मान किया वह अलग-अलग कामों में फीड बैक लेकर गए हैं जो कमियां हुई है उसे आने वाले चुनाव में कैसे दूर करेंगे उसको नए सिरे से चिंतन मनन करके आने वाले चुनाव में नए सिरे से तैयारी करेंगे हमें उम्मीद थी कि सरकार दोबारा आयेगी लगता है हम लोग कुछ जगह ओवर कॉन्फिडेंस में थे और इस वजह से सरकार से बाहर हुए मीडिया से लेकर जितने भी सर्वे संस्थाओं द्वारा किया गया छत्तीसगढ़ में सरकार को रिपीट बताया गया था निश्चित रूप से हमारी सरकार ने अच्छा काम किया था उसके बावजूद भी हम सरकार से बाहर हुए उसके कई कारण होंगे और उन कारणों को हम ढूंढेंगे और बेहतर करेंगे।

प्रश्न– कांग्रेस के भीतर और बाहर चर्चा जो उभर करके आती है कि कांग्रेस से जुड़े हुए लोग आपस मे ही लड़ते हैं भाजपा या अन्य दलों से नहीं भाजपा इसी वजह से आगे बढ़ कामयाब हो जाती है और भाजपा को इसका लाभ मिलता है, ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए क्या कार्य योजना है आपको लंबा संगठन का अनुभव है।

चलते-चलते

उत्तर– देखिए आपका पूछना कुछ हद तक सही भी है कुछ ऐसा होता है कुछ लोग प्रयास करेंगे कि हमारी ऊर्जा कार्यकर्ता की ऊर्जा जमीनी नेताओं की ऊर्जा प्रतिद्वंद्वी से लड़े उस रणनीति पर काम करना चाहिए जो की कमियां है उन कमियों को दूर करके क्योंकि आने वाले समय में नगर निकाय के चुनाव है उसके लिए जो कार्यकर्ता है कार्यकर्ताओं का चुनाव है उसके लिए की तैयारी करेंगे ।अभी प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई थी प्रदेश के नेताओं की बैठक हुई सभी विस्तार से चर्चा हुई हम लोग गिले शिकवे भुलाकर नए सिरे से काम करेंगे 2013 से 2018 के बीच के सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़े थे हम लोगों 2018 में 68 सीटों के साथ ऐतिहासिक जनादेश के साथ सरकार में आए पर ऐसा नहीं हुआ कहीं ना कहीं आत्म चिंतन करने की आवश्यकता है और हम कर रहे हैं हम लोग संगठन को मजबूती देने का काम करेंगे ताकि हम हर मोर्चे पर अपना बेहतर प्रदर्शन कर पाए हम जनता से जुड़कर विपक्ष की भूमिका को मजबूत करेंगे और जन समस्याओं को भी लेकर हम आगे काम करते रहेंगे अनेको मुद्दों पर काम करना है।

प्रश्न– लोकतंत्र की बात आती है निश्चित रूप से कहीं ना कहीं संगठन के चुनाव में लोकतंत्र नजर नहीं आता चाहे युवा का चुनाव हो या किसी भी स्तर पर प्रादेशिक स्तर पर संगठन का आखिर उसमें लोकतंत्र क्यों नजर नहीं आता क्या कारण है कि हमेशा मनोनयन की स्थितियां निर्मित होती है।

उत्तर –देखिए हमारे कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है भाजपा को देखिए 11 करोड़ मेंबरशिप सबसे बड़ी पार्टी अपने आप को मानती है मगर वह जे पी नड्डा स को बार-बार रिपीट कर रहे हैं न वहां कार्यकारिणी की बैठक होती है ना किसी से चर्चा होती है जो मुखिया बोल दिया वही होता है हमारे यहां आंतरिक लोकतंत्र है हम अपनी बात पार्टी के अंदर कर सकते हैं कुछ साधारण कार्यकर्ता की प्रदेश अध्यक्ष को विधायक को मुख्यमंत्री को बोल सकता है भारतीय जनता पार्टी में लोकतंत्र नहीं दिखता ।

प्रश्न– जैसे राष्ट्रीय अध्यक्ष की बात करते हैं खड़गे जी राष्ट्रीय अध्यक्ष है कहीं ना कहीं गांधी परिवार तक के पूरा का पूरा कांग्रेस परिक्रमा में नजर आता है, ऐसा लगता है राष्ट्रीय अध्यक्ष कहीं है या नहीं है ऐसी स्थितियों को कैसे लोगों तक समझ पाएंगे।

उत्तर– देखिए लोकतंत्र के कारण पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है इसमें खड़गे साहब शेड्यूल कॉस्ट समाज से है कमेटी के अध्यक्ष से लेकर यहां पहुंचे हैं नेता प्रतिपक्ष से लेकर संसद सभी जगह मंत्री में लेकर केंद्रीय मंत्री तक से लेकर आज राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं गांधी परिवार से निकालकर बने हैं एक कांग्रेस पार्टी का लोकतंत्र है मोहन मरकाम जैसे बस्तर से आकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बन सकता है बस्तर से निकलकर कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनता है तो यह कांग्रेस पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र ही कहा जा सकता है नहीं तो मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को क्या इतना बड़ा पद दिया जाता क्या।

विपश्यना ध्यान शिविर के साधक धर्म के मर्म को समझ रहे

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। अपनी वाणी या शरीर से दूसरे प्राणियों की हानि करना ही पाप है। जिस कार्य से दूसरों को सुख पहुंचता हो, शांति मिलती हो, उनका मंगल होता हो, वही कुशल कर्म है। जो कर्म दूसरे को हानि पहुंचाए, उससे बंचें और जो दूसरों को लाभ पहुंचाए, वही करें। औरों को हानि पहुंचाने वाले कर्म स्वयं को भी हानि करता है। औरों को लाभ पहुंचाने वाले कर्म स्वयं को भी लाभ पहुंचाता है। यह कुदरत का नियम है, विश्व का विधान है। जैसा बीज बोयेंगे, वैसा ही फल आयेगा। प्रकृति के इस कानून को समझकर इसके अनुसार चलना ही धर्म है।

ज्यों-ज्यों चित्त निर्मल होता जायेगा, अपने आप दुष्कर्म नहीं होंगे। चित्त मैला होता है तभी वाणी और शरीर से दुष्कर्म होते हैं। जब चित्त निर्मल हो जायेगा, तो अनंत करूणा, अनंत मैत्री, अनंत मुदिता और अनंत समता से भर जायेंगा। निर्मल चित्त व्यक्ति किसी को नुकसान नहीं पहुंचा सकता। वह तो कल्याण ही करेगा।

7 जुलाई से 18 जुलाई 2024 की अवधि में विपश्यना ध्यान केन्द्र थनौद जिला दुर्ग में दस दिवसीय विपश्यना शिविर में साधनारत साधक साधिकाओं ने अपने अनुभव एवं प्रवचन में धर्म के मर्म को समझ रहे हैं। विश्व विपश्यना आचार्य सत्यनारायण गोयनका के विडियो प्रवचन में साधकों को आर्य आष्टांगिक मार्ग के बारे में जानकारी दी गई तथा आठ अंग सम्यक वाणी, सम्यक कर्मान्त सम्यक आजीविका सम्यक व्यायाम सम्यक स्मृति सम्यक समाधि, सम्यक संकल्प तथा सम्यक दृष्टि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साधना के मार्ग का स्पष्टीकरण करने तथा साधना विधि को समझाने के लिये साधकों को प्रतिदिन शाम को 7 बजे से विश्व विपश्यना आचार्य सत्यनारायण गोयन्का के विडियो प्रवचन सुनवाया जाता है। दस दिवसीय आवासीय शिविर में प्रतिदिन परियत्ति एवं पटिपत्ति अर्थात सिद्धांत एवं अभ्यास दोनों सिखाया जाता है।विश्व विपश्यना आचार्य सत्यनारायणजी गोयन्का के प्रतिनिधि के रूप में बिलासपुर से सहायक आचार्य देवेन्द्र नारायण द्विवेदी, द्वारा साधक साधिकाओं का मार्गदर्शन किया जा रहा है। शिविर में देश के विभिन्न भागों बेंगलुरू, नागपुर, कांकेर, कोरबा, शक्ति, चांपा, जांजगीर, बेकुंठपुर, डोंगरगढ़, रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव से आये 62 साधक साधिकायें कुल 40 साधक तथा 22 साधिकायें साधना कर रहे हैं। इसके साथ ही 3 धर्म सेवक तथा 2 धर्म सेविका शिविर के संचालन में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

विपश्यना साधना के विविध आयामों के कारण अनेक शासकीय विभाग एवं संस्थान अपने अधिकारी/कर्मचारी को दस दिवसीय विपश्यना शिविर में शामिल होने हेतु विशेष अवकाश प्रदान कर रहे हैं। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में 220 से अधिक स्थायी विपश्यना केन्द्र के माध्यम से तथा अनेक केन्द्रेत्तर शिविर धर्मसेवी आचार्य, एवं सहायक आचार्यों द्वारा संचालन किया जा रहा है। जिसमे छः महाद्वीप के सौ से अधिक देश के नागरिक विपश्यना साधना का लाभ ले रहे हैं।

जिला रजक समाज का सम्मान समारोह डोंगरगढ़ में संपन्न

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। जिला रजक समाज द्वारा डोंगरगढ़ मां बम्लेश्वरी मंदिर प्रांगण में छीरपानी कार्यालय स्थित मंगल भवन में समाज के प्रतिष्ठित एवम् प्रतिभावान व्यक्तियों का सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया जिसमे मुख्यमंत्री के निज सहायक तुलसी कौशिक सहित समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों का समाज द्वारा भव्य स्वागत कर सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह कार्यक्रम का प्रारंभ इष्ट देव भगवान शंकर जी की पूजा अर्चना कर माल्यार्पण कर किया गया तत्पश्चात अतिथियों का तिलक लगाकर साल श्रीफल भेंटकर जिला रजक समाज द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कौशिक ने समाज के समस्त पदाधिकारियों सहित उपस्थित सामाजिक लोगो से परिचय प्राप्त करते हुए कहा की समाज में एकजुटता जरूरी है उन्होंने उच्च शिक्षा पर जोर देते हुए महिला सशक्तिकरण की बात कही साथ ही केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं की संपूर्ण जानकारी लेकर लाभ लेने की बात कही। श्री कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार बहुत सक्रियता से कार्य कर रही है महिला वंदन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ धरातल में दिखाई दे रहा है। उन्होंने समाज के आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में तुलसी कौशिक (रजक) मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, अध्यक्षता प्रभुनाथ बैठा उपाध्यक्ष राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत, विशेष अतिथि विश्राम निर्मलकर प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय रजक महासंघ छत्तीसगढ़ ,संरक्षण घुरसाय रजक, सुरेश निर्मलकर प्रदेश सचिव ,संरक्षक महेश कर्ष , अरूण बैबा समाज सेवी भिलाई, आर के पोददार समाज सेवी भिलाई, भरत निर्मलकर जिला अध्यक्ष धमतरी चित्ररेखा निर्मलकर महिला प्रकोष्ठ युवा प्रकोष्ठ इस सम्मान कार्यक्रम मे जिला पदाधिकारी डॉ. लेखराम निर्मलकर अध्यक्ष जिला रजक समाज राजनांदगांव, सचिव रोहित निर्मलकर, कोषाध्यक्ष योगेश निर्मलकर ,उपाध्यक्ष हेमसिंग निर्मलकर ,उपाध्यक्ष कैलाश सोनवानी, संरक्षक नंद रजक ,सहसचिव रोहित निर्मलकर , जिला मीडिया प्रभारी लोकेश रजक, सलाहकार रवि निर्मलकर, लक्ष्मी नाथ रजक एवं विभिन्न परिक्षेत्र के अध्यक्ष देवशरण निर्मलकर बैगा टोला, रेखालाल रजक, गोपी रजक राजनांदगांव, संतोष निर्मलकर ढाबा, घनश्याम रजक , खोरबाहरा कंवल निर्मलकर सरपंच मुसरा, कैलाश सोनवानी डोंगरगढ़, कृष्णा निर्मलकर एल बी नगर, दिलीप निर्मलकर गैदाटोला ,तुलसी निर्मलकर छुरिया, उमेन्द्र निर्मलकर भर्रीटोला देवनाथ, परस निर्मलकर , जंगलेशर , ज्योति सोनवानी अधिवक्ता डोंगरगढ़, किरण सोनवानी, धमतरी से जिला अध्यक्ष भरत निर्मलकर, अन्य पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक लोग उपस्थित रहे। उक्त जानकारी समाज के जिला मीडिया प्रभारी लोकेश रजक ने दी।

खेल को बढ़ावा देने के लिए साई को हर संभव मदद: मधुसूदन यादव

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र राजनांदगांव द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर साई और अंतर खेलों इंडिया एकेडमी बास्केटबॉल प्रतियोगिता में युगांतर खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की बालक बास्केटबॉल टीम ने अखिल भारतीय अंतर साई बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

युगांतर खेलों इंडिया एकेडमी राजनांदगांव ने अखिल भारतीय अंतर साई बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता

इस प्रतियोगिता का समापन समारोह पूर्व सांसद, महापौर, एवं नगर निगम अध्यक्ष मधुसूदन यादव के मुख्य आतिथ्य, समाजसेवी शैंकी बग्गा की अध्यक्षता एवं अंतर्राष्टीय हॉकी खिलाडी मृणाल चौबे एवं अंतर्राष्टीय बास्केटबॉल खिलाडी लुमेन्द साहू के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

मृणाल चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि साई ने एवं कालवा राजेश्वर ने राजनांदगांव में खेल को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किया और राजनांदगांव के बास्केटबॉल को अंतर्राष्टीय स्तर पर स्थापित किया। इसी का नतीजा है कि विगत 2007 के पश्चात राजनांदगांव में बास्केटबॉल की लगातार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हो रही है।

उन्होंने मधुसूदन यादव जी द्वारा खेल नगरी राजनांदगांव के स्तर को बढ़ाने के लिए बहुत प्रयास किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज सेवी शैंकी बग्गा ने बताया राजनांदगांव में बास्केटबॉल की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता होना गर्व का विषय है। राजनांदगांव एक भारत श्रेष्ठ भारत का मिशन पुरा करने का माध्यम बन रहा है। यहां देशभर के खिलाडी लगातार आ रहे है और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

अपने स्वागत भाषण में अंतर्राष्टीय बास्केटबॉल प्रशिक्षक कालवा राजेश्वर राव ने पूर्व सांसद, पूर्व महापौर, एवं नगर निगम अध्यक्ष मधुसूदन यादव की साई को बढ़ावा देने के लिए किये गये कार्यों से खिलाड़ियों को अवगत कराया।

अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव ने बताया कि में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित हूँ। और राजनांदगांव और शहर के विकास के लिए में हर संभव प्रयास करूँगा। राज्य और केंद्रीय सरकार भी खेल को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। साई ने मृणाल चौबे, रेणुका यादव लुमेन्द साहू, श्रवण कुमार सहित कई अंतरराष्टीय खिलाड़ी दिये है। राजनांदगांव में राजेश्वर राव की पदस्थापना के पश्चात बास्केटबॉल का स्तर बढाने का प्रयास किया। आज राजनांदगांव के बास्केटबॉल को अगर राष्ट्रीय और अंतर्राष्टीय स्तर पर जो पहचान मिली है उसका पूरा श्रेय श्री राव को जाता है। उन्होंने दिग्विजय स्टेडियम के इंडौर हॉल की सांउड सिस्टम को ठीक कराने के लिए प्राक्कलन तैयार कराकर दें इस कार्य को तुरंत स्वीकृति प्रदान कर कार्य करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने विजेताओं को बधाईयाँ दी और जिन खिलाड़ियों को पदक नहीं जीता है उन्हें निराश न होने की सलाह दी और कहा कि आप लोग और मेहनत करने को उत्साहित किया ताकि वे अगली प्रतियोगिता में पदक जीत सकें।

इसके पश्चात समस्त अतिथियों ने विजेता और उपविजेता तथा तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को पुरूस्कार प्रदान किये। इस अवसर सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया एव प्रतियोगिता में भाग लेने आये सभी कोचेस मेनेजर और रेफरीज को भी सम्मानित किया।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी के ओम स्तिता को बेस्ट शुटर का पूरूष्कार जबलपुर के मोहित मलिक एवं प्रोमिसिंग प्लेयर का पुरस्कार वाराणसी के राजेश सिंह को प्रदान किया।

फायनल में खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी की टीम ने साई ट्रेनिंग सेंटर वाराणसी की टीम को 81-61 अंको से परास्त किया ।

पिछली विजेता साई ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर की टीम ने साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव की टीम को 66-59 अंको से परास्त किया । खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी राजनांदगांव की और से ओम स्तिता, साहिल, प्रदीप कुमार, शुभम सिंह अमन कश्यप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जबकि वाराणसी की और से राजेश सिंह और देवेश जायसवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जबकि जबलपुर की और से मोहित मलिक, एवं अजय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

युगांतर खेलों इंडिया बास्केटबॉल एकेडमी की कोच कालवा राधा राव, नवनीत द्विवेदी एवं वंदना सिंह थे।

इस प्रतियोगिता में साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव की दो टीम, साई ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर, साई ट्रेनिंग सेंटर सेलम, साई ट्रेनिंग सेंटर धारवाड़, साई ट्रेनिंग सेंटर वाराणसी, युगांतर खेलों इंडिया एकेडमी, एवं साई ट्रेनिंग सेंटर जम्मू की टीमों ने भाग लिया ।

उक्त आशय की जानकारी देते हुए साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव के केंद्र प्रभारी के 0सी0 त्रिपाठी ने बताया कि 9 से 12 जुलाई 2024 तक आयोजित यह प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट पद्धति से खेली जायेगी।

इस अवसर पर विभिन्न टीमों के कोच मेनेजर, कार्तिकेयन, सचिन डोंगढ, पंकज पांडे, प्रियंका, कालवा राधा राव, दिव्या धारावत, सागादेवन, हरप्रीत कौर, अशोक यादव,अमित कुमार, अंतर्राष्टीय रेफरी गोविंद सेन, जतिन मिश्रा, संतोष शुक्ला, अरविंद रजक, मनिष धोबी, तिरथ गोस्वामी, क्षत्रिय कार्यालय भोपाल से गगनदीप सिंह बरार सहित अन्य गणमान्य नागरिकों एवं खिलाडी उपस्थित थे।

आबकारी एक्ट के तहत एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरूद्व चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 13.07.2024 को दौरान पेट्रोलिग के मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि नागपुर की ओर एक सफेद रंग की स्कोडा कार क्रमांक सी0जी0 04 डी एक्स 1877 मे भारी मात्रा मे अवैध रूप से शराब रखकर रायपुर की ओर ले जा रहा है। कि सूचना पर घटना स्थल सी0आई0टी0 बाइपास से कन्हारपुरी जाने वाली रोड राजनांदगांव के पास घेराबंदी कर उक्त वाहन को पकडे चालक से नाम पता पुछने पर अपना नाम व पता शेख आमिर पिता शेख हासिम उम्र 28 साल निवासी अटल आवास पेण्ड्री थाना लालबाग राजनांदगाव बताया। वाहन को चेक करने पर वाहन के अंदर अवैध रूप से मध्यप्रदेश राज्य निर्मित 22 पेटी अंग्रेजी गोवा शराब मिलने पर आरोपी के कब्जे से 22 पेटी अंग्रेजी गोवा शराब कुल 1100 पौवा मात्रा 198 बल्क लीटर कीमती 126500 रूपये, एक स्कोडा कार क्रमांक सी0जी0 04 डी एक्स 1877 कीमती 5.00000 रूपये व दो नग मोबाईल जुमला कीमती 6.26500 रूपये जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी पूछताछ पर उक्त शराब को बैतूल मध्यप्रदेश से जगदलपुर बस्तर ले जाना बताया गया है, जिसकी जांच कर अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी की जायेगी।आरोपी का कृत्य आबकारी अधिनियम के तहत पाये जाने से अपराध क्रमांक 424/2024 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट कायम कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया जेल वारंट प्राप्त होने पर जिला जेल राजनांदगांव मे दाखिल किया गया। आगे भी असमाजिक तत्वों एवं अवैध रूप से शराब बिक्री/परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक एमन साहू, उप निरीक्षक संजय बरेठ, विरेन्द्र सिंह क्षत्रिय, प्र0आर0 चंद्रेश सिन्हा, संदीप चौहान, आरक्षक नामदेव नागवंशी, रामखिलावन सिन्हा, कुश बघेल, मणीशंकर कौशिक, प्रदीप जायसवाल, नरेन्द्र प्रजापति एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

तृतीय जिला स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। विगत दिनों योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन जिला राजनांदगांव द्वारा तृतीय जिला स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2024 का आयोजन गायत्री स्कूल केशर नगर राजनांदगांव में आयोजित किया गया। यह प्रतियोगिता योगासन भारत (ह्न्न्रस्न्न) दिल्ली से सम्बद्ध छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है।

जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव लक्ष्मण लोहिया ने बताया कि जिला राजनांदगांव से आयु वर्ग 10+, 14+, 18+ तीनों आयु वर्ग में लगभग 110 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने योगासन प्रतिस्पर्धा में भाग लिया। खिलाड़ियों के साथ लगभग 20 कोच/योग प्रशिक्षक भी उपस्थित हुए। प्रतियोगिता के प्रारंभ सत्र में उपस्थित अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया।

उक्त आयोजन में जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल, गायत्री स्कूल के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, गायत्री स्कूल के निकुंज सिंघल, समाजसेवी सौरभ अग्रवाल, एबिस ग्रुप के अंजुम अल्वी, गोपाल लड्डा, छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गोस्वामी जयंत विष्णु भारती, रायपुर, सूर्यकांत जी, रायपुर अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस प्रतियोगिता में 4 इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें ट्रेडिशनल इंडिविजुअल योगासना, आर्टिस्टिक सिंगल योगासना, आर्टिस्टिक पेयर योगासना, रिदमिक पेयर योगासना इवेंट में तीनों आयु वर्ग में बालक-बालिका खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन सत्र में पधारे अतिथियों के द्वारा आयोजित चारों इवेंट के तीनों आयु वर्ग में (बालक-बालिका) विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें जिला न्यायालय के सीजेएम ओमप्रकाश साहू, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव हेमंत रात्रे, गायत्री स्कूल की श्रीमती शैलजा नायर मैडम, प्रीति खंडेलवाल मैडम उपस्थित रही।

इस योगासन प्रतियोगिता के आयोजन में संयुक्त सचिव तकनीकी डोमेन्द्र कुमार देवांगन प्रतियोगिता निर्देशक रहे एवं निर्णायक के रूप में अशोक कुमार साहू, हेमंत सोनवानी, किशोर धीवर, पायल चन्द्राकर, मेघेश सोनी, ओम प्रकाश चंद्रवंशी एवं ऑफिशियल के रूप में प्रकाश कोष्टा, हेमलता वर्मा, नेहा साहू, प्रवीण यादव, झरना देवांगन, लेखिका साहू, यन्शु साहू, खिलेन्द्र सोनी, लक्ष्मी शेंडेके साथ गायत्री स्कूल के स्टॉफ उपस्थित रहे।

गरिमामय कार्यक्रम के सम्पादन हेतु अध्यक्ष हेमंत तिवारी, सचिव लक्ष्मण लोहिया, सहसचिव मनोज कोचर, रवि बग्गा, कोषाध्यक्ष नीरज बाजपाई, योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन राजनांदगांव के सभी पदाधिकारी एवम् सदस्य ने सभी को बधाई दी एवं प्रतियोगिता में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सिर्फ ईश्वर की भक्ति ही नहीं उनके प्रति समर्पण भाव भी होना चाहिए :संतोषी लाल पराशर

थान खमरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। व्यासपीठ पर आसीन श्री पराशर जी ने भक्ति और समर्पण भाव का उल्लेख करते हुए गजेन्द्र मोक्ष की कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन काल में त्रिकूट नामक पर्वत पर एक सुंदर सरोवर था। एक दिन गजेन्द्र नामक हाथी अपने साथियों के साथ उस सरोवर में जल क्रीड़ा करने गया। जल में प्रवेश करते ही एक विशाल मगरमच्छ ने उसका पैर पकड़ लिया। गजेन्द्र ने अपनी पूरी शक्ति लगाई, लेकिन मगरमच्छ के मजबूत पकड़ से छूट नहीं पाया। हाथी और मगरमच्छ के बीच यह संघर्ष बहुत समय तक चला।जब गजेन्द्र को अपनी शक्ति समाप्त होती दिखी और उसे अहसास हुआ कि वह अपने बल पर इस संकट से मुक्त नहीं हो सकता, तो उसने भगवान विष्णु का स्मरण किया और उन्हें पुकारा। गजेन्द्र ने एक कमल का फूल तोड़कर भगवान विष्णु को अर्पित करते हुए उनसे प्रार्थना की।गजेन्द्र की भक्ति और प्रार्थना सुनकर भगवान विष्णु तुरंत गरुड़ पर आरूढ़ होकर वहां आए। उन्होंने अपने सुदर्शन चक्र से मगरमच्छ का वध कर दिया और गजेन्द्र को मुक्त कर दिया। गजेन्द्र ने भगवान विष्णु का धन्यवाद किया और उनके चरणों में समर्पित हो गया। इस प्रकार श्री पराशर जी ने श्रद्धालुओं को संकट के समय धैर्य होकर ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से भक्ति करने का संदेश दिया।

शासकीय प्राथमिक शाला प्रांगण हांटरांका में किया गया 70 वृक्षों का रोपण

थानखम्हरिया, 13 जुलाई (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम हांटरांका के शासकीय प्राथमिक शाला में एक पेड़ मां के नाम के तहत शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा 70 पेड़ लगाये गये, इस कार्यक्रम में प्रधान पाठक विकास चौबे , शिक्षक देवचंद देवांगन, ग्राम पंचायत सरपंच खेलावन साहू , शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारीगण सम्मिलित रहे।

पूर्ण रूप से वैध एवं विकसित कॉलोनी में भवन प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

राजनांदगांव, 13 जुलाई (देशबन्धु)। पक्षी भी शाम को जब नीले वितान में विचरण कर लौटती है तो अपने द्वारा बनाये घोंसले में आती है। उसे अपने ठिकाने का पता होता है, इसी तरह च्घ्रज्ञ का सपना हर व्यक्ति संजोता है। व्यक्ति अपनी जीवन भर की पूंजी एक भवन बनाने में अथवा खरीदने में लगा देता है। किन्तु यदि वह एक घर, अवैध रूप से बसाई जा रही कॉलोनी में बनाता है या खरीदता है तो उसे आजीवन मलाल होता है, कि उसे वह सुविधाएं नहीं मिली जिसे वह चाहता था। ऐसे भवन/भूखण्ड खरीदने हेतु लोगों को होम लोन भी नहीं मिलता है एवं वे पर्सनल लोन लेकर, भारी भरकम व्याज पटाकर ऐसा घर खरीदते है जो पूर्ण रूप से वैध नहीं है एवं वर्षों तक विविध प्रकार की असुविधाओं का सामना करते है।

इसके विपरीत यदि लोग पूर्ण रूप से वैध कॉलोनी में भवन प्राप्त करने के इच्छुक है तो छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा विकसित कॉलोनियों में भवन कय करना सबसे सरल एवं पूर्ण रूप से सुरक्षित होता है क्योंकि मण्डल की योजनाओं हेतु भूमि का आवंटन शासन द्वारा किया जाता है। योजना का अभिन्यास नगर तथा ग्राम निवेश विभाग से स्वीकृत होता है एवं योजना रेरा पंजीकृत होती है। इसके अतिरिक्त मण्डल की कॉलोनियो में भवन कय करने हेतु गृह ऋण प्रदान करने हेतु सभी बैंक तत्पर रहते है। इन कारणों से छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा विकसित कॉलोनियों में भवन कय करना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा राजनांदगांव में अनेकों कॉलोनी विकसित की गई है, जिसमें अटल विहार योजना पेण्ड्री प्रमुख है। नगर निगम सीमा क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय के समीप मण्डल द्वारा विकसित एवं राज्य प्रवर्तित अटल विहार योजना पेण्ड्री में 556 नग विभिन्न श्रेणीयों के भवनों का निर्माण एवं विकास कार्य, प्रथम चरण में पूर्ण किया जा चुका है एवं कॉलोनी पूर्ण रूप से विकसित है तथा कॉलोनी का हस्तांतरण नगर पालिक निगम राजनांदगांव को वर्ष 2021 में किया जा चुका है। प्रथम चरण में निर्मित लगभग सभी भवनों का विक्रय किया जा चुका है व कॉलोनी में आबंटी निवासरत है।

प्रस्तावित है जिसका पंजीयन / बुकिंग जारी है। राजनांदगांव शहर के भीतर विकसित कॉलोनी में भवन कय करने का यह अच्छा अवसर है। भवन का प्रारंभिक मूल्य रू. 6.85 लाख है एवं पंजीयन / बुकिंग राशि मात्र रू. 25,000/- है। उक्त भवनों में राज्य शासन की ओर से रु. 80,000/- का अनुदान भी दिया जायेगा। भवन का आवंटन ऑनलाईन ऑफर के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर किया जायेगा। भवन कय करने हेतु किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए मण्डल की वेबसाईट 222.ष्द्धड्ढ.द्दश्1.द्बठ्ठ टोल फ्री नं. 18001216313 अथवा नया बस स्टैण्ड स्थित मण्डल के प्रक्षेत्र कार्यालय में अथवा मोबाईल नं. 8109132680, 9669961057, 8319335305 एवं 9644303087 से संपर्क कर सकते है।

प्रादेशिकी

महासमुंद-धमतरी-बलौदाबाजार-बागबाहरा-पिथौरा-गरियाबंद

उल्टा पुल्टा

संता- बंता से पूछता है आपका प्रोफेशन क्या है।
बंता- मैं एक पायलट हूं।
संता- वाह, कौन सी एयरलाइन्स में पायलेट हैं।
बंता- अरे एयरलाइन्स में नहीं , 10 दिन की ट्रेनिंग लेकर अब मैं शादियों में ड्रोन उड़ाता हूं।

कल तक खेत सूखाग्रस्त और आज लबालब

किसानों के माथे पर कल तक चिंता लकीर, आज खेत से पानी खाली करने की चिंता

राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। 13 जुलाई देशबन्धु। जो खेत कल तक सूखे थे, आज लबालब हो गये हैं। कल तक उन्हें खेतों में पानी की चिंता थी, आज खेतों से पानी खाली करने की चिंता सता रही है। विदित हो कि ग्रीष्म कालीन समय में धान का रबी फसल लगाया गया था उन खेतों में पानी के अभाव से बोवाई संभव नहीं हो पा रहे थे और किसान लंबे समय से पानी के आस में इंतजार कर रहे थे। आज उपर वाले ने इन किसानों की दु:ख मानो महसूस कर जोरदार बारिश से खेतों में लबालब पानी भर गया।

झमाझम बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त, खेतों में बाढ़ की स्थिति निर्मित: क्षेत्र के ग्राम सिर्रीखुर्द, कुडेल, देवगांव, चरभट्ठी एरिया में शाम 5 बजकर 30 मिनट तथा , जहां बोर सुविधा उपलब्ध है उन प्लॉट में बाढ की स्थिति निर्मित हो गये। मेड़ पार बहर पानी अपने साथ बहा कर ले गए। इधर नाली की सफाई नहीं होने, खेतों की सतह नाली से नीचे होने के चलते एवं नाली की सफाई नहीं होने से किसानों के खेतों का पानी निकल नहीं पा रहा है धान की फसल सड़ने की डर सता रही है। लगातार किसानों के मांग के बाद भी नाली की सफाई नहीं होने से खेतों से पानी निकालने की समस्या हो रहे हैं। किसान रामनरेश, श्रवण, राजू, दिनेश, रामकुमार, दौलत, भेषज ने बताया पानी नहीं गिरने के कारण हमारे माथे पर चिंता की लकीर आ गई थी हम बहुत परेशान थे। पानी की व्यवस्था कहां से किया जाए इस बात को लेकर चिंतित थे। हमारी समस्या को इंद्रदेव और वरुण देव दोनों ने मिलकर पूर्ण कर दिए हैं। कल की हुई बारिश ने हमारे मुख मंडल में मुस्कान ला दी है। अब माताई कर बोनी का काम तेज कर देंगे। कल रविवार है और रविवार को जुताई के लिए हम छुट्टी मानते हैं अत: सोमवार से काम में लग जाएंगे। खेतों में पानी भरने से हमारी सारी समस्याएं दूर हो गई है। क्षेत्र के सिंधौरी, बरोंड़ा, श्यामनगर, सुरसाबांधा, तर्रा, कुरूसकेरा, पीतईबंद, रावड़, भैंसातरा, बेलटुकरी, कोंदकेरा, परतेवा, पीपरछेड़ी, परसदा जोशी, अरंड, धमनी, किरवई, चौबेबांधा इत्यादि गांवों में बोनी का काम तेज गति से चल रहा है।

बाहर निकल रहे जहरीले जीव जंतु से लोग परेशान: हालांकि पानी गिर रहा है लेकिन उमस और गर्मी अभी भी वातावरण में मिला हुआ है लोग बगैर पंखे और कूलर के रह नहीं पा रहे हैं। गर्मी से निजात पाने के लिए जहरीले जीव जंतु सर्प बिच्छू इत्यादि इन दोनों बहुतायत संख्या में देखी जा रही है। इससे बचने के लिए या तो लोग सीधे मार रहे हैं या फिर भगा रहे हैं।

कलेक्टर ने शिक्षक बन बच्चों को पढ़ाया अंग्रेजी

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी शुक्रवार को विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सोनपुरी पहुंचे। उन्होंने स्कूल का निरीक्षण करते हुए शिक्षकों से स्कूल में बच्चों की दर्ज संख्या, उपस्थिति सहित पेयजल एवं शौचालय की जानकारी ली और कक्षा 5वीं के बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाया। कलेक्टर ने बच्चों कों व्हाट इज योर नेम व्हेयर आर यू फ्रॉम पूछकर अर्थ भी बताया। उन्होने शिक्षकों को निर्देशित किया कि बच्चों को बुनियादी जानकारी से सम्बंधित वाक्यों का अभ्यास कराएँ। उन्होने बच्चों के लिए क्रिकेट किट एवं अन्य खेल सामग्री की व्यवस्था जल्द करने की बात कही।

बच्चों को शीघ्र मिलेगा क्रिकेट किट सहित अन्य खेल सामग्री

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान अलग-अलग कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा किये जा रहे नवाचार की सराहना की। उन्होने पढ़ाई की जानकारी लेने के साथ ही छात्रों से पहाड़ा सुना और प्रोत्साहित करते हुए ताली बजवाई। उन्होने छात्रों को अच्छे से पढ़ाई करने के साथ ही खेल में भी रूचि लेने कहा ताकि शारीरिक और मानसिक रुप से स्वस्थ रहें। उन्होने अनुपस्थित बच्चों की जानकारी लेते हुए सभी बच्चों को रोज स्कूल आने और जो बच्चे नहीं आते है उन्हे साथ लाने कहा।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन कार्यालय ने बाइपास निर्माण की मांग पर नपाध्यक्ष राशि को किया दिल्ली तलब

सोमवार को नपाध्यक्ष दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से करेगी मुलाकात

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कार्यालय की ओर से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग को बाइपास निर्माण की मांग पर दिल्ली तलब किया है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती महिलांग ने बताया कि विगत दिनों उन्होंने शहरवासियों की बहूप्रतिक्षित बाइपास निर्माण की मांग को लेकर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था। उक्त पत्र को लेकर गत दिनों केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री कार्यालय की ओर से उन्हें इस सम्बंध चर्चा के लिए बुलाया गया है। श्रीमती महिलांग ने बताया कि मंत्री से चर्चा के लिए सोमवार को वो दिल्ली जाएंगी। ज्ञात हो कि शहर में भारी वाहनों की वजह से यातायात के बढ़ते दबाव के चलते हादसे हो रहें है जिसमें नागरिकों को हादसों के साथ अपनी जान भी गंवानी पड़ रही है। बाइपास निर्माण की मांग शहर की बहुप्रतिक्षित मांग रही है जिसके लिए उन्होंने मंत्री को पत्र लिखकर उनका इस बहुप्रतिक्षित मांग के लिए ध्यान आकृष्ट कराया था जिसे मंत्री श्री गडकरी ने गम्भीरता से लिया है और कार्यालय की ओर से उन्हें पत्र भेजकर चर्चा के लिए बुलाया है।

स्कूली जीवन में प्राप्त शिक्षा होती है सम्पूर्ण जीवन यात्रा की बुनियाद: योगेश्वर

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम भलेसर के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा थे। उन्होंने पौधारोपण कर उपस्थित विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति की सुंदरता पेड़ से है। सर्वत्र हरियाली रहने से हमारा पर्यावरण स्वच्छ और सुंदर बना रहेगा। आज हम पौधे लगाएंगे तो उसका लाभ हमें वर्तमान के साथ . साथ भविष्य में भी मिलेगा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि स्कूली जीवन में प्राप्त शिक्षा सम्पूर्ण जीवन यात्रा की बुनियाद होती है। इस कालखंड में सीखा गया हर ज्ञान जीवन पर्यंत काम आता है। इसलिए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूली शिक्षा के साथ.साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अपना योगदान देते रहें। पर्यावरण मित्र बनें। धरती में हरियाली से ही खुशहाली आती है। अपने आसपास पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। आज आप जो पौधे लगा रहें, उसका लाभ आपको सालों तक मिलेगा। पेड़ से हमें अनेक लाभ मिलते हैं। पेड़ छाया देते हैं, फल देते हैं, कई पेड़ औषधि गुण वाले होते हैं। मानव जीवन के लिए पेड़ वरदान है। इसलिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू की है। इस अभियान से जुड़कर देश के हर क्षेत्र में लोग पौधारोपण कर रहे हैं। आप सभी भी इस अभियान से जुड़ें और अधिक से अधिक पौधे लगाएं। कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रदीप चंद्राकर, अंशुमान तिवारी, ग्राम सरपंच टेमिन सिन्हा व स्कूल स्टाफउपस्थित थे।

गुजारा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुस्लिम महिलाओं को काफी राहत महसूस हुई : रूपकुमारी

धमतरी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी की संसद (महासमुंद लोकसभा क्षेत्र) सदस्य रूपकुमारी चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि कोई भी तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता लेने की हकदार है। श्रीमती चौधरी ने कहा कि यह फैसला ऐतिहासिक है और तीन तलाक के चलते अपने भविष्य और अस्तित्व को लेकर फिक्रमंद मुस्लिम महिलाओं को इस फैसले से काफी राहत महसूस हुई है।

भाजपा सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि यह फैसला सन 1986 में कांग्रेस की तत्कालीन केंद्र सरकार, जब स्व. राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, की तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित उस भूमिका पर सवाल खड़ा करता है जब शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने के लिए तत्कालीन राजीव सरकार ने संविधान बदल डाला था। श्रीमती चौधरी ने कहा कि आज संविधान और आरक्षण के नाम पर झूठ फैलाकर षड्यंत्रपूर्ण नैरेटिव चला रही कांग्रेस को फुर्सत निकालकर अपने अतीत और गिरेबाँ को भी खंगाल लेना चाहिए। तब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजीव सरकार ने किस तरह मौलवियों के आगे घुटने टेके थे, यह सारा देश जानता है और बहुमत के बल पर संविधान बदलकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। श्रीमती चौधरी ने कहा कि मुस्लिम जमात का वोट बैंक के तौर पर सियासी इस्तेमाल तो कांग्रेस खूब करती है लेकिन मुस्लिम महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय से आँखें मूंद लेती है।

भाजपा संसद सदस्य श्रीमती चौधरी ने कहा कि केंद्र में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तब पहली बार तीन तलाक पर बने सख्त कानून से मुस्लिम महिलाओं को सामाजिक व पारिवारिक सुरक्षा की गारंटी मिली। सुप्रीम कोर्ट के इस ताजा फैसले के बाद अब समय आ गया है कि देश का जनमानस समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर सकारात्मक वातावरण बनाए ताकि सभी वर्ग, समुदाय व धर्म की महिलाओं का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो। श्रीमती चौधरी ने कहा कि गुजारा भत्ता के अधिकार पर एक बार फिर मुहर लगने के बाद मुस्लिम महिलाओं की खुशी का ठिकाना नहीं हैं। वर्तमान सरकार पर उनका विश्वास इतना गहरा है कि अब वे भी समान नागरिक संहिता लागू होते देखना चाहती हैं और बदलते भारत में संवैधानिक अधिकारों पर मजबूती से बात कर रही हैं। श्रीमती चौधरी ने कहा कि न्यायालय के इस आदेश से परिवार के टूटने की आशका कम होगी।

भाजपा सांसद श्रीमती चौधरी ने शरीयत का हवाला देकर मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड द्वारा इस फैसले का विरोध करने को दुर्भाग्यपूर्ण माना और कहा कि जब-जब शरिया के नाम पर कट्टरपंथियों ने मुस्लिम महिलाओं की दवाने और कुचलने की कोशिश की, तब सुप्रीम कोर्ट आगे आया है। अगर देश संप्रदायनिरपेक्ष है तो मुस्लिमों के लिए अलग और हिंदुओं के लिए अलग कानून नहीं होना चाहिए। श्रीमती चौधरी ने कहा कि यह फैसला उन पुरुषों पर लगाम लगाएगा जो महिलाओं की इज्जत नहीं करते, उन्हें घर से मनमानी तरीके से बेदखल कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश की मुस्लिम महिलाओं को उनका वाजिब अधिकार मिल सकेगा।

बनपचरी में जिपं उपाध्यक्ष पटेल ने बच्चों के साथ किया पौधरोपण

महासमुंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत बनपचरी में आंगनबाड़ी व स्कूल परिसर में जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल व सरपंच अभय कुम्भकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, शिक्षक व नन्हे मुन्हे बच्चों के साथ मिलकर पौधारोपण किया । उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल ने परिसर में पौधा रोपकर कार्यक्रम की शुरूआत की । उन्होंने कहा कि निरंतर हो रहे पेड़ की कटाई से प्रकृति पर बहुत ही गहरा प्रभाव हो रहा हैं, मौसम की असामनता व धुप की तेजी से समझा जा सकता है। अगर पेड़ पौधों को बचाया नहीं गया तो आने वाले पीढ़ी के लिए सबसे बड़ी समस्या रहेगी। ग्रामीण अंचल में लोग पेड़ न काटे उन्हें बचाए, सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिएं, ताकि पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। श्री पटेल ने कहा कि शुद्ध वायु और शुद्ध जल आने वाली पीढ़ियों का अधिकार है। ये तभी संभव है, जब हम पर्यावरण को संरक्षण करेंगे और अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे । उन्होंने कहा कि प्रदूषण को कम करके शहर को हरा. भरा बनाएं तथा ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उनका संरक्षण करें, ताकि हमारा ग्राम व शहर व देश हरा. भरा रहे। उन्होंने आँगनबाड़ी में बच्चों से कविता व गिनती भी सुनी।

न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया ने किया उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग कार्यालय का शुभारंभ

बलौदाबाजार, 12 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम चौरड़िया ने बुधवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि की असंदी से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए न्यायमूर्ति श्री चौरड़िया ने कहा कि जिला मुख्यालय में उपभोक्ता आयोग की शुरुआत होने से उपभोक्ता अधिकार प्राप्ति में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को उपभोक्ता कानून की जानकारी के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही शीघ्र न्याय देने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश राकेश बिहारी घोरे ने कहा कि जिले में उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का कार्यालय खुलना गर्व की बात है। जिले के लोग उपभोक्ता विधि के बारे में जानेंगे एवं जागरूक होंगे। इसके साथ ही अधिवक्ताओ के लिए भी अवसर बढ़ेंगे। कार्यक्रम को कलेक्टर दीपक सोनी, संरक्षक जिला अभिभाषक संघ बी. पी. ठाकुर ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की रजिस्ट्रार श्रीमती हिमांशु जैन, उपभोक्ता आयोग जिला बलौदाबाजार के अध्यक्ष धामेश्वर पटेल, बलौदाबाजार बार के अध्यक्ष सारिक खान, नवनियुक्त सदस्य श्रीमती शारदा सोनी, हरप्रित सिंह चावला, अधिवक्ता सीमा रानी करिम, दीपा सोनी, अनादीशंकर मिश्रा, रमेश मिश्रा, सत्यप्रकाश वर्मा, आलोक अग्रवाल, सतीश तिवारी, आर.के फेकर, अमित अग्रवाल, मुकेश घृतलहरे सहित अधिवक्तागण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन जिला उपभोक्ता आयोग की सदस्य श्रीमती शारदा सोनी के द्वारा किया गया। संचालन सचिव गणेश शंकर साहू ने किया।

चन्द्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ में नगर के 36 जैन बच्चों का हुआ उपनयन संस्कार

नवापारा राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। आचार्य विद्यासागर महाराज के आज्ञा अनुवर्ती श्री आगम सागर जी महाराज एवं पुनीत सागर महाराज जी के तत्वावधान में 11 जुलाई शुक्रवार को पूरे भारतवर्ष से 8 से 22 साल के जैन बच्चों का उपनयन संस्कार कार्यक्रम का आयोजन चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ में रखा गया था जिसमें भारतवर्ष से बहुत से स्थान से लगभग 2000 बच्चे शामिल हुए, इसमें अपने नयापारा राजिम से लगभग 35 बच्चे शामिल हुए । नगर के बच्चों को श्री महावीर दिगंबर जैन पाठशाला की शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में डोंगरगढ़ भेजा गया और वहां मुनि संघ द्वारा इन बच्चों का उपनयन संस्कार किया गया । चंद्रगिरी तीर्थ में संपन्न हुए उपनयन संस्कार में नवापारा के दिगंबर जैन समाज के आन्या जैन, अतिशय जैन, आज्ञा जैन, श्रुत जैन, आगम जैन, आरव जैन, अनय जैन, आहान जैन आनवी जैन अवनि गंगवाल, हितांशी जैन , आनाया जैन, आद्या जैन, अग्रिम जैन ,तनिष्क जैन , आद्विक जैन, अक्षत जैन, सिद्धम जैन , आर्य जैन श्री जैन, आर्ष जैन, आर्जव जैन, संस्कार जैन , आगम जैन , आरुष जैन अरहम जैन , अनय जैन, इशिका जैन, अंशिका जैन, अयांश जैन, आयुष जैन, आयुषी जैन , अनुभव जैन आदि। उपनयन संस्कार से वापसी के उपरांत समाज के द्वारा गाजे बाजे के साथ सभी बच्चों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया एवं बच्चों को शोभायात्रा निकालकर उपनयन संस्कार के पश्चात मंदिर जी का प्रथम दर्शन कराया गया। उपनयन संस्कार कार्यक्रम की सराहना सभी सामाजिक जनों के द्वारा की गई । इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में होते रहना चाहिए ।बच्चों को संस्कारित करना अपने धर्म के बारे में जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है ।

महावीर पाठशाला से श्रीमती अंजलि पहाड़ियां एवं मोनिका गंगवाल ने मुख्य भूमिका निभाई। दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के अध्यक्ष किशोर सिंघई, सचिव अखिलेश जैन, पाठशाला संयोजक सुरीत जैन ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

मावली मंदिर एवं महामाया मंदिर में कल होगा माता पहुंचनी पर्व

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। नगर के पुरानी बस्ती स्थित मावली मंदिर एवं नया बस स्टैण्ड स्थित महामाया मंदिर में माता पहुंचनी का पर्व 15 जुलाई को मनाया जायेगा। इस दिन विधिवत पूजा अर्चना सुबह से प्रारंभ हो जायेगी। वहीं लोगों को अपने व परिवार की कुशलता के लिए विशेष पूजा अर्चना से बनायी गयी जल का छिडकाव भी नीम के पत्ते के साथ किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि आम तौर पर जिन घारों में छोटी माता सेंदरी या गलवा माता का प्रकोप रहता है वे यहां पहुंचकर मां शीतला को प्रसंन्न करने के लिए विधिविधान से पूजा अर्चना कर हल्दी पानी से बने ठंढई को मंदिर में मौजुद कार्यकर्ताओं द्वारा नीम के पत्ते से छिडकाव करते है। वहीं घर के शुद्धीकरण के लिए भी लोग इस जल को लेकर घर में छिडकाव भी करते है। उक्त कार्यक्रम में पुरानी बस्ती स्थित मावली मंदिर के अध्यक्ष श्री वैष्णव एवं नया बस स्टैण्ड स्थित महामाया मंदिर के अध्यक्ष रोहित साहू ने लोगों को पहुंचकर अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

नवनिर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल का आज नगर आगमन

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। 14 जुलाई को दोपहर 2 बजे रायपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित होने पश्चात बृजमोहन अग्रवाल का प्रथम बलौदाबाजार आगमन होने जा रहा है। जिसमें कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उक्त आशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी भाजपा रितेश श्रीवास्तव ने देते हुए बताया कि सर्वप्रथम कार्यक्रम स्वागत कुकुरदी बाईपास चौक से होते हुए बलौदाबाजार नगर आगमन होगा। जहां उनका भव्य स्वागत किया जायेगा। वहीं नगर भवन में आयोजित विधानसभा स्तरीय मतदाता सम्मान समारोह में शामिल होंगे। जहां पार्टी एवं नगर के आमजन उपस्थित रहेंगे। श्रीवास्तव ने सभी सम्माननीय जनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

गुजारा भत्ता को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुस्लिम महिलाओं को काफी राहत महसूस हुई : रूपकुमारी

गरियाबंद, 13 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी की संसद सदस्य रूपकुमारी चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि कोई भी तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता लेने की हकदार है। श्रीमती चौधरी ने कहा कि यह फैसला ऐतिहासिक है और तीन तलाक के चलते अपने भविष्य और अस्तित्व को लेकर फिक्रमंद मुस्लिम महिलाओं को इस फैसले से काफी राहत महसूस हुई है।

भाजपा सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि यह फैसला सन 1986 में कांग्रेस की तत्कालीन केंद्र सरकार, जब स्व. राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, की तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित उस भूमिका पर सवाल खड़ा करता है जब शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने के लिए तत्कालीन राजीव सरकार ने संविधान बदल डाला था। श्रीमती चौधरी ने कहा कि आज संविधान और आरक्षण के नाम पर झूठ फैलाकर षड्यंत्रपूर्ण नैरेटिव चला रही कांग्रेस को फुर्सत निकालकर अपने अतीत और गिरेबाँ को भी खंगाल लेना चाहिए। तब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजीव सरकार ने किस तरह मौलवियों के आगे घुटने टेके थे, यह सारा देश जानता है और बहुमत के बल पर संविधान बदलकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। श्रीमती चौधरी ने कहा कि मुस्लिम जमात का वोट बैंक के तौर पर सियासी इस्तेमाल तो कांग्रेस खूब करती है लेकिन मुस्लिम महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय से आँखें मूंद लेती है।

अब समय आ गया है कि देश का जनमानस समान नागरिक संहिता को लेकर सकारात्मक वातावरण बनाए ताकि सभी वर्ग, समुदाय व धर्म की महिलाओं का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो।

भाजपा संसद सदस्य श्रीमती चौधरी ने कहा कि केंद्र में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनी तब पहली बार तीन तलाक पर बने सख्त कानून से मुस्लिम महिलाओं को सामाजिक व पारिवारिक सुरक्षा की गारंटी मिली। सुप्रीम कोर्ट के इस ताजा फैसले के बाद अब समय आ गया है कि देश का जनमानस समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर सकारात्मक वातावरण बनाए ताकि सभी वर्ग, समुदाय व धर्म की महिलाओं का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो। श्रीमती चौधरी ने कहा कि गुजारा भत्ता के अधिकार पर एक बार फिर मुहर लगने के बाद मुस्लिम महिलाओं की खुशी का ठिकाना नहीं हैं। वर्तमान सरकार पर उनका विश्वास इतना गहरा है कि अब वे भी समान नागरिक संहिता लागू होते देखना चाहती हैं और बदलते भारत में संवैधानिक अधिकारों पर मजबूती से बात कर रही हैं। श्रीमती चौधरी ने कहा कि न्यायालय के इस आदेश से परिवार के टूटने की आशका कम होगी।

भाजपा सांसद श्रीमती चौधरी ने शरीयत का हवाला देकर मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड द्वारा इस फैसले का विरोध करने को दुर्भाग्यपूर्ण माना और कहा कि जब-जब शरिया के नाम पर कट्टरपंथियों ने मुस्लिम महिलाओं की दवाने और कुचलने की कोशिश की, तब सुप्रीम कोर्ट आगे आया है। अगर देश संप्रदायनिरपेक्ष है तो मुस्लिमों के लिए अलग और हिंदुओं के लिए अलग कानून नहीं होना चाहिए। श्रीमती चौधरी ने कहा कि यह फैसला उन पुरुषों पर लगाम लगाएगा जो महिलाओं की इज्जत नहीं करते, उन्हें घर से मनमानी तरीके से बेदखल कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश की मुस्लिम महिलाओं को उनका वाजिब अधिकार मिल सकेगा।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन

भाटापारा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 13 जुलाई 2024 को वन महोत्सव एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मयंक अग्रवाल (आईएफएस ऑफिसर, डीएफओ बलौदा बाज़ार) उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती के तैल-चित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वन्दना के बीच दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री योगेश पोपट ने मुख्य अतिथि का पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया तदुपरान्त अपने संबोधन में सभी का स्वागत करते हुए सबको वन महोत्सव की अनंत शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा श्री हनुमान चालीसा पाठ का सुन्दर गायन और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में लगभग 200 वृक्षों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल ने पेड़-पौधों के महत्व से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए बच्चों को प्रेरित किया।

ज्ञात हो कि वन महोत्सव *ज्एक पेड़ माँ के नामज्* इस विशिष्ट कार्यक्रम में सत्र 2023-24 की दसवीं-बारहवीं अर्थात् सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को भी आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम गतिविधि प्रभारी श्याम बहादुर की देख-रेख में सुनियोजित ढंग से सुव्यवस्थित राज्य गीत (स्टेट एंथम) के साथ संपन्न हुआ। अंत में शाला के वरिष्ठ शिक्षक राहुल भटालिया (विभागाध्यक्ष - विज्ञान विभाग) ने धन्यवाद प्रस्ताव के जरिए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर शाला के सभी शिक्षक, विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

संस्कार पब्लिक स्कूल में मनाया वन महोत्सव

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। संस्कार पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव मनाया गया। शाला की प्राचार्य गुरप्रीत कौर ने बच्चों को पेड़ों की उपयोगिता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। तत्पश्चात कक्षा सातवीं की शिक्षिका विजया तिवारी ने भी वन महोत्सव के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से शपथ दिलवाई कि वह अपने जन्म दिवस पर एक पेड़ जरूर लगाए। इस अवसर पर शाला की शिक्षिकाएं किरण गुप्ता, महेश्वरी साहू, ऐश्वर्या शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पश्चात लभरा में नंदी मसाला उद्योग के सामने पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य गुरप्रीत कौर, विजया तिवारी,किरण गुप्ता, महेश्वरी साहू, ऐश्वर्या शर्मा आदि मौजूद रही।

सागरपाली में सड़क गड्ढों में तब्दील

- गड्ढों को भरने विधायक चातुरी नंद ने दिया 3 दिन का अल्टीमेटम
- ग्रामीणों के साथ पीडब्ल्यूडी ऑफिस घेराव करने की दी चेतावनी

सरायपाली, 13 जुलाई (देशबंधु)। विधायक चातुरी नंद क्षेत्र का दौरा कर लगातार सड़क, बिजली और पेयजल की समस्या को मुखरता से उठा रही हैं। इसी कड़ी में विधायक चातुरी नंद सागरपाली में गड्ढों में तब्दील हो चुके सड़क को देखकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों पर बिफर पड़ी और गड्ढों को भरने 3 दिन का अल्टीमेटम दिया।

मीडिया को जानकारी देते हुए विधायक चातुरी नंद ने बताया कि सरायपाली-सरसीवा सड़क की स्थिति बेहद ही खराब है। सागरपाली में सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुका है। आज दौरे के दौरान सागरपाली में रुककर पीडब्ल्यूडी के एसडीओ से बात कर गड्ढों को पाटने के निर्देश दिए। अगर 3 दिवस के अंदर गड्ढों को भरा नहीं गया तो ग्रामीणों के साथ पीडब्ल्यूडी ऑफिस का घेराव किया जाएगा।

विधायक चातुरी नंद की अनुशंसा पर सरायपाली-सरसीवा सड़क के लिए बजट में राशि का प्रावधान किया जा चुका है परंतु प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिलने से काम अटका हुआ है। विधायक नंद के साथ निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सागर पाली के चिंतामणि विशाल सरपंच प्रतिनिधि मुन्ना अग्रवाल, सरायपाली शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष भरत मेश्राम, युवा कांग्रेस नेता अरमान हुसैन, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष भीष्मदेव पटेल, प्रशांत पटेल, जयंत यादव समेत ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्राचीन शीतला मंदिर में माता पहुंचनी संपन्न

राजिम, 13 जुलाई (देशबन्ध)। प्राचीन शीतला मंदिर में गुरुवार को माता पहुंचनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के वार्डों के लोग पहुंचने लगे माताएं अपने साथ में थाल में पूजन के सामग्री रखकर मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन करने के लिए लाइन में लग रहे। देखते ही देखते यहां भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ गई कि श्रद्धालुओं को व्यवस्थित करना पड़ा और क्रमशः माता के दर्शन कर हल्दी पानी का छिड़काव किया गया। प्रसाद वितरण हुआ तथा माता सेवा का कार्यक्रम भी हुआ जिसमें सेवक दल के द्वारा माता की महिमा का गुणगान करते हुए वाद्य यंत्रों के साथ सेवा गीत प्रस्तुत किया गया। मां महामाया शीतला प्रबंध समिति के अध्यक्ष लीलेश्वर यदु, संरक्षक महेश यादव, नारायण धीवर, पुनीत निषाद, जीतू सोनी, रामकुमार साहू, पार्षद उत्तम निषाद, भारत यादव, राजू साहू, पवन सोनी, फागुन निषाद, वाल्मीकि धीवर सहित बड़ी संख्या श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

नव मतदाता जनजागरूकता अभियान एवं आभार सभा

कुरुद, 13 जुलाई (देशबंधु)। लोकसभा चुनाव 2024 मे कुरूद विधानसभा से संसदीय इतिहास में पहली बार भारी बहुमत से 25000 वोटों से विजय श्री हासिल करने के बाद सांसद महोदया रूपकुमारी चौधरी जी महासमुंद द्वारा कुरूद विधानसभा के लिए आभार सभा 15 जुलाई दोपहर 2ः00 बजे से भाजपा कार्यालय कुरूद में आयोजित होने जा रहा है, कार्यक्रम की अध्यक्षता कुरूद विधायक मा.अजय चन्द्राकर जी करेंगे, इस कार्यक्रम के तैयारी बैठक के लिए मंडल एवं जिले के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन को सफल के लिए रूपरेखा तैयार किया गया. भाजपा के संयोजक भानु चंद्राकर ने समस्त कार्यकर्ताओं से उपस्थित की अपील की है।

कथा श्रवण कर कथा को हृदयंगम करें : पं. शर्मा

बिलाईगढ 13 जुलाई (देशबंधु)। स्वर्गीय रेशमलाल देवांगनजी के पावन स्मृति में वार्षिक श्राद्ध के निमित्त नगर पंचायत बिलाईगढ़ के दीवान बाड़ा थाना मोड में संगीतमयी श्री श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा प्रतिदिन दोपहर 2ः30 बजे से हरी इच्छा तक चल रही है ।ग्राम टेमर ,सक्ति //छत्तीसगढ़ //से आए हुए पंडित देवकृष्ण शर्माजी अपनी सरल व सुबोध शैली में भजनों के साथ-साथ भागवत कथा का बखान कर रहे हैं ।दिनांक 10.7.2024 को आरती मंगलाचरण के बाद कथा का शुभारंभ करते हुए बताये कि कथा श्रवण करने के बाद कथा को हृदयंगम करना चाहिए। आजकल की सबसे बड़ी समस्या है कि कुछ गिने-चुने व्यक्तियों को छोड़कर कोई किसी को सुनना ही नहीं चाहता है। पुत्र पिता का नहीं सुनता है, नौकर मालिक का नहीं सुनता है तो पत्नी पति का नहीं सुनना चाहती है ।यदि ये सभी सुनकर कही गई हित की बातों को करने लगे तो घर परिवार सहित करने वालों का भी भला हो जाता है ।लोग बाग कथा श्रवण करने आते हैं जरूर परंतु अधिकांश लोक कथा को धारण ही नहीं करते हैं, जिससे कथा श्रवण का पूरा-पूरा लाभ नहीं मिलता है। कथा का पूरा लाभ लेने के लिए कथा में कही गई सार सार बातों को हृदयंगम कर उसे अमल में लाने से होता है। हितकारी बातों को जीवन में क्रियान्वयन करने से स्वयं के साथ-साथ घर परिवार, देश समाज का भला होता है। कथा में कही गई बातों पर विचार करके विवेक पूर्वक समयनुसार कार्य करने से व्यक्ति परिवार सहित देश समाज का उन्नति होता ही है ।कथाव्यास पंडित देवकृष्ण शर्मा जी ने आगे बताये कि विवेक की जागृति के लिए सत्संग जरूरी है। बिना सत्संग के विवेक जागृत नहीं होता है ,इसलिए समाज के अच्छे लोगों के साथ उठने-बैठने, विचार विमर्श करने के साथ-साथ सच्चे संतों का संगति करना चाहिए ।आज भी हमारे देश में अच्छे विचारक एवं संत विद्यमान हैं, उनसे लाभ उठाना चाहिए। टीवी मोबाइल में व्यर्थ की बातों को देखने सुनने के बजाय संतो को सुनना चाहिए एवं उनके बताए गए बातों को अमल में लाना चाहिए, तब व्यक्ति का भला होता है ।मानस में प्रातः स्मरणीय पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदासजी लिखे हैं कि— बिनु सत्संग विवेक न होई । राम कृपा बिनु सुलभ न सोई। कथाव्यास पंडित देवकृष्ण शर्माजी द्वारा आत्मदेव ब्राह्मण, उसके पत्नी धुंधली, गौकर्ण जी महाराज और धुंधकारी के कथा को कहकर श्रीभागवत जी के महिमा का भली प्रकार से प्रतिपादन कर श्रोता समाज को सुनाया गया। उसके बाद राजा परीक्षित महाराज द्वारा कलियुग को दंडित कर चार स्थानों में रहने के लिए स्थान बताकर नियंत्रित करने की कथा को विस्तार पूर्वक सुनाया गया ।कथा आयोजक बलराम देवांगन ,नरोत्तम देवांगन, प्रदीप, मधुकांत देवांगन उनके परिवार के सदस्यों एवं पंडित देव कृष्ण शर्माजी ने आसपास के गांव सहित नगर पंचायत बिलाईगढ़ के अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित होकर इस कथा को श्रवण कर लाभ उठाने के लिए निवेदन किये हैं।

केसीपीएस कुरूद में विद्यार्थी कोर कमेटी के लिए हुआ चुनाव, बच्चों में दिखा उत्साह

कुरूद. 13 जुलाई (देशबंधु)कलीराम चंद्राकर पब्लिक स्कूल कुरूद में शुक्रवार को विद्यार्थी कोर कमेटी के लिए हुआ चुनाव संपन्न हुआ ।चुनाव की प्रभारी शिक्षिका तेजस्वी बैरागी और शिक्षकों के सहयोग से मतदान की प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई ।कक्षा छटवी से ग्यारहवीं के बच्चों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए हेड ब्वॉय, हेड गर्ल ,वाइस हेड ब्वॉय, वाइस हेड गर्ल,सांस्कृतिक सचिव, उप सांस्कृतिक सचिव,अनुशासन प्रभारी, उप अनुशासन प्रभारी,खेल सचिव , उप खेल सचिव के पदों के लिए वोट डाला। सबसे पहले संस्था की प्राचार्या के मंजीता ठाकुर ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर इसकी विधिवत शुरुआत की ।इसके उपरांत अन्य चुनाव की भांति सारी प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न हुई ।बच्चों ने कक्षावार इस चुनाव की प्रक्रिया को संपन्न कराने में अपनी सहभागिता दी। इसकी मतगणना हो चुकी है और परिणाम की घोषणा आने वाले दिनों में जाएगी। विद्यालय में छात्रसंघ की भूमिका और उनके कार्य के महत्व को वर्णित करते हुए प्राचार्य के मंजीता ठाकुर ने कहा कि जिस तरह देश को आगे बढ़ाने के लिए मतदान आवश्यक है ।ठीक उसी तरह बच्चों में नेतृत्व क्षमता को आगे लाने के लिए स्कूल में यह प्रक्रिया अपनाई जाती है,ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके ।आज जितने भी बच्चे इस प्रक्रिया में भाग लिए है उन्हें मेरी ओर से शुभकामनाएं है। इस दौरान सभी शिक्षक शिक्षिकाए उपस्थित थे।

कक्षा 3 से 8 तक के बच्चों की छात्रवृत्ति के लिए पंजीयन व नवीनीकरण 30 तक

बिलाईगढ़ 13 जुलाई (देशबंधु)। लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा तीसरी से आठवी तक में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को पात्रता अनुसार पंजीयन व नवीनीकरण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल में 30 जुलाई 2024 शाम 5 बजे उपलब्ध कराया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के सभी प्राचार्यों, प्रधान पाठकों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को अपने अधीनस्थ स्कूलों में निर्धारित तिथि तक छात्रवृत्ति हेतु पात्र विद्यार्थियों के पोर्टल में पंजीयन एवं नवीनीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। छत्तीसगढ़ राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल https://schoolscholarship.cg.nic.in/ में विद्यार्थियों के पंजीयन एवं नवीनीकरण हेतु स्कूलों को लॉगिन आईडी व पासवर्ड उपलब्ध कराया गया है।

प्रकृति बचाओ अभियान हरित भारत- स्वस्थ भारत

भाटापारा, 13 जुलाई (देशबन्ध)। अभियान को लेकर ग्रीन आर्मी भाटापारा छत्तीसगढ़ द्वारा अनुविभागीय अधिकारी श्री नितिन तिवारी जी के दिशा निर्देश में वन महोत्सव के शुभ अवसर पर नगर में वृहद फूल फल पेड़ो का वृक्षारोपण अभियान 13 जुलाई से उनके द्वारा प्रारंभ किया गया है जिसमें नगर के अनुविभागीय अधिकारी नितिन तिवारी,पुलिस उप अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार शहर थाना प्रभारी परिवेश तिवारी एवं नरेन्द्र शर्मा राधेश्याम शर्मा समाज सेवी, संस्थाएं एवं पंचम दीवान स्कूल के बच्चो द्वारा गोरव पथ पर अपने हाथों से दो वृक्ष माता पिता के नाम से पोधै लगाकर संकल्प लिया इस कार्यक्रम में ग्रीन आर्मी भाटापारा छत्तीसगढ़ नगर पालिका परिषद,,उधानिकी विभाग,संत निरंकारी चेरिटेबल ट्रस्ट, छत्तीसगढ़ सरयूपारिय बांह्मन समाज, इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन,टीम की पूर्णतः भागीदारी तथा गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्रीन आर्मी जिला संयोजक अरूण छाबड़ा बंटी अध्यक्ष सुनील दुबे, के आर वर्मा, वीणा साहू सीमा मल , कल्याणी साहु ,गायत्रीआडिल, अनिता छाबड़ा,मनीषा गट्टानी, आलोक मोदी ,स्वरूप अग्रवाल,अनिल जयसवाल सुधीर मिश्रा, मनीष शुक्ला मनोज पाण्डेय आदि सहयोगी के रूप में उपस्थित थे।

आत्मविश्वास और समझ बढ़ाने अभ्यास स्कूल के बच्चों को बाल सभा में सौंपी गई जिम्मेदारियां

महासमुंद 13 जुलाई (देशबंधु)। बच्चों में आत्मविश्वास और समझ बढ़ाने के लिए जरूरी है कि उन्हें संस्थागत मंच प्रदान किया जाए, जिम्मेदारी मिलने से बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है, और इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अभ्यास प्राथमिक शाला महासमुंद में बाल सभा का गठन किया गया। प्रधान पाठक डेमेश्वरी गजेंद्र ने बताया कि बाल सभा का सदस्य होने से बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहन मिलता है। उनका मानना है कि बाल सभा के माध्यम से स्कूल की विभिन्न गतिविधियों के संचालन में बच्चों की भागीदारी बढ़ती है, उनमें बचपन से ही आनंदमई तरीके से जिम्मेदारी का अहसास होने लगता है। उन्होंने बताया कि बाल सभा के माध्यम से बच्चों में चुनाव की समझ जागृत की गई। बताया गया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों को तय करते समय किन.किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां मंत्रियों के 50 फीसदी पदों पर बालिकाओं को जिम्मेदारी दी गई। शपथ दिलाते हुए शिक्षक ममता डड़सेना ने बताया कि बाल सभा के सभी मंत्री प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक के मार्गदर्शन में काम करेंगे। उनको सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए बाल सभा के मंत्री अपनी टीम बनाएंगे और स्कूल के साथ मोहल्लों की गतिविधियों में सभी बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। शिक्षक खेमिन साहू और कल्याणी फेकर ने बच्चों को बताया कि उनकी जिम्मेदारी का कार्यकाल एक शैक्षणिक सत्र होगा। शिक्षक जायसी वर्मा और सरिता साहू ने बैठकों के आयोजनों से जुडे बिंदुओं पर प्रकाश डाला और बताया कि बैठकें हर पंद्रह दिनों में होगी। प्रधान पाठक डेमेश्वरी गजेंद्र ने बताया कि बाल सभा के क्रियान्वयन के लिए शासन स्तर पर बजट का प्रावधान है जिससे बच्चे स्कूल में विभिन्न गतिविधियां संचालित करेंगे। उन्होंने बताया कि बाल सभा में प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी श्रेयांश शर्मा, शिक्षा मंत्री जीविका भोई, खेल संस्कृति मंत्री सारिका ढीमर, स्वास्थ और स्वच्छता मंत्री पीहू बुंदेला, कृषि एवं पर्यावरण मंत्री वरूण ध्रुव एवं सुरक्षा और जनसंपर्क मंत्री पूरब पटेल को दी गई है।

बाल सभा के जरिए बच्चों में नेतृत्व क्षमता का होगा विकास : डेमेश्वरी

बाढ़ एवं संबंधित खतरों से बचाव और उपाय की जानकारी

खरोरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा कार्यक्रम के तहत द्वितीय शनिवार को बच्चों को बताया गया कि बाढ़ क्या है ?बाढ़ के खतरों से कैसे बचाया जा सकता है ? जब हमारे आस पास लगातार लम्बे समय तक घनघोर बारिश होता है तब चारों ओर जल मग्न हो जाता है, पानी भूमि के ढलान की ओर बहती है जिससे नाले, नदियों मे पानी का उफान आता है इसे बाढ़ कहते हैं। बाढ़ के समय हमे नालों और नदियों के आस पास नहीं जाना चाहिए। बरसात शुरू होने से पहले हमे अपने घरों में आपातकालीन किट की व्यवस्था कर लेनी चहिए। यदि बाढ़ के समय घर से बाहर जाना जरूरी भी हो तो नाले एवम नदियों की गहराई जाने बिना पानी मे नही जाना चाहिए। इस प्रकार की सावधानी का पालन कर हम बाढ़ के खतरों से अपना एवम अपने आस पास के लगो का बचाव कर सकते हैं। यह कार्यक्रम शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरडीह मे आयोजित की गई। जिसमे शाला प्रमुख मनहरण लाल वर्मा, शिक्षक विशेषरवर्मा, चरित ध्रुव, संजय बंछोर एवम हेमकुमारी साहू उपस्थित रहे।

शिक्षा गुणवत्ता एवं शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम हेतु बैठक

राजिम, 13 जुलाई (देशबन्धु)। आज शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला राजिम में कलेक्टर दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं जिला शिक्षा अधिकारी ए के सारस्वत के निर्देशानुसार नए शिक्षा सत्र में शिक्षा गुणवत्ता एवं शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम हेतु गौरव गरियाबंद अभियान के अंतर्गत राजिम के दोनों संकुल का संयुक्त बैठक आयोजित किया गया। बैठक में जिला सांख्यिकी अधिकारी श्याम चंद्राकर ने कहा कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक गंभीरता पूर्वक प्रयास करके जिले में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने उपस्थित समस्त शिक्षकों को विगत वर्ष किए गए प्रयास के परिणाम स्वरूप राज्य स्तरीय गुणवत्ता रैंकिंग में 10 स्थान के सुधार हेतु बधाई दी। गौरव गरियाबंद के जिला नोडल मनोज केला ने इस वर्ष के अभियान में हायर सेकेंडरी के साथ-साथ पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला को भी जोड़ते हुए प्रारंभिक कक्षाओं से ही बच्चों को सभी प्रकार के प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का शिक्षकों से आह्वान किया। उन्होंने पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में शत प्रतिशत पंजीयन करने का लक्ष्य निर्धारित किया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामेंद्र जोशी ने उपस्थित समक्ष शिक्षकों को समय पर उपस्थिति एवं प्रतिदिन ऑनलाइन अटेंडेंस पूर्ण करने तथा मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता एवं शाला परिसर सहित कक्षा की साफ सफाई के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विकास विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सुभाष शर्मा ने चालू शिक्षा सत्र में अध्यापन गुणवत्ता के आधार पर समस्त शिक्षकों एवं प्रबंधन के अनुसार संकुल समन्वयक की ग्रेडिंग तय कर श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के जिला प्रशासन के निर्देश से अवगत कराया। अधिकारियों ने गौरव गरियाबंद अभियान के तहत प्रतिमाह समीक्षा बैठक एवं नियमित रेमेडियल क्लास संचालित करने की योजना के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किया। संकुल समन्वयक धर्मेंद्र सिंह ठाकुर ने शासन के विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए मध्यान्ह भोजन, गणवेश, पाठ्यपुस्तक एवं सायकल वितरण की समीक्षात्मक चर्चा की। साथ ही समस्त शिक्षकों की ओर से नव नियुक्त संकुल समन्वयक श्रीमती भारतीय नामदेव को बधाई एवं स्वागत किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से प्रधान पाठक आलोक शर्मा, यशवंत साहू, कल्याणी गोस्वामी, सुनीता यादव, अंजनी यादव, मयाराम जांगड़े, संजय सिन्हा सहित नरेंद्र देवांगन, डोमन सोनकर, पुष्पा शुक्ला देवेंद्र नागेश, राजेंद्र कोसले, राजेंद्रपाल सिंह, सविता शर्मा, रेखा शुक्ला, सुरेश कंडरा, योगेश्वर ध्रुव एवं संकुल के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

डायरिया पीड़ितों से मिलने अस्पताल पहुंची विधायक

सरायपाली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। स्व.मोहन लाल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली में भर्ती जलपुर और बिजातीपाली के डायरिया पीड़ित मरीजों को देखने क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद अस्पताल पहुंची। उन्होंने डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ को बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए और मरीजों से उनका हालचाल जाना। साथ ही अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को फल वितरित किए।

डॉक्टरों को दिए उचित इलाज के निर्देश

इस संबंध में मीडिया को जानकारी देते हुए विधायक चातुरी नंद ने बताया कि ग्राम जलपुर और बिजातीपाली में डायरिया फैलने की जानकारी मुझे ग्रामीणों से दूरभाष के माध्यम से मिली थी जिस पर मैंने सीएचएमओ को गांव में कैंप लगाकर मरीजों का उपचार करने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में आज सीएचसी में भर्ती किए हुए मरीजों को देखने पहुंची थी। विधायक नंद ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के साथ ही स्वच्छ पेयजल हेतु पीएचई विभाग के अधिकारियों को उचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए है।

इस दौरान शहर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भरत मेश्राम, पार्षद सुरेश भोई, प्रशांत पटेल, एनएसयूआई के प्रदेश सह संयोजक जयंत यादव समेत डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित थे।

बीएमओ की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी: विधायक चातुरी नंद ने समय पर उपस्थित नहीं होने पर बीएमओ के प्रति नाराजगी जताते हुए सभी डॉक्टर्स और स्टॉफ को निर्धारित समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

जलपुर पहुंचकर कैंप का लिया जायजा और मरीजों से की भेंट: विधायक चातुरी नंद अस्पताल से सीधे जलपुर पहुंची और स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए कैंप का जायजा लिया। इसके साथ ही विधायक नंद ने अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर पहुंचे मरीजों से बातचीत कर उनके तबियत की जानकारी ली।

छग मानस प्रेमी परिवार का वार्षिक सम्मेलन

पलारी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। छ. ग.मानस प्रेमी परिवार संगठन ब्लॉक इकाई पलारी का वार्षिक सम्मेलन 12 जुलाई को यादव सामुदायिक भवन बालसमुद पलारी में प्रांताध्यक्ष नेहरू गोस्वामी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिला अध्यक्ष मणीसिह ठाकुर सचिव मिलुराम मरावी कोषाध्यक्ष वर्मा,संरक्षक मालिक राम वर्मा, श्रीमती प्रभा ध्रुव एवं बलौदाबाजार ब्लॉक अध्यक्ष मरावी एवं सचिव मंजु ध्रुव , पलारी ब्लॉक के समस्त पदाधिकारी के अलावा पंजीकृत व संगठन के समस्त मानस मंडली उपस्थित रहें। बैठक में सर्वप्रथम राधाकृष्ण भगवान के मंगल आरती एवं अतिथियो का स्वागत पश्चात कार्यवाही प्रारंभ हुआ। प्रांताध्यक्ष नेहरू गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में शासन से प्राप्त होने वाले प्रोत्साहन राशि 5000 रु एवं अन्य योजनाओं के संबंध में जानकारी दिए , एवं सभी पंजीकृत मानस मंडली को संगठन में जुड़कर संगठित रहने अपिल किया। अध्यक्ष मणीसिह ठाकुर जिला सचिव लिलूराम मरावी ने वार्षिक आय ब्यय कि जानकारी दी। एवम 5000 रु प्रोत्शाहन राशि अप्राप्त मानस मंडली को अविलंब अपना सहमति पत्र/ मुखिया के खाता नं.के साथ संबंधित पंचायत सचिव के सत्यापन कराके मारुति राव घोड़े संवारे एडीईओ एवं मानस मंडली के शाखा प्रभारी अधिकारी के पास अविलंब जमा करने निवेदन किया, इसके साथ ही उपस्थित समस्त मानस मंडली को पंजीयन कराने एवं संगठन में सदस्यता ग्रहण करने अध्यक्ष मनीराम यादव ने अपील किया। अंत मे प्रांताध्यक्ष ने संगठन का विस्तार करते हुए श्री राधे मानस परिवार के गायक नोहर निषाद ग्राम जुनवानी को मिडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। वार्षिक सम्मेलन में सभी पदाधिकारियों के अलावा , मिलेन्द्र यादव ,मोती राम ध्रुव, बगसराम ध्रुव,ओकार साहु, बोधीराम साहु , लखन साहु ,लोकेश्वर वर्मा, संतराम निर्मलकर, के अलावा बड़ी संख्या में मानस मंडली उपस्थित रहे।

प्रतिमंडल ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित नायक से सौजन्य मुलाकात कर प्रोत्साहन राशि अविलंब प्रदान करने निवेदन किया गया। उक्त जानकारी मनीराम यादव एवं मिलेन्द्र यादव ने संयुक्त रूप से दी।

मीना बाजार में खाद्य एवं नापतौल विभाग की कार्रवाई

पिथौरा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। स्थानीय शहीद भगत सिंह खेल मैदान में लगे मीना बाजार में गुणवत्ताविहीन एवम खुदरा मूल्य से अधिक पर समान विक्रय की शिकायत पर गुरुवार को मापतौल एवम खाद्य विभाग ने मीना बाजार में दबिश देकर कार्यवाही की है।मेले में लगे कैप्स आइसक्रीम पार्लर से सैम्पल लेकर धारा 18,/1 के तहत कार्यवाही की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय मीनाबाजार में कुछ खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता एवम खुदरा डर से कोई दुगुने दर पर सामग्री बेचे जाने की शिकायत के बाद खाद्य एवम मापतौल विभाग की संयुक्त टीम ने यहां दबिश दी।टीम में विविध माप विज्ञान अधिकारी सिद्धार्थ दुबे और खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्योति भानु ने कार्रवाई की है। शिकायतकर्ता ललित मुखर्जी ने अपने शिकायत पत्र में लिखा था कि खेल मैदान में आयोजित मीना बाज़ार में संचालित एक आईस क्रीम के दुकानदार द्वारा गुणवत्ताविहीन आईसक्रीम एमआरपी दर से दुगुना कीमत पर बेचा जा रहा है।5 रुपये वाली चोकोबार को 10 रुपये में एवं 10 रुपये वाली आईसक्रीम को 20 रुपये में बेचे जाने एवं यहाँ उपस्थित सभी खाद्य सामग्रियों को दुगुना कीमत पर बेचने की शिकायत की गई थी।मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्योति भानू ने मेला में लगे आइसक्रीम पार्लर में बेचे जा रहे आइसक्रीम का सैंपल लिया गया। और जाँच के बाद कार्रवाई करने की बात कही। वहीं विधिक माप विज्ञान अधिकारी सिद्धार्थ दुबे ने एमआरपी दर से अधिक रुपये बेचने पर प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्रवाई करने की बात कही है।

ज्ञात हो कि मीना बाजार में संचालित आइसक्रीम पार्लर के संचालक के द्वारा सभी खाद्य सामग्री को एमआरपी दर से अधिक कीमत पर आम लोगों को बेच रहा था इसका विरोध किए जाने पर भी दुकानदार के द्वारा एमआरपी दर पर ग्राहकों को समान नहीं दिया गया। जिससे नाराज ग्राहक ने विधिक माप विज्ञान अधिकारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी के समक्ष शिकायत किया शिकायत पर अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई।

18/1 के तहत कार्रवाई : दुबे

विधिक माप विज्ञान अधिकारी सिद्धार्थ दुबे ने छत्तीसगढ़ को बताया कि शिकायतों के बाद वे खाद्य अधिकारी के साथ मीना बाजार के आइसक्रीम स्टाल पर पहुच कर जांच की जांच में गुणवत्ता पता लगाने सैम्पल लिए गए एवम संचालक के विरुद्ध विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 की धारा 18/1 के तहत नोटिस दे कर कार्यवाही की जा रही है।

बगैर सुरक्षा प्रबंध के संचालित मीनाबाजार

बताया जाता है कि स्थानीय राजस्व अनूविभागिय अधिकारी द्वारा सशर्त बाजार लगाने की अनुमति दी गयी थी, इसके बावजूद सुरक्षा के कोई प्रबंध नही किये गए है।ज्ञात हो कि यहां प्रतिदिन हजारों महिला एवम बच्चों की भीड़ होती है। परन्तु प्रतिदिन की इस भीड़ को नियंत्रित करने एवम इनकी सुरक्षा की कोई भी व्यवस्था नही होने के कारण यहां आमलोग विभिन्न झूलों का आनंद लेने सर पर कफ़न बांध कर आने मजबूर है।

गबौद में संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए विधायक संदीप साहू

पलारी, 13 जुलाई (देशबन्धु)। विकासखंड अंतर्गत ग्राम - गबौद में शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला में आयोजित संकुल एवं शाला स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में कसडोल विधानसभा के विधायक संदीप साहू शामिल हुए! इस दौरान विधायक के द्वारा नव प्रवेशी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर स्वागत किया।छात्रों को निशुल्क पाठ्य पुस्तक और गणवेश वितरण किया। प्रवेश उत्सव के दौरान शाला में प्रवेश लेने के लिए स्वागत व अभिनंदन कर उज्जवल भविष्य की कामना की! प्रवेश उत्सव पर सुंदरावन संकुल के समन्वयक और छग संकुल समन्वयक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम राय ने अपने पिताजी फेरु राम राय और माताजी श्रीमती रुपौतीन राय के जन्मदिन के अवसर पर सभी छात्रों को न्यौता भोज कराया। विधायक एवं उपस्थित सभी अतिथियों ने जन्मदिन के पर बधाई दी।कार्यक्रम मे के क काटकर सभी उपस्थित लोगो को मिठाई खिलाकर मुह मिठा कराया। कार्यक्रम में संकुल समन्वयक के द्वारा संकुल की उपलब्धि एवं शिक्षको के द्वारा किये जा रहे नवाचार एवं संकुल की उपलब्धि के बारे में विस्तार से बताया। विधायक के द्वारा शाला के लिए 2 लाख रु की रंगमंच की घोषणा की। छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुश्री सुमित्रा घृतलहरे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनिल कुर्रे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सतीश महेश्वरी यशवंत बांधे, नीलकमल आजाद, घनश्याम वर्मा, सरपंच नानक वर्मा, विष्णु बंजारे, फेरु राम राय, रुपौतीन राय,एवं संकुल सुंद्रावन समन्वयक और संकुल समन्वयक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम राय, अशोक साहू, दानेस्वर साहू, दया ध्रुव, कौशिल्या सोंनकेवरे, भेखलाल साहू, तुलाराम मनहरे, ओमप्रकाश कुर्रे, पुरण लाल साहू, अन्नपूर्ण ध्रुव, सावित्री वर्मा, भुवन लाल कोशरिया, सोनू सिह राजपूत, दिलीप वर्मा, कामदेव चक्रधारी, पवन मांडले, रजत टोप्पो, शिव बघेल, भूनेश्वर वर्मा, शाला विकास समिति के समस्त सदस्य, पालक और बड़ी संख्या में ग्रामीण, छात्र छात्राएं, समस्त स्कूलों से शिक्षक शिक्षिकागण एवं बड़ी संख्या में पालकगण व छात्र छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विक्रम राय, भेखलाल साहू और तुलाराम मनहरे ने किया। आभार व्यक्त ग्राम पंचायत के सरपंच नानक वर्मा ने किया।

संकुल समन्वयक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम राय ने कराया न्यौता भोज

विश्व मानव अधिकार सुरक्षा आयोग की - राष्ट्रीय सदस्य बनी समाजसेवी अनिता

सरायपाली, 13 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय देवलभाटा में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती अनिता चौधरी को वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन कमीशन के राष्ट्रीय सदस्य बनाया गया है। यह नियुक्ति मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के प्रति अनिता चौधरी की अटूट प्रतिबद्धता को मान्यता देती है।

विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग एक सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जो वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की सुरक्षा और संवर्धन के लिए काम करती है। राष्ट्रीय सदस्य के रूप में इनका चुना जाना इनके प्रभावशाली कार्य को प्रमाणित करता है, जो कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए समर्पित है।

श्रीमती अनिता चौधरी सामाजिक में सक्रिय हैं, जिनमें महिलाओं के अधिकार, बच्चों की भलाई और हाशिए पर पड़े समुदायों के समर्थन जैसी समस्याएं शामिल हैं। कई सगठन समूह में सक्रियता से समाज सेविका के रूप में जुड़ी हुई हैं।समय समय पर क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही महिलाओं , सफाई कर्मियों, किसानों व अन्य क्षेत्र में उन्नत कार्य कर रहे लोगो को इनकी समूह(माता सावित्री बाई फुले समूह) सस्थान (श्रमवीर सेवा सस्थान) द्वारा सम्मानित कर चुकी हैं। इन विभिन्न गतिविधियों के कारण राष्ट्रीय पुरुस्कार अनिता चौधरी को मिला है

एक पेड़ मां के नाम थीम पर सृजन के स्काउट व गाइड ने किया विद्यालय में वृक्षारोपण

आरंग, 13 जुलाई (देशबन्धु)। सृजन सोनकर विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग के विद्यार्थियों ने एक पेड़ माँ के नाम की थीम को लेकर वृक्षारोपण का आयोजन किया।जो कि जिला अध्यक्ष श्री जी स्वामी, जिला मुख्य आयुक्त डॉ सुरेश शुक्ला के मंशानुसार एवम् जिला आयुक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार खंडेलवाल तथा सहायक जिला आयुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरंग एन पी कुर्रे के निर्देशन व विकासखंड सचिव रोहित वर्मा के नेतृत्व में नीम, आँवला व जामुन के वृक्षों का रोपण कर उनको बड़ा होने तक संरक्षण की जिम्मेदारी ली गई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री छत्रधारी सोनकर ने कहा कि दिन प्रतिदिन धरती का तापमान बढ़ रहा है जो लोगों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है इससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा हमारे सिर पर मंडरा रहा है ऐसी परिस्थितियों में सिर्फ और सिर्फ हम इनका समाधान केवल वृक्षारोपण के कारगार उपाय से ही कर सकते हैं।जितनी अधिक मात्रा में वृक्षारोपण होगा उतना ही वातावरण में संतुलन बना रहेगा। इसलिए सभी को वृक्षारोपण आवश्यक रूप से करना चाहिए।विद्यालय की प्राचार्य ने कहा कि वृक्षों को लगाने से वातावरण साफ ,हवाएं स्वच्छ रहती है सिर्फ लगाना ही काफी नहीं है उन वृक्षों का संरक्षण आवश्यक है जिनका रोपण किया गया हो। सिर्फ हम जो लगाएं हैं उनका ही नहीं बल्कि दूसरे भी लगाएं हैं उनका भी रखरखाव करना हम सब की जिम्मेदारी है।इसलिए सभी वृक्षारोपण के साथ साथ उनका रखरखाव करें तो जल्द की हमारी पृथ्वी हराभरा हो जाएगा और हम बढ़ते हुए तापमान से निपटने में सफल हो पाएँगे।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के संरक्षक लखन लाल सोनकर, अध्यक्ष छत्रधारी सोनकर, उपाध्यक्ष सियाराम सोनकर, कोषाध्यक्ष देवेंद्र सोनकर, सचिव सूरज सोनकर, सहसचिव सतीश सोनकर विद्यालय की प्राचार्य यशोदा योगी, प्रधान पाठिका भारती वर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी चेतन सिंह चौहान स्काउट प्रभारी लक्ष्मीनारायण पटेल गाइड प्रभारी हेमलता बेलगहे सहित समस्त शिक्षक गण सभी स्काउट गाइड व विद्यार्थियों की उपस्थित रही।

चेम्बर ने मांगा भाटापारा में ट्रेनों का ठहराव

भाटापारा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर बिलासपुर रेल मार्ग पर स्थित भाटापारा रेलवे स्टेशन में विभिन्न ट्रेनों के स्टॉपेज और बिलासपुर इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस को दुर्ग तक बढ़ाने की मांग बाबत एक पत्र रेल मंत्री को छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष गिरधर गोविंदानी ने भेज कर व्यापार हित,रेल यात्री हित,छात्र हित,मेडिकल हित में रेल यात्री सुविधा बढ़ाने की मांग की है।

रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव को भेजे गए पत्र में चेंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष गिरधर गोविंदानी ने बताया कि बलोदा बाजार भाटापारा को छत्तीसगढ़ का संयुक्त राजस्व जिला बने काफी लंबा समय हो चुका है,और अब तक भाटापारा रेलवे स्टेशन को जो रेल यात्री सुविधाएं मिलनी थी उसके लिए अभी भी संघर्ष करने विवश होना पड़ रहा है,जबकि भाटापारा रेलवे स्टेशन पूरे बलोदा बाजार भाटापारा संयुक्त जिले का एक मात्र सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है,जो की अपने जिले की विधानसभा क्षेत्रों का ही नही बल्कि बेमेतरा,मुंगेली जिले के क्षेत्रों का भी नजदीकी एवम प्रतिनिधित्व वाला रेलवे स्टेशन है।भाटापारा के समीप ही राष्ट्रीय एवम अंतराष्ट्रीय स्तर के आधा दर्जन से ज्यादा विशाल सीमेंट के कारखाने है, जिनके अधिकारियों कर्मचारियों का जीवंत संपर्क भाटापारा रेलवे स्टेशन से बना हुआ है। यहां चावल, दाल और पोहा उद्योग के लगभग 4 सौ से ज्यादा मिले स्थापित है तथा यहां का चावल, दाल पोहा देश के अनेकों प्रांतों के साथ साथ विदेशों में भी एक्सपोर्ट होता है, लेकिन उन प्रांतों के अनेक शहरों की कनेक्टिविटी सीधे भाटापारा रेलवे स्टेशन से ना होने के कारण काफी परेशानी भरी यात्रा करने मजबूर होना पड़ता है।

प्रदेश उपाध्यक्ष गिरधर गोविंदानी ने रेल मंत्री को लिखी चिट्ठी

श्री गोविंदानी ने बताया कि भाटापारा स्टेशन पर वर्तमान में 24 जोड़ी ट्रेनों का स्टॉपेज नही है,उन्होंने रेल मंत्री से व्यापार हित,यात्री हित, स्वास्थ हित में सप्ताह में 1 ही दिन चलने वाली 12851-12852,बिलासपुर चेन्नई एक्सप्रेस, 17007-17008 सिकंदराबाद दरभंगा एक्सप्रेस और 20917-20918 इंदौर पुरी हमसफर एक्सप्रेस का रायपुर रेल डिविजन के भाटापारा में शीघ्र स्टॉपेज देने की मांग की है।वही श्री गोविंदनी ने इंदौर से बिलासपुर तक चलने वाली 18233-18234 नर्मदा एक्सप्रेस को जनता की पुरानी मांग को देखते हुए दुर्ग तक बढ़ाने की मांग की है ताकि उज्जैन,इंदौर जाने वाले यात्रियों ,व्यापारियों को सुविधाजनक रेल यात्रा का लाभ मिल सके। श्री गोविंदानी ने नव निर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल से भी भाटापारा स्टेशन में ट्रेन स्टॉपेज को प्राथमिकता के साथ पूरा कराने का निवेदन किया है और कहा कि पिछले पांच साल से भाटापारा स्टेशन में 1भी ट्रेन का स्टॉपेज नहीं हुआ है और क्षेत्र की जनता को भी सीधी ट्रेन सुविधा बहुत ही आवश्यक हो गई है।

जेल में कराया जा रहा योगाभ्यास

बलौदाबाजार, 13 जुलाई (देशबन्धु)। संचालनालय आयुष के आदेश क्रमांक/52/2/योजना/2024/1157 रायपुर 18 मार्च 2024 के आदेशानुसार प्रदेश के जेलों में बंदियो के स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए योग शिविरों का आयोजन करने हेतु आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जाने हेतु प्रदेश के समस्त जेलो में आयुर्वेद चिकित्सा निदान शिविर आयोजित कर एवं योगाभ्यास कराकर स्वस्थ रखने में सहयोग होगा इसी आदेशानुसार जिला जेल बलौदाबाजार में सुबह 06.30 बजे से योगाभ्यास कराया जा रहा है। आज 45 बंदियो ने योगाभ्यास में भाग लिया। योग के माध्यम से बताया गया कि अनुलोम विलोम से पुराना सर्दी खांसी, चर्मरोग, ब्लड प्रेसर, शुगर रोग में ठीक होता है। इसी प्रकार कपालभाति से समस्त उदररोग इसी प्रकार से सभी बिमारियों में लाभ मिलता है। योग का कार्यक्रम चिकित्सक डॉ. एल. एस. ध्रुव, योग शिक्षक हेमंत टिकरिहा द्वारा कराया जा रहा है।